https://t.me/MAGAZINESKING

प्रतियोगिता दर्पण

हिन्दी मासिक

अप्रैल 2020 मूल्य ₹ 80.00

शिक्षित युवा वर्ग के स्वर्णिम भविष्य के लिये

For e-magazine: http://emagazine.pdgroup.in

CSE में सफलता के महत्वपूर्ण टिप्स

निशान्त जैन I.A.S.

- 2019-20 में राष्ट्रीय आय : सीएसओ के दूसरे अग्रिम अनुमान
- 2019-20 में कृषिगत उत्पादन : दूसरे अग्रिम अनुमान
- केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के निष्पादन पर मंत्रालय की रिपोर्ट
- 22वें विधि आयोग के गठन को मंत्रिमंडल की मंजूरी
- दिल्ली में पुनः 'आप' सरकार
- मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के पाँच वर्ष पूर्ण
- स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)–दूसरा चरण
- डोनाल्ड ट्रम्प के विरुद्ध महाभियोग सीनेट में खारिज
- बौद्धिक सम्पदा सूचकांक : भारत का 40वाँ स्थान
- टेस्ट क्रिकेट में 46वीं व टी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 13वीं हैट्रिक
- फिल्म फेयर, ऑस्कर, बाफ्टा व बर्लिन फिल्मोत्सव के पुरस्कार (2020)
- बिहार, राजस्थान, हरियाणा व उत्तर प्रदेश के बजट (2020-21)

हल प्रश्न-पत्र

- म.प्र. पीएससी राज्य सेवा (प्रा.), 19
- बिहार बी.एड. (चार वर्षीय) एकीकृत पाठ्यक्रम संयुक्त प्रवेश, 19
- यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ., 19
- ईएसआईसी सामाजिक सुरक्षा अधिकारी, 19
- सिडबी सहायक प्रबन्धक, 16
- उत्तर प्रदेश प्रवक्ता, 16

मॉडल हल

- संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग (प्रा.) परीक्षा
- बिहार सहायक अभियोजन पदाधिकारी प्रा. परीक्षा

MAGAZINE KING

https://t.me/MAGAZINESKING

समय और स्वास्थ्य : दो बहुमूल्य सम्पत्तियाँ

—साध्वी वैभवश्री 'विराट'

Time is more valuable than money. You can get more money, but you cannot get more Time.

–Jim Rohn

आदमी के जीवन में यूँ तो अनेक पड़ाव आते ही रहते हैं और गुज़रते रहते हैं. बचपन से बुढ़ापे तक के सफर में न जाने कितने लोग मिलते हैं और बिछुड़ जाते हैं. किन्तु उसका सच्चा साथी जो सदा साथ रहता है वह है उसका शरीर. शरीर का स्वास्थ्य अगर उत्तम हो तो ही एक इंसान जीवन को उसके सही तरीके से जी सकता है.

हमारी यह दैहिक यात्रा तभी आनंदमय रह सकती है, जबकि हम स्वस्थ होवें. कहा भी गया है कि "स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन का निवास रहता है." (A sound mind lives in sound body.) स्वास्थ्य को उपेक्षित कर दें, तो बाकी प्राप्त सारी सम्पत्तियों को धूलि धूसरित होने में भला क्या समय लगेगा. आदमी को अपनी कड़ी मेहनत व अत्यधिक तनावों से प्राप्त धन-दौलत अपने बीमार तन को ठीक करने में लगाना पड़ सकता है. इसीलिए हरएक को अपने स्वास्थ्य को मूल्य देना बेहद जरूरी है. जीवन हो या उद्यम इनके प्रबन्ध में मुख्य रूप से चार कारकों की भूमिका होती है. Man, Money, Material and Time अर्थात् श्रम, पूँजी, कच्चा माल तथा समय. (इन सबमें भी समय तत्व सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि समय का कोई विकल्प नहीं है. गँवाया गया समय वापस लौटकर नहीं आता. समय की कीमत भी समझनी चाहिए. जो समय का आदर करता है, समय उसको आदरणीय बना देता है. समय को आदर देने का तात्पर्य है अपने समय बिताने के तरीकों के प्रति जागरूक रहना. हमें सतत् यह होश रखना है कि हम समय को व्यर्थ जाया न करें. 'इस समय को मैं कैसे जी रहा हूँ' अगर इस बात का होश रखा गया, तो हर क्षण आप अपने जीवन को सुन्दर आकार दे सकोगे. वर्तमान को सुन्दर भावों से जीने वाला, विवेकपूर्ण तरीकों से जीने वाला इंसान अपना सुन्दर भविष्य निर्मित कर ही लेता है. इसीलिए समय और स्वास्थ्य इन दोनों अमूल्य सम्पत्तियों की सुरक्षा हो, यह बेहद जरूरी है.

अक्सर देखा जाता है कि लोग पैसा खर्च करते वक्त तो बहुत बार सोच लेते हैं किन्तु समय खर्च करते वक्त ज़रा भी नहीं सोचते, जबकि समय हर प्रकार के धन से अधिक कीमती है. समय को लेकर सावधानी रखने की बात हर ज्ञानी पुरुष ने अपने वक्तव्य में कही है. किन्तु समण भगवान महावीर की उद्घोषणा यह बार-बार रही कि–

समयं गोयम! मा पमायए।

अर्थात् हे गोतम ! समय मात्र का भी प्रमाद मत कर.

एक समय मात्र भी आलस्य में या आवेश में मत खोना. एक समय मात्र भी दृष्टि पथ से नज़र मत चूकना. सतत् वर्तमान में रहना. सावधानी से जीना. एक क्षण की चूक भी वर्षों की मेहनत को समाप्त कर सकती है. प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागीजन दिन-रात मेहनत करते हैं और परिणाम (Result) आने पर अक्सर ऐसा कहते हुए मिलते हैं कि एक क्षण पीछे रह गया. वह आगे निकल गया और मैं स्वर्ण पदक नहीं पा सका.

एक बार एक शिष्य ने शिक्षक से पूछा– समय पर कार्य करने का इतना महत्व क्यों बताया गया है ? शिक्षक ने कहा–जीवन में सारा महत्व समय पर कार्य करने का ही है. दीपक के बुझ जाने पर उसमें तेल डालना, चोर के चोरी करके चले जाने पर सम्पदा की सुरक्षा के उपायों की बातें करना, बाढ़ आ जाने पर पुल बनाने की तैयारी करना, वृद्ध हो जाने पर साधना व तप करने की इच्छा रखना व्यर्थ ही सिद्ध होता है. समय रहते ही प्रत्येक कार्य किया जा सकता है. अतः समय का महत्व जानो. कहा भी है कि–

"का वर्षा जब कृषि सूखाने"।

जब खेत सूख गए फिर बारिश हो तो क्या ? जैसे प्यास लगने पर पानी का मूल्य है, भूख लगने पर भोजन, वैसे ही सही समय पर सही कार्य का. समय बीत जाने के बाद कोई भी बात अपना महत्व खो देती है.

स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन के दिनों की घटना है. महात्मा गांधीजी को किसी स्वराज्य आंदोलन की परिषद् की अध्यक्षता करनी थी, पर बैठक (Meeting) निर्धारित समय से 45 मिनट देर से प्रारम्भ हुई, क्योंकि बैठक में भाग लेने वाले नेता 45 मिनट तक नहीं पहुँचे. बैठक प्रारम्भ करते हुए गांधीजी बोले–यदि हमारे नेतागणों की समय पाबंदी की यही स्थिति रही, तो हमें आजादी भी 45 मिनट जितनी देरी से ही मिलेगी. गांधीजी के कथन में दर्द था. वे देख पा रहे थे कि अपने कर्तव्यों को लेकर लोक प्रतिनिधिजन भी सजग, निष्ठावान व तत्परता की कमी रखते हैं, तो उनका प्रभाव आम जनता पर कैसा होगा ? खैर, आज तो निश्चित किए गए समय से देरी से पहुँचना बड़प्पन की निशानी ही समझी जाती है. लोग उसे भी नेताजी ही कहकर पुकारते हैं, जो किसी भी कार्यक्रम में देरी से आता है. देरी से काम करने की आदत हम भारतीयों में इतनी अधिक हो चुकी है कि यह आम जनसम्मत हो चुकी है. लोग पहले ही कह देते हैं कि यह IST है यानी Indian Standard Time है कि यहाँ 9 : 30 से कोई सभा शुरू करनी है, तो आप आमन्त्रण सूचना (SMS) पर 9 बजे का टाइम लिखो और 9 : 30 लिखा, तो मान कर चलो कि 10 बजे तक तो लोग आना शुरू होंगे. विद्यार्थी जीवन में तो कुछ अनुशासन के कड़े नियमों की पालना विद्यार्थी-जन फिर भी कर लिया करते हैं, किन्तु वे ही विद्यार्थी बड़े हो जाने पर शायद बड़प्पन के गर्व में खुद को ऐसा बना लेते हैं कि किसी भी कार्य में अनुशासन व समयज्ञता नहीं बरतते. खैर, इसका दुष्परिणाम भी उन्हें भोगना ही पड़ता है. जब हम किसी कार्य के लिए बहुत श्रम करते हैं और उसका सुखद परिणाम आते-आते अंतिम घड़ी में लम्बिया जाता है और हम ऐच्छिक रिजल्ट से कोसों दूर पहुँच जाते हैं, तब हमें लगता है कि समय पर रिजल्ट क्यों नहीं आया. क्योंकि हमने भी समय का अनादर किया तो समय ने भी. कहने का अर्थ यही है कि समय का आदर, समय का विवेक, सही समय पर सही कार्य को करना जिसे आ गया, वह जीवन में सफलता की कुंजी पा गया. व्यवस्थित जीवन शैली का लक्षण है–समय का उचित सदुपयोग व स्वास्थ्य का सम्मान.

समय और स्वास्थ्य इन दोनों का सदुपयोग कर देगा जीवन को सफलता से सराबोर. जिस भी दिशा में होगा पग नियोजन इन दोनों का पाओगे उसी ? पर लहराता परचम. यश का आपको करना है चुनाव अपनी शैली को दोष न देना, फिर किसी को, राह पर चलना सदा आपको निज मित्रता करनी है, तो जानिए संगी-साथी इससे बढ़कर और किसी को न मानिए. समय सत्संग में, सहयोग में व सच्चे ज्ञान में बिताइए. प्राप्त स्वास्थ्य से उचित भोग व योग अपनाइए कर खर्च परहित धन को, मान मन में न लाइए आप अपने आपकी नज़रों में उठ जाइए.

जीवन सफलता का सार मन्त्र
आपका आपको सच्चा साथ
निज पर विश्वास, काबू रहे हर जज्बात।
जय हो। जय हो। जय हो।

●●●

https://t.me/MAGAZINESKING

राष्ट्रीय घटनाक्रम

- दिल्ली विधान सभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को भारी सफलता : पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल तीसरी बार मुख्यमंत्री बने
- भारत में मोर की संख्या में वृद्धि, जबकि गौरैया की संख्या लगभग स्थिर : पक्षियों की स्थिति पर पर्यावरण मंत्रालय की रिपोर्ट
- जम्मू-कश्मीर विधान सभा हेतु परिसीमन आयोग के गठन की प्रक्रिया प्रारम्भ
- 22वें विधि आयोग के गठन को केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की मंजूरी
- राज्य सभा की 55 सीटों के लिए उपचुनाव मार्च में
- जियोसैट-1 का प्रक्षेपण 5 मार्च को

दिल्ली विधान सभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को भारी सफलता : पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल तीसरी बार मुख्यमंत्री बने

दिल्ली विधान सभा के लिए 8 फरवरी, 2020 को सम्पन्न चुनाव में एक बार पुनः आम आदमी पार्टी (AAP) की आँधी चली. 70 सदस्यीय विधान सभा में 62 सीटें जीत कर प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता पर कब्जा इसने बरकरार रखा है तथा इसके नेता अरविंद केजरीवाल तीसरी बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बने हैं.

तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करते हुए श्री अरविंद केजरीवाल.

कुल मिलाकर 62·59 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग 8 फरवरी को सम्पन्न चुनाव में किया तथा सभी सीटों के लिए मतगणना 11 फरवरी को हुई. विधान सभा की कुल 70 सीटों में से 62 सीटें जहाँ आम आदमी पार्टी को इस चुनाव में प्राप्त हुई, भाजपा के खाते में 8 सीटें इस बार आई हैं. पिछली बार (2015) के चुनाव में आम आदमी पार्टी को 67 व भाजपा को 3 सीटें प्राप्त हुई थीं. इस प्रकार ताजा चुनाव में आप को जहाँ 5 सीटों का नुकसान हुआ. भाजपा की सीटों की संख्या में वहीं 5 की वृद्धि हुई है. कांग्रेस सहित किसी भी अन्य दल को एक भी सीट इस चुनाव में प्राप्त नहीं हुई है. बहुजन समाज पार्टी ने पिछली बार की तरह इस बार भी सभी 70 सीटों पर उम्मीदवार खड़े किए थे, किन्तु इस बार भी एक भी सीट पर सफलता उसे नहीं मिली. कांग्रेस ने 4 सीटें राष्ट्रीय जनता दल के लिए छोड़ते हुए 66 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए थे. इनमें से 63 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हुई.

चुनाव के इन परिणामों के चलते आप ने ही सरकार वहाँ बनाई है. पार्टी के नेता, निवर्तमान मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल को 16 फरवरी को रामलीला मैदान में आयोजित सार्वजनिक समारोह में मुख्यमंत्री पद की शपथ उपराज्यपाल श्री अनिल बैजल ने उन्हें गहण कराई. 6 अन्य मंत्रियों ने भी

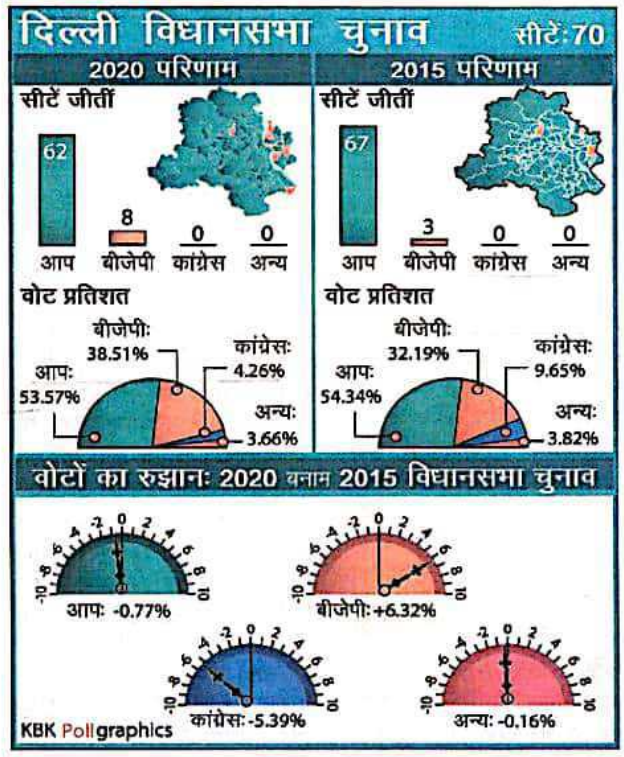

https://t.me/MAGAZINESKING

शपथ उनके साथ ही इस समारोह में ग्रहण की. 6 मंत्री पिछले कार्यकाल में भी उनकी कैबिनेट में थे. इनमें सर्वश्री मनीष सिसौदिया (उपमुख्यमंत्री), सत्येन्द्र जैन, गोपाल राय, कैलाश गहलोत, इमरान हुसैन व राजेन्द्र पाल गौतम शामिल हैं. इस प्रकार अपनी कैबिनेट में कोई परिवर्तन श्री केजरीवाल ने नहीं किया है. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को भी इस शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने का निमन्त्रण श्री केजरीवाल ने दिया था, किन्तु वाराणसी में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम होने के कारण वह इस समारोह में उपस्थित नहीं हो सके. किसी भी विपक्षी दल को शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित नहीं किया गया था. 51 वर्षीय श्री केजरीवाल तीसरी बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बने हैं. सर्वप्रथम दिसम्बर 2013 से फरवरी 2014 के दौरान 49 दिन तक मुख्यमंत्री रहने के पश्चात् 2015 के चुनाव के पश्चात् 14 फरवरी, 2015 को दूसरी बार मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार उन्होंने सँभाला था.

भारत में मोर की संख्या में वृद्धि, जबकि गौरैया की संख्या लगभग स्थिर : पक्षियों की स्थिति पर पर्यावरण मंत्रालय की रिपोर्ट

भारत में पक्षियों की स्थिति (State of India's Birds) पर एक रिपोर्ट गुजरात में गांधीनगर में 17–22 फरवरी, 2020 को सम्पन्न प्रवासी प्रजातियों पर संयुक्त राष्ट्र के 13वें अभिसमय (United Nations 13th Conference of the Parties to the Convention of Migratory Species—CoP13) में जारी की गई. देश में पक्षियों की स्थिति के सम्बन्ध में अपने किस्म की इस पहली रिपोर्ट में पक्षियों की कुल 867 प्रजातियों को शामिल किया गया है. इनके सम्बन्ध में विश्लेषण पक्षी प्रेमियों द्वारा ऑनलाइन मंच ई-बर्ड पर अपलोड किए गए आँकड़ों व जानकारियों के आधार पर किया गया है. इनमें से 101 प्रजातियों के प्रति उच्च संरक्षण चिंता (High Conservation Concern) व्यक्त करते हुए इनके प्रति तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता रिपोर्ट में जहाँ बताई गई है, 309 प्रजातियों के संरक्षण के लिए मध्यम व 435 प्रजातियों के संरक्षण के लिए निम्न चिंता रिपोर्ट में व्यक्त की गई है–

- रिपोर्ट के अनुसार जिन प्रजातियों में पक्षियों की संख्या में सर्वाधिक गिरावट दर्ज की गई है, उनमें रैप्टर्स (चील, बाज, आदि) समुद तटीय प्रवासी पक्षी (Migratory shore birds) व पश्चिमी घाट के पक्षी शामिल हैं. कॉमन ग्रीन शंक, स्मॉल मिनिवेट ओरिएंटल स्काईलार्क, गोल्डन प्लोवर व कर्ल्यू सैंडपाइपर व रिचर्ड्स पिपिट आदि की संख्या में भी कमी आई है.

https://t.me/MAGAZINESKING

- जिन प्रजातियों की संख्या में सर्वाधिक वृद्धि विगत 25 वर्षों में हुई है, उनमें मोर (Peafowl) के अतिरिक्त जंगली कबूतर (Feral pigeon), चमकदार आइबिस (Glossy ibis) ऐशी प्रिनिया, प्लेन प्रिनिया व नीलगिरि थ्रश आदि शामिल हैं.
- रिपोर्ट के अनुसार भारत के राष्ट्रीय पक्षी मोर की संख्या में वृद्धि विगत दशकों में हुई है.
- रिपोर्ट के अनुसार मुम्बई, चेन्नई, दिल्ली, कोलकाता व बैंगलूरू आदि बड़े शहरों में गौरैया (Sparrow) यद्यपि दुर्लभ हो गए हैं, तथापि देश में इनकी अवधि लगभग स्थिर बनी हुई है. इनके संरक्षण हेतु दिल्ली में इसे राजकीय पक्षी (State Bird of Delhi) घोषित किया गया है. इनकी संख्या में कमी का कारण कीटों, जो इनकी मुख्य खुराक है, की संख्या में कमी आना रिपोर्ट में बताया गया है. मोबाइल टावरों से होने वाले विकिरण से उन्हें होने वाले किसी नुकसान की पुष्टि न होने की बात रिपोर्ट में कही गई है.

जम्मू-कश्मीर विधान सभा हेतु परिसीमन आयोग के गठन की प्रक्रिया प्रारम्भ

केन्द्रशासित जम्मू-कश्मीर की विधान सभा हेतु चुनाव कराने से पूर्व वहाँ सीटों के परिसीमन के लिए कार्यवाही सरकार ने शुरू कर दी है तथा प्रस्तावित परिसीमन आयोग के गठन के लिए प्रतिनिधियों के लिए मनोनयन विधि आयोग द्वारा आमंत्रित किए गए हैं. चुनाव आयोग ने अपने प्रतिनिधि के रूप में चुनाव आयुक्त श्री सुशील चन्द्र को इसके लिए फरवरी 2020 में मनोनीत किया है. परिसीमन आयोग की अध्यक्षता सर्वोच्च न्यायालय के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा जारी की जाएगी तथा यह परिसीमन 2011 की जनगणना के आधार पर होगा.

जम्मू-कश्मीर को केन्द्रशासित क्षेत्र बना दिए जाने के पश्चात् इसकी विधान सभा सीटों के पुनर्निर्धारण हेतु परिसीमन आयोग (Delimitation Commission) का गठन चुनाव आयोग को नहीं, बल्कि केन्द्र सरकार द्वारा किया गया है. वहाँ पिछला परिसीमन 1995 में हुआ था तथा राज्य में ऐसी कोई कार्यवाही 2026 तक न कराने का निर्णय राज्य सरकार ने किया था, जिसकी पुष्टि सर्वोच्च न्यायालय ने भी नवम्बर 2010 में की थी. 31 अक्टूबर, 2019 से राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के लागू होने के पश्चात् 2026 तक परिसीमन न कराने का पुराना निर्णय अब स्वतः ही खारिज हो गया है तथा पुनर्गठन अधिनियम के तहत् केन्द्रशासित जम्मू-कश्मीर की विधान सभा की सीटें 107 से बढ़ाकर 114 करने के लिए मार्ग वहाँ प्रशस्त हो गया है. इसके लिए सीटों का परिसीमन वहाँ कराना होगा. इसी परिप्रेक्ष्य में परिसीमन आयोग का गठन वहाँ किया जा रहा है.

राज्य के रूप में जम्मू-कश्मीर विधान सभा में 111 सीटों का प्रावधान था, जिसमें से 24 सीटें पाकिस्तान के कब्जे वाले 'पाक अधिकृत कश्मीर' के लिए थीं. इस प्रकार वहाँ प्रभावी सीटों की संख्या 87 ही थी. लद्दाख के अलग केन्द्रशासित क्षेत्र बन जाने से इस संभाग की 4 सीटें कम होने से वहाँ सीटों की संख्या 83 ही रह गई है. जम्मू-कश्मीर राज्य पुनर्गठन अधिनियम के तहत् वहाँ सीटों की संख्या में 7 की वृद्धि की जानी है, जिससे विधान सभा की सीटों की कुल संख्या यद्यपि 114 तक पहुँचेगी, किन्तु 24 सीटें 'पाक अधिकृत कश्मीर' क्षेत्र में होने के कारण फिलहाल प्रभावी सीटों की संख्या 90 होगी.

- *केन्द्रशासित जम्मू-कश्मीर में विधान सभा का कार्यकाल 6 वर्ष की बजाय अब 5 वर्ष का ही होगा.*
- *जम्मू-कश्मीर से सांसदों की संख्या में कोई बदलाव राज्य पुनर्गठन अधिनियम के तहत् नहीं किया गया है. वहाँ जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख से लोक सभा हेतु निर्वाचित किए जाने वाले सांसदों की संख्या पूर्ववत् क्रमशः पाँच व एक (कुल मिलाकर छह) ही रहेगी.*

22वें विधि आयोग के गठन को केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की मंजूरी

सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश बलबीर सिंह चौहान की अध्यक्षता वाले 21वें विधि आयोग (Law Commission) का कार्यकाल 31 अगस्त, 2018 को समाप्त हो गया था, जिसके पश्चात् 22वें विधि आयोग का गठन अभी तक नहीं हुआ है. देश के 22वें विधि आयोग के गठन हेतु केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने मंजूरी 19 फरवरी, 2020 को प्रदान कर दी है. इसका कार्यकाल गठन की अधिसूचना के गजट में प्रकाशन के तीन वर्ष तक होगा. इसमें निम्नलिखित शामिल होंगे–

(i) एक पूर्णकालिक अध्यक्ष

(ii) सदस्य सचिव सहित चार पूर्णकालिक सदस्य

(iii) कानूनी मामलों के विभाग के सचिव (पदेन सदस्य)

(iv) सचिव, विधायी विभाग के सचिव (पदेन सदस्य)

(v) अधिकतम पाँच अंशकालिक सदस्य

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमण्डल की 19 फरवरी की बैठक में लिए गए निर्णय के तहत् यह आयोग निम्नलिखित कार्य करेगा–

(i) यह ऐसे कानूनों की पहचान करेगा, जिनकी अब तक कोई आवश्यकता नहीं है, जो अब अप्रासंगिक है और जिन्हें तुरन्त निरस्त किया जा सकता है.

(ii) डायरेक्टिव प्रिंसीपल्स ऑफ स्टेट पॉलिसी के आलोक में मौजूदा कानूनों की जाँच करना तथा सुधार के तरीकों के सुझाव देना और नीति निर्देशक तत्वों को लागू करने के लिए आवश्यक कानूनों के बारे में सुझाव देना तथा संविधान की प्रस्तावना में निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करना.

(iii) कानून और न्यायिक प्रशासन से सम्बन्धित किसी भी विषय पर विचार करना और सरकार को अपने विचारों से अवगत कराना, जो इसे विधि और न्याय मंत्रालय (कानूनी मामलों के विभाग) के माध्यम से सरकार द्वारा सन्दर्भित किया गया हो.

(iv) विधि और न्याय मंत्रालय (कानूनी मामलों के विभाग) के माध्यम से सरकार द्वारा अग्रेषित किसी बाहरी देश को अनुसधान उपलब्ध कराने के अनुरोध पर विचारकरना.

(v) गरीब लोगों की सेवा में कानून और कानूनी प्रक्रिया का उपयोग करने के लिए आवश्यक उपाय करना.

(vi) सामान्य महत्व के केन्द्रीय अधिनियमों को संशोधित करना ताकि उन्हें सरल बनाया जा सके और विसंगतियों, संदिग्धताओं और असमानताओं को दूर किया जा सके.

अपनी सिफारिशों को अंतिम रूप देने से पहले आयोग नोडल मंत्रालय/विभागों तथा ऐसे अन्य हितधारकों के साथ परामर्श करेगा, जिन्हें आयोग इस उद्देश्य के लिए आवश्यक समझे.

उपर्युक्त के अतिरिक्त यह आयोग केन्द्र सरकार द्वारा इसे सौंपे गए या स्वतः संज्ञान पर कानून में अनुसंधान करने व उसमें सुधार करने, प्रक्रियाओं में देरी को समाप्त करने, मामलों को तेजी से निपटाने, अभियोग की लागत कम करने के लिए न्याय आपूर्ति प्रणालियों में सुधार लाने के लिए अध्ययन और अनुसंधान भी करेगा.

- **भारतीय विधि आयोग, एक गैर-सांविधिक निकाय है. ऐसे पहले विधि आयोग का 1955 में गठन किया गया था और सामान्यतः 3-3 वर्ष के लिए इसका गठन किया जाता है. 21वें भारतीय विधि आयोग का कार्यकाल 31 अगस्त, 2018 तक था. अब तक गठित 21 विधि आयोगों ने कुल मिलाकर 277 रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत की हैं.**

राज्य सभा की 55 सीटों के लिए उपचुनाव मार्च में

17 राज्यों से राज्य सभा के 55 विभिन्न सदस्यों का कार्यकाल अप्रैल 2020 में पूर्ण होना है. इन सीटों के लिए चुनाव 26 मार्च

शेष पृष्ठ 62 पर

https://t.me/MAGAZINESKING

अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

- श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे की भारत यात्रा
- मालदीव की राष्ट्रमंडल में वापसी
- मलेशिया के प्रधानमंत्री महातिर मोहम्मद का त्यागपत्र
- ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के भ्रष्टाचार सूचकांक में भारत को 80वाँ स्थान
- वन्य जीवों की प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण हेतु कन्वेंशन का 13वाँ सम्मेलन (कॉप-13) भारत में गांधी नगर में सम्पन्न
- डोनाल्ड ट्रम्प महाभियोग के सभी आरोपों से बरी
- पाकिस्तान सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को भगोड़ा घोषित किया
- अशरफ गनी अफगानिस्तान के राष्ट्रपति पुनर्निर्वाचित
- म्यांमार के राष्ट्रपति विन मिंट की भारत यात्रा
- पुर्तगाल के राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डि सौसा की भारत यात्रा
- अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की भारत यात्रा

श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे की भारत यात्रा

श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे (Mahinda Rajpaksa) ने 7-11 फरवरी, 2020 को भारत की यात्रा की. पाँच दिन की उनकी इस यात्रा के दौरान नई दिल्ली में उनके राजकीय कार्यक्रम 8 फरवरी के लिए निर्धारित थे, जबकि 9 फरवरी को वाराणसी में काशी विश्वनाथ मन्दिर तथा सारनाथ बौद्ध मन्दिर तथा अन्य बौद्ध केन्द्रों के अवलोकन, 10 फरवरी को बोध गया में महाबोधि मन्दिर व बोध गया सेंटर के अवलोकन तथा 11 फरवरी को तिरुपति में तिरुनाला तिरुपति मन्दिर के अवलोकन के उनके निजी कार्यक्रम थे. उनके पश्चात् 11 फरवरी को उनकी स्वदेश वापसी हुई.

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ श्रीलंकाई प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे.

पाँच दिन की उनकी भारत की यह यात्रा नवम्बर 2019 में प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार सँभालने के पश्चात् उनकी पहली ही विदेश यात्रा थी. पूर्व वर्षों में (2005-2015 के दौरान) श्रीलंका के राष्ट्रपति रहे महिंदा राजपक्षे को उनके छोटे भाई गोटबाया राजपक्षे ने नवम्बर 2019 में राष्ट्रपति निर्वाचित होने के पश्चात् अपना प्रधानमंत्री नियुक्त किया था तथा प्रधानमंत्री के रूप में उनकी भारत की यह पहली ही यात्रा थी. (इससे पूर्व राष्ट्रपति रहते हुए कई बार भारत की यात्राएं उन्होंने की थी.) उनकी इस ताजा यात्रा से पूर्व उनके छोटे भाई राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने राष्ट्रपति के रूप में कार्य भार सँभालने के 10 दिन बाद ही भारत की यात्रा नवम्बर 2019 में की थी, जो राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार सँभालने के पश्चात् उनकी पहली ही विदेश यात्रा थी.

7 फरवरी को सायं नई दिल्ली पहुँचने पर इन्दिरा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मेहमान प्रधानमंत्री की अगवानी मानव संसाधन राज्य मंत्री श्री संजय धोत्रे ने की. बाद में राष्ट्रपति भवन में उनका औपचारिक स्वागत अगले दिन 8 फरवरी को हुआ, जिसके पश्चात् राजघाट पर महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के पश्चात् द्विपक्षीय एवं क्षेत्रीय मुद्दों पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी वार्ता हैदराबाद हाउस में सम्पन्न हुई. अप्रैल 2019 में 'ईस्टर डे' पर श्रीलंका में हुए आतंकी हमले के परिप्रेक्ष्य में आतंकवाद के विरुद्ध पारस्परिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा वार्ता में की गई. इस मामले में दोनों देशों की एजेंसियों के बीच सम्पर्क एवं सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने को प्रतिबद्धता दोनों पक्षों ने व्यक्त की. श्री लंका में संयुक्त आर्थिक परियोजनाओं (Joint Economic Projects) के विस्तार के साथ-साथ आर्थिक, व्यापारिक और निवेश सम्बन्धों को बढ़ाने पर भी विचार विमर्श वार्ता में किया गया. 'पीपुल टू पीपुल' सम्पर्क बढ़ाने, पर्यटन को प्रोत्साहन देने, कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने तथा मछुआरों के मुद्दे पर भी चर्चा वार्ता में हुई. पिछले वर्ष 2019 में श्रीलंका के लिए घोषित नई 'लाइन ऑफ क्रेडिट' से आपसी विकास सहयोग को और बल मिलेगा, ऐसा विश्वास श्री मोदी ने व्यक्त किया. श्रीलंका के उत्तरी व पूर्वी क्षेत्रों में आन्तरिक रूप से विस्थापित लोगों के लिए 48000 से ज्यादा घरों के निर्माण का इण्डिया हाउसिंग प्रोजेक्ट पूरा कर लिए जाने के पश्चात् आगे इस दिशा में चल रहे कार्यों के बारे में स्थिति का जायजा दोनों पक्षों ने वार्ता में लिखा.

वार्ता में श्री मोदी ने दोहराया कि भारत व श्रीलंका अनादि काल से पड़ोसी होने के साथ-साथ घनिष्ठ मित्र भी हैं तथा सुरक्षा तथा आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति, इन सभी क्षेत्रों में हमारा अतीत और हमारा भविष्य एक दूसरे से जुड़ा हुआ है. इसी परिप्रेक्ष्य मे अपनी 'पडोसी पहले' (Neighbourhood First) नीति तथा 'सागर' डॉक्ट्रिन के अनुरूप श्रीलंका के साथ सम्बन्धों को विशेष प्राथमिकता भारत प्रदान करता है.

प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ वार्ता के पश्चात् उसी शाम श्रीलंकाई प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद से राष्ट्रपति भवन में भेंट की. इससे पूर्व विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने भी 8 फरवरी को सुबह ही उनसे भेंट की थी.

8 फरवरी के इन राजकीय कार्यक्रमों के पश्चात् 9 फरवरी को वाराणसी, 10 को बोध गया तथा 11 फरवरी को तिरुपति होते हुए 11 फरवरी को ही वह स्वदेश रवाना हुए.

https://t.me/MAGAZINESKING

मालदीव की राष्ट्रमंडल में वापसी

अक्टूबर 2016 के पश्चात तीन वर्ष से भी अधिक समय तक राष्ट्रमंडल (Commonwealth) से बाहर रहने के पश्चात मालदीव की अब इस संगठन में वापसी 1 फरवरी, 2020 से हुई है. इससे राष्ट्रमंडल में सदस्यों की संख्या अब पुनः 54 हो गई है. तीन वर्ष पूर्व, अक्टूबर 2016 में अपने मानवाधिकार रिकॉर्ड व लोकतान्त्रिक सुधारों पर प्रगति के अभाव को लेकर निलंबन की चेतावनी मिलने पर मालदीव ने राष्ट्रमंडल की सदस्यता त्याग दी थी. बाद में लोकतंत्र समर्थक इब्राहिम मोहम्मद सोलेह (Ibrahim Mohamed Solih) ने राष्ट्रपति के रूप में अक्टूबर 2018 में निर्वाचन के पश्चात् मालदीव ने राष्ट्रमंडल में पुनः शामिल किए जाने का अनुरोध दिसम्बर 2018 में किया था. इस सम्बन्ध में राष्ट्रमंडल के विभिन्न अन्य सदस्यों के साथ विचार-विमर्श राष्ट्रमंडल की महासचिव पैट्रीशिया स्कॉटलैण्ड (Patricia Scotland) द्वारा किया गया था. भारत ने भी मालदीव की संगठन में वापसी के लिए जोरदार समर्थन किया था. सदस्य देशों की सहमति के चलते मालदीव की राष्ट्रमंडल में वापसी 1 फरवरी, 2020 से हुई है. संगठन में औपचारिक वापसी के पश्चात् मालदीव अब जून 2020 में रवांडा में किगाली (Kigali) में होने वाले राष्ट्राध्यक्षों के सम्मेलन (CHOGM–2020) में भाग ले सकेगा.

मलेशिया के प्रधानमंत्री महातिर मोहम्मद का त्यागपत्र

सत्तारूढ़ गठबंधन में आंतरिक उठा-पटक के चलते मलेशिया के प्रधानमंत्री महातिर मोहम्मद (Mahathir Mohamad) ने 24 फरवरी, 2020 को अपने इस पद से त्यागपत्र दे दिया. मलेशिया के संवैधानिक नरेश अल सुल्तान अब्दुल्ला रैयतुद्दीन ने उनके त्यागपत्र को स्वीकार करते हुए पहले उन्हें ही अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करते रहने को कहा था, किन्तु बाद में 29 फरवरी को पूर्व गृह मंत्री मुहिद्दीन यासीन को नया प्रधानमंत्री उन्होंने नियुक्त किया. यासीन ने 1 मार्च को शपथ ग्रहण की है.

94 वर्षीय महातिर मोहम्मद विश्व के सबसे उम्रदराज प्रधानमंत्री थे तथा उनके संभावित उत्तराधिकारी, जिन्हें बाद में सत्ता सौंपने की घोषणा उन्होंने मई 2018 में प्रधानमंत्री पद सँभालते हुए ही की थी, की राह में रोड़े अटकाने के लिए सत्तारूढ़ गठबंधन में उठा-पटक चल रही थी, जिसके बीच उन्होंने अपना त्यागपत्र राजा को सौंप दिया. महातिर मोहम्मद ने हाल ही में प्रधानमंत्री रहते हुए कश्मीर मामले में अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर खुलकर भारत का विरोध किया था.

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के भ्रष्टाचार सूचकांक में भारत को 80वाँ स्थान

भ्रष्टाचार बोध सूचकांक (Corruption Perception Index—CPI) के आधार पर विभिन्न राष्ट्रों में भ्रष्टाचार की स्थिति का आकलन करने वाली जर्मन संस्था ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल ने इस मामले में वर्ष 2019 के सूचकांक जनवरी 2020 में जारी किए. 180 देशों के लिए करप्शन परसेप्शन इण्डेक्स इस रिपोर्ट में जारी किए गए हैं. इसमें भारत को चार अन्य देशों के साथ संयुक्त रूप से 80वाँ स्थान दिया गया है. भारत के लिए 2019 के लिए भ्रष्टाचार बोध सूचकांक (करप्शन परसेप्शन इण्डेक्स) 41 आकलित किया गया है. इससे पूर्व 2018 के लिए जनवरी 2019 में जारी रिपोर्ट में भी भारत के लिए भ्रष्टाचार बोध सूचकांक 41 था तथा 180 देशों में 78वाँ स्थान भारत को दिया गया था. **इस प्रकार भारत के लिए सूचकांक में कोई परिवर्तन 2019 में नहीं हुआ है, इसकी वैश्विक रैंकिंग में 2 पायदान की गिरावट आई है.** उससे पूर्व ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की वर्ष 2017 की रिपोर्ट में 180 देशों में 81वाँ 2016 की रिपोर्ट में 176 देशों की सूची में 79वाँ व उससे पूर्व 2015 की रिपोर्ट में 76वाँ स्थान भारत को दिया गया था.

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की वर्ष 2019 की ताजा सूची में भारत की रैंकिंग में 2 पायदानों की गिरावट जहाँ आई है, वहीं चीन की रैंकिंग 87 से सुधर कर 80वीं हो गई है. इस प्रकार भ्रष्टाचार के मामले में भारत व चीन की रैंकिंग अब बराबर हो गई है.

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की जनवरी 2020 की रिपोर्ट में प्रमुख राष्ट्रों की स्थिति दिए गए बॉक्स में दर्शाई गई है.

0-100 मान वाले करप्शन परसेप्शन इण्डेक्स (CPI) में उच्चतम मूल्य 100 जहाँ पूर्णतः स्वस्थ (भ्रष्टाचार रहित) स्थिति को व्यक्त करता है, वहीं 0 पूर्णतः भ्रष्ट स्थिति का सूचक है. इसी आधार पर तैयार की जाती है, इसका तात्पर्य है कि सूचकांक का मान अधिक होना कम भ्रष्टाचार का सूचक है, जबकि सूचकांक कम होना ज्यादा भ्रष्टाचार का सूचक है. इसी के चलते ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्ट में **सर्वाधिक सूचकांक वाले (सबसे कम भ्रष्टाचार) देश का नाम सबसे ऊपर तथा सबसे कम सूचकांक वाले (सबसे अधिक भ्रष्टाचार वाले) देश का नाम सबसे नीचे होता है.**

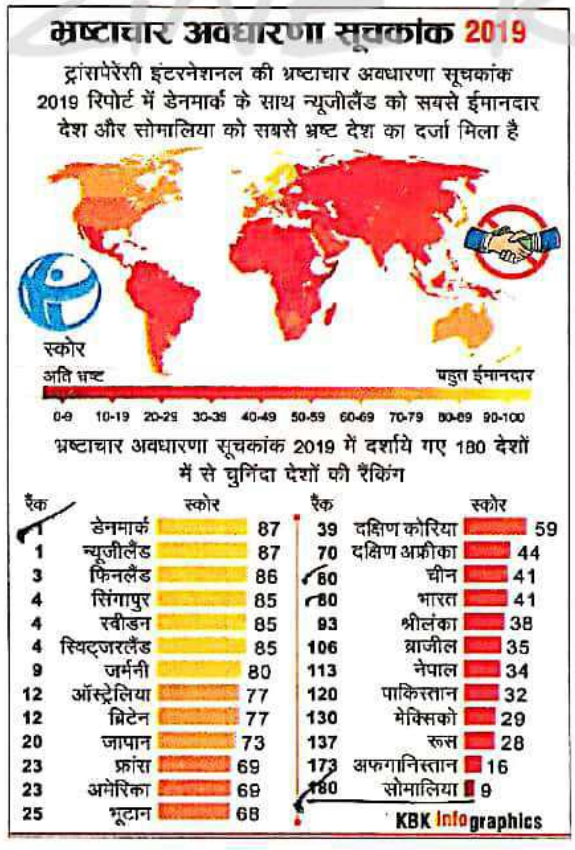

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की वर्ष 2019 की रिपोर्ट, जो जनवरी 2020 में जारी हुई, में सर्वोच्च पहला स्थान 87 सूचकांक के साथ संयुक्त रूप से न्यूजीलैण्ड व डेन्मार्क का है. वहाँ भ्रष्टाचार का स्तर सबसे कम माना गया है. पिछले वर्ष 2018 की रिपोर्ट में सबसे कम भ्रष्टाचार वाला देश डेन्मार्क ही था, जबकि न्यूजीलैण्ड का स्थान दूसरा था. रिपोर्ट में डेन्मार्क के बाद न्यूजीलैण्ड का स्थान है, फिनलैण्ड जो पिछले दो वर्ष से तीसरे स्थान पर था. इस वर्ष भी 86 सूचकांक के साथ इसी स्थान पर बरकरार है. 85 सूचकांक के साथ सिंगापुर, स्वीडन व स्विट्जरलैण्ड इस वर्ष संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं. पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी

https://t.me/MAGAZINEKING

इस सूची में सबसे नीचा (180वाँ) स्थान सोमालिया का है. इस प्रकार इसे सर्वाधिक भ्रष्ट देश रिपोर्ट में बताया गया है. सोमालिया पिछले चार वर्षों से इस सूची में सबसे निचले स्थान पर है. सोमालिया के लिए इस वर्ष (वर्ष 2019 के लिए) भ्रष्टाचार बोध सूचकांक 9 आकलित किया गया है. 12 सूचकांक के साथ दक्षिण सूडान व 13 सूचकांक के साथ सीरिया इस सूची में सोमालिया से एक-एक पायदान ऊपर हैं. **भारत के पड़ोसी देशों में 25वें स्थान के साथ भूटान भारत से बेहतर स्थिति में है, जबकि चीन भारत के साथ ही 80वें स्थान पर है. अन्य पड़ोसी देशों में श्रीलंका, नेपाल, पाकिस्तान व बांग्लादेश में स्थिति भारत से खराब है.** श्रीलंका का इस सूची में जहाँ 93वाँ स्थान है, नेपाल 113वें, पाकिस्तान 120वें, म्यांमार 130वें, बांग्लादेश 146वें व अफ़गानिस्तान 173वें स्थान पर है. इस प्रकार इन देशों में भ्रष्टाचार का स्तर भारत से भी अधिक आकलित किया गया है.

ब्रिक्स देशों में स्थिति

ब्रिक्स (BRICS) देशों में भारत की स्थिति ब्राजील व रूस से बेहतर है, ब्रिक्स देशों में भारत, चीन के साथ संयुक्त रूप से 80वें स्थान पर है, दक्षिण अफ्रीका के लिए

सबसे कम भ्रष्टाचार वाले देश					
2019 में रैंक	देश	हाल ही के वर्षों में भ्रष्टाचार बोध सूचकांक व रैंक			
		2019	2018	2017	2016
1	डेन्मार्क	87 (1)	88 (1)	88 (2)	90 (1)
1	न्यूजीलैण्ड	87 (1)	87 (2)	89 (1)	90 (1)
3	फिनलैण्ड	86 (3)	85 (3)	85 (3)	89 (3)
4	सिंगापुर	85 (4)	85 (3)	84 (6)	84 (4)
4	स्वीडन	85 (4)	85 (3)	84 (6)	88 (4)
4	स्विट्जरलैण्ड	85 (4)	85 (3)	85 (3)	86 (5)
7	नॉर्वे	84 (7)	84 (7)	85 (3)	85 (6)
8	नीदरलैण्ड्स	82 (8)	82 (8)	88 (8)	83 (8)
9	लक्जेमबर्ग	80 (9)	81 (9)	88 (8)	81 (10)
9	जर्मनी	80 (9)	80 (11)	81 (12)	81 (10)
11	आइसलैण्ड	78 (11)	76 (14)	77 (13)	78 (14)
सबसे अधिक भ्रष्टाचार वाले देश					
177	यमन	15 (177)	14 (176)	16	14
178	सीरिया	13 (178)	13 (178)	14 (178)	13 (173)
179	द. सूडान	12 (179)	13 (178)	12 (179)	11 (175)
180	सोमालिया	9 (180)	10 (180)	9 (180)	10 (176)
भारत और पड़ोसी देशों की स्थिति					
25	भूटान	68 (25)	68 (26)	67 (26)	65 (27)
80	भारत	41 (80)	41 (78)	40 (81)	40 (79)
80	चीन	41 (80)	39 (87)	41 (77)	40 (79)
93	श्रीलंका	38 (93)	38 (89)	38 (91)	36 (95)
113	नेपाल	34 (113)	31 (124)	31 (122)	29 (131)
120	पाकिस्तान	32 (120)	33 (117)	32 (117)	32 (116)
130	म्यांमार	29 (130)	29 (132)	30 (130)	28 (136)
146	बांग्लादेश	26 (146)	26 (149)	28 (143)	26 (145)
173	अफगानिस्तान	16 (173)	16 (172)	15 (177)	15 (169)
ब्रिक्स देशों की स्थिति					
70	दक्षिण अफ्रीका	44 (70)	43 (73)	43 (71)	45
80	भारत	41 (80)	41 (78)	40 (81)	40 (79)
80	चीन	41 (80)	39 (87)	41 (77)	40 (79)
106	ब्राजील	35 (106)	35 (105)	37 (96)	40
137	रूस	28 (137)	28 (138)	29 (135)	29

MAGAZINE KING

https://t.me/MAGAZINESKING

यह सूचकांक 44 आकलित है तथा 70वाँ स्थान उसे प्रदान किया गया है. ब्रिक्स के अन्य राष्ट्रों में ब्राजील 106वें व रूस 137वें स्थान पर है.

वन्य जीवों की प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण हेतु कन्वेंशन का 13वाँ सम्मेलन (कॉप-13) भारत में गांधी नगर में सम्पन्न

वन्य जीवों की प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण के लिए कन्वेंशन (Convention on the Conservation of Migratory Species—CMS) की 13वीं कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (COP-13) का आयोजन भारत की मेजबानी में गुजरात में गांधी नगर में 17-22 फरवरी, 2020 को हुआ. संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के तहत् सम्पन्न पर्यावरणीय सन्धि के इस सम्मेलन का उद्घाटन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया.

कोप-13 सम्मेलन के दौरान अंतर-सत्रीय बैठकों की अध्यक्षता भारत को सौंपी जाएगी. अध्यक्ष के तौर पर भारत की जिम्मेदारी होगी कि वह कोप के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए बैठक में लिए गए फैसलों का अमल में लाने का मार्ग सुगम बनाए.

- *इस मेजबानी के साथ ही Convention on Conservation of Migratory Species की अध्यक्षता तीन वर्ष के लिए भारत के पास आ गई है. भारत 1983 से ही इस सन्धि पर हस्ताक्षरकर्ता रहा है तथा भारत सरकार प्रवासी समुद्री प्रजातियों के संरक्षण के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है.* ***डुगोंग (Dugong), ह्वेल शार्क तथा समुद्री कछुओं (Marine Turtles) की दो प्रजातियों सहित कुल सात प्रजातियों की पहचान संरक्षण योजना तैयार करने के लिए की गई है.***
- *130 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों व पर्यावरण संरक्षकों के अतिरिक्त वन्य जीव संरक्षण के लिए कार्य करने वाले अनेक अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों ने एक सप्ताह के इस सम्मेलन में भाग लिया.*
- *6 दिन तक चले इस सम्मेलन की थीम थी–प्रवासी प्रजातियाँ दुनिया को जोड़ती हैं और हम उनका अपने यहाँ स्वागत करते हैं. (Migratory Species Connect the Planet and we welcome them home), जबकि इसका प्रतीक चिह्न (Logo) दक्षिण भारत की पारम्परिक कला कोलम (Kolam) से प्रेरित था. इस कला के माध्यम से भारत आने वाली प्रमुख प्रवासी प्रजातियों जैसे–आमूर फाल्कन (Amur Falcon) हम्प बैक ह्वेल तथा समुद्री कछुओं (Marine Turtles) आदि को प्रमुखता से कॉप 13 के लोगो में दर्शाया गया था*
- *वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत् देश में सर्वाधिक संकटापन्न प्रजाति माने गए 'द ग्रेट इंडियन बस्टर्ड' (Gibi : The Great Indian Bustard) को इस सम्मेलन का शुभंकर (Mascot) बनाया गया था.*
- *देश विदेश के पर्यावरण एवं जैव-विशेषज्ञों ने प्रजातियों के संरक्षण पर अपने विचार सम्मेलन में व्यक्त किए. देश में पक्षियों की स्थिति पर एक रिपोर्ट–State of India's Birds Report, 2020 भी भारत के पर्यावरण मंत्रालय द्वारा सम्मेलन में जारी की गई.*

- *भारत के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार भारतीय उपमहाद्वीप को प्रवासी पक्षियों के सेंट्रल एशियन फ्लाइवे (CAF) नेटवर्क का अहम् हिस्सा माना जाता है. यह क्षेत्र आर्कटिक से लेकर हिन्द महासागर तक के क्षेत्र में फैला हुआ है तथा इस क्षेत्र में 182 प्रवासी जलीय प्रजातियों के लगभग 297 आवासीय क्षेत्र हैं. इन प्रजातियों में विश्व की 29 संकटापन्न प्रजातियाँ भी शामिल हैं. वन्य जीवों की यह प्रवासी प्रजातियाँ भोजन, सूर्य के प्रकाश, तापमान और जलवायु आदि जैसे विभिन्न कारणों से प्रत्येक वर्ष अलग-अलग समय में एक पर्यावास (Habitat) से दूसरे पर्यावास की ओर रुख करती हैं. कुछ प्रवासी पक्षियों और स्तनपायी जीवों (Mammals) के लिए यह प्रवास कई हजार किलोमीटर से भी जयादा का हो जाता है. ये जीव अपने प्रवास के दौरान घोंसले बनाने, प्रजनन, अनुकूल पर्यावरण तथा भोजन की उपलब्धता जैसी सुविधाओं को देखते हुए चलते हैं.*
- *भारत में कई किस्म के प्रवासी वन्य जीवों जैसे बर्फीले प्रदेश वाले चीते (Snow Leopard), आमुर फाल्कन (Amur Falcon), बार हेडेड गीज (Bar Headed Geese), काले गर्दन वाला सारस (Black Necked Cranes), समुद्री कछुआ (Marine Turtles), डुगोंग्स (Dugongs) और हम्प बैक ह्वेल आदि का प्राकृतिक आवास है और साइबेरियाई सारस (Siberian Cranes) के लिए 1998 में, समुद्री कछुओं के लिए 2007 में, डुगोंग्स के लिए 2008 में और रैप्टर्स (Raptors) के संरक्षण के लिए 2016 में सीएमएस (Convention on Conservation of Migratory Spices) के साथ कानूनी रूप से अबाध्यकारी समझौता ज्ञापनों (Mous) पर हस्ताक्षर कर चुका है.*

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बताया कि भारत विश्व के सर्वाधिक विविधताओं से भरे हुए देशों में से एक है तथा विश्व के 2·4 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र के साथ ज्ञात जैव-विविधता (Biodiversity) में लगभग 8 प्रतिशत योगदान करता है. उन्होंने बताया कि किस तरह भारत संरक्षण, सतत् जीवन शैली (Sustainable lifestyle) व हरित विकास के मॉडल के माध्यम से जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने की दिशा में सबसे आगे बढ़कर काम कर रहा है तथा वह उन कुछ देशों में से एक है, जहाँ तापमान में वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने के पेरिस समझौते के लक्ष्यों के अनुरूप काम किया जा रहा है. देश में बाघों की संख्या को 2010 में 1411 से बढ़ा कर 2967 करके इस संख्या को दोगुना करने के 2022 के लिए निर्धारित लक्ष्य को दो वर्ष पूर्व ही प्राप्त कर लिए जाने तथा वन क्षेत्र के कुल भौगोलिक क्षेत्र के 21·67 प्रतिशत होने का उल्लेख भी प्रधानमंत्री ने अपने इस सम्बोधन में किया. एशियाई हाथियों (Asian Elephants) हिम तेंदुओं (Snow Leopards), एशियाई शेरों (Asiatic Lions), एक सींग वाले गैंडों (One Horned Rhinoceros) व सोन चिरैया (Great Indian Bustard) जैसी संकटापन्न वन्य जीव प्रजातियों की रक्षा के लिए देश में किए जा रहे प्रयासों के बारे में भी अपने इस सम्बोधन में प्रधानमंत्री ने बताया. उन्होंने बताया कि देश में समुद्री कछुओं (Marine Turtles) की प्रजातियों के संरक्षण की नीति तथा समुद्री स्ट्रैंडिंग प्रबन्धन (Marine Stranding management) की नीति 2020 तक लागू कर दी जाएगी. इससे समुद्रों में प्लास्टिक कचरे से होने वाले प्रदूषण को रोका जा सकेगा.

6 दिन तक चले इस सम्मेलन के अन्त में स्वीकार किए गए गांधी नगर घोषणा-पत्र में प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण के लिए नए कदम उठाने की बात कही गई है. प्रवासी प्रजातियों में से प्रत्येक प्रजाति के बारे में गहनता से अध्ययन की आवश्यकता तथा इन प्रजातियों के समक्ष मौजूद चुनौतियों की समीक्षा की भी आवश्यकता इसमें बताई गई है. एशियाई हाथियों, जगुआर व ग्रेट इंडियन बस्टर्ड सहित 10 प्रजातियों को परिशिष्ट I में व यूरियाल व टोप शार्क सहित 13 प्रजातियों को परिशिष्ट II में सम्मिलित करने की बात उसमें स्वीकार की गई है. परिशिष्ट I में ऐसी प्रजातियों को शामिल किया जाता है, जिनके विलुप्त होने का खतरा बना हुआ है, जबकि परिशिष्ट II में शामिल प्रजातियों के संरक्षण के लिए वैश्विक सहयोग की

https://t.me/MAGAZINEKING

आवश्यकता स्वीकार की जाती है. प्रजातियों के संरक्षण हेतु एक नई संरक्षण योजना को भी सम्मेलन में स्वीकार किया गया. मलेशिया में जन्मे ब्रिटिश जैव संरक्षणवादी इयान रेडमोंड (Ian Redmond), भारतीय अभिनेता रणदीप हुडा व ह्यूमन स्वान के रूप में प्रसिद्ध पर्यावरणवादी सचा डेंच (Sacha Dench) को अगले तीन वर्षों के लिए प्रवासी प्रजाति दूत (CMS Ambassdors) इस सम्मेलन में मनोनीत किया गया.

डोनाल्ड ट्रम्प महाभियोग के सभी आरोपों से बरी

अमरीकी सीनेट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को पद के दुरुपयोग व कांग्रेस (संसद) की कार्यवाही को बाधित करने के आरोपों से 5 फरवरी, 2020 को मुक्त कर दिया, जिससे प्रतिनिधि सभा (कांग्रेस के निचले सदन) द्वारा उनके विरुद्ध पारित किया गया महाभियोग (Impeachment) खारिज हो गया. डेमोकेट्स के बहुमत वाली प्रतिनिधि सभा ने 193 के मुकाबले 230 मतों से उनके विरुद्ध महाभियोग को मंजूरी दिसम्बर 2019 में प्रदान की थी, जिसके पश्चात् जाँच एवं सुनवाई के लिए यह मामला उच्च सदन (सीनेट) में आया था. 100 सदस्यीय सीनेट में रिपब्लिकन पार्टी के सदस्यों की संख्या जहाँ 53 है, वहीं डेमोकेटिक पार्टी के 47 सदस्य (2 निर्दलीय सहित) हैं. इस प्रकार ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी को सीनेट में बहुमत प्राप्त है. महाभियोग पारित करने के लिए दो-तिहाई (67) सदस्यों का समर्थन आवश्यक है. ऐसे में सीनेट में महाभियोग को मंजूरी मिलना आसान नहीं था.

डोनाल्ड ट्रम्प : महाभियोग से बरी

महाभियोग के तहत् दो आरोप (पद के दुरुपयोग एवं कांग्रेस की कार्यवाही बाधित करने) राष्ट्रपति ट्रम्प के विरुद्ध लगाए गए थे. सीनेट में इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स की अध्यक्षता में चली. 16 जनवरी, 2020 से सीनेट में यह सुनवाई शुरू होने से 100 सदस्यीय यह उच्च सदन महाभियोग की अदालत में रूपांतरित हो गया था. तीन सप्ताह तक चली जाँच एवं सुनवाई के पश्चात् 5 फरवरी को दोनों आरोप सदन ने मामूली बहुमत से खारिज कर दिए. पद के दुरुपयोग के मामले में 52 सीनेटरों ने ट्रम्प को बरी करने के पक्ष में मत दिया, जबकि

संयुक्त राज्य अमरीका के वर्षों के इतिहास में डोनाल्ड ट्रम्प ऐसे तीसरे राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने सीनेट में महाभियोग का सामना किया है.

- *ट्रम्प पर महाभियोग से पूर्व 1868 ई. में तत्कालीन अमरीकी राष्ट्रपति एंड्रयू जॉनसन के विरुद्ध अपराध व दुराचार के मामलों में महाभियोग प्रस्ताव प्रतिनिधि सभा में पारित हुआ था. सीनेट ने जॉनसन के पक्ष में मतदान उस समय किया था, जिससे वह पद से हटने में बच गए थे.*
- *1998 में तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के विरुद्ध महाभियोग सीनेट में पारित नहीं हो सका था. व्हाइट हाउस में इंटर्न रही मोनिका लेवेंस्की ने यौन उत्पीड़न के आरोप क्लिंटन के विरुद्ध लगाए थे. इस सिलसिले में उन्हें पद से हटाने के लिए मंजूरी प्रतिनिधि सभा में मिल गई थी, किन्तु सीनेट ने इसे खारिज कर दिया था.*
- *1969-74 के दौरान राष्ट्रपति रहे रिचर्ड निक्सन के विरुद्ध 'वाटरगेट स्कैंडल' के मामले में महाभियोग कार्यवाही शुरू होने को थी, किन्तु उससे पूर्व ही राष्ट्रपति पद से त्यागपत्र उन्होंने 9 अगस्त, 1974 को दे दिया था.*

MAGAZINE KING

https://t.me/MAGAZINESKING

48 मत उनके विरोध में पड़े. कांग्रेस की कार्यवाही बाधित करने के दूसरे मामले में 53-47 के मतांतर से सीनेट ने उन्हें बरी किया. इस मतांतर के पश्चात् ट्रम्प को पूरी तरह से बरी करने की घोषणा सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स, जिन्होंने इस पूरे मुकदमे की अध्यक्षता की, ने की.

पाकिस्तान सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को भगोड़ा घोषित किया

पाकिस्तान की इमरान खान सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को भगोड़ा घोषित कर दिया है. इलाज के नाम पर नवम्बर 2019 में लंदन गए नवाज शरीफ पर अपनी मेडिकल रिपोर्ट नहीं भेजने तथा जमानत की शर्तों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए सरकार ने उनकी जमानत भी रद्द कर दी है. भ्रष्टाचार के मामले में सात वर्ष के कारावास की सजा काट रहे नवाज शरीफ को स्वास्थ्य सम्बन्धी कारणों के आधार पर आठ सप्ताह की जमानत उच्च न्यायालय ने 29 अक्टूबर, 2019 को प्रदान की थी, जिसके पश्चात् इलाज के लिए वह लंदन चले गए थे, तथा तब से वापस नहीं लौटे हैं. उनके निजी चिकित्सक ने यह दावा किया है कि वह हृदय की गम्भीर बीमारी से जूझ रहे हैं, तथापि कई बार माँगे जाने पर भी लंदन के किसी अस्पताल की मेडिकल रिपोर्ट उन्होंने नहीं भेजी है. जमानत की शर्तों के उल्लंघन के आरोप पर पाकिस्तान सरकार ने तीन बार प्रधानमंत्री रहे 70 वर्षीय नवाज शरीफ को 26 फरवरी, 2020 को भगोड़ा घोषित किया है और कहा है कि वह यदि शीघ्रातिशीघ्र स्वदेश नहीं लौटते हैं, तो उन्हें अपराधी घोषित किया जाएगा.

अशरफ गनी अफगानिस्तान के राष्ट्रपति पुनर्निर्वाचित

अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी (Ashraf Ghani) लगातार दूसरी बार इस पद हेतु निर्वाचित हुए हैं. इस पद हेतु

अशरफ गनी

चुनाव वहाँ 28 सितम्बर, 2019 को सम्पन्न हुआ था, किन्तु चुनाव परिणाम की औपचारिक घोषणा 18 फरवरी, 2020 को चुनाव आयोग ने की. तालिबानी हमलों की अनेक घटनाएँ चुनाव के दौरान वहाँ हुई थीं. इसके साथ ही वोटिंग मशीनों से छेड़छाड़ के आरोप भी प्रतिद्वन्द्वी उम्मीदवार अब्दुल्ला अब्दुल्ला के नेशनल कोलीशन ऑफ अफगानिस्तान ने लगाए थे. मतगणना के प्रारम्भिक आँकड़ों में ही अशरफ गनी की जीत सामने आ गई थी, किन्तु विपक्षी दलों ने घोषणा की थी कि उन्हें विजयी घोषित किए जाने की स्थिति में देश में समांतर सरकार गठन वह करेंगे. इस मामले में चली लम्बी कशमकश के पश्चात् चुनाव आयोग ने चुनाव परिणाम की घोषणा वहाँ पाँच माह बाद 18 फरवरी, 2020 को की है.

म्यांमार के राष्ट्रपति विन मिंट की भारत यात्रा

म्यांमार के राष्ट्रपति विन मिंट (Win Myint) ने चार दिन की भारत की यात्रा

हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ म्यांमार के राष्ट्रपति विन मिंट

26–29 फरवरी, 2020 को की. चार दिन की उनकी यह राजकीय यात्रा भारत-म्यांमार के द्विपक्षीय सम्बन्धों के सिलसिले में की गई थी तथा उनकी पत्नी डाव चो चो (Daw Cho Cho) भी इस यात्रा पर उनके साथ थीं. इससे पूर्व प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूसरे कार्यकाल के लिए शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए मई 2019 में वह नई दिल्ली आए थे.

26 फरवरी को अपरान्ह नई दिल्ली पहुँचे राष्ट्रपति मिंट के नई दिल्ली में औपचारिक कार्यक्रम 27 फरवरी को थे. 26 फरवरी को नई दिल्ली में अक्षरधाम मंदिर का अवलोकन मेहमान दम्पत्ति ने किया. बाद में 28-29 फरवरी को बोधगया में बौद्ध मंदिरों के अवलोकन व वहाँ पूजा अर्चना के उनके कार्यक्रम थे 29 फरवरी को ही आगरा में ताजमहल के अवलोकन का भी उनका कार्यक्रम था.

27 फरवरी को प्रातः राष्ट्रपति भवन में गार्ड ऑफ ऑनर के साथ औपचारिक स्वागत के पश्चात् राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि मेहमान राष्ट्रपति ने दी तथा उसी दिन भारतीय प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ उनकी वार्ता हुई. हैदराबाद हाउस में सम्पन्न इस वार्ता में द्विपक्षीय, क्षेत्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई. म्यांमार की स्वतंत्र, सक्रिय एवं गुट निरपेक्ष नीति और भारत की एक्ट ईस्ट व पड़ोसी पहले (Neighbourhood first) नीतियों के बीच सामंजस्य का दोनों पक्षों ने स्वागत किया. क्षमता निर्माण व प्रशिक्षण के क्षेत्र में भारत की सहायता की मेहमान राष्ट्रपति ने सराहना इस वार्ता में की.

रक्षा और सुरक्षा सहयोग को भारत-म्यांमार सम्बन्धों के प्रमुख स्तम्भों में से एक स्वीकार करते हुए रक्षाकर्मियों की यात्राओं के आदान-प्रदान में आई तेजी का दोनों पक्षों ने स्वागत किया. म्यांमार में भारत के रूपे कार्ड को शीघ्रातिशीघ्र लांच करने के लिए आपस में मिलकर काम करने को सहमति दोनों पक्षों में रही. द्विपक्षीय व्यापार व आर्थिक सहभागिता को पूर्ण दक्षता तक बढ़ाने के लिए प्रयास करने की आवश्यकता को दोनों पक्षों ने रेखांकित किया. इसके लिए कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने पर भी बल दोनों नेताओं ने दिया. इसी के साथ म्यांमार में भारत के सहयोग से संचालित विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी वार्ता में की गई. विशेषतः संघर्ष प्रभावित राखीन प्रांत में चल रही योजनाओं तथा बंदरगाह एवं सड़क विकास परियोजनाओं पर विशेष ध्यान इसमें दिया गया.

पारस्परिक सहयोग के 10 विभिन्न समझौतों/समझौता ज्ञापनों (MOUs) पर हस्ताक्षर वार्ता के पश्चात् किए गए. रखाइन प्रांत में प्रारम्भिक स्कूलों के निर्माण, अस्पतालों की सुदृढ़ता तथा विद्युत् वितरण को मजबूत करने के लिए समझौते सड़क निर्माण, दूरसंचार, पेट्रोलियम परिवहन व लकड़ी की तस्करी पर अंकुश आदि में सहयोग सम्बन्धी समझौते इनमें शामिल हैं. प्रधानमंत्री के साथ वार्ता से पूर्व विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने भी मेहमान राष्ट्रपति से वार्ता की. बाद में उनके सम्मान में रात्रिभोज की मेजबानी राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने की. मेहमान राष्ट्रपति विन मिंट अगले दिन, 28 फरवरी को प्रातः ही बोधगया के लिए रवाना हुए, जहाँ म्यांमारी मठ के अतिरिक्त महाबोधि मंदिर व अन्य बौद्ध मंदिरों का अवलोकन उन्होंने किया तथा 29 फरवरी को ही आगरा में ताजमहल के अवलोकन के पश्चात् वह स्वदेश रवाना हुए.

पुर्तगाल के राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डि सौसा की भारत यात्रा

पुर्तगाल के राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डि सौसा (Marcelo Rebelo de Sousa) ने अपने देश के वरिष्ठ मंत्रिमण्डल सहयोगियों एवं अधिकारियों के दल के साथ 13–16 फरवरी, 2020 को भारत की यात्रा की. राष्ट्रपति के रूप में मार्सेलो डि सौसा की भारत की यह पहली ही यात्रा थी. उनसे पूर्व पुर्तगाल के किसी राष्ट्रपति ने भारत की

https://t.me/MAGAZINESKING

यात्रा 2007 में की थी. पुर्तगाल के प्रधानमंत्री एंटोनियो कोस्टा भी दिसम्बर 2019 में भारत आए थे. भारत की ओर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जून 2017 में पुर्तगाल की यात्रा की थी.

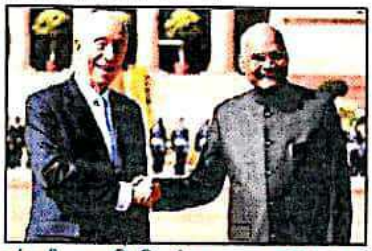

पुर्तगाली राष्ट्रपति डि सौसा का राष्ट्रपति भवन में स्वागत

चार दिन की भारत की ताजा राजकीय यात्रा के दौरान 15 फरवरी को मुम्बई में व 16 फरवरी को गोवा में राष्ट्रपति डि सौसा के कार्यक्रम थे. 13 फरवरी को देर शाम नई दिल्ली पहुँचे पुर्तगाली राष्ट्रपति डि सौसा का राष्ट्रपति भवन में गार्ड ऑफ ऑनर के साथ औपचारिक स्वागत 14 फरवरी को हुआ, जिसके पश्चात् राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि उन्होंने अर्पित की इसके बाद भारतीय प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय एवं पारस्परिक महत्व के अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों पर इनकी बातचीत हैदराबाद हाउस में सम्पन्न हुई द्विपक्षीय व्यापार, निवेश एवं शिक्षा सहित द्विपक्षीय सम्बन्धों के विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा वार्ता में की गई. पारस्परिक सहयोग के 14 विभिन्न समझौतों/सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर वार्ता के पश्चात् किए गए. समुद्री विरासत (Maritime heritage), समुद्री परिवहन एवं बंदरगाह विकास, प्रवास एवं गतिशीलता (Migration and mobility), स्टार्टअप, बौद्धिक सम्पदा अधिकार, एयरोस्पेस, नैनो जैव प्रौद्योगिकी, ऑडियो-विजुअल उत्पादन, योग, राजनयिक प्रशिक्षण वैज्ञानिक अनुसधान तथा सार्वजनिक नीति के क्षेत्र के समझौते इनमें शामिल हैं बाद में उसी शाम उपराष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडू ने भी मेहमान राष्ट्रपति व उनके साथ आए शिष्टमंडल से भेंट इम्पीरियल होटल में की.

राष्ट्रपति डि सौसा के सम्मान में रात्रिभोज की मेजबानी राष्ट्रपति श्री रामनाथ श्री कोविंद ने राष्ट्रपति भवन में की. इस अवसर पर भारत-पुर्तगाल के 500 वर्ष पुराने साझा इतिहास का हवाला देते हुए श्री कोविंद ने कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय एजेंडे का कई गुना विस्तार हुआ है तथा विज्ञान एव प्रौद्योगिकी, रक्षा, शिक्षा, नवाचार और स्टार्ट अप, पानी व पर्यावरण सहित अनेक क्षेत्रों में सहयोग दोनों देश कर रहे हैं आतंकवाद को पूरी दुनिया के लिए खतरा बताते हुए इस वैश्विक खतरे को पराजित करने के लिए अपने सहयोग को और अधिक मजबूत करने की अपेक्षा भी श्री कोविंद ने की. निकट भविष्य में अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) में पुर्तगाल के जुड़ने की अपेक्षा भी उन्होंने व्यक्त की.

पुर्तगाली राष्ट्रपति के 15 फरवरी को मुम्बई में व 16 फरवरी को गोवा में कार्यक्रम थे. मुम्बई में केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल के साथ मिलकर 'भारत-पुर्तगाल बिजनेस फोरम' को उन्होंने सम्बोधित किया, जबकि गोवा में वाटर एवं सीवेज मैनेजमेंट व शिप बिल्डिंग आदि क्षेत्रों में सहयोग के लिए कुछ सहमति-पत्रों पर हस्ताक्षर भी किए गए. इनके अतिरिक्त गोवा में कुछ चर्चों के अवलोकन के पश्चात् उनकी स्वदेश वापसी गोवा से ही हुई.

अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की भारत यात्रा

अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प (Donald Trump) ने 24-25 फरवरी, 2020 को सपरिवार भारत की यात्रा की. दो

अहमदाबाद में नमस्ते ट्रम्प कार्यक्रम का एक दृश्य

दिन की इस यात्रा पर उनके साथ आए शिष्टमण्डल में उनकी पत्नी मेलानिया ट्रम्प (Melania Trump), पुत्री इवांका (Ivanka) व दामाद जेरेड कुशनेर (Jared Kushner) के अतिरिक्त वाणिज्य मन्त्री विल्बर रोस (Wilbur Ross), ऊर्जा मन्त्री डैन ब्रूलिएट (Dan Broullette), राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट ओब्रायन (Robert O'Brien) तथा कार्यवाहक चीफ ऑफ स्टाफ मिक मुलवैनी (Mick Mulvaney) भी उनके साथ आए उच्चस्तरीय शिष्टमण्डल में शामिल थे. **राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रम्प की यह पहली भारत यात्रा थी तथा भारत की यात्रा करने वाले वह अमरीका के सातवें राष्ट्रपति हैं. इनसे पूर्व भारत की यात्रा करने वाले अमरीकी राष्ट्रपति बराक ओबामा थे, जो जनवरी 2015 में भारत के गणतन्त्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि भी थे.** अमरीकी राष्ट्रपतियों में बराक ओबामा ही ऐसे अकेले राष्ट्रपति रहे हैं, जिन्होंने राष्ट्रपति रहते हुए दो बार भारत की यात्रा की थी.

भारत की ताजा यात्रा के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 24 फरवरी को पहले अहमदाबाद पहुँचे थे, जहाँ मोटेरा स्टेडियम में 'नमस्ते ट्रम्प' नाम से एक वृहद कार्यक्रम था. अहमदाबाद से ही सपरिवार सीधे आगरा जाकर ताजमहल के अवलोकन के पश्चात् 24 फरवरी की रात्रि में ही नई दिल्ली के लिए उनकी वापसी निर्धारित थी, जहाँ 25 फरवरी के राजकीय कार्यक्रमों के पश्चात् 25 फरवरी को ही उनकी वापसी हुई.

24 फरवरी को अपने आधिकारिक विमान एयरफोर्स-1 द्वारा अहमदाबाद पहुँचे राष्ट्रपति ट्रम्प की सरदार वल्लभभाई पटेल अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अगवानी प्रोटोकॉल तोडते हुए स्वय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने की एयरपोर्ट से उनका काफिला पहले सीधे साबरमती आश्रम गया, जहाँ महात्मा गाधी को श्रद्धांजलि उन्होंने अर्पित की एयरपोर्ट से आश्रम तक प्रधानमन्त्री श्री मोदी के साथ रोड शो में सड़क के दोनों ओर समर्थकों का हुजूम था तथा भव्य सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन भी बीच-बीच में हुआ साबरमती आश्रम में महात्मा गाधी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के पश्चात् दोनों नेताओं ने मोंटेरा स्टेडियम का उद्घाटन मिलकर किया, जहाँ 'नमस्ते ट्रम्प' कार्यक्रम सम्पन्न हुआ. यह कार्यक्रम उसी तर्ज का था जैसा श्री मोदी की अमरीका यात्रा के दौरान ह्यूस्टन में 'हाउडी मोदी' (Howdy, Modi) कार्यक्रम आयोजित हुआ था. 'नमस्ते ट्रम्प' कार्यक्रम में अमरीकी

https://t.me/MAGAZINESKING

राष्ट्रपति ट्रम्प व प्रथम महिला मेलानिया व उनके परिवार के सदस्यों का स्वागत करते हुए श्री मोदी ने कहा कि उनका यहाँ आना भारत-अमरीका रिश्तों को एक परिवार जैसी मिठास और घनिष्ठता की पहचान दे रहा है. भारत की अनेक विविधताओं का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि हमारी यह **Rich Diverstiy, Diversity में Unity और Unity की Vibrancy भारत व अमरीका के बीच मजबूत रिश्तों का आधार** है. उन्होंने कहा कि एक को जहाँ 'स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी' पर गर्व है, तो दूसरे (भारत) को दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का गौरव है.

नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प व प्रथम महिला मेलानिया का स्वागत

'मोटेरा स्टेडियम में लगभग सवा लाख लोगों की भीड़ से अभिभूत राष्ट्रपति ट्रम्प ने अपने भाषण की शुरूआत 'अमरीका भारत को प्यार करता है' से जहाँ की, वहीं इसका अन्त 'हम भारत को बहुत प्यार करते हैं' से किया. अपने इस सम्बोधन में मोटेरा स्टेडियम में जुटे लोगों का दिल जीतने में कोई कसर उन्होंने नहीं छोड़ी. मोटेरा स्टेडियम में इस वृहद् कार्यक्रम के पश्चात् श्री ट्रम्प आगरा के लिए रवाना हुए, जहाँ सपरिवार ताजमहल का अवलोकन उन्होंने किया. आगरा में भी भव्य स्वागत अमरीकी राष्ट्रपति का हुआ. हवाई अड्डे पर उनकी अगवानी राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन के साथ मुख्यमन्त्री योगी आदित्य नाथ ने की. हवाई अड्डे पर ही नृत्य एवं कला के भव्य कार्यक्रमों के बीच ताजमहल के लिए वह रवाना हुए, जहाँ पूरे मार्ग पर नृत्य व संगीत के कार्यक्रमों के बीच हजारों बच्चों ने भारत व अमरीका के ध्वजों को लहराते हुए वेलकम ट्रम्प, वेलकम ट्रम्प के नारे लगाए. ताजमहल के अवलोकन के पश्चात् उसी शाम अमरीकी राष्ट्रपति नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए, जहाँ आईटीसी मौर्या में रात्रि विश्राम हेतु उन्हें ठहराया गया था नई

नई दिल्ली में पत्रकार सम्मेलन में प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प

दिल्ली में उनके राजकीय कार्यक्रम अगले दिन 25 फरवरी के लिए निर्धारित थे.

नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में गार्ड ऑफ ऑनर के साथ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का औपचारिक स्वागत हुआ, जिसके पश्चात् राजघाट पर महात्मा गाँधी को श्रद्धांजलि मेहमान राष्ट्रपति ने अर्पित की. इसके बाद भारतीय प्रधानमन्त्री श्री मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता श्री ट्रम्प ने सम्पन्न की. हैदराबाद हाउस में पहले वन टु वन व बाद में प्रतिनिधिमण्डल स्तर पर सम्पन्न इस वार्ता में द्विपक्षीय मुद्दों के साथ-साथ पारस्परिक महत्व के अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई. रक्षा, सुरक्षा, ऊर्जा रणनीतिक साझेदारी, तकनीकी सहयोग व व्यापारिक सम्बन्धों के अतिरिक्त ग्लोबल कनेक्टिविटी आदि के मुद्दे वार्ता मे शामिल थे. आपसी स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को समग्र सामरिक वैश्विक (कॉम्प्रिहेंसिव गठजोड़ ग्लोबल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप) के स्तर तक ले जाने का निर्णय दोनों नेताओं ने वार्ता में किया. द्विपक्षीय व्यापार की दिशा में एक बड़ी डील करने की दिशा में भी चर्चा वार्ता में हुई. इस सम्बन्ध में परिणाम शीघ्र ही सामने आ सकते हैं. रक्षा क्षेत्र में सहयोग की दिशा में आगे बढ़ते हुए तीन अरब डॉलर के रक्षा सौदे की घोषणा वार्ता के बाद की गई. वार्ता के पश्चात् तीन समझौतों/समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए, उनमें मानसिक स्वास्थ्य व चिकित्सकीय उत्पादों के क्षेत्र में

शेष पृष्ठ 36 पर

भारत की यात्रा पर आए अमरीकी राष्ट्रपति

क्रमांक	राष्ट्रपति	भारत यात्रा की तिथि	तत्कालीन भारतीय प्रधानमन्त्री
1.	डी. आइजनहावर (D. Eisenhower) (1953-1961)	9-15 दिसम्बर, 1959	जवाहरलाल नेहरू
2.	रिचर्ड निक्सन (Richard Nixon) (1969-1974)	31 जुलाई, 1 अगस्त, 1969	श्रीमती इंदिरा गांधी
3.	जिमी कार्टर (Jimmy Carter) (1977-1981)	1-3 जनवरी, 1978	मोरारजी देसाई
4.	बिल क्लिंटन (Bill Clinton) (1993-2001)	19-25 मार्च, 2000	अटल बिहारी वाजपेयी
5.	जॉर्ज डब्ल्यू बुश (George W. Bush) (2001–2009)	1-3 मार्च, 2006	डॉ. मनमोहन सिंह
6.	बराक ओबामा* (Barak Obama) (2009–2017)	6–9 नवम्बर, 2010 तथा 24–27 जनवरी, 2015	डॉ. मनमोहन सिंह नरेन्द्र मोदी
7.	डोनाल्ड ट्रम्प (2017 से अब तक) (Donald Trump)	24-25 फरवरी, 2020	नरेन्द्र मोदी

* बराक ओबामा एकमात्र ऐसे अमरीकी राष्ट्रपति रहे हैं, जिन्होंने इस पद पर रहते हुए दो बार भारत की यात्रा की.

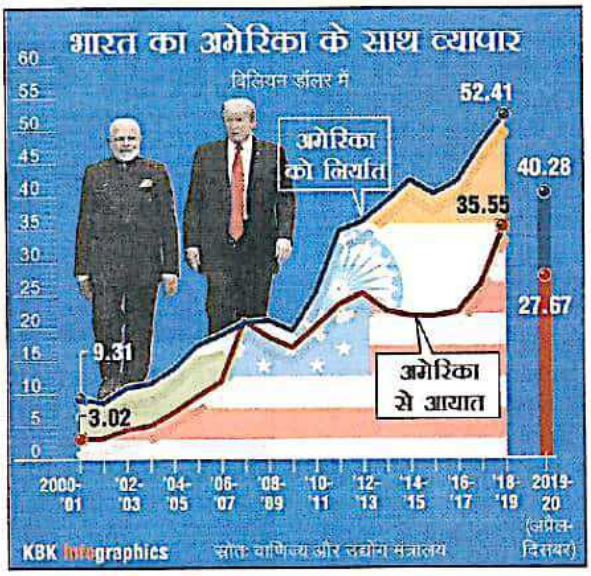

https://t.me/MAGAZINESKING

आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य

- 2019-20 की छठी अन्तिम द्वैमासिक मौद्रिक नीति में रेपो दर, रिवर्स रेपो दर, बैंक दर व सीआरआर में कोई परिवर्तन नहीं
- बौद्धिक सम्पदा सूचकांक मामले में भारत का 53 देशों में 40वाँ स्थान
- सार्वजनिक उपक्रमों के 2018-19 के दौरान निष्पादन के सम्बन्ध में मंत्रालय की रिपोर्ट
- स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) का दूसरा चरण
- कॉर्पोरेट सेक्टर में तीसरी तेजस रेल-गाड़ी
- भारतीय रेलवे का पहला 'रेस्टोरेंट ऑन व्हील्स'
- कच्चे इस्पात के वैश्विक उत्पादन में वृद्धि : भारत का विश्व में दूसरा स्थान बरकरार
- 2019-20 में देश में कृषिगत उत्पादन : कृषि मंत्रालय के दूसरे अग्रिम अनुमान
- अटल भूजल योजना के वित्तीयन हेतु विश्व बैंक से 45 करोड़ डॉलर के ऋण हेतु समझौता
- मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के पाँच वर्ष पूर्ण
- 2019-20 में राष्ट्रीय आय के सम्बन्ध में सीएसओ के दूसरे अग्रिम अनुमान (जीडीपी में वृद्धि 5·0 प्रतिशत रहने का ताजा अनुमान : 11 वर्षों में जीडीपी वृद्धि की न्यूनतम दर)

2019-20 की छठी अन्तिम द्वैमासिक मौद्रिक नीति में रेपो दर, रिवर्स रेपो दर, बैंक दर व सीआरआर में कोई परिवर्तन नहीं

वित्तीय वर्ष 2019-20 की छठी अन्तिम द्वैमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा भारतीय रिजर्व बैंक ने 6 फरवरी, 2020 को की. अर्थव्यवस्था के समक्ष विद्यमान चुनौतियों व मुद्रास्फीति की स्थिति को देखते हुए नीतिगत रेपो दर में कोई परिवर्तन रिजर्व बैंक ने इस नीति के तहत् नहीं किया है. इससे यह दर 5·15 प्रतिशत पर बरकरार है. रेपो दर के साथ ही रिवर्स रेपो दर, बैंक दर तथा सीमान्त स्थायी सुविधा दर (Marginal Standing Facility Rate–MSF Rate) में भी कोई परिवर्तन मौद्रिक नीति की इस द्वैमासिक समीक्षा के तहत् नहीं किया गया है. इससे रिवर्स रेपो दर 4·90 प्रतिशत तथा बैंक दर व एमएसएफ दर 5·40-5·40 प्रतिशत के अपने पूर्व स्तरों पर बरकरार हैं. नकद आरक्षण अनुपात (Cash Reserve Ratio–CRR) में भी कोई परिवर्तन इस नीति के तहत् नहीं किया गया है जिससे यह 4·0 प्रतिशत ही बनी हुई है.

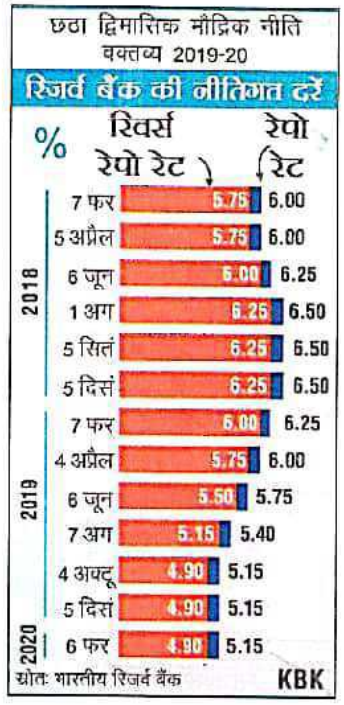

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिसम्बर 2018 में घोषित एक नीति के तहत् सांविधिक तरलता अनुपात (Statutory Liquidity Ratio–SLR) 4 जनवरी, 2020 से 18·25 प्रतिशत हो गया था तथा 11 अप्रैल, 2020 से यह 18·0 प्रतिशत हो जाएगा. एसएलआर में प्रत्येक तिमाही में 0·25-0·25 प्रतिशत बिन्दु की कटौती तब तक करते रहने की घोषणा आरबीआई ने 5 दिसम्बर, 2018 को की थी, जब तक यह दर घटते-घटते 18 प्रतिशत तक न आ जाए. तदुनुरूप 5 जनवरी, 2019 से यह दर 19·50 प्रतिशत से घटकर 19·25 प्रतिशत रह गई थी. बाद में 13 अप्रैल, 2019 से 19·0 प्रतिशत, 6 जुलाई, 2019 से 18·75 प्रतिशत, 12 अक्टूबर, 2019 से 18·50 प्रतिशत तथा 4 जनवरी, 2020 से 18·25 प्रतिशत हो गई थी.

रियल्टी सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए 6 फरवरी, 2020 की मौद्रिक नीति में यह कहा गया है कि कॉमर्शियल रियल्टी लोन लेने वालों का इस ऋण की अदायगी उचित कारणों से विलम्बित होने पर यह लोन डाउनग्रेड नहीं होगा. ऐसे विलम्ब के मामलों में एक वर्ष तक ऋण को एनपीए घोषित नहीं किया जाएगा.

मौद्रिक नीति की 6 फरवरी, 2020 की समीक्षा से पूर्व 2019-20 की पाँचवीं द्वैमासिक समीक्षा 5 दिसम्बर, 2019 को प्रस्तुत की गई थी. उस समय भी रेपो दर सहित उपर्युक्त सभी दरों में कोई परिवर्तन रिजर्व बैंक ने नहीं किया था, जबकि उससे पूर्व लगातार पाँच समीक्षाओं में इन दरों में कटौतियाँ की गई थीं, जिससे फरवरी 2019 से अक्टूबर 2019 के दौरान कुल मिलाकर 1·35 प्रतिशत बिन्दु की कटौती रेपो दर में हुई थी.

प्रमुख बैंकिंग दरें

(6 फरवरी, 2020 के बाद की स्थिति)

रेपो दर	5·15 प्रतिशत
रिवर्स रेपो दर	4·90 प्रतिशत
बैंक दर	5·40 प्रतिशत
सीमांत स्थायी सुविधा दर	5·40 प्रतिशत
नकद आरक्षण अनुपात	4·00 प्रतिशत
सांविधिक तरलता अनुपात	18·25 प्रतिशत

6 फरवरी, 2020 को घोषित मौद्रिक नीति दस्तावेज में 2019-20 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसम्बर 2019) में जीडीपी में वृद्धि 6·2 प्रतिशत रहने तथा अगले वित्तीय वर्ष 2020-21 में यह 6·0 प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान रिजर्व बैंक द्वारा व्यक्त किया गया है. मुद्रास्फीति की दर 2019-20 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2020) में 6·5 प्रतिशत रहने तथा 2020-21 की पहली छमाही में यह 5·4 से 5·0 प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान रिजर्व बैंक ने व्यक्त किया है.

https://t.me/MAGAZINESKING

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की संरचना में कुछ परिवर्तन 2020 में हुआ है. छह सदस्यीय इस समिति में तीन पदेन सदस्यों (रिजर्व बैंक के गवर्नर, एक डिप्टी गवर्नर तथा एक बोर्ड द्वारा नामित सदस्य) के अतिरिक्त सरकार द्वारा मनोनीत तीन सदस्य होते हैं. समिति के एक पदेन सदस्य माइकल देबब्रत पात्रा, जो केन्द्रीय बोर्ड द्वारा नामित सदस्य के रूप में मौद्रिक नीति समिति के सदस्य थे जनवरी 2020 में डिप्टी गवर्नर के रूप में प्रोन्नयन के पश्चात् डिप्टी गवर्नर के रूप में समिति के सदस्य बने रहे. बैंक के कार्यकारी निदेशक डॉ. जनक राज को मौद्रिक नीति समिति में बैंक के बोर्ड ने पदेन सदस्य के रूप में 29 जनवरी, 2020 को नामित किया. इससे 29 जनवरी, 2020 के पश्चात् रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति के सभी 6 सदस्यों के नाम निम्नलिखित हैं–

पदेन सदस्य

1. *शक्तिकांत दास रिजर्व बैंक के गवर्नर (अध्यक्ष)*
2. *माइकल देवपात्रा रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर, मौद्रिक नीति के प्रभारी*
3. *डॉ. जनक राज, रिजर्व बैंक के कार्यकारी निदेशक, बैंक के केन्द्रीय बोर्ड द्वारा नामित*

केन्द्र सरकार द्वारा मनोनीत सदस्य

4. *प्रो. डॉ. रवीन्द ढोलकिया (आईआईएम, अहमदाबाद में प्रोफेसर)*
5. *प्रो. पामी दुआ (निदेशक दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स)*
6. *प्रो. चेतन घाटे (भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, ISI में प्रोफेसर)*

बौद्धिक सम्पदा सूचकांक मामले में भारत का 53 देशों में 40वाँ स्थान

अमरीकी चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स के ग्लोबल इनोवेशन पॉलिसी सेंटर (GIPC) के बौद्धिक सम्पदा सूचकांक (Intellectual Properity Index) के मामले में भारत के स्कोर में सुधार इस वर्ष हुआ है. विभिन्न राष्ट्रों में बौद्धिक सम्पदा सम्बन्धी स्थिति का आकलन करने के लिए इस सूचकांक की गणना अमरीकी चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स के ग्लोबल इनोवेशन प्रॉपर्टी सेन्टर (GIPC) द्वारा विगत आठ वर्षों से की जाती रही है. सेन्टर की वर्ष 2020 की (आठवीं) वार्षिक रिपोर्ट 6 फरवरी, 2020 को जारी हुई, जिसमें 53 देशों के लिए बौद्धिक सम्पदा सूचकांक आकलित किए गए हैं. इनमें भारत को 40वाँ स्थान प्रदान किया गया है. पिछले वर्ष 2019 में ऐसी सातवीं रिपोर्ट में 50 देशों में भारत का 36वाँ स्थान था, जबकि उससे पूर्व 2018 में ऐसी छठी रिपोर्ट में 50 देशों में भारत का स्थान 44वाँ तथा उससे पूर्व 2017 में ऐसी पाँचवीं रिपोर्ट में 45 देशों में भारत का स्थान 43वाँ था. 2020 की रिपोर्ट में तीन नए देश–डोमिनिकन रिपब्लिक, ग्रीस व कुवैत इस सूचकांक के आकलन हेतु नए शामिल किए गए हैं, जिससे इसमें शामिल देशों की संख्या 50 से बढ़कर 53 हो गई है.

वर्ष 2020 की (आठवीं) रिपोर्ट में भारत के आईपी स्कोर में 2·42 प्रतिशत अंकों का सुधार दर्शाया गया है. 2019 की रिपोर्ट में भारत के लिए ओवरऑल आईपी स्कोर 36·04 प्रतिशत था, वही 2020 में यह स्कोर 38·46 प्रतिशत रहा है. भारत के पड़ोसी देशों में पाकिस्तान व चीन ही 53 देशों के इस सर्वेक्षण में शामिल थे. 50·96 प्रतिशत स्कोर के साथ चीन का इस वर्ष की रिपोर्ट में जहाँ 28वाँ स्थान है, वहीं 26·50 प्रतिशत स्कोर के साथ पाकिस्तान का स्थान 51वाँ है.

पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष की रिपोर्ट में भी शीर्ष स्थान क्रमशः अमरीका व यूनाइटेड किंगडम के हैं. इनके आईपी स्कोर क्रमशः 95·28 प्रतिशत व 93·92 प्रतिशत हैं. पिछले वर्ष इस रैंकिंग में स्वीडन का तीसरा स्थान था, जबकि इस वर्ष तीसरा स्थान फ्रांस (91·50 प्रतिशत) का व चौथा जर्मनी (91·08 प्रतिशत) का है. 90·56 प्रतिशत स्कोर के साथ स्वीडन इस वर्ष पाँचवें स्थान पर है.

सार्वजनिक उपक्रमों के 2018-19 के दौरान निष्पादन के सम्बन्ध में मंत्रालय की रिपोर्ट

केन्द्र सरकार के उपक्रमों के 2018-19 के दौरान निष्पादन के सम्बन्ध में भारी उद्योग व सार्वजनिक उपक्रम मंत्रालय (Ministry of Heavy Industries and Public Enterprises) की वार्षिक रिपोर्ट 10 फरवरी, 2020 को संसद में प्रस्तुत की गई. पब्लिक एंटरप्राइजेज सर्वे (2018-19) शीर्षक से जारी इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 31 मार्च, 2019 को केन्द्र सरकार के उपक्रमों (CPSE—Central Public Sector Enterprises) की कुल संख्या 348 थी, जिनमें से 249 उपक्रम कार्यशील थे, जबकि 86 उपक्रम निर्माणाधीन थे तथा 13 उपक्रम बन्द होने या परिसमापन की प्रक्रिया में थे. इससे पूर्व 2017-18 में केन्द्र सरकार के उपक्रमों की कुल संख्या 339 थी, जिनमें 257 उपक्रम कार्यशील थे.

- सभी 348 उपक्रमों में कुल चुकता पूँजी 31 मार्च, 2019 को ₹ 2,75,697 करोड़ थी, जो एक वर्ष पूर्व 31 मार्च, 2018 को आँकी गई ₹ 2,53,977 करोड की तुलना में 8·55 प्रतिशत अधिक थी
- इक्विटी पूँजी व दीर्घकालिक ऋण राशि सहित इन उपक्रमों में कुल वित्तीय निवेश

बौद्धिक सम्पदा सूचकांक में प्रमुख राष्ट्रों के स्कोर

(प्रतिशत)

रैंक (2020)	देश	स्कोर (प्रतिशत)		स्कोर में परिवर्तन
		2020 की (आठवीं रिपोर्ट)	2019 की (सातवीं रिपोर्ट)	
पहले 10 राष्ट्र				
1	अमरीका	95·28	94·80	0·48
2	यूके	93·92	93·82	0·10
3	फ्रांस	91·50	91·10	0·40
4	जर्मनी	91·08	90·09	0·99
5	स्वीडन	90·56	91·18	–0·62
6	जापान	90·40	87·73	2·67
7	नीदरलैण्ड्स	89·64	89·04	0·60
8	आयरलैण्ड	88·98	89·42	–0·44
9	स्विटजरलैण्ड	85·34	82·78	2·56
10	स्पेन	84·64	82·38	2·26
सबसे निचले 5 राष्ट्र				
49	कुवैत	28·02	NA	—
50	नाइजीरिया	27·62	30·11	–2·49
51	पाकिस्तान	26·50	26·67	–0·17
52	अल्जीरिया	24·06	22·84	1·22
53	वेनेजुएला	14·22	15·80	–1·58

https://t.me/MAGAZINESKING

मार्च 2019 के अन्त में ₹ 16,40,628 करोड़ था, जो एक वर्ष पूर्व मार्च 2018 के अन्त में ₹ 14,31,008 करोड़ था. इस प्रकार एक वर्ष में 14·65 प्रतिशत की वृद्धि इसमें हुई.

- **रिपोर्ट के अनुसार 2018-19 के दौरान लाभ में रहे 178 सार्वजनिक उपक्रमों का कुल लाभ ₹ 1,74,587 करोड़ रहा,** जो पूर्व वर्ष 2017-18 में 183 लाभ वाले उपक्रमों द्वारा अर्जित ₹ 1,55,931 करोड़ के लाभ की तुलना में 11·96 प्रतिशत अधिक था.
- **2018-19 के दौरान घाटे में रहे 70 सार्वजनिक उपक्रमों का कुल घाटा ₹ 31,635 करोड़ था,** जो पूर्व वर्ष 2017-18 में 72 घाटे वाले उपक्रमों द्वारा अर्जित ₹ 32,180 करोड़ के घाटे से 1·69 प्रतिशत कम था.
- **इस प्रकार 2018-19 के दौरान कार्यशील रहे सभी 249 सार्वजनिक उपक्रमों का निवल लाभ (Net Profit) ₹ 1,42,951 करोड़ रहा, जो पूर्व वर्ष 2017-18 में कार्यशील रहे 258 उपक्रमों के ₹ 1,23,751 करोड़ के निवल लाभ तुलना में 15·52 प्रतिशत अधिक था.**
- **2018-19 के दौरान सर्वाधिक लाभ अर्जित करने वाले तीन सार्वजनिक उपक्रम क्रमशः ओएनजीसी, इंडियन ऑइल कॉर्पोरेशन व एनटीपीसी रहे, जबकि एवरे ज्यादा घाटे में बीएसएनएल रहा. सर्वाधिक घाटे वाले उपक्रमों में बीएसएनएल के पश्चात् क्रमशः एयर इंडिया व एमटीएनएल का स्थान 2018-19 में रहा.**
- **2017-18 के दौरान लाभ अर्जित करने वाले उपक्रमों में से तीन उपक्रम–स्टेट ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन, एमएसटीसी व चेन्नई पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन 2018-19 में घाटे में रहे तथा सर्वाधिक घाटा उठाने वाले 10 उपक्रमों में यह शामिल रहे.**
- केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रमों (CPSE) की शुद्ध सम्पत्ति (Net worth) 31 मार्च, 2018 को ₹ 11,15,552 करोड़ थी, जो बढ़कर 31 मार्च, 2019 को ₹ 12,08,758 करोड़ हो गई थी. इस प्रकार 8·36 प्रतिशत की वृद्धि एक वर्ष में इसमें हुई.
- विभिन्न करों, केन्द्र सरकार द्वारा प्रदत्त ऋणों पर ब्याज एवं डिवीडेंड आदि के रूप में केन्द्र सरकार के कोष (Exchequer) में कुल ₹ 3,68,803 करोड़ का योगदान सार्वजनिक उपक्रमों ने 2018-19 में किया, जो 2017-18 में ₹ 3,52,361 करोड़ था. इस प्रकार 4·67 प्रतिशत की वृद्धि इसमें 2018-19 में हुई.
- केन्द्र सरकार के 79 उपक्रमों ने वस्तुओं एवं सेवाओं के निर्यात के जरिए ₹ 1,43,377 करोड़ की विदेशी मुद्रा का अर्जन 2018-19 में किया. 2017-18 में विदेशी मुद्रा अर्जन ₹ 98,714 करोड़ था. इस प्रकार कुल 45·24 प्रतिशत की वृद्धि इसमें 2018-19 के दौरान हुई.
- आयातों, रॉयल्टी, कंसल्टेंसी व ब्याज आदि के रूप में 144 सार्वजनिक उपक्रमों ने ₹ 6,64,914 करोड़ की विदेशी मुद्रा की अदायगी 2018-19 में की. पूर्व वर्ष 2017-18 में यह राशि ₹ 5,22,256 करोड़ थी. इस प्रकार 27·32 प्रतिशत की वृद्धि इसमें 2018-19 के दौरान हुई.

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) का दूसरा चरण

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के पहले चरण की समाप्ति के पश्चात् अब इसका दूसरा चरण 2020-21 से 2024-25 तक कार्यान्वित किया जाएगा. ₹ 1,40,881 करोड़ के कुल परिव्यय के इस चरण के लिए ₹ 52,497 करोड़ पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के बजट में से आवंटित किए जाएंगे, जबकि शेष राशि का वित्त पोषण ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (Solid and Liquid Waste Management—SLWM) के लिए विभिन्न मदों से आवंटित राशि से किया जाएगा.

खुले में शौच से मुक्ति (ODF) के पश्चात् अब सार्वजनिक शौचालयों में बेहतर सुविधाओं (ओडीएफ प्लस) पर ध्यान इस मिशन के तहत् केन्द्रित किया जाएगा, जिसमें खुले में शौच मुक्ति अभियान को जारी रखना और ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (SLWM) भी शामिल होगा. इस चरण में यह सुनिश्चित करने के लिए कार्य किया जाएगा कि हर व्यक्ति शौचालय का इस्तेमाल करे और एक व्यक्ति भी न छूटे. इस कार्य-क्रम के अन्तर्गत व्यक्तिगत घरेलू शौचालय (Individual Household Toilets) के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए मौजूदा मानदण्डों के अनुसार नए पात्र घरों को ₹ 12,000 की राशि प्रदान करने का प्रावधान जारी रहेगा. ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन के लिए वित्त पोषण मानदण्डों को इस चरण में अधिक युक्तिसंगत बनाया गया है और घरों की संख्या के स्थान पर प्रति व्यक्ति आय को आधार बनाया गया है. इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायतों को ग्रामीण स्तर पर सामुदायिक स्वच्छता परिसर के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता को ₹ 2 लाख से बढ़ाकर ₹ 3 लाख कर दिया गया है.

कॉर्पोरेट सेक्टर में तीसरी तेजस रेलगाड़ी

लखनऊ-दिल्ली तथा अहमदाबाद-मुम्बई के बीच सेमी हाईस्पीड तेजस एक्सप्रेस के परिचालन के पश्चात् आईआरसीटीसी के ही अधीन तीसरी कॉर्पोरेट ट्रेन वाराणसी व इंदौर के बीच 16 फरवरी, 2020 से संचालित की गई है. वाराणसी व इंदौर के बीच इसके ठहराव सुल्तानपुर, लखनऊ, कानपुर, झाँसी, बीना, भोपाल व उज्जैन निर्धारित किए गए हैं. तीन ज्योतिर्लिंगों–श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर, महाकालेश्वर मंदिर (उज्जैन) व ओंकारेश्वर मंदिर (इंदौर) की सैर कराने वाली इस रेलगाड़ी को महाकाल एक्सप्रेस नाम दिया गया है.

भारतीय रेलवे का पहला 'रेस्टोरेंट ऑन व्हील्स'

एक अनूठे प्रयास के तहत् भारतीय रेलवे ने एक 'रेस्टोरेंट ऑन व्हील्स की स्थापना प. बंगाल के आसनसोल में की है. रेलवे के दो पुराने (MEMU) कोचों को इसके लिए जोड़ कर रेस्टोरेंट का रूप उन्हें दिया गया है. इसका उद्घाटन भाजपा सांसद बाबुल सुप्रियो ने 26 फरवरी, 2020 को किया. रेल यात्रियों के अतिरिक्त पर्यटक व आम जनता भी इसका लाभ उठा सकेंगी. रेलवे के इस अनूठे प्रयास से अगले पाँच वर्षों में लगभग ₹ 50 लाख गैर किराया राजस्व रेलवे द्वारा अर्जित किया जा सकेगा, ऐसा अनुमान लगाया गया है.

कच्चे इस्पात के वैश्विक उत्पादन में वृद्धि : भारत का विश्व में दूसरा स्थान बरकरार

विश्व इस्पात संघ (World Steel Association) के ताजा आँकड़ों के अनुसार पूर्व वर्ष 2018 की तुलना में 2019 में विश्व में कच्चे इस्पात (Crude Steel) के उत्पादन में 3·4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है तथा सन्दर्भित वर्ष (2019) में इसका वैश्विक उत्पादन 1869·9 मिलियन टन रहा है. पूर्व वर्ष 2018 में विश्व में कच्चे इस्पात का कुल उत्पादन 1808·6 मिलियन टन था, जो 2017 में प्राप्त किए गए उत्पादन की तुलना में 4·6 प्रतिशत अधिक था.

- *क्रूड स्टील के उत्पादन के मामले में भारत का वर्ष 2017 तक चीन व जापान के पश्चात् विश्व में तीसरा स्थान था. जापान को पीछे छोड़ते हुए इस मामले में दूसरा स्थान भारत ने 2018 में प्राप्त कर लिया था. विश्व इस्पात संघ की जनवरी 2020 में जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत का यह दूसरा स्थान 2019 में भी बना रहा है. रिपोर्ट के अनुसार 2019 में भारत में कच्चे इस्पात का कुल उत्पादन 111·2 मिलियन टन रहा, जो 2018 में प्राप्त किए गए 109·3 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 1·8 प्रतिशत अधिक था. रिपोर्ट के अनुसार 2019 में भारत में इस्पात का यह उत्पादन कुल वैश्विक उत्पादन का 5·9 प्रतिशत था.*
- *विश्व इस्पात संघ की वर्ष 2020 की इस रिपोर्ट के अनुसार, चीन, जो विश्व में इस्पात का सबसे बड़ा उत्पादक राष्ट्र है, में 2019 में क्रूड स्टील का उत्पादन 996·3*

https://t.me/MAGAZINESKING

मिलियन टन (कुल वैश्विक उत्पादन का 53·3 प्रतिशत) था, जो एक वर्ष पूर्व 2018 में 920·0 मिलियन टन (कुल वैश्विक उत्पादन का 50·9 प्रतिशत) था. इस प्रकार चीन में इस्पात उत्पादन में 8·3 प्रतिशत की वृद्धि 2019 में दर्ज की गई.

कच्चे इस्पात के उत्पादन के मामले में चीन व भारत के पश्चात् विश्व में तीसरा, चौथा व पाँचवाँ स्थान क्रमशः जापान, अमरीका व रूस का है. 2019 में इन देशों में कच्चे इस्पात का कुल उत्पादन क्रमशः 99·3 मिलियन टन, 87·9 मिलियन टन व 71·6 मिलियन टन रहा है.

- *विश्व इस्पात संघ की इस रिपोर्ट के अनुसार विश्व के 10 बड़े इस्पात उत्पादक राष्ट्रों में केवल चीन, भारत, ईरान व अमरीका ही ऐसे चार देश रहे हैं, जहाँ 2018 की तुलना में 2019 में इस्पात उत्पादन में वृद्धि दर्ज की गई है, शेष राष्ट्रों में 2019 में उत्पादन में गिरावट आई है.*

विश्व इस्पात संघ की रिपोर्ट के अनुसार विश्व के पहले 10 इस्पात राष्ट्रों में 2018 व 2019 में इस्पात का उत्पादन तथा वैश्विक उत्पादन में इनकी हिस्सेदारी निम्नलिखित तालिका में दर्शाई गई है–

विश्व के 10 बड़े इस्पात उत्पादक राष्ट्रों में कच्चे इस्पात का उत्पादन

देश	कुल उत्पादन (मिलियन टन)		2018 की तुलना में 2019 में उत्पादन में वृद्धि (प्रतिशत)	कुल वैश्विक उत्पादन में अंश प्रतिशत	
	2019	2018		2019	2018
चीन	996·3	920·0	8·3	53·3	50·9
भारत	**111·2**	**109·3**	**1·8**	**5·9**	**6·0**
जापान	99·3	104·3	– 4·8	5·3	5·8
अमरीका	87·9	86·6	1·5	4·7	4·8
रूस	71·6	72·0	– 0·7	3·8	4·0
द. कोरिया	71·4	72·5	– 1·4	3·8	4·0
जर्मनी	39·7	42·4	– 6·5	2·1	2·3
टर्की	33·7	37·3	– 9·6	1·8	2·1
ब्राजील	32·2	35·4	– 9·0	1·7	2·0
ईरान	31·9	24·5	30·1	1·7	1·3
यूरोपीय संघ	—	—	—	8·5	9·3
शेष विश्व	—	—	—	7·3	7·5
कुल वैश्विक उत्पादन	1869·9	1808·6	3·4	—	—

2019-20 में देश में कृषिगत उत्पादन : कृषि मंत्रालय के दूसरे अग्रिम अनुमान

कृषि वर्ष 2019-20 के दौरान देश में प्रमुख कृषिगत उपजों के दूसरे अग्रिम अनुमान (2nd Advance Estimates) कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा 18 फरवरी, 2020 को जारी किए गए (इससे पूर्व इस वर्ष के कृषिगत उत्पादन के सम्बन्ध में पहले अग्रिम अनुमान मंत्रालय द्वारा 23 सितम्बर, 2019 को उस समय जारी किए गए थे जब केवल खरीफ उपजों के सम्बन्ध में ही आँकड़े उपलब्ध थे). 18 फरवरी, 2020 के दूसरे अग्रिम अनुमानों में रबी एवं खरीफ दोनों ही उपजों के उत्पादन के आँकड़े शामिल हैं. इन आँकड़ों में **2019-20 में गेहूँ व चावल सहित खाद्यान्नों का कुल उत्पादन अब तक के रिकॉर्ड स्तर पर अनुमानित किया गया है.** गन्ना व जूट को छोड़कर अन्य सभी प्रमुख उपजों के उत्पादन में पूर्व वर्ष 2018-19 की तुलना में वृद्धि 2019-20 में हुई है. कृषि मंत्रालय की विज्ञप्ति में बताया गया है कि इस वर्ष मानसून मौसम (जून-सितम्बर 2019) में देश में कुल वर्षा दीर्घकालिक औसत (Long Period Average) से 10 प्रतिशत अधिक रही थी, जिससे 2019-20 में अधिकांश उपजों का उत्पादन उनके सामान्य स्तर से अधिक अनुमानित है. मंत्रालय की विज्ञप्ति में कहा गया है कि आने वाले समय में और अधिक सटीक सूचनाएं उपलब्ध होने पर इन अनुमानों में संशोधन किए जाएंगे.

दूसरे अग्रिम अनुमानों के तहत् 2019-20 में प्रमुख फसलों के उत्पादन अनुमान निम्नलिखित हैं–

* कुल खाद्यान्न–291·95 मिलियन टन (रिकॉर्ड)
* चावल–117·47 मिलियन टन (रिकॉर्ड)
* गेहूँ–106·21 मिलियन टन (रिकॉर्ड)
* पौष्टिक/मोटे अनाज–45·24 मिलियन टन
* मक्का–28·08 मिलियन टन
* दलहन–23·02 मिलियन टन
* अरहर–3·69 मिलियन टन
* चना–11·22 मिलियन टन
* तिलहन–34·19 मिलियन टन
* सोयाबीन–13·63 मिलियन टन
* रेपसीड एवं सरसों–9·11 मिलियन टन
* मूँगफली–8·24 मिलियन टन
* कपास–34·89 मिलियन गाँठें (प्रत्येक 170 किलोग्राम)
* जूट एवं मेस्ता–9·81 मिलियन गाँठें (प्रत्येक 180 किलोग्राम)
* गन्ना–353·85 मिलियन टन

- कृषि मंत्रालय के 18 फरवरी, 2020 के दूसरे अग्रिम अनुमानों में 2019-20 में देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन 291·95 मिलियन टन के रिकॉर्ड स्तर पर होने का अनुमान लगाया गया है. यह पूर्व वर्ष 2018-19 में प्राप्त किए गए 285·21 मिलियन टन की तुलना में 6·74 मिलियन टन अधिक है. यह उत्पादन पिछले पाँच वर्षों (2013-14 से लेकर 2017-18 तक) में हुए औसत उत्पादन से 26·20 मिलियन टन अधिक है.
- 2019-20 के दौरान चावल का उत्पादन रिकॉर्ड 117·47 मिलियन टन के रिकॉर्ड स्तर पर होने का अनुमान लगाया गया है. यह पूर्व वर्ष 2018-19 में प्राप्त किए गए 116·48 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में लगभग 1 मिलियन टन अधिक है. यही नहीं, 2019-20 में चावल का यह उत्पादन पिछले पाँच वर्षों में हुए 107·80 मिलियन टन औसत उत्पादन से 9·67 मिलियन टन अधिक है.
- वर्ष 2019-20 के दौरान गेहूँ का कुल उत्पादन 106·21 मिलियन टन होने का अनुमान दूसरे अग्रिम अनुमानों में लगाया गया है. यह 2018 में प्राप्त किए गए 103·60 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 2·61 मिलियन टन अधिक है. यही नहीं 2019-20 के दौरान गेहूँ का उत्पादन पिछले पाँच वर्षों में प्राप्त किए गए 94·61 मिलियन टन औसत उत्पादन से 11·60 मिलियन टन ज्यादा है.
- दूसरे अग्रिम अनुमानों में 2019-20 के दौरान पौष्टिक/मोटे अनाजों का कुल उत्पादन 45·24 मिलियन टन होने का अनुमान लगाया गया है. यह 2018-19 में प्राप्त किए गए 43·06 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 2·18 मिलियन टन अधिक है. यही नहीं, इस वर्ष पौष्टिक/मोटे अनाजों का उत्पादन पिछले पाँच वर्षों के औसत उत्पादन की तुलना में 2·16 मिलियन टन अधिक है.
- दूसरे अग्रिम अनुमानों में 2019-20 के दौरान दालों का कुल उत्पादन 23·02 मिलियन टन अनुमानित है. यह पूर्व वर्ष 2018-19 में प्राप्त किए गए 22·08 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में लगभग 1 मिलियन टन अधिक है. 2019-20 में दालों का यह उत्पादन पिछले पाँच वर्षों में हुए 20·26 मिलियन टन के औसत उत्पादन से 2·76 मिलियन टन ज्यादा है.

https://t.me/MAGAZINESKING

विभिन्न वर्षों में देश में खाद्यान्न उत्पादन

(मिलियन टन में)

फसल	मौसम	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	
												लक्ष्य	18 फरवरी, 2020 के दूसरे अग्रिम अनुमान
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
धान्य	खरीफ	75·92	80·65	92·78	92·36	91·50	91·39	91·41	96·30	97·14	102·04	102·00	101·95
	रबी	13·18	15·33	12·52	12·87	15·15	14·09	13·00	13·40	15·62	14·44	14·00	15·53
	कुल	**89·09**	**95·98**	**105·30**	**105·23**	**106·65**	**105·48**	**104·41**	**109·70**	**112·76**	**116·48**	**116·00**	**117·47**
गेहूँ	रबी	**80·80**	**86·87**	**94·88**	**93·51**	**95·85**	**86·53**	**92·29**	**98·51**	**99·87**	**103·60**	**100·50**	**106·21**
ज्वार	खरीफ	2·76	3·44	3·29	2·84	2·39	2·30	1·82	1·96	2·27	1·74	2·10.	1·72
	रबी	3·93	3·56	2·69	2·44	3·15	3·15	2·42	2·60	2·53	1·74	2·80	2·66
	कुल	6·70	7·00	5·98	5·28	5·54	5·45	4·24	4·57	4·80	3·48	4·90	4·38
बाजरा	खरीफ	6·51	10·37	10·28	8·74	9·25	9·18	8·07	9·73	9·21	8·66	9·50	8·90
रागी	खरीफ	1·89	2·19	1·93	1·57	1·98	2·06	1·82	1·39	1·99	1·24	2·30	1·68
छोटे मिलेट	खरीफ	0·38	0·44	0·45	0·44	0·43	0·39	0·39	0·44	0·44	0·33	0·60	0·34
पौष्टिक अनाज	खरीफ	11·54	16·44	15·95	13·59	14·06	13·93	12·10	13·52	13·91	11·97	14·50	12·63
	रबी	3·93	3·56	2·69	2·44	3·15	3·15	2·42	2·60	2·53	1·74	2·80	2·66
	कुल	15·47	20·01	18·64	16·03	17·20	17·08	14·52	16·12	16·44	13·71	17·30	15·29
मक्का	खरीफ	12·29	16·64	16·49	16·20	17·15	17·01	16·05	18·92	20·12	19·41	21·30	19·86
	रबी	4·43	5·09	5·27	6·05	7·11	7·16	6·51	6·98	8·63	8·30	7·60	8·22
	कुल	16·72	21·73	21·76	22·26	24·26	24·17	22·57	25·90	28·75	27·72	28·90	28·08
जौ	रबी	1·35	1·66	1·62	1·75	1·83	1·61	1·44	1·75	1·78	1·63	2·10	1·88
पौष्टिक/ मोटे अनाज	खरीफ	23·83	33·08	32·44	29·79	31·20	30·94	28·15	32·44	34·03	31·38	35·80	32·49
	रबी	9·72	10·32	9·58	10·24	12·09	11·92	10·37	11·33	12·94	11·67	12·50	12·75
	कुल	**33·55**	**43·40**	**42·01**	**40·04**	**43·30**	**42·86**	**38·52**	**43·77**	**46·97**	**43·06**	**48·30**	**45·24**
अनाज	खरीफ	99·75	113·73	125·22	122·15	122·70	122·34	119·56	128·74	131·16	133·42	137·80	134·44
	रबी	103·70	112·52	116·98	116·63	123·09	112·53	115·66	123·24	128·44	129·71	127·00	134·49
	कुल	203·45	226·25	242·20	238·78	245·79	234·87	235·22	251·98	259·60	263·14	264·80	268·93
तूर	खरीफ	2·46	2·86	2·65	3·02	3·17	2·81	2·56	4·87	4·29	3·32	4·60	3·69
चना	रबी	7·48	8·22	7·70	8·83	9·53	7·33	7·06	9·38	11·38	9·94	11·60	11·22
उड़द	खरीफ	0·81	1·40	1·23	1·50	1·15	1·28	1·25	2·18	2·75	2·36	2·90	1·72
	रबी	0·42	0·36	0·53	0·47	0·55	0·68	0·70	0·66	0·74	0·70	0·80	0·53
	कुल	1·24	1·76	1·77	1·97	1·70	1·96	1·95	2·83	3·49	3·06	3·70	2·25
मूँग	खरीफ	0·44	1·53	1·24	0·79	0·96	0·87	1·00	1·64	1·43	1·78	1·60	1·77
	रबी	0·25	0·27	0·40	0·40	0·65	0·64	0·59	0·52	0·59	0·67	0·70	0·50
	कुल	0·69	1·80	1·63	1·19	1·61	1·50	1·59	2·17	2·02	2·46	2·30	2·27
मसूर	रबी	1·03	0·94	1·06	1·13	1·02	1·04	0·98	1·22	1·62	1·23	*	1·39
अन्य खरीफ दालें	खरीफ	0·49	1·33	0·93	0·61	0·71	0·78	0·72	0·89	0·83	0·63	1·00	0·73
अन्य रबी दालें	रबी	1·28	1·33	1·34	1·59	1·52	1·74	1·47	1·77	1·78	1·45	3·10	1·47
कुल दालें	खरीफ	4·20	7·12	6·06	5·92	6·00	5·73	5·53	9·58	9·31	8·09	10·10	7·92
	रबी	10·46	11·12	11·03	12·43	13·26	11·42	10·79	13·55	16·11	13·98	16·20	15·11
	कुल	**14·66**	**18·24**	**17·09**	**18·34**	**19·26**	**17·15**	**16·32**	**23·13**	**25·42**	**22·08**	**26·30**	**23·02**
कुल खाद्यान्न	खरीफ	103·95	120·85	131·27	128·07	128·69	128·06	125·09	138·33	140·47	141·52	147·90	142·36
	रबी	114·15	123·64	128·01	129·05	136·35	123·96	126·45	136·78	144·55	143·70	143·20	149·60
	कुल	**218·11**	**244·49**	**259·29**	**257·12**	**265·05**	**252·02**	**251·54**	**275·11**	**285·01**	**285·21**	**291·10**	**291·95**

https://t.me/MAGAZINESKING

अन्य उपजें (उत्पादन लाख टन में)

फसल	मौसम	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 लक्ष्य	2019-20 18 फरवरी, 2020 के दूसरे अग्रिम अनुमान
मूँगफली	खरीफ	38·52	66·43	51·27	31·88	80·58	59·31	53·68	60·48	75·95	53·87	75·68	69·49
	रबी	15·76	16·22	18·37	15·07	16·56	14·71	13·66	14·14	16·57	13·40	16·08	12·95
	कुल	54·28	82·65	69·64	46·95	97·14	74·02	67·33	74·62	92·53	67·27	91·76	82·44
अरंडी बीज	खरीफ	10·09	13·50	22·95	19·64	17·27	18·70	17·52	13·76	15·68	11·97	19·32	20·43
तिल	खरीफ	5·88	8·93	8·10	6·85	7·15	8·28	8·50	7·47	7·55	6·89	10·17	6·64
रामतिल	खरीफ	1·00	1·08	0·98	1·01	0·98	0·76	0·74	0·85	0·70	0·45	2·03	0·79
सोयाबीन	खरीफ	99·64	127·36	122·14	146·66	118·61	103·74	85·70	131·59	109·33	132·68	149·64	136·28
सूरजमुखी	खरीफ	2·14	1·92	1·47	1·87	1·66	1·43	0·85	1·11	0·85	0·90	1·55	0·78
	रबी	6·36	4·59	3·69	3·57	3·38	2·91	2·12	1·41	1·37	1·26	1·50	1·79
	कुल	8·51	6·51	5·17	5·44	5·04	4·34	2·96	2·51	2·22	2·16	3·05	2·56
रेपसीड एवं सरसों	रबी	66·08	81·79	66·04	80·29	78·77	62·82	67·97	79·17	84·30	92·56	82·37	91·13
अलसी	रबी	1·54	1·47	1·52	1·49	1·42	1·55	1·26	1·84	1·74	0·99	2·03	1·36
सैफ्लॉवर	रबी	1·79	1·50	1·45	1·09	1·13	0·90	0·53	0·94	0·55	0·25	0·63	0·27
कुल नौ तिलहन	खरीफ	157·28	219·22	206·91	207·91	226·24	192·21	166·98	215·26	210·06	206·76	258·39	234·40
	रबी	91·53	105·57	91·08	101·50	101·26	82·90	85·53	97·50	104·53	108·46	102·61	107·48
	कुल	**248·82**	**324·79**	**297·99**	**309·41**	**327·49**	**275·11**	**252·51**	**312·76**	**314·59**	**315·22**	**361·00**	**341·88**
गन्ना	कुल	2923·02	3423·82	3610·37	3412·00	3521·42	3623·33	3484·48	3060·69	3799·05	4054·16	3855·00	3538·45
कपास #	कुल	240·22	330·00	352·00	342·20	359·02	348·05	300·05	325·77	328·05	280·42	357·50	348·91
जूट ##	कुल	112·30	100·09	107·36	103·40	110·83	106·18	99·40	104·32	95·91	94·97	105·00	93·61
मेस्ता ##	कुल	5·87	6·11	6·63	5·90	6·07	5·08	5·83	5·30	4·42	3·23	7·00	4·50
जूट एवं मेस्ता ##	कुल	118·17	106·20	113·99	109·30	116·90	111·26	105·24	109·62	100·33	98·20	112·00	98·11

170 किग्रा की प्रत्येक गाँठ ## 180 किग्रा की प्रत्येक गाँठ

- 2019-20 के दौरान तिलहनों का कुल उत्पादन 34·19 मिलियन टन होने का अनुमान दूसरे अग्रिम अनुमानों में लगाया गया है. यह पूर्व वर्ष 2018-19 में प्राप्त किए गए 31·52 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 2·67 मिलियन टन अधिक है. यही नहीं, 2019-20 के दौरान दालों का उत्पादन पिछले पाँच वर्षों के औसत उत्पादन से 4·54 मिलियन टन अधिक है.
- 2019-20 के दौरान गन्ने का कुल उत्पादन 353·85 मिलियन टन होने का अनुमान लगाया गया है. यह 2018-19 में प्राप्त किए गए. 405·42 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 51·57 मिलियन टन कम है, परन्तु यह उत्पादन पिछले पाँच वर्षों के 349·78 मिलियन टन के औसत उत्पादन से 4·07 मिलियन टन अधिक है.
- 2019-20 के दौरान कपास का उत्पादन 34·89 मिलियन गाँठ (प्रत्येक गाँठ 170 किलोग्राम) होने का अनुमान लगाया गया है, जो वर्ष 2018-19 में प्राप्त किए गए 28·04 मिलियन गाँठ उत्पादन की तुलना में 6·85 मिलियन गाँठ अधिक है. इनके साथ ही 2019-20 के दौरान जूट एवं मेस्ता का उत्पादन 9·81 मिलियन गाँठ (प्रत्येक गाँठ 180 किलोग्राम) होने का अनुमान लगाया गया है. यह पूर्व वर्ष 2018-19 में प्राप्त किए गए. 9·82 मिलियन गाँठ उत्पादन से मामूली कम है.

अटल भूजल योजना के वित्तीयन हेतु विश्व बैंक से 45 करोड़ डॉलर के ऋण हेतु समझौता

सात राज्यों–गुजरात, महाराष्ट्र, हरियाणा, कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश व उत्तर प्रदेश के चुनींदा जिलों में भूजल के स्तर में सुधार लाने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा दिसम्बर 2019 में शुरू की गई अटल भूजल योजना हेतु 450 मिलियन डालर के ऋण हेतु विश्व बैंक के साथ समझौता सरकार ने सम्पन्न किया है. नई दिल्ली में 12 फरवरी, 2020 को हस्ताक्षरित इस समझौते पर भारत सरकार की ओर से वित्त

https://t.me/MAGAZINEKING

मंत्रालय में आर्थिक मामलों के विभाग के अतिरिक्त सचिव श्री समीर कुमार खरे व विश्व बैंक की ओर से उसके कंट्री डायरेक्टर जुनैद अहमद ने हस्ताक्षर किए.

2020-21 से 2024-25 के दौरान पाँच वर्षों में कार्यान्वित की जाने वाली अटल भूजल योजना पर ₹ 6000 करोड़ का कुल व्यय अनुमानित किया गया है, जिसमें से आधी राशि विश्व बैंक के ऋण द्वारा व शेष केन्द्र सरकार द्वारा वहन की जानी है. दोनों ही स्रोतों से प्राप्त राशि उपर्युक्त राज्यों को अनुदान के रूप में उपलब्ध कराई जाएगी. सन्दर्भित सात राज्यों के 78 जिलों के लगभग 8350 गाँव इस योजना से लाभान्वित होंगे.

मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के पाँच वर्ष पूर्ण

किसानों को उनकी मृदा के स्वास्थ्य (Soil Health) के सम्बन्ध में जानकारी उपलब्ध कराने के लिए मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में शुरू की गई **मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना** (Soil Health Card Scheme) के पाँच वर्ष 19 फरवरी, 2020 को पूरे हुए हैं. इस उपलक्ष्य में एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन नई दिल्ली में 19 फरवरी, 2020 को मृदा स्वास्थ्य कार्ड दिवस के अवसर पर किया गया.

मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना का शुभारम्भ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 19 फरवरी, 2015 को राजस्थान में सूरतगढ़ में किया था. **इस योजना के तहत् किसानों को उनके खेत की गुणवत्ता का अध्ययन कर उसके स्वास्थ्य की जानकारी मृदा स्वास्थ्य कार्ड के जरिए दो-दो वर्ष के अंतराल पर उपलब्ध कराई जाती है तथा उर्वरता में सुधार के लिए पोषक तत्वों के उपयोग सम्बन्धी जानकारी भी उपलब्ध कराई जाती है.** इससे किसान केवल जरूरी उर्वरकों का ही उचित मात्रा में उपयोग कर सकता है. 2015-17 के दौरान इस योजना के पहले चक्र में 10·74 करोड़ मृदा स्वास्थ्य कार्डों का वितरण किसानों को किया गया था, जबकि 2017-19 के दौरान दूसरे चक्र मे 11·74 करोड़ कार्डों का वितरण किया गया है.

राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद् (National Productivity Council—NPC) द्वारा 2017 में किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना से टिकाऊ खेती को बढ़ावा मिला है तथा इससे न केवल उर्वरकों के उपयोग में 8 से 10 प्रतिशत की कमी आई है, बल्कि उपज में भी 5-6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है.

भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की पाँचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था : वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू रिपोर्ट

अमरीका के एक स्वतंत्र थिंक टैंक वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू की फरवरी 2020 की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ब्रिटेन व फ्रांस को पीछे छोड़ते हुए विश्व की पाँचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था 2019 में हो गई है. रिपोर्ट में 2019 में भारत का जीडीपी 2·94 ट्रिलियन डॉलर बताया गया है, जबकि ब्रिटेन का जीडीपी 2·83 ट्रिलियन डॉलर व फ्रांस का 2·71 ट्रिलियन डॉलर इसमें बताया गया है.

- *क्रय शक्ति समता (Purchasing Power Parity—PPP) के आधार पर भारतीय अर्थव्यवस्था को चीन व अमरीका के पश्चात् तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू की इस रिपोर्ट में बताया गया है. इस दृष्टि से जापान व जर्मनी का क्रमशः चौथा व पाँचवाँ स्थान इसमें बताया गया है. रिपोर्ट में क्रय शक्ति समता के आधार पर भारत का जीडीपी 2019 में 10·51 ट्रिलियन डॉलर आकलित किया गया है.*
- *रिपोर्ट के अनुसार भारत में जीडीपी वृद्धि की दर लगातार तीन वर्षों तक घटते हुए 7·5 प्रतिशत से घट कर 5 प्रतिशत 2019 में रह गई है.*
- *वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू की इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 1990 के दशक में शुरू हुए आर्थिक उदारीकरण के कारण देश में आर्थिक वृद्धि में तेजी आई है. सेवा क्षेत्र को भारत में सबसे तेज वृद्धि वाला क्षेत्र बताते हुए जीडीपी में इसका योगदान लगभग 60 प्रतिशत व रोजगार में योगदान लगभग 28 प्रतिशत इसमें बताया गया है.*

वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू की पहले की एक अन्य रिपोर्ट में प्रस्तुत आँकड़ों के अनुसार जून 2019 में विश्व की कुल जनसंख्या 7·58 अरब थी, जो 2025 में 8 अरब हो जाने का अनुमान है.

- *संस्था की वर्ल्ड पॉपुलेशन क्लॉक के अनुसार 27 फरवरी, 2020 को सायं लगभग 7 बजे (भारतीय समयानुसार) विश्व की कुल जनसंख्या 7,76,72,11,755 थी.*
- ***संस्था की वर्ल्ड पॉपुलेशन क्लॉक के अनुसार विश्व में प्रतिदिन जन्म लेने वाले शिशुओं की संख्या जहाँ 3,83,261 है, वहीं मरने वालों की संख्या 1,61,543 प्रतिदिन है. इस प्रकार वैश्विक जनसंख्या में 2,21,718 की वृद्धि प्रतिदिन हो रही है. इस प्रकार प्रति 0·39 सेकण्ड में 1 की वृद्धि वैश्विक जनसंख्या में प्रतिदिन हो रही है.***

वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू की जून 2019 की एक रिपोर्ट में वर्ष 1 से अब तक, पिछले 2 हजार से अधिक वर्षों में वैश्विक जनसंख्या के आकार में परिवर्तन निम्नलिखित अनुसार आकलित है—

वर्ष (AD)	जनसंख्या
1	20 करोड़
1000	27·5 करोड़
1500	45·0 करोड़
1650	50·0 करोड़
1750	70·0 करोड़
1804	1·0 अरब
1927	2·0 अरब
1960	3·0 अरब
1970	3·7 अरब
1985	4·85 अरब
1999	6·0 अरब
2011	7·0 अरब
2025	8·0 अरब

- *वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू की रिपोर्ट के अनुसार 2019 में विश्व में केवल 2 राष्ट्र (चीन व भारत) ही ऐसे थे जिनकी जनसंख्या 100 करोड़ से अधिक थी. इनके पश्चात् 12 अन्य राष्ट्रों की जनसंख्या 10 करोड़ से अधिक थी. इन सभी 14 देशों में जनसंख्या के सम्बन्ध में निम्नलिखित आँकड़े रिपोर्ट में दर्शाए गए हैं—*

क्रमांक	देश	2019 में जनसंख्या (करोड़)	जनसंख्या घनत्व (प्रति वर्ग किमी)	जनसंख्या वृद्धि दर (प्रतिशत)	विश्व की कुल जनसंख्या में अंश (प्रतिशत)
1.	चीन	143·4	148	0·39	18·47
2.	भारत	136·6	420	0·99	17·70
3.	अमरीका	32·9	35	0·59	4·25
4.	इंडोनेशिया	27·1	144	1·07	3·51
5.	पाकिस्तान	21·7	250	2·00	2·83
6.	ब्राजील	21·1	25	0·72	2·73
7.	नाइजीरिया	20·1	223	2·58	2·64
8.	बांग्लादेश	16·3	1116	1·01	2·11
9.	रूस	14·6	9	0·04	1·87
10.	मेक्सिको	12·8	66	1·06	1·65
11.	जापान	12·7	335	−0·30	1·62
12.	इथियोपिया	11·2	104	2·57	1·47
13.	फिलीपींस	10·8	320	1·35	1·41
14.	मिस्र	10·0	102	1·94	1·31

https://t.me/MAGAZINESKING

2019-20 में राष्ट्रीय आय के सम्बन्ध में सीएसओ के दूसरे अग्रिम अनुमान (जीडीपी में वृद्धि 5·0 प्रतिशत रहने का ताजा अनुमान : 11 वर्षों में जीडीपी वृद्धि की न्यूनतम दर)

वित्तीय वर्ष 2019-20 में देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) व राष्ट्रीय आय सम्बन्धी दूसरे अग्रिम अनुमान (Second Advance Estimates) केन्द्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय (Central Statistical Office—CSO) द्वारा 28 फरवरी, 2020 को जारी किए गए. इन आँकड़ों में सन्दर्भित वर्ष (2019–20) में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि 5·0 प्रतिशत ही रहने का अनुमान लगाया गया है, जो विगत 11 वर्षों में न्यूनतम हैं. सीएसओ के 7 जनवरी, 2020 के पहले अग्रिम अनुमानों में भी 2019–20 में जीडीपी में वृद्धि 5·0 प्रतिशत ही अनुमानित थी. 2019–20 के राष्ट्रीय आय सम्बन्धी पहले अग्रिम अनुमान (First Advance Estimates) 7 जनवरी, 2020 को ऐसे समय जारी किए गए थे जब इस वित्तीय वर्ष की पहली दो तिमाहियों के आँकड़े ही उपलब्ध थे. 2019–20 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसम्बर 2019) के जीडीपी सम्बन्धी आँकड़े सीएसओ ने अब 28 फरवरी, 2020 को जारी किए हैं. इसी के साथ 2019-20 की राष्ट्रीय आय सम्बन्धी दूसरे अग्रिम अनुमान (Second Advance Estimates) भी सीएसओ द्वारा 28 फरवरी, 2020 को जारी किए गए हैं. इसी दौरान 2018-19 की राष्ट्रीय आय सम्बन्धी पहले संशोधित अनुमान सीएसओ ने 31 जनवरी, 2020 को जारी किए थे. जिनमें 2018-19 में जीडीपी में वृद्धि 6·1 प्रतिशत आकलित की गई है. 28 फरवरी, 2020 के दूसरे अग्रिम अनुमानों के तहत् राष्ट्रीय आय सम्बन्धी प्रमुख आकलन निम्नलिखित अनुसार है–

स्थिर मूल्यों (2011-12 के मूल्य स्तर) पर राष्ट्रीय आय सम्बन्धी प्रमुख आकलन (Estimates at Constant Prices)

सकल घरेलू उत्पाद (GDP)–सीएसओ के 28 फरवरी, 2020 के दूसरे अग्रिम आकलन में वित्तीय वर्ष 2019-20 में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (Real GDP/GDP at Constant 2011-12 Prices) ₹ 146·84 लाख करोड़ अनुमानित है. CSO के 7 जनवरी, 2020 के पहले अग्रिम आकलन (First Advance Estimates) में यह ₹ 147·79 लाख करोड़ अनुमानित था. इससे पूर्व 2018-19 में स्थिर मूल्यों पर सकल घरेलू उत्पाद ₹ 139·81 लाख करोड़ था (CSO के 31 जनवरी, 2020 के पहले संशोधित अनुमान). इस प्रकार **2019-20 में जीडीपी में वृद्धि 5·0 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि 2018-19 में यह वृद्धि 6·1 प्रतिशत थी.**

राष्ट्रीय आय व प्रति व्यक्ति आय–सीएसओ के 28 फरवरी, 2020 के दूसरे अग्रिम अनुमानों में स्थिर कीमतों पर (2011-12 के स्थिर मूल्यों पर) 2019-20 में शुद्ध राष्ट्रीय आय (Real Net National Income/National Income at Constant Prices) ₹ 128·34 लाख करोड़ अनुमानित है, जबकि 2018-19 में यह ₹ 122·20 लाख करोड़ रही थी. **इस प्रकार 2019-20 में स्थिर कीमतों पर शुद्ध राष्ट्रीय में 5·0 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित है, जबकि 2018-19 में वास्तविक राष्ट्रीय आय में वृद्धि 5·9 प्रतिशत रही थी.**

स्थिर मूल्यों पर प्रति व्यक्ति आय 2019-20 में ₹ 95,706 रहने का सीएसओ का दूसरा अग्रिम अनुमान है, जबकि 2018-19 में वास्तविक प्रति व्यक्ति आय ₹ 92,085 रही है. इस प्रकार वास्तविक प्रति व्यक्ति आय में 3·9 प्रतिशत की वृद्धि 2019-20 में होने का सीएसओ का दूसरा अग्रिम अनुमान है. 7 जनवरी, 2020 के पहले अग्रिम अनुमानों में स्थिर मूल्यों पर 2018-19 में प्रति व्यक्ति आय ₹ 96,563 अनुमानित थी.

मूल कीमतों पर सकल मूल्य सम्वर्द्धन (Gross Value Added at Basic Prices)–वित्तीय वर्ष 2018-19 में स्थिर मूल कीमतों पर (2011-12 के मूल्य स्तर पर) जीवीए (GVA) ₹ 128·03 लाख करोड़ था, जो 2019-20 में ₹ 134·34 लाख करोड़ अनुमानित है. **इस प्रकार 2019-20 में जीवीए (GVA at Basic Prices) में 4·9 प्रतिशत वृद्धि अनुमानित की गई है.** पूर्व वर्ष 2018-19 में यह वृद्धि 6·0 प्रतिशत रही थी.

प्रचलित मूल्यों पर राष्ट्रीय आय सम्बन्धी प्रमुख आकलन (Estimates at Current Prices)

सकल घरेलू उत्पाद (GDP)–वित्तीय वर्ष 2019-20 में प्रचलित कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP/GDP at Current Prices) ₹ 203·85 लाख करोड़ रहने का सीएसओ का दूसरा अग्रिम अनुमान है. CSO के 31 जनवरी, 2020 के पहले संशोधित आकलन (First Revised Estimates) के अनुसार पूर्व वर्ष 2018-19 में यह ₹ 189·71 लाख करोड़ था. इस प्रकार चालू मूल्यों पर 2019-20 में जीडीपी में वृद्धि 7·5 प्रतिशत अनुमानित है, जबकि 2018-19 में यह वृद्धि 11·0 प्रतिशत थी.

राष्ट्रीय आय व प्रति व्यक्ति आय–सीएसओ के 28 फरवरी, 2020 के दूसरे

सीएसओ के 28 फरवरी, 2020 के दूसरे अग्रिम अनुमानों में 2019-20 में कृषि एवं सम्बन्धित क्षेत्रों में जीवीए में वृद्धि 3·7 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है, जबकि 2018-19 में यह वृद्धि 2·4 प्रतिशत रही थी. विनिर्माणी (Manufacturing) क्षेत्र में 2018-19 में जीवीए में वृद्धि 5·7 प्रतिशत रही थी, जबकि 2019-20 में यह वृद्धि 0·9 प्रतिशत ही रहने का अनुमान दूसरे अग्रिम आकलन में लगाया गया है. 2018-19 में सर्वाधिक 9·4 प्रतिशत की वृद्धि सार्वजनिक प्रशासन, रक्षा व अन्य सेवाओं के क्षेत्र में प्राप्त की गई थी. 2019-20 में भी इस उपक्षेत्र में ही वृद्धि सर्वाधिक 8·8 प्रतिशत अनुमानित की गई है

अर्थव्यवस्था के विभिन्न उत्पादक क्षेत्रों में जीवीए में वृद्धि (2011-12 के स्थिर मूल्यों के आधार पर)

(प्रतिशत में)

		2018-19 (पहले संशोधित अनुमान)	2019-20 (दूसरे अग्रिम अनुमान)
1.	कृषि, वानिकी एवं मत्स्यिकी (Agriculture, Forestry and Fishing)	2·4	3·7
2.	खनन व उत्खनन (Mining and Quarrying)	5·8	2·8
3.	विनिर्माणी (Manufacturing)	5·7	0·9
4.	विद्युत्, गैस, जलापूर्ति व अन्य उपयोगी सेवाएं (Electricity, Gas, Water Supply and Other Utility Services)	8·2	4·6
5.	निर्माण (Construction)	6·1	3·0
6.	व्यापार, होटल, परिवहन, संचार एवं प्रसारण से सम्बन्धित सेवाएं (Trade, Hotels, Transport, Communications and Services related to Broadcasting)	7·7	5·6
7.	वित्तीय, रीयल एस्टेट एवं व्यावसायिक सेवाएं (Financial, Real, Estate and Professional Services)	6·8	7·3
8.	सार्वजनिक प्रशासन, रक्षा व अन्य सेवाएं (Public Administration, Difference and Other Services)	9·4	8·8
	मूल कीमतों पर जीवीए (GVA at Basic Prices)	**6·0**	**4·9**

https://t.me/MAGAZINESKING

अग्रिम अनुमानों में प्रचलित कीमतों पर 2019-20 में शुद्ध राष्ट्रीय आय (Net National Income–NNI/National Income at Current Prices) ₹ 180·27 लाख करोड़ अनुमानित है, जबकि 2018-19 में यह ₹ 167·90 लाख करोड़ रही थीं. इस प्रकार चालू कीमतों पर शुद्ध राष्ट्रीय में 7·4 प्रतिशत की वृद्धि 2019-20 मे अनुमानित है, जबकि 2018-19 में यह वृद्धि 10·8 प्रतिशत रही थी. चालू मूल्यों पर प्रति व्यक्ति आय 2019-20 में ₹ 1,34,432 रहने का सीएसओ का अग्रिम अनुमान है, जबकि 2018-19 में यह ₹ 1,26,521 थी. इस प्रकार चालू मूल्यों पर प्रति व्यक्ति आय में 6·3 प्रतिशत की वृद्धि 2019-20 में होने का सीएसओ का ताजा अग्रिम अनुमान है. 7 जनवरी, 2020 के पहले अग्रिम आकलन में 2019-20 में प्रचलित मूल्यों पर प्रति व्यक्ति आय ₹ 1,35,050 अनुमानित की गई थी.

मूल कीमतों पर सकल मूल्य संवर्द्धन (Gross Value Added at Basic Prices)– प्रचलित मूल्यों पर मूल कीमतों पर जीवीए (GVA at Basic Prices) 2018-19 में ₹ 171·40 लाख करोड़ था, जो 2019-20 में ₹ 184·94 लाख करोड़ रहने का सीएसओ का ताजा अनुमान है. इस प्रकार प्रचलित मूल्यों पर 2019-20 में जीवीए (GVA at Basic Prices) में 7·9 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित है. पूर्व वर्ष 2018-19 में यह वृद्धि 10·5 प्रतिशत रही थी.

2019-20 के लिए राष्ट्रीय आय सम्बन्धी दूसरे अग्रिम अनुमान जारी करने के साथ ही इस वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसम्बर 2019) के जीडीपी के आँकड़े भी सीएसओ ने 28 फरवरी, 2020 को जारी किए हैं. सन्दर्भित तिमाही अक्टूबर-दिसम्बर 2019 में स्थिर मूल्यों पर जीडीपी में वृद्धि 4·7 प्रतिशत रहने का अनुमान व्यक्त किया है. जो 2012–13 की चौथी तिमाही के पश्चात् न्यूनतम है. संशोधित आंकड़ों के अनुसार 2019–20 की पहली तिमाही अप्रैल-जून 2019 में जीडीपी में वृद्धि 5·6 प्रतिशत तथा दूसरी तिमाही (जुलाई-सितम्बर 2019) में 5·1 प्रतिशत दर्ज की गई थी. इस प्रकार तीसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था का निष्पादन काफी शिथिल रहा है जिससे इस पूरे वित्तीय वर्ष में जीडीपी में वृद्धि 5·0 प्रतिशत ही रहने का सीएसओ का ताजा पूर्वानुमान है. 2019–20 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2020) के जीडीपी के आँकड़े सीएसओ द्वारा अब 29 मई, 2020 को जारी किए जाएंगे. उसके साथ ही 2019-20 में राष्ट्रीय सम्बन्धी अनंतिम आकलन भी सीएसओ द्वारा जारी किए जाएंगे.

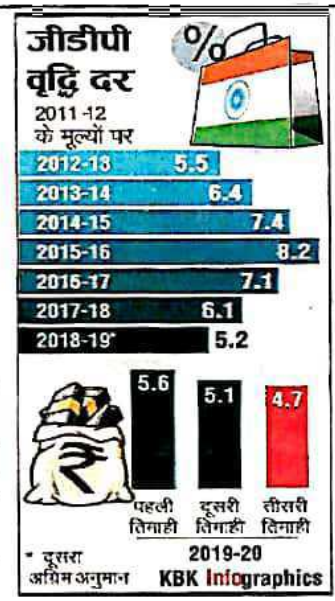

2018-19 व 2019-20 में विभिन्न तिमाहियों में स्थिर मूल्यों पर जीडीपी में वृद्धि

तिमाही	जीडीपी में वृद्धि प्रतिशत	
	2018–19	2019–20
Q_1	7·1	5·6
Q_2	6·2	5·1
Q_3	5·6	4·7
Q_4	5·8	–

राष्ट्रीय आय सम्बन्धी प्रमुख आँकड़े–एक दृष्टि में

(2011-12 के स्थिर मूल्यों पर आकलन)
(Estimates at Constant 2011-12 Prices)

(₹ करोड़ में)

	2018-19 (31 जनवरी, 2020 के पहले संशोधित अनुमान)	2019-20 (28 फरवरी, 2020 के दूसरे अग्रिम अनुमान)	पूर्व वर्ष की तुलना में वृद्धि (प्रतिशत में)	
			2018-19 (पहले संशोधित अनुमान)	2019-20 (दूसरे अग्रिम अनुमान)
1. जीडीपी (GDP—Gross Domestic Product)	1,39,81,426	1,46,83,835	6·1	5·0
2. एनडीपी (NDP–Net Domestic Product)	1,23,72,051	1,29,95,082	5·9	5·0
3. जीवीए एट बेसिक प्राइसेज (GVA at Basic Prices)	1,28,03,128	1,34,34,606	6·0	4·9·
4. जीएनआई (GNI–Gross National Income)	1,38.29,068	1,45,22,931	6·1	5·0
5. एनएनआई (NNI–Net National Income)	1,22,19,693	1,28,34,178	5·9	5·0
6. प्रति व्यक्ति आय (Per Capita Income) (₹ में)	92,085	95,706	4·8	3·9

प्रचलित मूल्यों पर आकलन

(Estimates at Current Prices)

	2018-19 (पहले संशोधित अनुमान)	2019-20 (दूसरे अग्रिम अनुमान)	पूर्व वर्ष की तुलना में वृद्धि (प्रतिशत में)	
			2018-19	2019-20
1. जीडीपी (GDP—Gross Domestic Product)	1,89,71,237	2,03,84,759	11·0	7·5
2. एनडीपी (NDP–Net Domestic Product)	1,69,91,613	1,82,48,783	10·8	7·4
3. जीवीए एट बेसिक प्राइसेज (GVA at Basic Prices)	1,71,39,962	1,84,93,686	10·5	7·9
4. जीएनआई (GNI–Gross National Income)	1,87,68,912	2,01,63,263	11·0	7·4
5. एनएनआई (NNI–Net National Income)	1,67,89,288	1,80,27,287	10·8	7·4
6. प्रति व्यक्ति आय (Per Capita Income) (₹ में)	1,26,521	1,34,432	9·7	6·3

https://t.me/MAGAZINESKING

नवीनतम सामान्य ज्ञान

शब्द संक्षेप
(Abbreviation)

पीएमएफबीवाई–प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

PMFBY—Pradhan Mantri Fasal Bima Yojna.

व्याख्या–प्राकृतियों आपदाओं के परिणामस्वरूप फसलों को होने वाली हानि की भरपाई के लिए इस व्यापक फसल बीमा योजना की शुरूआत जनवरी 2016 में की गई थी. इसके तहत् किसानों द्वारा देय प्रीमियम बहुत कम रखा गया था. इस योजना में कुछ संशोधन सरकार ने फरवरी 2020 में किए हैं.

नियुक्तियाँ
(Appointments)

जावेद अशरफ फ्रांस में भारत के नए राजदूत

भारतीय विदेश सेवा के जावेद अशरफ अब फ्रांस में भारत के नए राजदूत फरवरी 2020 में नियुक्त किए गए हैं. इस नियुक्ति से पूर्व नवम्बर 2016 से वह सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त थे.

जी. नारायणन 'इसरो' की वाणिज्यिक इकाई न्यू स्पेस इंडिया के चेयरमैन

इसरो की तिरुवनंतपुरम् स्थित एक इकाई में उपनिदेशक के रूप में कार्यरत् जी. नारायणन को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) की नई वाणिज्यिक इकाई न्यू स्पेस इंडिया लि. (NSIL) का चेयरमैन फरवरी 2020 में नियुक्त किया गया है. रॉकेट विज्ञानी जी. नारायणन को अपना यह कार्यभार सँभालने के लिए 'इसरो' से त्यागपत्र देना होगा, क्योंकि न्यू स्पेस इंडिया लि. एक सार्वजनिक उपक्रम (PSU—Public Sector Undertaking) है.

राजीव बंसल एयर इंडिया के नए चेयरमैन

भारतीय प्रशासनिक सेवा के नगालैण्ड कैडर के राजीव बंसल सार्वजनिक क्षेत्र की विमानन कम्पनी एयर इंडिया के नए चेयरमैन फरवरी 2020 में नियुक्त किए गए हैं. इस पद पर अश्विनी लोहानी, जिनका इस पद पर बढ़ा हुआ कार्यकाल फरवरी 2020 में पूरा हुआ है, का स्थान श्री बंसल ने लिया है. वह दूसरी बार सार्वजनिक क्षेत्र की इस कम्पनी के चेयरमैन बनाए गए हैं तथा दोनों ही बार अश्विनी लोहानी का स्थान उन्होंने लिया है. पहली बार अगस्त 2017 में जब तत्कालीन चेयरमैन अश्विनी लोहानी को रेलवे बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया था, श्री बंसल को ही अंतरिम रूप से एयर इंडिया की कमान सौंपी गई थी.

गोपाल बागले श्रीलंका में भारत के नए उच्चायुक्त

प्रधानमंत्री कार्यालय से सम्बद्ध रहे भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी गोपाल बागले अब श्रीलंका में भारत के नए उच्चायुक्त होंगे. इस पद हेतु उनकी नियुक्ति की अधिसूचना फरवरी 2020 में जारी हुई है. पूर्व वर्षों में वह पाकिस्तान में भारत के उपउच्चायुक्त भी रह चुके हैं.

अजय बिसारिया अब कनाडा में भारत के नए उच्चायुक्त

भारतीय विदेश सेवा के अजय बिसारिया, जो वर्तमान में पाकिस्तान में भारत के उच्चायुक्त हैं, अब कनाडा में भारत के नए उच्चायुक्त होंगे. कनाडा में उच्चायुक्त पद पर उनकी नियुक्ति हेतु अधिसूचना विदेश मंत्रालय द्वारा 31 जनवरी, 2020 को जारी की गई.

विनय मोहन क्वात्रा नेपाल में भारत के नए राजदूत

भारतीय विदेश सेवा के विनय मोहन क्वात्रा, अब नेपाल में राजदूत पद पर नियुक्त किए गए हैं. नेपाल में भारत के राजदूत के रूप में उनकी नियुक्ति की अधिसूचना विदेश मंत्रालय ने 30 जनवरी, 2020 को जारी की. इस नियुक्ति से पूर्व वह फ्रांस में भारत के राजदूत थे.

भास्कर खुल्बे व अमरजीत सिन्हा प्रधानमंत्री के सलाहकार नियुक्त

भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी भास्कर खुल्बे व अमरजीत सिन्हा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सलाहकार फरवरी 2020 में नियुक्त किए गए हैं. दोनों ही प्रशासनिक सेवा के 1983 बैच के अधिकारी थे. प्रधानमंत्री के सलाहकार के रूप में उनकी यह नियुक्तियाँ फिलहाल 2-2 वर्ष के लिए की गई है.

पुरस्कार/सम्मान
(Awards/Honours)

फिल्म फेयर पुरस्कार (2020)

वर्ष 2019 में प्रदर्शित भारतीय फिल्मों में उत्कृष्ट भूमिकाओं के लिए 65वें फिल्म फेयर पुरस्कारों का वितरण 15 फरवरी, 2020 को गुवाहाटी में किया गया. जोया अख्तर द्वारा निर्देशित फिल्म गली बॉय (Gully Boy) को सर्वाधिक 13 पुरस्कार इन पुरस्कारों में प्राप्त हुए. सर्वश्रेष्ठ फिल्म के अतिरिक्त सर्वश्रेष्ठ निर्देशक व सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (आलिया भट्ट), सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (रणवीर सिंह), सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता (सिद्धांत चतुर्वेदी), सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री (अमृता सुभाष) के अतिरिक्त, सर्वश्रेष्ठ स्क्रीन प्ले, डायलॉग व सर्वश्रेष्ठ म्यूजिक एलबम के पुरस्कार इनमें शामिल हैं. इसी फिल्म के गीत (अपना टाइम आएगा) के लिए डिवाइन व अंकुर तिवारी को सर्वश्रेष्ठ गीतकार का पुरस्कार दिया गया. फिल्म गली बॉय को इस वर्ष 19 विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार हेतु नामांकित किया गया था.

इस वर्ष के फिल्मफेयर पुरस्कारों में प्रमख पुरस्कार निम्नलिखित को प्रदान किए गए–

सर्वश्रेष्ठ फिल्म–गली बॉय (निर्देशक–जोया अख्तर)

सर्वश्रेष्ठ निर्देशक–जोया अख्तर (गली बॉय)

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता–रणवीर सिंह (गली बॉय)

सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री–आलिया भट्ट (गली बॉय)

सर्वश्रेष्ठ डेब्यू निर्देशक–आदित्य धर (फिल्म–उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक)

सर्वश्रेष्ठ डेब्यू अभिनेता–अभिमन्यु दासानी (मर्द को दर्द नहीं होता)

सर्वश्रेष्ठ डेब्यू अभिनेत्री–अनन्या पांडे (स्टूडेंट ऑफ द ईयर-2)

सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता–सिद्धांत चतुर्वेदी (गली बॉय)

सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री–अमृता सुभाष (गली बॉय)

सर्वश्रेष्ठ फिल्म (क्रिटिक्स चॉइस)–आर्टिकल 15 (निर्देशक–अनुभव सिन्हा) व सोनचिरैया (निर्देशक–अभिषेक चौबे)

https://t.me/MAGAZINESKING

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (क्रिटिक्स चॉइस)–(आयुष्मान खुराना आर्टिकल 15)

सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (क्रिटिक्स चॉइस)–भूमि पेडनेकर व तापसी पन्नू (सांड की आँख)

सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक–अंकुर तिवारी व जोया अख्तर (गली बॉय) तथा मिथून, अमाल मलिक व अन्य (फिल्म–कबीर सिंह)

सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक–अरिजीत सिंह (कलंक नहीं……, कलंक)

सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका–शिल्पा राव (घुंघरू ……, वार)

सर्वश्रेष्ठ गीतकार–डिवाइन व अंकुर तिवारी (अपना टाइम आएगा …… गली बॉय)

सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी–रेमो डिसूजा (घर मोरे परदेसिया……., कलंक)

सर्वश्रेष्ठ पटकथा–रीमा कागती व जोया अख्तर (गली बॉय)

सर्वश्रेष्ठ बैक ग्राउंड स्कोर–गली बॉय

सर्वश्रेष्ठ एक्शन–वार

सर्वश्रेष्ठ सिनेमेटोग्राफी–गली बॉय

सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम–दिव्या गंभीर व निधि गंभीर (सोनचिरैया)

सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्शन डिजाइन–गली बॉय

सर्वश्रेष्ठ सम्पादन–शिव कुमार बी. पानेकर (उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक)

सर्वश्रेष्ठ संवाद–विजय मौर्या (गली बॉय)

आर. डी. बर्मन अवार्ड फॉर अपकमिंग टेलेंट इन फिल्म म्यूजिक–शाश्वत सचदेव (उरी : सर्जिकल स्ट्राइक)

30 ईयर्स ऑफ आउट स्टैंडिंग कॉन्ट्रिब्यूशन टु बॉलीवुड फैशन–मनीश मल्होत्रा

एक्सीलेंस इन सिनेमा–गोविंदा

लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड–रमेश सिप्पी

फिल्म गली बॉय ने 13 पुरस्कार जीतकर फिल्म फेयर पुरस्कारों के इतिहास में सर्वाधिक पुरस्कार जीतने का रिकॉर्ड अपने नाम किया है. इससे पूर्व यह रिकॉर्ड संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित फिल्म ब्लैक के नाम था जिसने 11 फिल्मफेयर पुरस्कार जीते थे.

यह पहला अवसर था जब फिल्म फेयर पुरस्कारों का वितरण मुम्बई से बाहर किसी शहर में हुआ.

बाफ्टा पुरस्कार (2020)

फिल्म जगत् के ब्रिटेन के प्रतिष्ठित (73वें) बाफ्टा (BAFTA–ब्रिटिश एकेडमी ऑफ फिल्म एण्ड टेलीविजन आर्ट्स) पुरस्कारों का वितरण लन्दन में 2 फरवरी, 2020 को किया गया.

- *ब्रिटिश फिल्मकार सैम मैंडेस (Sam Mandes) द्वारा निर्देशित फिल्म 1917 को सर्वाधिक 7 पुरस्कार इन पुरस्कारों के तहत् प्राप्त हुए. इनमें सर्वश्रेष्ठ फिल्म व सर्वश्रेष्ठ ब्रिटिश फिल्म के अतिरिक्त सर्वश्रेष्ठ निर्देशक के पुरस्कार शामिल हैं.*
- *अमरीकी निर्देशक टॉड फिलिप्स द्वारा निर्देशित फिल्म 'जोकर (Joker)' को सर्वाधिक 11 श्रेणियों में पुरस्कार हेतु नामांकन प्राप्त हुआ था. इसे 3 ही पुरस्कार प्राप्त हो सके.*

रेनी जेलवेगर : सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री

- *इन पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार फिल्म जूडी (Judy) में भूमिका के लिए अमरीकी अभिनेत्री रेनी कैथलीन जेलवेगर (Renee Kathleen Zellweger) को मिला, जबकि सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार फिल्म जोकर में भूमिका के लिए अमरीकी अभिनेता जॉक्विन फीनिक्स (Joaquin Phoenix) को प्रदान किया गया*

जॉक्विन फीनिक्स

- *ब्रिटिश सिनेमा में उत्कृष्ट योगदान के लिए लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार ब्रिटिश अभिनेता व निर्देशक एण्ड्रयू सर्किस (Andrew Serkis) को तथा बाफ्टा का सर्वोच्च सम्मान-फैलोशिप अमरीका की जानी-मानी फिल्म निर्माता कैथलीन कैनेडी (Kathleen Kennedy) को इन पुरस्कारों के तहत् दिया गया*
- *सर्वश्रेष्ठ कास्टिंग (Best Casting) का पुरस्कार बाफ्टा पुरस्कारों के तहत् इस वर्ष से ही शुरू किया गया है. यह पहला पुरस्कार टॉड फिलिप्स द्वारा निर्देशित फिल्म जोकर (Joker) को मिला.*

73वें बाफ्टा पुरस्कारों के तहत् प्रमुख पुरस्कारों की सूची निम्नलिखित है–

सर्वश्रेष्ठ डायरेक्टर–सैम मेंडेस (1917)

सर्वश्रेष्ठ फिल्म–1917

सर्वश्रेष्ठ इंटरनेशनल फीचर फिल्म–पैरासाइट (द. कोरियाई फिल्म)

सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री–रेनी जेल्वेगर (जूडी)

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता–जॉकिन फोनिक्स (जोकर)

सर्वश्रेष्ठ सपोर्टिंग अभिनेता–ब्रैड पिट (वन्स अपॉन अ टाइम इन हॉलीवुड)

सर्वश्रेष्ठ सपोर्टिंग अभिनेत्री–लौरा डर्न (मैरिज स्टोरी)

सर्वश्रेष्ठ एडिटिंग–ले मैंस 66

सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्शन डिजाइन–(1917)

सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिजाइन–लिटिल वूमेन (जैकलीन दुर्राट)

सर्वश्रेष्ठ कास्टिंग–जोकर

सर्वश्रेष्ठ ओरिजिनल स्क्रीनप्ले–पैरासाइट (हान जिन वोन, बोंग जून-हो)

बाफ्टा फैलोशिप–कैथलीन कैनेडी

ऑस्कर पुरस्कार (2020) : दक्षिण कोरियाई फिल्म पैरासाइट को सर्वाधिक चार ऑस्कर

वर्ष 2019 में प्रदर्शित फिल्मों के लिए (92वें) ऑस्कर पुरस्कारों का वितरण अमरीका में (लॉस एंजेल्स में 9 फरवरी, 2020 को किया गया.

- *सिनेमा जगत् के सर्वाधिक प्रतिष्ठित माने जाने वाले इन पुरस्कारों का वितरण अमरीका की एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एण्ड साइंसेज (Academy of Motion Picture Arts and Sciences–AMPAS) द्वारा प्रतिवर्ष किया जाता है. जिससे इन पुरस्कारों को एकेडमी पुरस्कार नाम से भी जाना जाता है.*

बॉंग जून-हो

बॉंग जून-हो (Bong Joon-ho) द्वारा निर्देशित दक्षिण कोरियाई फिल्म पैरासाइट (Parasite) को सर्वाधिक 4 ऑस्कर इन पुरस्कारों के तहत् प्राप्त हुए. इनमें सर्वश्रेष्ठ फिल्म व सर्वश्रेष्ठ निर्देशक के पुरस्कार शामिल हैं.

- *ऑस्कर पुरस्कारों के 92 वर्षों के इतिहास में यह पहला अवसर है जब किसी गैर-इंगलिश फिल्म को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का ऑस्कर दिया गया है.*

ऑस्कर ट्रॉफी

- *युद्ध पर आधारित ब्रिटिश फिल्म 1917 को 3 तथा वंस अपॉन ए टाइम इन हॉलीवुड, फोर्ड वर्सेज फरारी व जोकर को 2-2 ऑस्कर मिले.*
- *पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी कुल 24 श्रेणियों में ऑस्कर पुरस्कार दिए गए. इस वर्ष के ऑस्कर पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, अभिनेत्री, सहायक अभिनेता व सहायक अभिनेत्री के पुरस्कारों में बाफ्टा पुरस्कारों की ही पुनरावृत्ति हुई. उन्हीं चारों कलाकारों को यह पुरस्कार प्राप्त हुए जिन्हें एक सप्ताह पूर्व बाफ्टा पुरस्कारों के तहत् यह पुरस्कार मिले थे.*

https://t.me/MAGAZINESKING

इस वर्ष के प्रमुख ऑस्कर पुरस्कारों की सूची निम्नलिखित है–

सर्वश्रेष्ठ फिल्म–पैरासाइट (निर्देशक बॉंग जून हो)

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता–जॉक्विज फीनिक्स (जोकर)

सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (लीडिंग रोल)–रेनी ज़ेलवेगर (जूडी)

सर्वश्रेष्ठ निर्देशन–पैरासाइट (बॉंग जून हो)

सर्वश्रेष्ठ इंटरनेशनल फिल्म–पैरासाइट सर्वश्रेष्ठ अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म की श्रेणी में प्रतिस्पर्द्धा हेतु जोया अख्तर द्वारा निर्देशित हिन्दी फिल्म गली बॉय (Gully Boy) भारत की आधिकारिक प्रविष्टि थी, जो पहले दौर में चयनित 9 फिल्मों में भी स्थान नहीं बना सकी.

सर्वश्रेष्ठ एनिमेटेड फिल्म–टॉय स्टोरी 4

सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री–अमेरिकन फैक्ट्री

सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री (शॉर्ट सब्जेक्ट)–लर्निंग टू स्केटबोर्ड इन ए वॉरजोन (इफ यू आर ए गर्ल)

सर्वश्रेष्ठ सिनेमेटोग्राफी–1917 (रॉजर डीकिंस)

सर्वश्रेष्ठ लाइव एक्शन शॉर्ट फिल्म–द नेबर्स विंडो

सर्वश्रेष्ठ एनिमेटेड शॉर्ट फिल्म–हेयर लव

सर्वश्रेष्ठ ओरिजिनल स्कोर– जोकर (हिल्डर गौनाडोटिर)

सर्वश्रेष्ठ फिल्म एडिटिंग–फोर्ड V फरारी (माइकल मैकस्कर, एंड्रयू बकलैंड)

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (सपोर्टिंग रोल)– ब्रैड पिट (वन्स अपॉन ए टाइम इन हॉलीवुड)

सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (सपोर्टिंग रोल)– लॉरा डर्न (मैरिज स्टोरी)

सर्वश्रेष्ठ साउंड एडिटिंग–डॉनाल्ड सिल्वेस्टर (फोर्ड V फरारी)

सर्वश्रेष्ठ साउंड मिक्सिंग–1917

सर्वश्रेष्ठ मेकअप और हेयर स्टाइल–बॉम्बशैल (काजू हिरो, एने मॉर्गन, विवियन बेकर)

सर्वश्रेष्ठ विजुअल इफेक्ट्स–1917

सर्वश्रेष्ठ एडाप्टेड स्क्रीनप्ले–जोजो रैबिट

सर्वश्रेष्ठ ओरिजिनल स्क्रीनप्ले–पैरासाइट (बॉंग जून हो)

सर्वश्रेष्ठ ओरिजिनल सॉंग–आय एम गोना लव मी अगेन (रॉकेटमैन)

- *सर्वाधिक 4 ऑस्कर जीतने वाली फिल्म पैरासाइट इस वर्ष 6 श्रेणियों में नामांकित किया गया था. टॉड फिलिप्स द्वारा निर्देशित फिल्म जोकर इस वर्ष सर्वाधिक 11 श्रेणियों में नामांकित थी. उसे दो पुरस्कार ही मिल सके.*
- *ऑस्कर पुरस्कारों के 92 वर्षों के इतिहास में सर्वाधिक 14-14 नामांकन तीन फिल्मों–ऑल एबाउट ईव (1950), टाइटेनिक (1997) व लाला लैण्ड (2016) को प्राप्त हुए थे.*
- *सर्वाधिक 11-11 ऑस्कर तीन फिल्मों को अब तक प्राप्त हुए हैं. इनमें बेन हूर (1959), टाइटैनिक (1997) व द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स : द रिटर्न ऑफ द किंग (2003) शामिल हैं.*

सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्शन डिजाइन–वन्स अपॉन ए टाइम इन हॉलीवुड (बार्बरा लिंग, नैंसी हे)

सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिजाइन–लिटिल वुमन (जैकलीन डुरन)

रेनी ज़ेलवेगर : सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री

- *इन पुरस्कारों के तहत् सर्वश्रेष्ठ डाक्यूमेंट्री का पुरस्कार अमरीका मिडवेस्ट में चीनी अरबपति द्वारा एक फैक्ट्री खरीदने के बाद की स्थिति को दर्शाने वाली फिल्म अमरीकन फैक्ट्री के लिए दिया गया है यह फिल्म अमरीका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा व उनकी पत्नी मिशेल ओबामा द्वारा 2018 में स्थापित 'हायर ग्राउंड प्रोडक्शंस' द्वारा निर्मित पहली ही फिल्म है–*

अर्स्ट एवं यंग के पुरस्कार (2019)

बायोकॉन की चेयरपर्सन व प्रबन्ध निदेशक किरण मजूमदार शॉ को अर्स्ट एवं यंग के वर्ष 2019 के सर्वश्रेष्ठ उद्यमी (E & Y Entrepreneur of the Year) का पुरस्कार नई दिल्ली में 19 फरवरी, 2020 को एक समारोह में प्रदान किया गया. गोदरेज ग्रुप के चेयरमैन आदि गोदरेज को लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार इस समारोह में प्रदान किया गया. विभिन्न अन्य श्रेणियों में भी अग्रणी उद्यमियों को पुरस्कार अर्स्ट एण्ड यंग इंडिया के इन (21वें) पुरस्कारों के तहत् प्रदान किए गए. पुरस्कारों का वितरण केन्द्रीय रेलवे तथा वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल तथा वित्त राज्य मंत्री श्री अनुराग ठाकुर की उपस्थिति में हुआ.

यह पुरस्कार निम्नलिखित उद्यमियों को प्रदान किए गए हैं–

एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर (Entrepreneur of the Year)–किरण मजूमदार शॉ (बायोकॉन की सीएमडी)

किरण मजूमदार शॉ : एंटरप्रिन्योर ऑफ द ईयर

ट्रांसफॉर्मेशनल इम्पैक्ट पर्सन ऑफ द ईयर–तुहिन पारिख (सीनियर एमडी, रीयल स्टेट, ब्लैक स्टोन इंडिया)

एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर (मैन्युफैक्चरिंग)–अरुण भरत राम (चेयरमैन एसआरएफ)

एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर (रिटेल एण्ड कंज्यूमर प्रोडक्ट्स)-कुलदीप सिंह धींगरा व गुरबचन सिंह धींगरा (बर्गर पेंट्स)

एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर (फाइनेंशियल सर्विसेज़) याशिष दाहिया (सीईओ व सहसंस्थापक पॉलिसी बाजार)

एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर (सर्विसेज़)–श्रीधर वेम्बू (संस्थापक एवं सीईओ जोहो कॉर्पोरेशन).

एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर (एनर्जी रीयल एस्टेट एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर)–रवि रहेजा व नील रहेजा (के. रहेजा ग्रुप)

एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर (एण्टरप्रिन्योरियल सीईओ ऑफ द ईयर)–केबीएस आनंद (एमडी व सीईओ एशियन पेंट्स)

एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर (स्टार्ट अप) फागुनी नायर (नायका ई रिटेल की संस्थापक व सीईओ)

एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर (लाइफ साइंसेज़ एण्ड हैल्थकेयर)–अरविंद लाल व ओम मनचंदा (डॉ. लाल पैथलैब्स के क्रमशः सीएमडी व सीईओ)

उपर्युक्त पुरस्कार विजेताओं में से बायोकॉन की किरण मजूमदार शॉ 4-6 जून, 2020 में मोंटे कार्लो (Monte Carlo) में 'वर्ल्ड एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर' पुरस्कार वितरण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी.

विश्व हॉकी महासंघ के स्टार पुरस्कार (2019) : भारत के मनप्रीत सिंह को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार

भारतीय हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह को अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) ने वर्ष 2019 के सर्वश्रेष्ठ पुरुष हॉकी खिलाड़ी का पुरस्कार फरवरी 2020 में प्रदान किया है. यह पहला अवसर है जब किसी भारतीय खिलाड़ी को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया है.

मनप्रीत सिंह वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी

वर्ष 2011 में 19 वर्ष की आयु में भारतीय हॉकी टीम में शामिल हुए. पंजाब के मनप्रीत सिंह 2012 व 2016 में ओलम्पिक खेलों में भारतीय टीम के सदस्य रहे थे.

भारत के ही 19 वर्षीय विवेक प्रसाद को पुरुषों में तथा लालरेमसियामी को महिलाओं में राइजिंग स्टार ऑफ ईयर (2019) के पुरस्कार अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ ने फरवरी 2020 में प्रदान किए हैं.

अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) के वर्ष 2019 के पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार नीदरलैण्डस की इवा डि गोडे (Eva de Goede) को दिया गया है. यह लगातार दूसरा वर्ष है जब इवा डि गोडे ने यह पुरस्कार जीता है.

इन पुरस्कारों में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार पुरुषों में विंसेंट वनाश (Vincent Vanasch) (बेल्जियम) को तथा महिलाओं में राशेल लिच (Rachael Lynch) (आस्ट्रेलिया) को दिया गया है. विंसेंट वनाश को भी यह पुरस्कार लगातार दूसरे वर्ष प्राप्त हुआ है.

https://t.me/MAGAZINESKING

विश्व हॉकी महासंघ के वर्ष 2019 पुरस्कार एक दृष्टि में

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी–
पुरुष–मनप्रीत सिंह (भारत)
महिला–इवा डे गोडे (नीदरलैण्ड्स)
सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर–
पुरुष–विसेंट वनाश (बेल्जियम)
महिला–राशेल लिंच (आस्ट्रेलिया)
कोच ऑफ द ईयर–
पुरुष–कोलिन बैच (आस्ट्रेलिया) की टीम के कोच
महिला–एलिसन अन्नान (नीदरलैण्ड्स की महिला टीम की कोच)
राइजिंग स्टार ऑफ द ईयर–
पुरुष–विवेक प्रसाद (भारत)
महिला–लाल रेमसियामी (भारत)

बर्लिन अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (2020) के पुरस्कार

70वाँ बर्लिन अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव बर्लिन में 20 फरवरी-1 मार्च, 2020 को सम्पन्न हुआ. इस प्रतिष्ठित फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का गोल्डन बियर पुरस्कार इरानी निर्देशक मोहम्मद रासुलोफ़ (Mohammad Rasoulof) द्वारा निर्देशित फिल्म **देयर इज नो ईविल** (There is No Evil) के लिए दिया गया. ईरान सरकार द्वारा प्रतिबन्ध आरोपित होने के कारण रासुलोफ़ पुरस्कार वितरण समारोह में उपस्थित नहीं हो सकें.

इस महोत्सव में प्रमुख पुरस्कार निम्नलिखित को दिए गए–

1. **सर्वश्रेष्ठ फिल्म का गोल्डन बियर**–देयर इज़ नो ईविल (निर्देशक–मोहम्मद रासुलोफ़)
2. **ज्यूरी का ग्रांड प्रिक्स (सिल्वर बियर)**–नैवर रेयरली समटाइम्स ऑलवेज़ (निर्देशिका–एलिज़ा हिटमैन)
3. **सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (सिल्वर बियर)**–होंग सांग-सू (फिल्म–द वोमेन हू रैन)
4. **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (सिल्वर बियर)**–पाउला बियर (फिल्म–अनडाइन)
5. **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (सिल्वर बियर)**–एलियो जर्मेनो (हिडिन अवे)
6. **सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म (गोल्डन बियर)**–T (निर्देशक–कीशा राइ विदर स्पून)

लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स (2020) : लुइस हैमिल्टन व लियोनिल मैसी को संयुक्त रूप से स्पोर्टस पर्सन ऑफ द ईयर के पुरस्कार

खेल जगत् के प्रतिष्ठित वर्ष 2020 के लॉरियस पुरस्कारों (Laureus World Sports Awards) का वितरण बर्लिन में 17 फरवरी, 2020 को किया गया. भारत के स्टार क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, को 2011 विश्व कप के फाइनल के बाद के एक फोटो, जिसमें दर्शकों ने उन्हें कंधों पर उठाया हुआ है, के लिए स्पोर्टिंग मोमेंट (2000-2020) का पुरस्कार इन पुरस्कारों के तहत् प्रदान किया गया है.

सचिन तेंदुलकर लॉरियस ट्रॉफी के साथ (स्पोर्टिंग मोमेंट का पुरस्कार).

इस वर्ष के इन पुरस्कारों में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार ब्रिटेन के फॉर्मूला-1 चालक लुइस हैमिल्टन, जो छह बार फॉर्मूला-1 रेसों के विश्व चैम्पियन रहे हैं तथा अर्जेन्टीना के फुटबाल लियोनिल मैसी, जो 6 बार फीफा के प्लेयर ऑफ द

सिमोन बाइल्स : वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी

ईयर रहे हैं, को संयुक्त रूप से दिया गया है. सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार अमरीकी जिमनास्ट सिमोन बाइल्स (Simone Biles) को मिला है. इस वर्ष के लॉरियस पुरस्कारों की सूची निम्नलिखित है–

- *लॉरियस के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी (Laureus Sportsman of the Year) : लुइस हैमिल्टन (ब्रिटेन के मोटर रेसर) व लियोनिल मैसी (अर्जेन्टीना के फुटबालर)*

लुइस हैमिल्टन : लॉरियस के वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी.

- *लॉरियस की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी (Laureus Sportswoman of the Year) : सिमोन बाइल्स (अमरीका) जिमनास्ट*
- *लॉरियस वर्ल्ड का वापसी वाला/वाली सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (Laureus World Comeback of the Year) : जर्मनी की मोटर रेसर सोफिया फ्लोर्श*
- *लॉरियस वर्ल्ड वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टीम (Laureus World Team of the Year) : द. अफ्रीका की पुरुषों की रग्बी टीम.*
- *लॉरियस ब्रेक थ्रू ऑफ द ईयर : कोलम्बिया के साइक्लिंग खिलाड़ी इंगान बरनाल*
- *वर्ष के सर्वश्रेष्ठ विकलांग खिलाड़ी (Sportsperson of the Year with a Disability) : अमरीका की क्रॉस कंट्री स्कीइंग ओकसाना मास्टर्स*
- *एक्शन स्पोर्ट्स पर्सन ऑफ द ईयर (Action Sportsperson of the Year) : अमरीका की स्नोबोर्डर क्लोए किम (Chloe kim)*
- *स्पोर्ट फॉर गुड अवार्ड (Sport for Good Award) : साउथ ब्रॉक्स यूनाइटेड–(न्यूयॉर्क सिटी का युवाओं का सोशल सर्विस फुटबाल प्रोग्राम)*
- *एक्सेप्शनल एचीवमेंट अवार्ड (Exceptional Achievement Award) : स्पेन का बास्केटबाल फेडरेशन*
- *लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार (Lifetime Achievement Award) : जर्मनी के बास्केटबाल खिलाड़ी डिर्क नोविट्ज़की*
- *लॉरियस स्पोर्टिंग मोमेंट ऑफ द ईयर (Sporting Moment of the Year) : सचिन तेंदुलकर (भारत).*

- *लॉरियस पुरस्कार विश्व के सर्वाधिक प्रतिष्ठित खेल पुरस्कारों में से एक हैं. इनकी शुरूआत लॉरियस स्पोर्ट फॉर गुड फाउंडेशन के डैमलर व रिचीमेंट ने 1999 में की थी. ऐसे पहले पुरस्कार 2000 में दिए गए थे.*
- *इन खेलों के 20 वर्षों के इतिहास में यह पहली बार ही हुआ है जब वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार दो खिलाड़ियों को संयुक्त रूप से दिया गया है.*
- *अमरीकी जिमनास्ट सिमोन बाइल्स ने पिछले चार वर्षों में तीसरी बार (लगातार दूसरी बार) वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का लॉरियस पुरस्कार जीता है.*
- *लियोनिल मैसी यह पुरस्कार जीतने वाले पहले फुटबालर हैं.*
- *भारत के सचिन तेंदुलकर को स्पोर्टिंग मोमेंट (2000–2020) का पुरस्कार मतों के आधार पर दिया गया है.*
- *अमरीका की एक्शन स्पोर्ट्स पर्सन ऑफ द ईयर क्लोए किम को यह पुरस्कार लगातार दूसरे वर्ष प्राप्त हुआ है*

ईएसपीएन इंडिया मल्टी स्पोर्ट पुरस्कार (2019) पी.वी. सिंधु लगातार तीसरे वर्ष सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी

वर्ष 2019 के दौरान विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के लिए ईएसपीएन इंडिया के खेल पुरस्कारों की घोषणा 20 फरवरी, 2020 को की गई. इनमें वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष व सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी के पुरस्कार क्रमशः सौम्य चौधरी (निशानेबाज) व पी.वी. सिंधु (बैडमिंटन) को दिए गए.

https://t.me/MAGAZINESKING

पी.वी. सिंधु लगातार तीसरी बार वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी.

- *पिछले वर्ष (2019 में) विश्व चैम्पियनशिप का खिताब जीतने वाली पी.वी. सिंधु को यह पुरस्कार लगातार तीसरे वर्ष प्राप्त हुआ है. विश्व चैम्पियनशिप के फाइनल में जापान की नोजोमी ओकुहारा के विरुद्ध उनकी विजय को 'मोमेंट ऑफ द ईयर' भी इन पुरस्कारों के तहत् चुना गया है.*
- *वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी (Sports person of the year-Male) चुने गए सौरभ चौधरी को पिछले वर्ष ईएसपीएन मल्टी स्पोर्ट पुरस्कारों के तहत् एमर्जिंग स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ द ईयर का पुरस्कार मिला था. 2019 के दौरान विश्वकप आयोजनों में 5 स्वर्ण व 1 रजत पदक जीतने वाले सौरभ चौधरी को इस वर्ष के पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी के साथ-साथ मनुभाकर के साथ टीम ऑफ द ईयर का पुरस्कार भी दिया गया है.*
- *शतरंज खिलाड़ी कोनेरू हम्पी ने 2016-2018 के दौरान मातृत्व अवकाश के पश्चात् पिछले वर्ष 2019 में वापसी करते हुए विश्व रैपिड शतरंज चैम्पियनशिप का खिताब, जो उनका पहला विश्व चैम्पियनशिप खिताब था, दिसम्बर 2019 में जीता था उन्हें कमबैक ऑफ द ईयर का पुरस्कार इन पुरस्कारों के तहत् दिया गया है.*

सौरभ चौधरी : वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी

- *पी. गोपीचन्द एकेडमी से सम्बद्ध पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी मानसी जोशी ने पिछले वर्ष 2019 में बासल (स्विट्जरलैण्ड) में विश्व बैडमिंटन महासंघ (BWF) की पैरा बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था. उससे पूर्व ऐसे आयोजनों में रजत व कांस्य पदक भी वह जीत चुकी थीं. उन्हें डिफरेंटली-एबल्ड एथलीट ऑफ द ईयर का पुरस्कार इन पुरस्कारों के तहत् दिया गया है*
- *हॉकी खिलाड़ी बलवीर सिंह सीनियर का भारत में हॉकी में विशेष योगदान रहा है. वह लन्दन (1948), हेलसिंकी (1952) व मेलबर्न (1956) ओलम्पिक खेलों में स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम के सदस्य रहे बलवीर सिंह एक ही बार 1975 में विश्व कप जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के मैनेजर रहे थे. उन्हें लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार इन पुरस्कारों के तहत् दिया गया है.*

पुरस्कारों की पूरी सूची निम्नलिखित है–

वर्ष 2019 के लिए दिए गए ईएसपीएन मल्टी स्पोर्ट पुरस्कारों की पूरी सूची निम्नलिखित है–

स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ द ईयर (पुरुष)–सौरभ चौधरी (निशानेबाज)

स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ द ईयर (महिला)–पी.वी. सिंधु (बैडमिंटन)

कम बैक ऑफ द ईयर–कोनेरू हम्पी (शतरंज)

कोच ऑफ द ईयर–पी. गोपीचन्द (बैडमिंटन)

एमर्जिंग स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ द ईयर–दीपक पूनिया (कुश्ती)

टीम ऑफ द ईयर–मनु भाकर व सौरभ चौधरी (निशानेबाजी)

करेज अवार्ड–दुतीचन्द (एथलीट)

डिफरेंटली-एबल्ड एथलीट ऑफ द ईयर–मानसी जोशी (पैरा बैडमिंटन)

मोमेंट ऑफ द ईयर–विश्व चैम्पियनशिप (2019) में फाइनल मैच में पी.वी. सिंधु की विजय

लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार–बलवीर सिंह सीनियर (हॉकी)

ईएसपीएन इंडिया मल्टी स्पोर्ट पुरस्कार क्रिकेट के अतिरिक्त अन्य खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को विभिन्न श्रेणियों में दिए जाते हैं. क्रिकेट के क्षेत्र के पुरस्कार ईएसपीएन क्रिसइन्फो पुरस्कारों के तहत् दिए जाते हैं.

साहित्य अकादमी अनुवाद पुरस्कार–2019

अंग्रेजी व नेपाली सहित 23 भाषाओं में विभिन्न कृतियों के अनुवाद के लिए वर्ष 2019 के अपने अनुवाद पुरस्कारों (Translation Prizes) की घोषणा भी साहित्य अकादमी ने 24 फरवरी, 2020 को की. (कन्नड़ भाषा के लिए इस पुरस्कार की घोषणा अभी नहीं की गई है) मृणालिनी साराभाई की अंग्रेजी में लिखी आत्मकथा The Voice of Heart के गुजराती में 'अंतर्नाद' नाम से अनुवाद के लिए बकुला घासवाला को गुजराती भाषा का पुरस्कार दिया गया है, जबकि हिन्दी के लिए यह पुरस्कार गोवर्धन राम माधव राम त्रिपाठी के गुजराती उपन्यास सरस्वती चन्द्र के हिन्दी में अनुवाद के लिए आलोक गुप्ता को दिया गया है. इन पुरस्कारों के वितरण हेतु विशेष समारोह का आयोजन इसी वर्ष बाद में किया जाएगा.

- *वर्ष 2019 के इस पुरस्कार हेतु 1 जनवरी, 2013 से 31 दिसम्बर, 2017 के दौरान पहली बार प्रकाशित अनुवादित रचनाओं पर ही विचार किया गया था.*
- *इस पुरस्कार के तहत् ₹ 50-50 हजार की राशि अनुवादक को प्रदान की जाती है.*

मिस डीवा (2020)

वर्ष 2020 की (8वीं) मिस डीवा (Miss Diva) प्रतियोगिता का आयोजन मुम्बई में 22 फरवरी, 2020 को हुआ. इसका खिताब मूलतः उदुपी की 21 वर्षीय एडलिन कैस्टेलिनो (Adline Castelino) ने जीता. उन्हें इसका ताज गत वर्ष की विजेता वर्तिका सिंह ने पहनाया. जबलपुर की 21 वर्षीय आवृति चौधरी ने मिस डीवा सुप्रानेशनल का खिताब इसमें जीता. भोपाल की नेहा जैसवाल मिस डीवा के लिए रनरअप रहीं. आवृति चौधरी को उनका ताज गत वर्ष की मिस सुप्रानेशनल शेफाली सूद ने पहनाया.

मिस डीवा 2020 एडलिन कैस्टेलिनो (मध्य में) साथ में हैं उपविजेता नेहा जैसवाल व मिस सुप्रानेशनल आवृति चौधरी.

नई चुनी गई मिस डीवा एडलिन कैस्टेलिनो अब 2020 की मिस यूनीवर्स प्रतियोगिता में भारत की अधिकृत प्रतिभागी होंगी, जबकि आवृति चौधरी मिस सुप्रानेशनल (2020) प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी.

निधन
(Death)

आर. के. पचौरी

प्रसिद्ध पर्यावरणवादी राजेन्द्र कुमार पचौरी, द एनर्जी एण्ड रिसोर्सज् इंस्टीट्यूट (TERI) के पूर्व महानिदेशक राजेन्द्र कुमार पचौरी का 13 फरवरी, 2020 को 79 वर्ष की आयु में निधन हो गया. **2002–15** के दौरान वह इंटरगवर्मेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज

आर. के. पचौरी

https://t.me/MAGAZINESKING

(IPCC) के चेयरमैन रहे थे तथा उनके इस कार्यकाल के दौरान ही आईपीसीसी को 2007 में नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्त हुआ था. एक महिलाकर्मी द्वारा यौन शोषण का आरोप लगाए जाने के पश्चात् उन्होंने इस पद से त्यागपत्र 2015 में दे दिया था.

- *पर्यावरण के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए फ्रांस सरकार ने अपने लिजन ऑफ ऑनर सम्मान से सम्मानित किया था. वर्ष 2009 में जापान के तत्कालीन सम्राट आकिहितो के हाथों–ऑर्डर ऑफ द राइजिंग सन : गोल्ड एण्ड सिल्वर स्टार पुरस्कार उन्हें प्राप्त हुआ था. फिनलैण्ड सरकार ने 2010 में उन्हें अपने ऑर्डर ऑफ द व्हाइट रोज़ ऑफ फिनलैण्ड पुरस्कार से सम्मानित किया था.*
- *अनेक अन्य अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से भी सम्मानित श्री पचौरी को भारत सरकार ने 2001 में पद्मभूषण से व 2008 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया था.*

होस्नी मुबारक

मिस्र के पूर्व राष्ट्रपति होस्नी मुबारक (Hosni Mubarak) का 91 वर्ष की आयु में काहिरा के एक अस्पताल में 25 फरवरी, 2020 को निधन हो गया. 1981 में तत्कालीन राष्ट्रपति अनवर सदात की हत्या के पश्चात् वह राष्ट्रपति बने थे तथा 9 वर्ष पूर्व 2011 में जन विद्रोह एवं प्रदर्शनों के बीच सेना ने उन्हें सत्ता से हटा दिया था. इस प्रकार 1981-2011 के दौरान 30 वर्षों तक वह मिस्र के राष्ट्रपति रहे थे. सत्ता के दुरुपयोग एवं प्रदर्शनकारियों की हत्या कराने के मामलों में आजीवन कारावास की सजा मिस्र की एक अदालत ने जून 2012 में उन्हें सुनाई थी. बाद में मार्च 2017 में उन्हें जेल से रिहाई मिल गई थी.

होस्नी मुबारक

वर्ष/दिवस/सप्ताह (Year/Days/Week)

फरवरी 2020

4 फरवरी–श्रीलंका का स्वतंत्रता दिवस

4 फरवरी–विश्व कैंसर दिवस

10 फरवरी–नेशनल डिवर्मिंग डे

10 फरवरी–विश्व दाल दिवस

(10 फरवरी को प्रतिदिन विश्व दाल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय संयुक्त राष्ट्र महासभा के 73वें सत्र में 20 दिसम्बर, 2018 को किया गया था. तदनुरूप ऐसा पहला दिवस 10 फरवरी, 2019 को मनाया गया था.)

11 फरवरी–इंटरनेट सुरक्षा दिवस

12 फरवरी–राष्ट्रीय उत्पादकता दिवस

13 फरवरी–विश्व रेडियो दिवस

(एक माध्यम के रूप में रेडियो की महत्ता को स्वीकार करते हुए 13 फरवरी को रेडियो दिवस के रूप में मनाने का निर्णय संयुक्त राष्ट्र महासभा के 36वें सत्र में 3 नवम्बर, 2011 को किया गया था)

14 फरवरी–वैलेंटाइन दिवस

20 फरवरी–संयुक्त राष्ट्र सामाजिक न्याय दिवस

(सामाजिक-भेदभाव दूर करने तथा समानता लाने के उद्देश्य से 20 फरवरी को विश्व सामाजिक न्याय दिवस के रूप में मनाने का निर्णय संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 2007 में किया गया था.)

20 फरवरी–अरुणाचल प्रदेश व मिजोरम के 'स्टेटहुड दिवस'

मिजोरम, जो पहले असम का एक जिला था, को 1972 में केन्द्रशासित क्षेत्र बनाया गया था. बाद में 20 फरवरी, 1987 को इसे पूर्ण राज्य का दर्जा प्रदान किया गया था.

अरुणाचल प्रदेश भी पहले केन्द्रशासित क्षेत्र था तथा पूर्ण राज्य का दर्जा इसे 20 फरवरी, 1987 को दिया गया था.

21 फरवरी–अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

(बांग्लादेश के भाषा आन्दोलन दिवस 21 फरवरी को अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में स्वीकृति यूनेस्को द्वारा 17 नवम्बर, 1999 को प्रदान की गई.)

24 फरवरी–केन्द्रीय उत्पाद शुल्क दिवस

(24 फरवरी, 1944 को सेंट्रल एक्साइसेज एण्ड साल्ट एक्ट लागू होने के परिप्रेक्ष्य में प्रतिवर्ष 24 फरवरी को केन्द्रीय उत्पाद शुल्क दिवस के रूप में मनाया जाता है.)

28 फरवरी–राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

(प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी सी.वी. रमन द्वारा अपने प्रसिद्ध 'रमन प्रभाव,' जिसके लिए उन्हें भौतिकी का नोबेल पुरस्कार 1930 में प्रदान किया गया, की खोज 28 फरवरी, 1928 को की गई थी. इसी उपलक्ष्य में भारत में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाता है.)

25 जनवरी, 2020 से चीन में धात्विक चूहे का वर्ष (Year of Metal Rat)

चीन में 12 वर्षों के ज्योतिष चक्र के आधार पर लगातार 12 वर्षों का नामकरण अलग-अलग जानवरों के आधार पर होता है. इसी शृंखला में 25 जनवरी, 2020 से धात्विक चूहे का वर्ष (Year of Metal Rat) वहाँ शुरू हुआ था, जो 11 फरवरी, 2021 को समाप्त होगा. उसके पश्चात् 12 फरवरी, 2021 से धात्विक बैल का वर्ष (Year of Metal Ox) वहाँ शुरू होगा.

पुस्तकें (Books)

गांधीज़ हिन्दुइज़्म : द स्ट्रगल अगेंस्ट जिन्नाह्स इस्लाम (Gandhi's Hinduism : The Struggle Against Jinnah's Islam)
– एम. जे. अकबर
(15 जनवरी, 2020 को प्रकाशित)

वी. पी. मेनन : द अनसंग आर्चीटेक्ट ऑफ मॉडर्न इंडिया (V.P. Menon : The Unsung Architect of Modern India)
– नारायणी बसु
(30 जनवरी, 2020 को प्रकाशित)

द न्यू वर्ल्ड डिसऑर्डर एण्ड द इंडियन इम्पेरेटिव (The New World Disorder and the Indian Imperative)
– शशि थरूर व समीर सरन
(2 जनवरी, 2020 को प्रकाशित)

रूम व्हेयर इट हैपंड (Room Where It Happened) –जॉन बोल्टन
(मार्च 2020 में प्रकाशित)

सम्मेलन (Conferences)

तीसरा वैश्विक आलू सम्मेलन (2020)

भारतीय आलू संघ (Indian Potato Association) के तत्वावधान में तीसरा वैश्विक आलू सम्मेलन (Global Potato Conclave) गुजरात में गांधी नगर में 28–31 जनवरी, 2020 को सम्पन्न हुआ. विश्वभर के वैज्ञानिकों, आलू किसानों व सम्बन्धित अन्य लोगों ने इसमें भाग लेकर सम्बन्धित पहलुओं पर विचार-विमर्श किया. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (ICAR) केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान (शिमला)

https://t.me/MAGAZINESKING

बिहार बजट 2020-21
(एक दृष्टि में)

(₹ करोड़ में)

मद	वास्तविकी 2018–2019	बजट अनुमान 2019–2020	पुनरीक्षित अनुमान 2019–2020	बजट अनुमान 2020–2021
1	2	3	4	5
1. राजस्व प्राप्तियाँ	**131793·45**	**176747·64**	**151332·18**	**183923·99**
2. कर राजस्व (क + ख)	103011·27	122921·79	97506·33	125930·60
(क) संघीय करों में राज्य का अंश	73603·13	89121·79	63406·33	91180·60
(ख) राज्य सरकार के कर-राजस्व	29408·14	33800·00	34100·00	34750·00
3. राज्य सरकार के कर भिन्न राजस्व	4130·56	4806·47	4806·47	5239·28
4. केन्द्र सरकार से सहायक अनुदान	24651·63	49019·38	49019·38	52754·10
5. पूँजीगत प्राप्तियाँ (5(ग) + 6 + 7 + 8)	**20493·61**	**24837·12**	**26598·91**	**28037·50**
5. (ग) आकस्मिकता निधि को अन्तरण	0·00	0·00	0·00	0·00
6. ऋणों की वसूली	1825·40	416·38	416·38	428·23
लोक ऋण (7 + 8)	18668·20	24420·74	26182·54	27609·27
7. राज्य सरकार के आन्तरिक ऋण	16134·42	21735·74	23497·54	24809·27
8. केन्द्रीय सरकार से कर्ज तथा अग्रिम	2533·78	2685·00	2685·00	2800·00
9. कुल प्राप्तियाँ (1 + 5)	**152287·06**	**201584·76**	**177931·09**	**211961·49**
10. स्थापना एवं प्रतिबद्ध व्यय	84883·77	99110·01	109221·05	105995·14
11. राजस्व खाते पर जिसमें	77531·83	91637·17	101188·91	98784·05
12. (क) ब्याज भुगतान	10071·14	10723·47	11049·60	12924·65
12. (ख) पेंशन	16027·75	18457·53	18534·73	20468·16
12. (ग) वेतन	18954·04	23358·30	23599·91	24987·14
13. पूँजीगत खाते पर (क + ख + ग + घ)	7351·94	7472·84	8032·14	7211·09
(क) राज्य का आन्तरिक ऋण	6299·49	6152·78	6152·78	5920·06
(ख) केन्द्रीय सरकार से कर्ज तथा अग्रिम	930·33	1083·16	1514·76	1115·22
(ग) पूँजीगत व्यय	58·82	161·40	161·40	61·39
(घ) ऋण एवं पेशगियाँ	63·30	75·50	203·20	114·43
(च) आकस्मिकता निधि को अन्तरण	0·00	0·00	0·00	0·00
14. (क) राज्य स्कीम	26168·13	40413·26	43998·96	44976·94
14. (ख) केन्द्रीय प्रायोजित स्कीम की केन्द्रांश एवं राज्यांश राशि	39983·84	55787·72	59189·83	55874·26
14. (घ) केन्द्रीय क्षेत्र स्कीम	422·77	1390·02	1414·20	504·01
14. (ग) वाह्य संपोषित परियोजनाओं के राज्यांश एवं ऋण तथा अनुदान की राशि सम्बन्धित व्यय	3208·73	3800·00	3935·50	4411·14
14. स्कीम व्यय (क + ख + ग + घ)	**69771·67**	**101391·00**	**108538·49**	**105766·35**
15. राजस्व खाते पर	47364·98	63593·48	68657·23	65967·14
16. पूँजीगत खाते पर	22406·69	37797·52	39881·26	39799·21
17. कुल व्यय (10 + 14)	**154655·14**	**200501·01**	**217759·54**	**211761·49**
18. राजस्व व्यय (11 + 15)	**124896·81**	**155230·65**	**169846·13**	**164751·19**
19. पूँजीगत व्यय (13 + 16)	**29758·63**	**45270·36**	**47913·40**	**47010·30**
20. राजस्व घाटा (18 – 1)	– 6896·64	– 21516·99	18513·95	– 19172·80
21. राजकोषीय घाटा {17 – (1 + 6 + 13क + 13ख)}	13806·47	16101·05	58343·44	20373·99
22. प्राथमिक घाटा (21 – 12क)	3735·33	5377·58	47293·84	7449·34
23. जी.एस.डी.पी.	515634·00	572827·00	617153·00	685797·00
24. राजकोषीय घाटा/जी.एस.डी.पी.	2·68	2·81	9·45	2·97
25. ब्याज भुगतान/कुल राजस्व प्राप्तियाँ	7·64	6·07	7·30	7·03

वाणिज्य कर, ₹4,700 करोड़ स्टाम्प एवं निबन्धन शुल्क, ₹2,500 करोड़ परिवहन कर व ₹5,000 करोड़ भू-राजस्व से प्राप्त होगा.) कर राजस्व में शेष ₹91,180·60 करोड़ केन्द्रीय करों में राज्य के अंश के रूप में अनुमानित है.

- *2020-21 में राज्य के अपने स्रोतों से गैर कर राजस्व के रूप में ₹5,239·28 करोड प्राप्त होने का अनुमान है जो 2019-20 के बजट अनुमान ₹4,806·47 करोड़ की तुलना में ₹432·81 करोड़ अधिक है. (इन प्राप्तियों में खनन से ₹2,450 करोड़ व ब्याज के रूप में ₹2,080·55 करोड़ की अनुमानित प्राप्तियाँ शामिल हैं.)*
- *2020-21 में राज्य को केन्द्रीय करों में हिस्से के रूप में ₹91,180·60 करोड़ प्राप्त होने का अनुमान है. यह 2019-20 के बजट अनुमान ₹89,121·79 करोड़ से ₹2,058·81 करोड़ अधिक है.*
- *वित्तीय वर्ष 2020-21 में राज्य को केन्द्र सरकार से सहायक अनुदान के रूप में ₹52,754·10 करोड़ प्राप्त होने का अनुमान बजट में लगाया गया है. यह 2019-20 के बजट अनुमान ₹49,019·38 करोड़ से ₹3,734·72 करोड़ अधिक है.*

https://t.me/MAGAZINESKING

- *वित्तीय वर्ष 2020-21 में केन्द्रीय प्रक्षेत्र स्कीम के लिए ₹504·01 करोड़ रखे गए हैं.*
- *वित्तीय वर्ष 2020-21 में ₹19,172·80 करोड़ राजस्व बचत (Revenue Surplus) रहने का अनुमान है, जो सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) ₹6,85,797·00 करोड़ का ₹2·80 प्रतिशत है.*
- *2020-21 में राजकोषीय घाटा ₹20,374·00 करोड़ रहने का अनुमान है, जो सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) ₹6,85,797·00 करोड़ का 2·97 प्रतिशत है.*

2020-21 के दौरान राज्य सरकार का स्वयं के करों से अनुमानित कर राजस्व

कर	अनुमानित राजस्व (₹ करोड़)
वाणिज्य कर	27,050
स्टाम्प एवं निबन्धन शुल्क	4,700
परिवहन कर	2,500
भू राजस्व	500
कुल कर राजस्व	**34,750**

बिहार बजट 2020-21

रुपया आता है

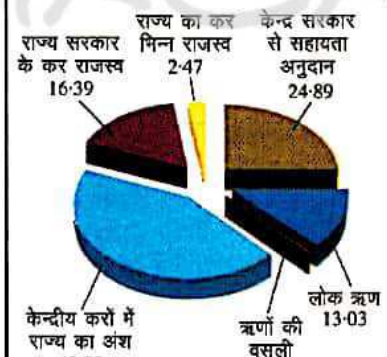

रुपया जाता है

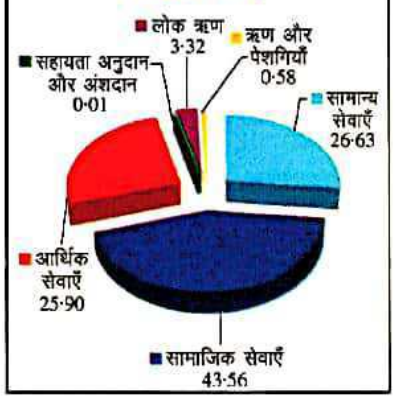

अन्य प्रमुख बजटीय घोषणाएं

- *बिहार राज्य का बजट 2004-05 में ₹23,885 करोड़ था जो लगभग नौ गुना होकर 2020-21 में ₹2,11,761 करोड़ हो गया है. 2005-06 में योजना व्यय (Plan Expenditure) कुल व्यय का 21·71 प्रतिशत व गैर योजना व्यय (Non Plan Expenditure) 78·29 प्रतिशत था. 2020-21 में यह योजना व्यय या स्कीम व्यय बढ़कर 49·95 प्रतिशत हो गया है, जबकि गैर योजना व्यय या स्थापना एवं प्रतिबद्ध व्यय केवल 50·05 प्रतिशत रह गया है.*
- *2020-21 के दौरान राज्य सरकार द्वारा कुल ₹27,609·27 करोड़ का ऋण लिया जाना बजट में प्रस्तावित है.*
- *इस वर्ष सरकार द्वारा ग्रीन बजट अलग से पेश किया जाएगा.*
- *राज्य में जल-जीवन हरियाली अभियान ₹24,524 करोड़ के व्यय से चलाने का निर्णय जुलाई 2019 में लिया गया था. जन-जीवन-हरियाली पर जागृति हेतु ₹18,034 किमी लम्बी विश्व की सबसे बड़ी मानव शृंखला 19 जनवरी, 2020 को राज्य में बनाई गई थी, जिसमें 5·16 करोड़ से अधिक लोगों ने भाग लेकर विश्व कीर्तिमान स्थापित किया था.*
- *राज्य के सभी 39,073 गाँवों का विद्युतीकरण अक्टूबर 2018 तक किया जा चुका था.*
- *सात निश्चयों के तहत् राज्य के प्रत्येक जिले में एक पॉलिटेक्निक संस्थान स्थापित करने का लक्ष्य था. सत्र 2019-20 में बिहार के सभी 38 जिलों में 44 पॉलिटेक्निक संस्थान कार्यरत् हैं. इनके अतिरिक्त 149 सरकारी व 1202 निजी आईटीआई भी राज्य में कार्यरत् हैं.*
- *बिहार देश का ऐसा पहला राज्य है जहाँ महिलाओं के लिए पंचायतों व नगर निकायों के सभी स्तरों पर 50 प्रतिशत आरक्षण के पश्चात् सरकारी नौकरियों में भी महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण 15 फरवरी, 2016 से लागू कर दिया है.*
- *15वें वित्त आयोग की अनुशंसा के तहत् केन्द्रीय करों में बिहार की हिस्सेदारी 10·061 प्रतिशत निर्धारित की गई है, जो 14वें वित्त आयोग की तुलना में 0·396 प्रतिशत अधिक है.*
- *2020-21 के दौरान राज्य सरकार का राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 2·97 प्रतिशत रहने का लक्ष्य है. संशोधित आँकड़ों के अनुसार 2019-20 में यह जीएसडीपी का 2·81 प्रतिशत रहा है.*

हरियाणा

2020-21 के लिए हरियाणा का बजट

वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए हरियाणा सरकार का बजट मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल

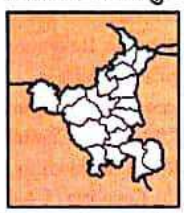

खट्टर, जो मुख्यमंत्री के रूप में अपने इस दूसरे कार्यकाल में वित्त मंत्रालय के भी प्रभारी हैं, ने 28 फरवरी, 2020 को विधान सभा में प्रस्तुत किया. हरियाणा के गठन के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ कि राज्य का बजट स्वयं मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तुत किया गया तथा पहली बार ही परम्परागत सूटकेस के स्थान पर डिजिटल टैब के जरिए सदन में

डिजिटल टैब में बजट ब्यौरे के साथ मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर.

इसे पढ़ा गया. अक्टूबर 2019 में ही मुख्यमंत्री के रूप में लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए कार्यभार श्री खट्टर ने सँभाला था तथा इस दूसरे कार्यकाल में प्रदेश सरकार का यह पहला ही बजट था. उपलब्ध वित्तीय संसाधनों को ध्यान में रखते हुए बजट में प्रभावी राजस्व घाटे, राजकोषीय घाटे व प्राथमिक घाटे को पिछले वर्षों की तुलना में नियन्त्रण में रखा गया है. 2018-19 में राजकोषीय घाटा सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) का 2·98 प्रतिशत था, जो संशोधित आकलन में 2019-20 में 2·82 प्रतिशत ही अनुमानित है तथा 2020-21 में इसे जीएसडीपी के 2·73 प्रतिशत तक सीमित रखने का लक्ष्य इस बजट में रखा गया है. इसके बावजूद अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों एवं वर्गों की जरूरतों पर पूरा ध्यान रखते हुए हर वर्ग को राहत देने का प्रयास बजट में किया गया है.

बजट में 2020-21 के दौरान राज्य सरकार का कुल व्यय ₹1,42,343·78 करोड़ अनुमानित है. इसमें ऋणों की अदायगी के लिए किए गए प्रावधान को घटाने के पश्चात् 2020-21 के लिए शेष व्यय ₹ 1,19,751·97 करोड़ प्रस्तावित हैं. इसकी पूर्ति ₹89,964·14 करोड़ की राजस्व प्राप्तियों (Revenue Receipts) (₹60,580·47 करोड़ कर राजस्व से तथा

https://t.me/MAGAZINESKING

बजट एक दृष्टि में (Budget at a Glance)

(₹ करोड में)

	2018-19 वास्तविक (Actuals)	2019-20 बजट अनुमान (Budget Estimates)	2019-20 संशोधित अनुमान (Revised Estimates)	2020-21 बजट अनुमान (Budget Estimates)
1. **राजस्व प्राप्तियाँ (Revenue Receipts)**	**65885·12**	**82219·41**	**77580·73**	**89964·14**
2. कर राजस्व (Tax Revenue)	50835·94	62321·64	54953·57	60580·47
3. कर-भिन्न राजस्व (Non-Tax Revenue)	15049·18	19897·77	22627·16	29383·67
4. **पूँजी प्राप्तियाँ (Capital Receipts)**	**27332·66**	**29689·43**	**30622·60**	**29787·83**
5. ऋणों की वसूली (Recoveries of Loans)	5371·90	5449·44	5408·01	356·23
6. विविध पूँजीगत प्राप्तियाँ (Misc. Capital Receipts)	49·01	1778·00	1778·00	3750·00
7. उधार और अन्य देयताएं (Borrowings and Other Liabilities)	21911·75	22461·99	23436·59	25681·60
8. **कुल प्राप्तियाँ [Total Receipts (1 + 4)]**	**93217·78**	**111908·84**	**108203·33**	**119751·97**
9. **कुल खर्च [Total Expenditure (10 + 13)]**	**93217·78**	**111908·84**	**108203·33**	**119751·97**
10. राजस्व खर्च (Revenue Expenditure) जिसमें	**77155·54**	**94241·90**	**92256·10**	**105338·09**
11. ब्याज अदायगियाँ (Interest Payments)	13551·46	16632·62	16162·30	18137·58
12. पूँजी परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु अनुदान (Grant for Creation of Capital Assets)	3874·79	5585·60	5758·36	8336·29
13. **पूँजीगत खर्च (Capital Expenditure)**	**16062·24**	**17666·94**	**15947·23**	**14413·88**
14. **राजस्व घाटा [Revenue Deficit (10 – 1)]**	**11270·42**	**12022·49**	**14675·37**	**15373·95**
	(1·54)	**(1·53)**	**(1·76)**	**(1·64)**
15. **प्रभावी राजस्व घाटा [Effective Revenue Deficit (14 – 12)]**	7395·63	6436·89	8917·01	7037·66
	(1·01)	(0·82)	(1·07)	(0·75)
16. **राजकोषीय घाटा [Fiscal Deficit (9 – 1 + 5 + 6)]**	**21911·75**	**22461·99**	**23436·59**	**25681·60**
	(2·98)	**(2·86)**	**(2·82)**	**(2·73)**
17. **प्रारम्भिक घाटा [Primary Deficit (16 – 11)]**	**8360·29**	**5829·37**	**7274·29**	**7544·02**
	(1·14)	**(0·74)**	**(0·87)**	**(0·80)**

(नोट–कोष्ठक में दिए आँकड़े जीएसडीपी के प्रतिशत को दर्शा रहे हैं.)

₹ 29,383·67 कर भिन्न राजस्व से) तथा शेष ₹ 29,787·83 करोड़ पूँजीगत प्राप्तियों (Capital Receipts) से अनुमानित हैं. पूँजीगत प्राप्तियों में 356·23 करोड़ ऋणों की वसूली से, ₹ 25,681·60 लोक ऋणों से तथा ₹ 3750·00 करोड़ अन्य विविध पूँजीगत प्राप्तियों से प्राप्त होने का अनुमान लगाया गया है. ₹ 1,19,751·97 करोड़ के कुल व्यय में ₹ 1,05,338·09 करोड़ राजस्व व्यय (Revenue Expenditure) व शेष ₹ 14,413·88 करोड़ पूँजीगत व्यय के रूप में प्रस्तावित है. इस प्रकार 2020·21 में राजस्व घाटा (Revenue Deficit) ₹ 15,373·95 करोड़ अनुमानित किया गया है. यह राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (GSDP) का 1·64 प्रतिशत होगा. प्रभावी राजस्व घाटा ₹ 7037·66 करोड़ (जीएसडीपी का 0·75 प्रतिशत) ही बजट में अनुमानित किया गया है. 2020·21 में राजकोषीय घाटा (Fiscal Deficit) ₹ 25,681·60 करोड़ रहने का अनुमान है. संशोधित आकलन में 2019-20 में राजकोषीय घाटा सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) का जहाँ 2·82 प्रतिशत रहा है, वहीं 2020-21 में यह जीएसडीपी का 2·73 प्रतिशत रहने का अनुमान बजट में लगाया गया है.

2020-21 के दौरान सरकार के कुल व्यय का विभिन्न मदों में विभाजन

(बजट अनुमान)

व्यय की मद	प्रस्तावित व्यय (कुल व्यय के प्रतिशत के रूप में)
आर्थिक सेवाएं	**22·80**
जिसमें–	
कृषि एवं सम्बन्धित सेवाएं, सब्सिडी	12·42
परिवहन, नागरिक उड्डयन, सड़क एवं पुल	3·84
ग्रामीण विकास एवं पंचायत	4·45
अन्य	2·09
सामाजिक सेवाएं	**34·65**
जिसमें–	
शिक्षा	14·17
समाज कल्याण एवं पोषण	7·14
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	4·57
जन स्वास्थ्य इंजीनियरिंग	2·51
अन्य	6·26
सामान्य सेवाएं	**13·94**
जिसमें–	
प्रशासनिक सेवाएं	4·87
पेंशन	7·07
अन्य	2·00
ऋणों की अदायगी	**28·61**
मूलधन	15·87
ब्याज	12·74
योग	**100·00**

https://t.me/MAGAZINESKING

विभिन्न मदों में कुल खर्च का विवरण

मद	व्यय (बजट अनुमान) (₹ करोड़ में)
कृषि	5474·25
सहकारिता	1343·93
शिक्षा, खेल, संस्कृति	19343·73
तकनीकी शिक्षा	1553·02
स्वास्थ्य	6533·75
गृह विभाग	5672·13
ऊर्जा	7559·40
सामाजिक कल्याण	10878·73
ग्रामीण विकास	6294·79
परिवहन	2567·59
शहरी विकास	6555·91
उद्योग	349·30
सिंचाई, जल स्रोत	4960·48
पब्लिक हैल्थ इंजीनियरिंग	3591·27
सड़क और पुल	3541·32
ब्याज भुगतान	18137·58
पेंशन	9000·00
देनदारी भुगतान	22591·81
अन्य खर्च	6394·79
कुल व्यय	142343·78

GSDP at Constant (2011-12) and Current Prices

- GSDP has increased by 54·4 per cent at constant prices and 90·2 per cent at current prices from 2014-15 to 2019-20.

Haryana GSDP at Constant (2011-12) and Current Prices

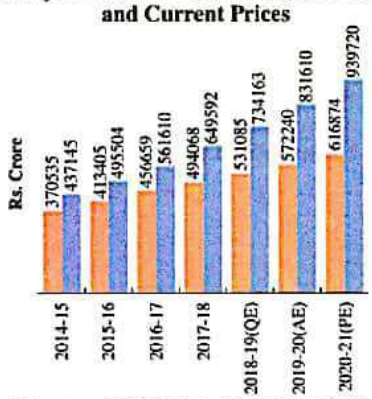

Haryana GSDP Growth at Constant Prices

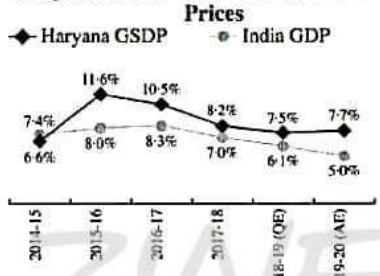

Per Capita Income at Constant and Current Prices

- Haryana has the highest per capita income amongst the major States of India.
- Growth of 79 per cent at current prices and 44 per cent at constant prices from 2014-15 to 2019-20

अन्य प्रमुख बजटीय घोषणाएं

- किसानों को फसलों के लाभप्रद मूल्य सुनिश्चित कराने के लिए **भावान्तर भरपाई योजना** नाम से नई योजना शुरू की गई है. इसमें टमाटर, प्याज, आलू सहित 10 फसलें शामिल की गई हैं. इसके अतिरिक्त कृषि एवं कृषकों के लाभार्थ अन्य अनेक घोषणाएँ बजट में की गई हैं.
- किसानों के लिए बिजली को ₹ 7·50 प्रति यूनिट से घटाकर ₹ 4·75 प्रति यूनिट किया गया है.
- बागवानी उपजो के तहत् बुआई क्षेत्र (8·17 प्रतिशत) को वर्ष 2030 तक दोगुना करने तथा बागवानी उत्पादन को तीन गुना करने का लक्ष्य.
- 2020-21 के दौरान गाय के दूध की आपूर्ति करने वाले सहकारी दुग्ध उत्पादों को मिलने वाली सब्सिडी को ₹ 4 प्रति लिटर से बढ़ाकर ₹ 5 प्रति लिटर करने की घोषणा, जिससे यह भैंस के दूध पर दी जाने वाली सब्सिडी के बराबर हो सके.
- सभी राजकीय विद्यालयों में बच्चों के पीने के लिए R.O. से शुद्ध पानी की व्यवस्था 2020-21 में की जाएगी.
- 2020-21 में राज्य में तीन नए सरकारी मेडिकल कॉलेज यमुना नगर, कैथल व सिरसा में बनाने की घोषणा.
- कुछ चुने हुए शहरों के सर्वांगीण विकास हेतु 'मेरा शहर सर्वोत्तम शहर' नामक एक नई योजना शुरू करने की घोषणा.
- नई शुरू की गई **मुख्यमंत्री परिवार समृद्धि योजना** के तहत् ऐसे परिवारों, जिनकी वार्षिक आय ₹ 1·80 लाख या इससे कम है और भूमि जोत 5 एकड़ या कम है, को ₹ 6000 की वार्षिक सहायता राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जाती है. यह सहायता विभिन्न सरकारी योजनाओं में लाभार्थी के अंशदान के लिए सहायता के तौर पर उपलब्ध कराई जाती है. ऐसे अंशदान के बाद शेष बची राशि लाभार्थी परिवार के खाते में जमा कराई जाएगी.
- खिलाड़ियों का खुराक भत्ता ₹ 150 प्रतिदिन से बढ़ाकर ₹ 250 प्रतिदिन किया गया.

*2020-21 के बजट के साथ ही राज्य की 2019-20 की आर्थिक समीक्षा भी विधान सभा में प्रस्तुत की गई, जिसमें बताया गया है कि **2019-20 में राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) में स्थिर मूल्यों पर 7·7 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर वृद्धि दर 5·0 प्रतिशत रही है.** आर्थिक समीक्षा में बताया गया है कि 2019-20 में प्रचलित मूल्यों पर हरियाणा का सकल राज्य घरेलू उत्पाद ₹8·32 लाख करोड़ अनुमानित है, जो पूर्व वर्ष की तुलना में 13·3 प्रतिशत अधिक है. स्थिर मूल्यों पर यह 2019-20 में ₹ 5·72 लाख करोड़ अनुमानित किया गया है, जो पूर्व वर्ष की तुलना में 7·7 प्रतिशत वृद्धि दर्शाता है. **चालू मूल्यों पर प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय 2014-15 में ₹1,47,382 थी, जो 2018-19 में ₹2,36,147 अनुमानित थी तथा अग्रिम अनुमानों में 2019-20 में राज्य में प्रति व्यक्ति आय ₹ 2,64,207 अनुमानित है, जबकि इसका अखिल भारतीय औसत ₹1,35,050 ही है.** अग्रिम अनुमानों में स्थिर मूल्यों पर प्रति व्यक्ति आय 2019-20 में ₹ 1,80,026 आकलित की गई है, जबकि राष्ट्रीय औसत ₹ 96563 का है.*

राज्य सरकार के सार्वजनिक उपक्रमों के निष्पादन के सम्बन्ध में बताया गया है कि 2018-19 में 23 सार्वजनिक उपक्रमों में से 19 उपक्रमों ने शुद्ध लाभ अर्जित किया. सन्दर्भित वर्ष में इनका शुद्ध लाभ ₹1704·09 करोड़ रहा. 2014-15 में राज्य सरकार के 13 उपक्रम ही लाभ की स्थिति में थे. इस प्रकार घाटे में रहे उपक्रमों की संख्या अब 10 से घटकर 4 ही रह गई है. इन उपक्रमों का कुल घाटा भी ₹ 2213·83 करोड़ से घटकर 2018-19 में ₹52·09 करोड़ ही रहा है.

Consolidated Fund (2020-21)

Rupee Comes from (Per cent)

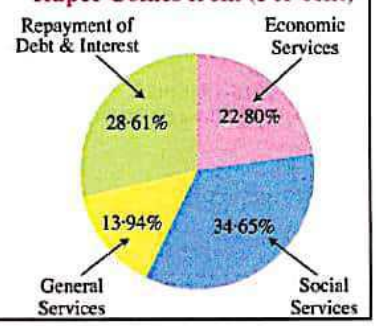

https://t.me/MAGAZINESKING

खेलकूद

क्रिकेट

भारत को फाइनल में हरा कर बांग्लादेश अंडर–19 विश्व कप का विजेता

द. अफ्रीका की मेजबानी में 17 जनवरी-9 फरवरी, 2020 को सम्पन्न (13वें) अंडर-19 विश्व कप क्रिकेट का खिताब बांग्लादेश ने फाइनल में गत चैम्पियन भारत को तीन विकेट से हरा कर जीता.

- *16 टीमें इस टूर्नामेन्ट में शामिल थीं.*
- *इस खिताबी विजय से बांग्लादेश की टीम ने पहली बार ही आईसीसी की कोई ट्रॉफी अपने नाम की है.*
- *भारत चार बार (2000, 2008, 2012 व 2018 में) अंडर-19 विश्व कप का विजेता रहा है.*
- *इस टूर्नामेन्ट में सर्वाधिक (400) रन बनाने वाले भारत के यशस्वी जैसवाल को प्लेयर ऑफ द सीरिज घोषित किया गया. टूर्नामेन्ट में सर्वाधिक 17 विकेट भारत के रवि बिश्नोई ने लिए.*
- *उत्तर प्रदेश के प्रियम गर्ग इस टूर्नामेन्ट में भारतीय टीम के कप्तान थे.*
- *आईसीसी के इस टूर्नामेन्ट का आयोजन 2-2 वर्ष के अंतराल पर होता है. ऐसा पिछला (12वाँ) आयोजन न्यूजीलैण्ड की मेजबानी में जनवरी-फरवरी 2018 में हुआ था.*

अंडर-19 विश्व कप क्रिकेट के विभिन्न आयोजन

वर्ष	स्थल	विजेता	उपविजेता
1988	एडिलेड	आस्ट्रेलिया	पाकिस्तान
1998	जोहांसबर्ग	इगलैण्ड	न्यूजीलैण्ड
2000	कोलम्बो	भारत	श्रीलंका
2002	लिनकोलन	आस्ट्रेलिया	दक्षिण अफ्रीका
2004	ढाका	पाकिस्तान	वेस्टइंडीज
2006	कोलम्बो	पाकिस्तान	भारत
2008	कुआलालम्पुर	भारत	दक्षिण अफ्रीका
2010	लिंकन (न्यूजीलैण्ड)	आस्ट्रेलिया	पाकिस्तान
2012	टाउंसविले (आस्ट्रेलिया)	भारत	आस्ट्रेलिया
2014	दुबई (यूएई)	द. अफ्रीका	पाकिस्तान
2016	बांग्लादेश	वेस्टइंडीज	भारत
2018	न्यूजीलैण्ड	भारत	आस्ट्रेलिया
2020	द. अफ्रीका	बांग्लादेश	भारत

महिलाओं की भारत-आस्ट्रेलिया-इंगलैण्ड टी-20 त्रिकोणीय शृंखला

भारत, आस्ट्रेलिया व इंगलैण्ड की महिलाओं की टी-20 त्रिकोणीय शृंखला आस्ट्रेलिया में 31 जनवरी–12 फरवरी, 2020 को सम्पन्न हुई. इसमें फाइनल मुकाबला भारत व आस्ट्रेलिया की टीमों के बीच हुआ. 12 फरवरी को सेंट किल्डा में खेले गए फाइनल में आस्ट्रेलिया की महिला टीम ने भारतीय महिला टीम को 11 रनों से हरा कर यह त्रिकोणीय ट्वेंटी-20 शृंखला अपने नाम की. आस्ट्रेलिया की बेथ मूनी को प्लेयर ऑफ द सीरिज घोषित किया गया. इस शृंखला मे भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर थीं.

- *इस त्रिकोणीय शृंखला में सर्वाधिक 216 रन भारत की स्मृति मंधाना ने बनाए. सर्वाधिक 10 विकेट लेने का श्रेय भारत की ही राजेश्वरी गायकवाड को प्राप्त हुआ.*

न्यूजीलैण्ड के विरुद्ध ओडीआई शृंखला में भारतीय टीम की 3-0 से पराजय

न्यूजीलैण्ड के दौरे पर भारतीय क्रिकेट टीम ने 5 ट्वेंटी-20 मैचों की शृंखला जनवरी-फरवरी 2020 में खेलने के पश्चात् तीन एकदिवसीय मैचों की शृंखला फरवरी 2020 में खेली. (चोटिल होने के कारण रोहित शर्मा व शिखर धवन इस ओडीआई शृंखला में भारतीय टीम में शामिल नहीं थे.) इस शृंखला के तीनों मैचों में पराजय का सामना भारतीय टीम ने किया, जिससे तीन मैचों की यह शृंखला न्यूजीलैण्ड ने 3-0 से जीती. भारत के श्रेयस अय्यर ने इस शृंखला के पहले मैच में 103 रन की पारी खेल कर ओडीआई में अपना पहला शतक बनाया, जबकि के. एल. राहुल ने 112 रन की शतकीय पारी शृंखला के तीसरे मैच में खेली.

पिछले 31 वर्षों में यह पहला अवसर था जब भारतीय क्रिकेट टीम को किसी ओडीआई शृंखला के सभी मैचों में पराजय का सामना करना पड़ा. यह भी पहला ही अवसर था जब विराट कोहली की कप्तानी में किसी शृंखला के सभी मैचों में भारतीय टीम पराजित हुई.

न्यूजीलैण्ड के रॉस टेलर को इस शृंखला के लिए **प्लेयर ऑफ द सीरिज** घोषित किया गया.

न्यूजीलैण्ड के इस दौरे पर 3 मैचों की इस ओडीआई शृंखला से पूर्व 5 ट्वेंटी-20 मैचों की शृंखला भी भारतीय टीम ने मेजबान टीम के विरुद्ध जनवरी-फरवरी 2020 में खेली थी. इस शृंखला के सभी पाँचों मैच जीत कर भारतीय टीम ने 5-0 से शृंखला अपने नाम की थी.

टेस्ट क्रिकेट में 45वीं हैट्रिक : पाकिस्तान के नसीम शाह टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक बनाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बने

पाकिस्तान के युवा क्रिकेटर नसीम शाह ने 9 फरवरी, 2020 को रावलपिंडी में बांग्लादेश के विरुद्ध टेस्ट मैच में हैट्रिक बना कर इतिहास रचा. केवल 16 वर्ष 359 दिन की उम्र में हैट्रिक बना कर टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक बनाने वाले सबसे युवा गेंदबाज वह बने. बांग्लादेश के विरुद्ध उनकी यह हैट्रिक टेस्ट क्रिकेट के इतिहास की 45वीं हैट्रिक है. उनसे पूर्व टेस्ट क्रिकेट के इतिहास की 44वीं हैट्रिक भारत के जसप्रीत बुमराह ने 31 अगस्त, 2019 को किंग्सटन में वेस्टइंडीज के विरुद्ध बनाई थी.

नसीम शाह : टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक बनाने वाले सबसे युवा गेंदबाज

अमरीकी क्रिकेट टीम द्वारा ओडीआई में न्यूनतम स्कोर की बराबरी

अमरीकी क्रिकेट टीम द्वारा एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में न्यूनतम स्कोर के मामले में जिम्बाब्वे के 16 वर्ष पुराने रिकॉर्ड की बराबरी 12 फरवरी, 2020 को नेपाल में कीर्तिपुर में मेजबान टीम के विरुद्ध खेलते हुए की. आईसीसी वर्ल्ड लीग–2 के एक मुकाबले में नेपाल के विरुद्ध खेलते हुए अमरीका की क्रिकेट टीम 12 ओवर में 35 रन पर ही सिमट गई. यह एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास मे संयुक्त रूप से न्यूनतम स्कोर है. अमरीका ने इस मामले में जिम्बाब्वे के 16 वर्ष पुराने रिकॉर्ड की बराबरी की है. जिम्बाब्वे की टीम 2004 में हरारे में श्रीलंका के विरुद्ध एक मैच में 18 ओवर में 35 रन बना कर ऑल आउट हो गई थी.

आस्ट्रेलिया के एश्टन एगर की द. अफ्रीका के विरुद्ध टी-20 मैच में हैट्रिक

आस्ट्रेलिया के लैफ्ट आर्म स्पिनर एश्टन एगर (Ashton Agar) ने 21 फरवरी, 2020 को जोहान्सबर्ग में मेजबान द. अफ्रीका के विरुद्ध टी-20 मैच में हैट्रिक बनाने में सफलता प्राप्त की. टी–20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में यह 13वीं हैट्रिक है. **इनसे पूर्व 12वीं हैट्रिक भारत के दीपक चाहर ने 10 नवम्बर, 2019 को नागपुर में बांग्लादेश के विरुद्ध खेलते हुए बनाई थी.**

https://t.me/MAGAZINESKING

ट्वेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अब तक लगी सभी 13 हैट्रिक्स की सूची निम्न-लिखित है–

ट्वेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय मैच में 13 हैट्रिक्स (फरवरी 2020 के अन्त तक की स्थिति)

क्र.	तिथि	गेंदबाज	विरुद्ध	स्थान
1.	16 सितम्बर, 2007	ब्रेट ली (आस्ट्रेलिया)*	बांग्लादेश	केपटाउन
2.	2 सितम्बर, 2009	जेकब ओरम (न्यूजीलैण्ड)	श्रीलंका	कोलम्बो
3.	26 दिसम्बर, 2010	टिम साउथी (न्यूजीलैण्ड)	पाकिस्तान	ऑकलैण्ड
4.	12 फरवरी, 2016	थिसारा पेरेरा (श्रीलंका)	भारत	रांची
5.	6 अप्रैल, 2017	लसिथ मलिंगा (श्रीलंका)	बांग्लादेश	कोलम्बो
6.	27 अक्टूबर, 2017	फहीम अशरफ (पाकिस्तान)	श्रीलंका	आबूधाबी
7.	24 फरवरी, 2019	राशिद खान (अफगानिस्तान)	आयरलैण्ड	देहरादून
8.	6 सितम्बर, 2019	लसिथ मलिंगा (श्रीलंका)	न्यूजीलैण्ड	कैंडी
9.	5 अक्टूबर, 2019	मोहम्मद हसैनन (पाकिस्तान)	श्रीलंका	लाहौर
10.	9 अक्टूबर, 2019	खांबर अली (ओमान)	नीदरलैण्ड्स	मस्कट
11.	19 अक्टूबर, 2019	नॉरमन वानुआ (पापुआ न्यू गिनी)	बरमूडा	दुबई
12.	10 नवम्बर, 2019	दीपक चाहर (भारत)	बांग्लादेश	नागपुर
13.	21 फरवरी, 2020	एश्टन एगर (आस्ट्रेलिया)	द. अफ्रीका	जोहान्सबर्ग

टेनिस

दुबई टेनिस चैम्पियनशिप्स (2020)

संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में दुबई में 17–22 फरवरी, 2020 को सम्पन्न महिलाओं की दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैम्पियनशिप में एकल खिताब कजाखिस्तान की एलेना राइबाकिना को फाइनल में हरा कर रूमानिया की सिमोना हालेप (Simona Halep) ने जीता. युगल खिताब के लिए चीनी ताइपै की हसीह सू-वी (Hsieh Su-Wei) व चैक गणराज्य की बारबोरा स्ट्राइकोवा (Barbora Strycova) की जोड़ी ने बारबोरा क्रेजसीकोवा (चैक गणराज्य) व झेंग साइसाइ (चीन) की जोड़ी को फाइनल में पराजित किया.

महिलाओं के टूर्नामेन्ट के पश्चात् दुबई टेनिस का पुरुषों का टूर्नामेन्ट 24–29 फरवरी, 2020 को सम्पन्न हुआ जिसमें एकल खिताब सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने फाइनल में ग्रीस के स्टीफेनोस त्सितसिपास को हरा कर अपने नाम किया, जबकि युगल खिताब के लिए जॉन पीयर्स व माइकल वीनस की आस्ट्रेलियाई जोड़ी ने राबेन क्लासेन (द. अफ्रीका) व ओलीवर मराच (ऑस्ट्रिया) की जोड़ी को फाइनल में पराजित किया.

सेंटपीटर्सबर्ग लेडीज़ ट्रॉफी

10–16 फरवरी, 2020 को सेंटपीटर्सबर्ग (रूस) में सम्पन्न महिलाओं के (11वें) सेंट-पीटर्सबर्ग लेडीज़ ट्रॉफी टूर्नामेन्ट का एकल खिताब नीदरलैण्ड्स की किकी बर्टेन्स (Kiki Bertens) ने फाइनल में कजाखिस्तान की एलेना राइबाकिना को हरा कर जीता. इस टूर्नामेन्ट के युगल खिताब के लिए शुको आओयामा व इना शिबाहरा की जापानी जोड़ी ने फाइनल मुकाबले में कैटलिन क्रिस्टियन (अमरीका) एलेक्सा गुआराची (चिली) की जोड़ी को पराजित किया.

मारिया शारापोवा का टेनिस से संन्यास

32 वर्षीय टेनिस स्टार मारिया शारापोवा ने पेशेवर टेनिस से संन्यास की घोषणा 26 फरवरी, 2020 को की है. विश्व में सर्वाधिक ख्याति प्राप्त खिलाड़ियों में गिनी जाने वाली मारिया शारापोवा 5 ग्रांड स्लैम एकल खिताबों की विजेता रही हैं. इनमें विम्बलडन (2004), अमरीकी ओपन (2006) व आस्ट्रेलियाई ओपन (2008) तथा फ्रांसीसी ओपन (2012 व 2014) शामिल हैं.

मारिया शारापोवा

अलग-अलग समय में पाँच बार विश्व की नम्बर एक खिलाड़ी रह चुकी मारिया शारापोवा यद्यपि रूसी खिलाड़ी के तौर पर ही पेशेवर टेनिस में खेलती रही हैं. 1994 के पश्चात् से वह अमरीका में ही रहती रही हैं.

टाटा ओपन (महाराष्ट्र) 2020

एटीपी टूर के वर्ष 2020 के टाटा ओपन महाराष्ट्र (महाराष्ट्र ओपन) टेनिस का आयोजन पुणे में 3–9 फरवरी, 2020 को हुआ. पुरुषों के इस टूर्नामेन्ट का एकल खिताब चैक गणराज्य के जिरी वेस्ले (Jiri Vesely) ने बेलारूस के इगोर गैरासिमोव को फाइनल मुकाबले में हरा कर जीता. दक्षिण एशिया के इस एकमात्र एटीपी टूर्नामेन्ट का युगल खिताब स्वीडन के आंद्रे गोरानसन व इंडोनेशिया के क्रिस्टोफर रुंगकाट की जोड़ी ने जीता.

बंगलूरू ओपन (2020)

एटीपी चैलेंजर टूर का वर्ष 2020 का बंगलूरू ओपन टेनिस टूर्नामेन्ट 10–16 फरवरी, 2020 को बंगलूरू में सम्पन्न हुआ. इसका एकल खिताब आस्ट्रेलिया के जेम्स डकवर्थ ने फ्रांस के बेंजामिन बोंज़ी को फाइनल में हरा कर जीता. युगल मुकाबले में भारत के रामकुमार रामनाथन व पूरव राजा की जोडी विजेता रही. युगल खिताब के लिए आस्ट्रेलिया के मैथ्यू एब्डेन व भारत के लिएंडर पेस की जोड़ी को रामनाथन व राजा की जोड़ी ने पराजित किया.

हॉकी

पुरुषों की सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप (2020)

हॉकी इंडिया की पुरुषों की (10वीं) सीनियर राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप (ए डिवीजन) का आयोजन झाँसी में 23 जनवरी-2 फरवरी, 2020 को हुआ. इसका खिताब एयर इंडिया को फाइनल में 3–1 से हराकर सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (SSCB) ने जीता. तीसरा स्थान पैट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (PSPB) का रहा.

पुरुषों की 10वीं सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप (बी डिवीजन) का आयोजन 20 जून–3 जुलाई 2020 को गुवाहटी में होना है.

महिलाओं की दसवीं सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप (2020)

हॉकी इंडिया की महिलाओं की दसवीं सीनियर राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप (बी डिवीजन) का आयोजन कोल्लम (केरल) में 23 जनवरी–1 फरवरी, 2020 को हुआ. इसका खिताब स्टील प्लांट्स की टीम को फाइनल में 3–1 से हराकर सशस्त्र सीमा बल (SSB) ने जीता. 30 जनवरी–9 फरवरी, 2020 को कोल्लम में ही सम्पन्न महिलाओं की सीनियर ए डिवीजन चैम्पियनशिप में स्पोर्ट्स अथॉरिटी (SAI) को फाइनल में 6–0 से हराकर हरियाणा ने खिताब जीतने में सफलता प्राप्त की.

भारोत्तोलन

सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप (2020)

पुरुषों की 72वीं व महिलाओं की 35वीं सीनियर राष्ट्रीय भारोत्तोलन चैम्पियनशिप का

https://t.me/MAGAZINESKING

मीराबाई चानू व जेरेमी लाल रिनुंगा सर्वश्रेष्ठ भारोत्तोलकों की ट्रॉफियों के साथ

आयोजन 3–7 फरवरी, 2020 को कोलकाता में हुआ. इसमें पुरुष व महिला दोनों ही वर्गों के टीम खिताब रेलवे ने क्रमशः 246 व 232 अंकों के साथ जीते. पुरुषों में 232 अंकों के साथ सेना का व महिलाओं में 202 अंकों के साथ महाराष्ट्र का दूसरा स्थान रहा. **रोबी पॉइंट्स के आधार पर मिजोरम के जेरेमी लाल रिनुंगा को पुरुषों में तथा रेलवे की मीराबाई चानू को महिलाओं में सर्वश्रेष्ठ भारोत्तोलक घोषित किया गया.**

इस आयोजन में विभिन्न वर्गों में स्वर्ण पदक विजेता भारोत्तोलकों के नाम निम्न-लिखित हैं–

पुरुष वर्ग	
55 किग्रा	संकेत सरगर (महाराष्ट्र)
61 किग्रा	शुभम कोलेकर (महाराष्ट्र)
67 किग्रा	जेरेमी लाल रिनुंगा (मिजोरम)
73 किग्रा	अजित नाथ (तमिलनाडु)
81 किग्रा	पापुल चांगमई (सेना)
89 किग्रा	सांबो लापुंग (सेना)
96 किग्रा	विकास ठाकुर (सेना)
102 किग्रा	प्रदीप सिंह (रेलवे)
109 किग्रा	चंद्रकांत माली (सेना)
+ 109 किग्रा	गुरदीप सिंह (रेलवे)
महिला वर्ग	
49 किग्रा	मीराबाई चानू (रेलवे)
55 किग्रा	मानालिशा सोनोवल (एआईपी)
64 किग्रा	राखी हलदर (रेलवे)
76 किग्रा	दीपिका हांडा (चंडीगढ़)
81 किग्रा	सृष्टि सिंह (रेलवे)
87 किग्रा	पी. अनुराधा (रेलवे)
+ 87 किग्रा	मोनिका (रेलवे)

बिलियर्ड्स एवं स्नूकर

सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप

पुणे में 23–28 जनवरी, 2020 को सम्पन्न पुरुषों की (87वीं) सीनियर राष्ट्रीय बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप में पुरुष वर्ग का खिताब पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (PSPB) के पंकज आडवाणी ने फाइनल में अपने ही संस्थान के सौरभ कोठारी को फाइनल में हराकर जीता. स्नूकर खिताब के लिए पीएसपीबी के आदित्य मेहता ने पंकज आडवाणी को फाइनल में हराया.

महिला वर्ग में 3–5 फरवरी को सम्पन्न 29वीं सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के मुकाबलों में दिल्ली की कीरथ भंडाल को फाइनल में हराकर मध्य प्रदेश की अभी कमानी ने बिलियर्ड्स खिताब जीता. महिला वर्ग में सीनियर राष्ट्रीय स्नूकर खिताब अभी कमानी (मध्य प्रदेश) को फाइनल में हराकर कर्नाटक की विद्या पिल्लई ने अपने नाम किया.

बिलियर्ड्स में पंकज आडवाणी का यह 10वाँ सीनियर राष्ट्रीय खिताब है.

शतरंज

राष्ट्रीय टीम चैम्पियनशिप (2020)

ऑल इण्डिया चैसे फेडरेशन के तत्वावधान में पुरुषों की 40वीं व महिलाओं की 18वीं राष्ट्रीय टीम चैम्पियनशिप का आयोजन अहमदाबाद में 7–13 फरवरी, 2020 को हुआ. इन दोनों ही वर्गों के खिताब पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (PSPB) ने जीते, जबकि दूसरा स्थान भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) का रहा.

महिलाओं की विश्व चैम्पियनशिप : जू वेनजुन का खिताब पर कब्जा बरकरार

महिलाओं की विश्व शतरंज चैम्पियनशिप के लिए गत चैम्पियन चीन की जू वेनजुन (Ju Wenjun) व चैलेंजर अलेक्साड्रा गोर्याचकिना (Aleksandra Goryachkina), (कैंडीडेट्स टूर्नामेन्ट, 2019 की विजेता) के बीच मुकाबला चीन में शंघाई व रूस में व्लादिवोस्तोक में 3–24 जनवरी, 2020 के दौरान दो हिस्सों में हुआ. इसमें विजय दर्ज करके जू वेनजुन ने खिताब पर कब्जा बरकरार रखा.

विश्व रैपिड चैम्पियनशिप जीतने के दो माह के भीतर कोनेरू हम्पी का केयर्न्स कप में खिताब

दिसम्बर 2019 में मॉस्को में महिलाओं की विश्व रैपिड चैम्पियनशिप जीतने के दो माह के भीतर भारत की 32 वर्षीय कोनेरू हम्पी (Koneru Humpy) अमरीका में सेंट लुइ में दूसरे केयर्न्स कप (Cairns Cup) की विजेता 16 फरवरी, 2020 को बनी. इस टूर्नामेन्ट में सर्वाधिक 6 अंक उन्होंने अर्जित किए. 5-5 अंकों के साथ विश्व चैम्पियन जूवेनजुन (चीन) का दूसरा व 5 अंकों के साथ रूस की एलेक्सांद्रा कोस्तेनियुक का तीसरा स्थान इस टूर्नामेन्ट में रहा. भारत की हरिका द्रोणावल्ली जिनके साथ अपना अंतिम 9वाँ दौर कोनेरू ने ड्रा खेला, 4·5 अंकों के साथ पाँचवें स्थान पर रहीं. इस खिताबी विजय के लिए 45 हजार डॉलर की राशि कोनेरू को पुरस्कार में प्रदान की गई.

कोनेरू हम्पी

32 वर्षीय कोनेरू हम्पी, जो 2016-2018 के दौरान मातृत्व अवकाश पर रही थीं, ने दो वर्ष के अंतराल के पश्चात् वापसी करते हुए विश्व रैपिड चैम्पियनशिप का खिताब दिसम्बर 2019 में जीत कर शतरंज में भारत की पहली महिला विश्व रैपिड चैम्पियन बनने का श्रेय प्राप्त किया था. रैपिड वर्ल्ड टाइटल जीतने वाली वह विश्वनाथन आनंद के बाद दूसरी भारतीय हैं.

स्क्वैश

सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप : सौरभ घोषाल व जोशना चिनप्पा के खिताब बरकरार

चेन्नई में 9–15 फरवरी, 2020 को सम्पन्न 77वीं सीनियर राष्ट्रीय स्क्वैश

सौरभ घोषाल व जोशना चिनप्पा : राष्ट्रीय चैम्पियनशिप की ट्रॉफियों के साथ

चैम्पियनशिप में पुरुष व महिला वर्ग के खिताब सौरभ घोषाल व जोशना चिनप्पा ने ही जीते. पुरुष वर्ग के खिताब के लिए महाराष्ट्र के अभिषेक प्रधान को तमिलनाडु के सौरभ घोषाल ने पराजित किया, जबकि महिला वर्ग का खिताब तमिलनाडु की ही जोशना चिनप्पा ने फाइनल में दिल्ली की तनवी खन्ना को हरा कर जीता. 33 वर्षीय जोशना का यह रिकॉर्ड 18वाँ राष्ट्रीय खिताब है, जबकि 33 वर्ष के ही सौरभ घोषाल ने 13वीं बार यह खिताब अपने नाम किया है.

https://t.me/MAGAZINESKING

बैडमिन्टन

बंगलूरू रैप्टर्स लगातार दूसरे वर्ष प्रीमियर बैडमिंटन लीग की विजेता

भारत के प्रीमियर बैडमिंटन लीग (PBL) का पाँचवाँ संस्करण 20 जनवरी-9 फरवरी, 2020 के दौरान सम्पन्न हुआ. सात टीमें इस वर्ष इस टूर्नामेन्ट में शामिल थीं. इसका खिताब गत विजेता बंगलूरू रैप्टर्स के ही नाम रहा. हैदराबाद में नॉर्थ ईस्टर्न वारियर्स व बंगलूरू रैप्टर्स के बीच 9 फरवरी को खेले गए फाइनल में बंगलूरू टीम विजेता रही.

- *बंगलूरू रैप्टर्स के ताई त्जूयिंग (चीनी ताइपै) को 'प्लेयर ऑफ द लीग' घोषित किया गया. 'इंडियन प्लेयर ऑफ द लीग' का पुरस्कार हैदराबाद हंटर्स के एन. सिक्की रेड्डी को मिला. हैदराबाद हंटर्स के ही प्रियांशु राजावत को 'एमर्जिंग प्लेयर ऑफ द लीग' का पुरस्कार दिया गया.*

2016 में प्रीमियर बैडमिंटन लीग के पहले संस्करण के आयोजन से पूर्व भारतीय बैडमिंटन लीग (IBL) का एक आयोजन अगस्त 2013 में हुआ था.

प्रीमियर बैडमिंटन लीग के विगत आयोजनों के विजेता

क्रमांक	वर्ष	टीमों की संख्या	विजेता	उपविजेता
1.	2016	6	दिल्ली डैशर्स	मुम्बई रॉकेट्स
2.	2017	6	चेन्नई स्मैशर्स	मुम्बई रॉकेट्स
3.	2017-18	8	हैदराबाद हंटर्स	बंगलूरू ब्लास्टर्स
4.	2018-19	9	बंगलूरू रैप्टर्स	मुम्बई रॉकेट्स
5.	2020	7	बंगलूरू रैप्टर्स	नॉर्थ ईस्टर्न वारियर्स

ट्रायथलन

एशिया कप राष्ट्रीय चैम्पियनशिप (2020)

भारतीय ट्रायथलन फेडरेशन की मेजबानी में एशिया कप ट्रायथलन का आयोजन 23 फरवरी, 2020 को चेन्नई में हुआ. भारत के अतिरिक्त फ्रांस, सर्बिया, जापान, चिली, स्विट्जरलैण्ड, नेपाल आदि देशों के ट्रायथलीट इनमें शामिल थे. भारत की सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप का आयोजन भी इसके साथ ही हुआ (मौसम की खराबी के चलते तैराकी चरण इस आयोजन में सम्पन्न नहीं किया गया).

- *इस आयोजन के एशिया कप खण्ड में सर्बिया के ऑग्नजेन स्टोजानोविच (Ognjen Stojanovic) पुरुष वर्ग में तथा चिली की बारबरा रिवेरोस (Barbara Riveros) महिला वर्ग में विजेता घोषित किए गए.*
- *सीनियर नेशनल चैम्पियनशिप खण्ड में सेना के आदर्श मुरलीधरन नायर पुरुष वर्ग में तथा मणिपुर की सरोजनी देवी थोउडम महिला वर्ग में विजेता रहीं. एशिया कप खण्ड में इनका स्थान सर्वश्रेष्ठ नौवाँ रहा था. इसके आधार पर ही इन्हें राष्ट्रीय चैम्पियन घोषित किया गया.*
- *ट्रायथलन में तीन खेल साइकिलिंग, तैराकी व दौड़ शामिल होते हैं. इसे पहली बार 2000 में सिडनी ओलम्पिक खेलों में शामिल किया गया था.*

●●●

फोकस 2

लोक महत्व के वैश्विक निर्देशांकों में भारत

✍ डॉ. दीप्ति

वैश्विक लैंगिक अन्तराल रिपोर्ट 2020

वैश्विक स्तर पर सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक - धार्मिक - सांस्कृतिक - वैज्ञानिक विकास के अनेक सोपानों पर चढ़ने के बावजूद स्त्री-पुरुषों के बीच भेदभाव के समाप्त न हो पाने के कारण लैंगिक अन्तराल आज भी इतने अधिक व्यापक हैं कि न तो हम अपने जीवनकाल में और न हमारी अगली पीढ़ी लैंगिक समता देख सकेंगे. विश्व आर्थिक मंच द्वारा 16 दिसम्बर, 2019 को जारी वैश्विक लैंगिक अन्तराल रिपोर्ट 2020 के आकलन के अनुसार लैंगिक समता प्राप्त करने में कम-से-कम 99·5 वर्ष अभी और लगेंगे.

अपने 14वें वर्ष में वैश्विक लैंगिक अन्तराल रिपोर्ट 2020. (i) आर्थिक सहभागिता एवं अवसर, (ii) शैक्षणिक उपलब्धियाँ, (iii) स्वास्थ्य एवं जीवित रहना तथा (iv) राजनीतिक सशक्तिकरण जैसे चार आयामों में लैंगिक समता के क्षेत्र में 153 देशों, जहाँ इन चारों आयामों के विभिन्न सूचकों के आँकड़े आसानी से उपलब्ध हैं, में तुलनात्मक स्थिति का एक विहंगम चित्र प्रस्तुत करती है.

यह रिपोर्ट बेवाक तरीके से स्वीकार करती है कि विगत 108 वर्षों के दौरान लोकतान्त्रिक शासन प्रणालियों के विकास के बावजूद विश्व के अधिकांश देशों में महिलाएं राजनीतिक संस्थाओं के पटल पर अपनी आबादी के अनुपात में अपने लिए उपयुक्त स्थान नहीं बना सकी हैं. लैंगिक समता स्थापित करने के मामले में राजनीतिक सशक्तिकरण सबसे खराब उपलब्धि दर्शाने वाला क्षेत्र है.

राजनीतिक प्रतिनिधित्व के मामले में लैंगिक अन्तराल में पाटने में अभी कम-से-कम 45 वर्ष और लगेंगे. वैश्विक औसत रूप में विधायिकाओं के निचले सदन में महिलाओं की भागीदारी 2019 में मात्र 25·2% है, जबकि मंत्रिमण्डलों में मात्र 21·2%.

नेतृत्व एवं मजदूरियों के रूप में लाभांश को भुनाने में तथा कथित 'रोल मॉडल प्रभाव' की अच्छी भूमिका है. अनुभवजन्य प्रमाण यह दर्शाते हैं कि जहाँ-जहाँ महिलाओं का राजनीतिक सशक्तिकरण अधिक हुआ है, वहाँ-वहाँ श्रम बाजार में महिलाओं के लिए वरिष्ठ भूमिकाओं में अवसर बढ़े हैं.

दूसरी ओर शिक्षा के क्षेत्र में शत-प्रतिशत लैंगिक समता प्राप्त करने में अभी 12 और वर्ष लगेंगे. 153 देशों में से कम-से-कम 40 देश ऐसे हैं, जहाँ शिक्षा में शत-प्रतिशत लैंगिक समता स्थापित की जा चुकी है.

यद्यपि शैक्षणिक उपलब्धियाँ एवं स्वास्थ्य तथा जीवित रहने की दशाओं में लैंगिक समता का स्तर क्रमशः 96·1% तथा 95·7% है. आर्थिक सहभागिता एवं अवसरों की समानता में लैंगिक समता अभी भी 57·8% है. इसे पाटने में कम-से-कम 257 वर्ष लगेंगे. इस विषम स्थिति के लिए तीन कारण उत्तरदायी हैं–

(i) जिन क्षेत्रों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व अधिक है, उन्हीं क्षेत्री स्वचालितीकरण की प्रक्रिया अधिक तेज है. उद्योगों एवं सेवाओं में स्वचालितीकरण (Automation) को अपनाए जाने से रोजगार के अवसर कम हो रहे हैं.

(ii) जिन पेशों में मजदूरी दरों की संवृद्धि अपेक्षाकृत अधिक ऊँची है, उनमें महिलाएं कम ही प्रवेश कर पा रही हैं. (जैसे कि प्रौद्योगिकी)

(iii) महिलाएं अपर्याप्त देखभाल अधोरचना तथा, पूँजी तक सीमित पहुँच जैसी समस्याओं का सामना करती हैं.

https://t.me/MAGAZINESKING

रैंकिंग स्तर : वैश्विक लैंगिक अन्तराल 2020

- 0·877 स्कोर के साथ आयसलैण्ड पहले, नॉर्वे (0·842) दूसरे, फिनलैण्ड (0;832) तीसरे, स्वीडन (0·820) चौथे तथा निकारागुआ (0·804) पाँचवें स्थान पर है.
- विश्व के अल्पविकसित देशों में शुमार रवाण्डा 0·791 स्कोर के साथ लैंगिक अन्तराल में नौवें स्थान पर है.
- कम्पनियों के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में महिलाओं की भागीदारी फ्रांस में 43·4%, जर्मनी में 31·9%, न्यूजीलैण्ड में 30%, यू.के. में 27·2%, संयुक्त राज्य अमरीका में 21·7%, भारत में 13·8%, चीन में 9·7%, जापान में 5·3% है.
- विगत 50 वर्षों में 85 देशों में महिलाएं राष्ट्राध्यक्ष के पदों तक नहीं पहुँच सकी हैं.
- विश्व में अभी भी 72 ऐसे देश हैं, जहाँ महिलाएं बैंकों में न तो अपना खाता खोल सकती हैं और न ऋण प्राप्त कर सकती हैं.
- विश्व में एक भी देश ऐसा नहीं है, जहाँ पुरुष महिला के बराबर बिना भुगतान के काम करते हों.
- 2020 में 0·668 स्कोर के साथ भारत 112वें स्थान पर है, जबकि पिछले वर्ष यह 108वें स्थान पर था.
- आर्थिक सहभागिता एवं अवसरों की समानता में भारत का रैंक 149वाँ (0·354 स्कोर), शैक्षणिक उपलब्धियों में 112वाँ (0·962 स्कोर), राजनीतिक सशक्तिकरण में 18वाँ (0·411 स्कोर) तथा स्वास्थ्य एवं जीवित रहने में 150वाँ (0·944 स्कोर) है.
- दक्षिण एशिया में बांग्लादेश 50वें, नेपाल 101वें, श्रीलंका 102वें, भारत 112वें, मालदीव 123वें, भूटान 131वें तथा पाकिस्तान 151वें स्थान पर हैं.
- ब्रिक्स देश में ब्राजील 92वें, रूस 81वें, चीन 106वें तथा दक्षिण अफ्रीका 12वें स्थान पर है.

सम्पोषणीय विकास रिपोर्ट 2019

सस्टेनेबुल डेवलपमेन्ट सोल्यूशन्स (SDSN) तथा बर्टेल्समान स्टिफंग द्वारा तैयार की गई सम्पोषणीय विकास रिपोर्ट, 2019 में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 2015 में अपनाए गए 17 सम्पोषणीय विकास लक्ष्यों के मामले में विभिन्न देशों में प्राप्त उपलब्धियों के आधार पर उन्हें रैंक प्रदान की गई है. सम्पोषणीय विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में सभी देश आम सहमति से पाँच P— Prosperity (सम्पन्नता), People (लोग), Planet (ग्रह), Peace (शान्ति) तथा Partnership (सहभागिता) से जुड़े लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से सन् 2030 तक प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

- एसडीजी को प्राप्त करने में "कोई भी पीछे न छूटे" (Leave No One Behind) सिद्धान्त को अपनाते हुए छह एसडीजी, ट्रांसफॉर्मेशन स्वीकार किए गए हैं—
  1. शिक्षा, जेण्डर एवं असमानता (SDG 1, 5, 7–10, 12–15, 17)
  2. स्वास्थ्य, खुशहाली एवं जनांकिकीय (SDG 1, 2, 3, 4, 5, 8, 10)
  3. ऊर्जा विकार्वनीकरण एवं धारणीय उद्योग (SDG 1–16)
  4. धारणीय खाद्य, भूमि, जल एवं महासागर (SDG 1–3, 5, 6, 8, 10–15)
  5. धारणीय शहर एवं समुदाय (SDG 1–10)
  6. धारणीय विकास हेतु डिजिटल क्रान्ति (SDG 1–4, 7–13, 17).
- एसडीजी इण्डेक्स 2019 में विश्व के किसी भी देश में सभी 17 लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफलता नहीं पाई है.
- एक बार पुनः तीनों—नार्डिक देश—डेनमार्क, स्वीडन तथा फिनलैण्ड एसडीजी इण्डेक्स 2019 में शीर्ष पर हैं. इन तीनों देशों में भी एसडीजी 12 (उत्तरदायी उपभोग एवं उत्पादन), एसडीजी 13 (जलवायु कार्यवाही), एसडीजी 14 (जल के नीचे जीवन), एसडीजी 15 (भूमि पर जीवन) में व्यापक उपलब्धि अन्तराल तो हैं ही आय तथा सम्पत्ति के वितरण की असमानताएं, जनसंख्या के विभिन्न समूहों में स्वास्थ्य तथा शिक्षा उपलब्धियों में अन्तराल आज भी बड़ी चुनौतियाँ हैं.
- एसडीजी को समयबद्ध तरीके से प्राप्त करने में उच्च स्तरीय राजनीतिक प्रतिबद्धता अभी भी निचले स्तर पर है.
- जलवायु (SDG 13), जैव-विविधता (SDG 14 तथा SDG 15) पर उपलब्धियों की निचले स्तर की प्रवृत्ति खतरे की घण्टी दे रही है.
- धारणीय भू-उपयोग तथा स्वस्थ आहार यों हेतु समेकित कृषि, जलवायु एवं स्वास्थ्य नीति में हस्तक्षेपों की आवश्यकता है.
- उच्च-आय वाले देश उच्च पर्यावरणीय एवं सामाजिक-आर्थिक अधिप्लावन प्रभाव (Spill over Effect) सृजित करते हैं.
- अनेक देशों में मानवाधिकार एवं अभिव्यक्ति की आजादी खतरे में है.
- निर्धनता निवारण तथा समता सुदृढ़ीकरण अभी भी महत्वपूर्ण नीतिगत प्राथमिकताएं है.
- एसडीजी इण्डेक्स 2019 में विभिन्न देशों का रैंक निम्नवत है—

रैंक (2019)	देश	स्कोर
1	डेनमार्क	85·2
2	स्वीडन	85·0
3	फिनलैण्ड	82·8
11	न्यूजीलैण्ड	79·5
13	यूके	79·4
15	जापान	78·9
35	सं.रा.अमरीका	74·5
	ब्रिक्स देश	
39	चीन	73·2
55	रूस	70·9
57	ब्राजील	70·6
115	भारत	61·1
113	दक्षिण अफ्रीका	61·5

प्रतियोगिता दर्पण/अप्रैल/2020/57

https://t.me/MAGAZINESKING

स्मरणीय तथ्य

राष्ट्रीय

1. उत्तर रेलवे के दिल्ली के किस रेलवे स्टेशन पर 'फिट इण्डिया' प्रचार के लिए 'फिट इण्डिया स्क्वाट (Squat) कियोस्क' स्थापित किया गया है ? **– आनंद विहार रेलवे स्टेशन**

☛ *आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर लगी मशीन Fit India Squat Kiosk के सामने 30 स्क्वाट लगाने पर प्लेटफॉर्म टिकट मुफ्त मिल जाता है. सस्ती जेनरिक दवाएँ खरीदने के लिए 'दवा दोस्त' स्टोर खोला गया है और स्वस्थ खाना खाने के लिए प्रमाणित 'ईट राइट स्टेशन' भी इस स्टेशन पर शीघ्र प्रारम्भ किया जाएगा.*

2. अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के 24 फरवरी, 2020 को भारत आगमन पर अहमदाबाद में किस स्टेडियम में स्वागत किया गया ? **– मोटेरा स्टेडियम**

☛ *अहमदाबाद के मोटेरा स्थान पर स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल स्टेडियम जोकि विश्व का अब सबसे बड़ा स्टेडियम बताया जा रहा है. सामान्यतः मोटेरा स्टेडियम के नाम से जाता है. राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का स्वागत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस स्टेडियम में नमस्ते ट्रम्प कार्यक्रम में 24 फरवरी, 2020 को किया.*

3. फरवरी 2020 में घोषित स्पोर्ट्स चैनल ईएसपीएन (ESPN) इण्डिया अवार्डस् में किस महिला बैडमिंटन खिलाड़ी को लगातार तीसरी बार स्पोर्टपर्सन (फीमेल) ऑफ द ईयर 2019 अवार्ड प्राप्त हुआ ? **– पी. वी. सिंधु**

☛ *ईएसपीएन पुरुष सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार निशानेबाज सौरभ चौधरी को तथा हॉकी खिलाड़ी बलवीर सिंह सीनियर को लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड देने की घोषणा की गयी. पी.वी. सिंधु को लगातार तीसरी बार, बैडमिंटन का, स्पोर्ट्स पर्सन (फीमेल) ऑफ द ईयर 2019 अवार्ड प्राप्त हुआ.*

4. किस महिला उद्यमी को ईवाई (EY—Ernst and Young) एन्टरप्रीन्योर ऑफ द ईयर-2019 फरवरी 2020 में घोषित किया है ? **– किरण मजूमदार शॉ**

☛ *बायकॉन की प्रबन्ध निदेशक किरण मजूमदार शॉ को ईवाई एन्टरप्रीन्योर (Entrepreneur) ऑफ द ईयर अवार्ड दिया जाएगा तथा यह मांटेकार्लो में जून 2020 में आयोजित होने वाले वर्ल्ड एन्टरप्रीन्योर ऑफ द ईयर अवार्ड समारोह में भाग लेंगी. गोदरेज उद्योग समूह के चेयरमैन आदि गोदरेज को लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड दिया गया.*

5. भारत के किस हॉकी खिलाड़ी को अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) ने वर्ष 2019 का सर्वश्रेष्ठ पुरुष हॉकी खिलाड़ी का पुरस्कार फरवरी 2020 में प्रदान किया है ? **– मनप्रीत सिंह**

☛ *भारत के हॉकी खिलाड़ी मनप्रीत सिंह ने अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार प्राप्त किया है. भारत के ही विवेक प्रसाद को पुरुषों में तथा लालरे मसियामी को महिलाओं में राइजिंग स्टार ऑफ द ईयर-2019 का पुरस्कार प्रदान किया गया.*

6. भारत के किस विश्व प्रसिद्ध पर्यावरणवादी जो इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (IPCC) के चेयरमेन भी रहे का निधन फरवरी 2020 में हो गया ? **– राजेन्द्र पचौरी**

☛ *'द एनर्जी एण्ड रिसोंसज इंस्टीट्यूट (TERI) के पूर्व महानिदेशक एवं इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेन्ज (IPCC) के चेयरमैन रहे राजेन्द्र पचौरी का 13 फरवरी, 2020 को निधन हो गया. आईपीसीसी ने उनके अध्यक्षता काल में 2007 में नोबेल शांति पुरस्कार भी जीता था.*

7. दिल्ली में फरवरी 2020 में सम्पन्न विधान सभा निर्वाचन के परिणामस्वरूप कौनसा नेता लगातार तीसरी बार मुख्यमंत्री नियुक्त हुआ है ? **– अरविन्द केजरीवाल**

☛ *दिल्ली विधान सभा की 70 सीटों के लिए सम्पन्न निर्वाचन में 62 सीट अरविन्द केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (AAP) ने जीतीं तथा 8 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी ने विजय प्राप्त की. अरविन्द केजरीवाल ने 16 फरवरी को मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की.*

8. अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए केन्द्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय के निर्णयानुसार किस न्यास (ट्रस्ट) की स्थापना की है ? **– श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट**

☛ *श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन 5 फरवरी, 2020 को किया गया. 19 फरवरी को ट्रस्ट की नयी दिल्ली में सम्पन्न पहली बैठक में राम जन्मभूमि न्यास के महंत नृत्य गोपाल दास को अध्यक्ष और चंपत राय को जनरल सेक्रेटरी निर्वाचित किया गया.*

9. 81वीं राष्ट्रीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में पुरुष एवं महिला व्यक्तिगत एकल खिताब क्रमशः किसने जीते ? **– हरमीत देसाई एवं सुतीर्थ मुखर्जी**

☛ *फरवरी 2020 में हैदराबाद में सम्पन्न 81वीं राष्ट्रीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में पुरुष एकल हरमीत देसाई (पीएसपीबी) एवं महिला एकल सुतीर्थ मुखर्जी (हरियाणा) ने जीता. हरमीत देसाई ने पहली बार तथा सुतीर्थ मुखर्जी ने दूसरी बार राष्ट्रीय चैम्पियनशिप जीती है.*

10. भारत की प्रीमियर बैडमिंटन लीग (PBL) के पाँचवें संस्करण में कौन विजेता रहा ? **– बेंगलूरू रैप्टर्स (Bangaluru Raptors)**

☛ *जनवरी-फरवरी 2020 में आयोजित पाँचवीं प्रीमियर बैडमिंटन लीग के 9 फरवरी को हैदराबाद में खेले गए फाइनल में बेंगलूरू रैप्टर्स ने नॉर्थ ईस्टर्न वारियर्स को हराकर विजय प्राप्त की. बेंगलूरू रैप्टर्स के ताई त्जूयिंग (Tai Tzuying) को प्लेयर ऑफ द लीग घोषित किया गया.*

https://t.me/MAGAZINEKING

11. भारतीय क्रिकेट टीम ने किस राष्ट्र की क्रिकेट टीम को 5 मैचों की टी-20 शृंखला में 5-0 से हराया ? – न्यूजीलैण्ड

☛ *भारतीय क्रिकेट टीम ने जनवरी-फरवरी 2020 में न्यूजीलैण्ड का दौरा किया तथा 5 मैचों की टी-20 शृंखला में पाँचों मैच जीतकर विजय प्राप्त की. इस शृंखला का प्लेयर ऑफ द सीरिज के भारत के के. एल. राहुल घोषित किए गए.*

अन्तर्राष्ट्रीय

1. एएफसी महिला एशियन फुटबाल कप की 2022 में होने वाली प्रतियोगिता का आयोजन कहाँ होगा ? – भारत

☛ *18 फरवरी, 2020 को मलेशिया की राजधानी कुआलालम्पुर में एशियन फुटबाल कॉन्फेडरेशन (AFC) की महिला समिति की बैठक में भारत को 2022 की महिला एशियन फुटबाल कप प्रतियोगिता के आयोजन का अधिकार दिया गया. इस वर्ष (2020) अन्डर-17 फीफा (FIFA) महिला विश्व कप का आयोजन भी भारत में हो रहा है.*

2. अन्तर्राष्ट्रीय न्यायिक सम्मेलन का फरवरी 2020 में कहाँ आयोजन हुआ ? – नई दिल्ली

☛ *फरवरी 2020 में अन्तर्राष्ट्रीय न्यायिक सम्मेलन का आयोजन नई दिल्ली में हुआ. इसका आयोजन भारत के उच्चतम न्यायालय ने किया था. उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया.*

3. भारत के किस पड़ोसी राष्ट्र को फाइनेंसियल एक्शन टास्क फोर्स (FATF) ने अपनी ग्रे लिस्ट (Grey list) में रखा है ? – पाकिस्तान

☛ *आतंकवाद को वित्तीय सहायता देने वालों पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था फाइनेंसिएल एक्शन टास्क फोर्स (FATF) ने 19-20 फरवरी, 2020 को पेरिस (फ्रांस) में सम्पन्न बैठक में पाकिस्तान को 27 बिन्दुओं वाली कार्य योजना को अपनाकर आतंकवादी वित्तीय सहायता को रोकने के लिए जून 2020 तक का समय दिया है. यदि वह ऐसा नहीं करता है, तो इसे ब्लैक लिस्ट कर दिया जाएगा.*

4. फरवरी 2020 में वितरित बाफ्टा (BAFTA) पुरस्कारों में किस फिल्म को सर्वश्रेष्ठ फिल्म सहित सर्वाधिक सात पुरस्कार प्राप्त हुए ? – 1917 फिल्म

☛ *बाफ्टा (BAFTA-ब्रिटिश एकेडेमी ऑफ फिल्म एण्ड टेलीविजन आर्टस्) पुरस्कारों में ब्रिटिश फिल्म निर्देशक सैम मेंडिस' (Sam Mandes) द्वारा निर्देशित फिल्म '1971' को सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक सहित सर्वाधिक सात पुरस्कार प्राप्त हुए. अमरीकी निर्देशक टॉड फिलिप्स द्वारा निर्देशित फिल्म 'जोकर' को तीन पुरस्कार प्राप्त हुए.*

5. फरवरी 2020 में अमेरिका में लॉस एंजेल्स में वितरित 92वें ऑस्कर पुरस्कारों में सर्वाधिक पुरस्कार किस गैर इंगलिश फिल्म को प्राप्त हुए ? – पैरासाइट (Parasite)

☛ *बांग जून-हो (Bong Joon-ho) द्वारा निर्देशित गैर इंगलिश दक्षिण कोरियाई फिल्म पैरासाइट को सर्वश्रेष्ठ फिल्म एवं सर्वश्रेष्ठ निर्देशक सहित सर्वाधिक चार पुरस्कार प्राप्त हुए.*

6. अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) के फरवरी 2020 में प्रदान किए गए वर्ष 2019 के पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार किसे प्रदान किया गया ? – इवा डि गोडे (Eva de Goede)

☛ *नीदरलैण्ड्स की हॉकी महिला खिलाड़ी इवा डि गोडे को सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार प्रदान किया गया है. सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार पुरुषों में बेल्जियम के विंसेंट वनाश (Vincent Vanasch) तथा महिला गोलकीपर का पुरस्कार आस्ट्रेलिया की राशेल लिंच (Rachael Lynch) को प्रदान किया गया.*

7. दूसरी बिमस्टेक डिसास्टर मेनेजमेंट एक्सरसाइज का आयोजन फरवरी 2020 में कहाँ सम्पन्न हुआ ? – भारत (ओडिशा)

☛ *बिमस्टेक (BIMSTEC–Bay of Bengal Initiative for Multi Sectoral Technical and Economic Cooperation) का बाढ़ से बचाव के लिए दूसरा आपदा प्रबन्धन अभ्यास भारत में ओडिशा राज्य में सम्पन्न हुआ. इसके सात सदस्यों में से पाँच सदस्यों–भारत, बांग्लादेश, म्यांमार, श्रीलंका व नेपाल ने भाग लिया तथा थाइलैण्ड और भूटान ने भाग नहीं लिया.*

8. फरवरी 2020 में तीन वर्ष के अन्तराल के बाद किस राष्ट्र ने पुनः राष्ट्रमण्डल (Commonwealth) की सदस्यता ग्रहण की ? – मालदीव

☛ *मालदीव ने 2016 में राष्ट्रमण्डल की सदस्यता त्याग दी थी, लेकिन उसने पुनः 1 फरवरी, 2020 को सदस्यता प्राप्त कर ली है. मालदीव जून 2020 में रवांडा में किगाली में होने वाले राष्ट्रमण्डल राष्ट्राध्यक्षों के सम्मेलन में सदस्य के रूप में भाग लेगा.*

9. दक्षिण अफ्रीका में 9 फरवरी, 2020 को खेली गई अंडर-19 विश्व कप क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मैच में किस राष्ट्र की टीम विजयी रही ? – बांग्लादेश

☛ *बांग्लादेश की अंडर-19 क्रिकेट टीम ने भारत की क्रिकेट टीम को फाइनल मैच में हराकर 13वाँ अंडर-19 विश्व कप क्रिकेट (पुरुष) जीत लिया. भारत चार बार–2000, 2008, 2012 व 2018 में चैम्पियन रहा है. लेकिन बांग्लादेश पहली बार चैम्पियन बना है. भारत के यशस्वी जैसवाल को प्लेयर ऑफ द सीरिज घोषित किया गया है.*

10. अमरीका की किस 21 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी ने आस्ट्रेलियन ओपन टेनिस प्रतियोगिता 2020 में पहली बार महिला एकल में विजय प्राप्त की ? – सोफिया केनिन (Sofia Kenin)

☛ *सोफिया केनिन ने स्पेन की गार्बीन मुगुरुजा (Garbine Muguruza) को फाइनल में हराकर महिला एकल प्रतियोगिता जीत ली. सोफिया का यह पहला ही ग्रांड स्लेम है. पुरुषों का एकल सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने जीता.*

11. महिलाओं की आस्ट्रेलिया-भारत-इंगलैण्ड त्रिकोणीय टी-20 शृंखला फरवरी 2020 में किसने जीती ? – आस्ट्रेलिया

☛ *आस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम ने आस्ट्रेलिया के मेलबर्न नगर में खेले गए फाइनल मैच में भारतीय महिला टीम को हराकर त्रिकोणीय टी-20 शृंखला जीत ली. भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर थीं. आस्ट्रेलिया की बेथ मूनी को प्लेयर ऑफ द सीरिज घोषित किया गया.* ●●●

https://t.me/MAGAZINESKING

वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएं

कला एवं संस्कृति

भारत पर्व

चर्चा में क्यों ?

भारत पर्व का आयोजन पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने नई दिल्ली में लाल किले में 26 से 31 जनवरी, 2020 तक किया था.

प्रमुख तथ्य

- भारत पर्व का उद्देश्य भारतीय नागरिकों को भारत के विभिन्न पर्यटन स्थलों की यात्रा के लिए प्रोत्साहित करना और उनमें देखो अपना देश की भावना का संचार करना था.
- भारत पर्व के दौरान 50 से अधिक फूड स्टॉल, 79 हस्तशिल्प/हैंडलूम स्टॉल और 27 थीम पवेलियन की स्थापना की गई थी.
- इस वर्ष के भारत पर्व की मुख्य विषयवस्तु "एक भारत, श्रेष्ठ भारत और महात्मा गांधी के 150 वर्ष पूरे होने का समारोह है".
- इस वर्ष के प्रमुख आकर्षणों में गणतंत्र दिवस परेड की मनोरम झाँकी का प्रदर्शन, सशस्त्र सेना बैंड द्वारा प्रदर्शन, राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों और तदनुरूप मंत्रालयों द्वारा पर्यटन थीम मंडप, राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों के प्रशासकों, हस्तकला/हस्तशिल्प/ट्राइफेड आयोग द्वारा हस्तकला और हस्तशिल्प स्टालों, राज्य सरकारों, होटल प्रबंधन संस्थान और अन्य संगठनों द्वारा फूड कोर्ट, उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनसीजेडसीसी) और राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों के प्रशासनों द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन और राज्य सरकारों तथा होटल प्रबंधन संस्थान द्वारा पाक कला प्रदर्शन शामिल थे.

कंबाला दौड़

चर्चा में क्यों ?

कर्नाटक के वेनुर में सूर्यचंद्र कंबाला में निशांत शेट्टी नामक खिलाड़ी ने 9.51 सेकण्ड में ही 100 मीटर की दूरी तय कर दी जो श्रीनिवास गौड़ा से .04 सेकण्ड कम है. इसके पहले कर्नाटक के श्रीनिवास गौडा ने कंबाला रेस में सिर्फ 13.62 सेकंड्स में 142.50 मीटर दूरी तय कर कर्नाटक के इस पारम्परिक खेल के सबसे तेज धावक बन गए थे. श्रीनिवास ने इस रेस का 30 वर्ष पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया. अब उनकी तुलना दुनिया के सबसे तेज धावक उसेन बोल्ट से की जा रही है. उसेन बोल्ट ने 100 मीटर रेस 9.58 सेकण्ड में पूरी करने का विश्व रिकॉर्ड बनाया है.

प्रमुख तथ्य

- कंबाला रेस या भैंसा दौड़ कर्नाटक का पारम्परिक खेल है. यह खेल कीचड़ वाले इलाके में आयोजित किया जाता है.
- कर्नाटक के तटीय इलाकों मंगलूरू और उडुपी में यह खेल काफी प्रचलित है.
- तटीय कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों का यह भैंस दौड़ खेल है, जो लगभग आठ दशकों से चला आ रहा है.
- 'कंबाला' में दो भैंसों को बाँध दिया जाता है और उन्हें कीचड़ में दौड़ाया जाता है.
- भैंसों को 140 से 160 मीटर की दूरी 12 से 13 सेकंड में पूरी करनी होती है.
- भैंसों को तेज भगाने के लिए किसान उन्हें कुहनी और कोड़े से मारते हैं.
- 'कांबला' खेल दरअसल नवम्बर से मार्च के आखिर तक चलता है.
- खेल में जीतने वाले भैंसों को पहले नारियल इनाम के रूप में दिया जाता था. पर अब इसमें स्वर्ण पदक और ट्रॉफी दी जाने लगी है.
- यहाँ के कई गाँवों में कंबाला का आयोजन किया जाता है, जिसमें दर्जनों उत्साही युवा अपने सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षित भैंसों के साथ भाग लेते हैं.
- जानवरों का संरक्षण करने वाले कार्यकर्ताओं ने कुछ वर्ष पहले कंबाला पर प्रतिबंध लगाने की माँग की थी. उनका आरोप था कि जॉकी बल प्रयोग कर तेज दौड़ने के लिए भैंसों को मजबूर करता है. इसके बाद कंबाला पर कुछ वर्ष के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया था. हालाँकि तब मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने एक विशेष कानून पारित कर खेल को जारी करवाया था.

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

कोविड-19

चर्चा में क्यों ?

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने 11 फरवरी, 2020 को कहा कि घातक कोरोना वायरस का आधिकारिक नाम 'कोविड-19' (COVID-19) होगा. इस विषाणु की पहचान पहली बार 31 दिसम्बर, 2019 को चीन में हुई थी. उल्लेखनीय है कि भारत में कोरोना वायरस के बारे में विशेष निगरानी प्रणाली पर रिपोर्ट देने वाला नगालैंड पहला राज्य बना है.

प्रमुख तथ्य

- विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख ट्रेडोस एधानोम गेब्रेयेसुस ने जिनेवा में कहा, अब हमारे पास बीमारी के लिए नाम है और यह 'कोविड-19' है. उन्होंने नाम को व्याख्या करते हुए कहा कि 'को' का मतलब 'कोरोना', 'वि' का मतलब 'वायरस' और 'डि' का मतलब 'डिसीज' (बीमारी) है.
- कोरोना वायरस शब्द उसके नवीनतम प्रारूप को बताने की बजाय केवल उस समूह का उल्लेख करता है, जिसका वह सदस्य है.
- नया नाम COVID-19 कोरोना वायरस और बीमारी से लिया गया है और साथ में 19 उस वर्ष के लिए जिसमें यह वायरस सामने आया था.
- गौरतलब है कि WHO को इस वायरस के प्रकोप के बारे में 31 दिसम्बर, 2019 को जानकारी मिली थी.
- दरअसल कोरोना वायरस को चीन में कोविड (COVID) के नाम से भी पुकारा जाता है.
- चीन में इस वायरस से अब तक लगभग 1000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और लगभग 44,000 से ज्यादा लोग इससे संक्रमित हैं.

डूम्सडे क्लॉक

चर्चा में क्यों ?

परमाणु वैज्ञानिकों की संस्थान 'द बुलेटिन ऑफ द एटॉमिक साइंटिस्ट्स' (BAS) ने 23 जनवरी, 2020 को जारी अपने बुलेटिन में दुनिया पर परमाणु युद्ध के खतरे की सम्भावना का संकेत देने वाली कयामत की घड़ी यानी डूम्सडे क्लॉक की सूई को आधी रात 12 बजे के 100 सेकंड पीछे तक ला दिया है, जो इस सूई के 73 वर्ष के इतिहास में सबसे तनावपूर्ण माहौल और एटमी जंग के खतरे को लेकर विश्व को अलर्ट करती है. डूम्सडे क्लॉक को मानव निर्मित खतरे की आशंका बताने वाले यंत्र के तौर पर देखा जाता है.

प्रमुख तथ्य

- डूम्सडे क्लॉक एक सांकेतिक घड़ी है, जो मानवीय गतिविधियों के कारण वैश्विक तबाही की आशंका को बताती है. 1947 से ही काम कर रही इस घड़ी ने दुनिया में बढ़ रहे युद्ध के खतरे से आगाह किया है.
- 1945 में हिरोशिमा और नागासाकी में हुए हमले के बाद वैज्ञानिकों ने मानव निर्मित खतरे से विश्व को आगाह करने के लिए इस घड़ी का निर्माण किया गया था.
- बीएएस की स्थापना 1945 में शिकागो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने की थी, जिन्होंने पहले परमाणु हथियारों को विकसित करने में मदद की थी. इन्होंने ही दो वर्ष बाद डूम्सडे क्लॉक (कयामत की घड़ी) तैयार की.
- शुरू में इस घड़ी को पहले मध्य रात्रि के 7 मिनट पहले सेट किया गया था. पिछली बार प्रलय के करीब पहुँचने का पल 2018-19 और 1953 में आया था, जब इसे मध्य रात्रि के 2 मिनट पहले सेट किया गया था.
- 1991 में शीत युद्ध खत्म होने के बाद इसे मध्य रात्रि के 17 मिनट पहले तक वक्त सेट किया गया था.

https://t.me/MAGAZINEKING

- परमाणु वैज्ञानिकों की जो टीम इस कांटा को आगे या पीछे करने का फैसला करती है, उसमें 13 नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक भी शामिल हैं.
- 'डूम्सडे क्लॉक' का यह आकलन युद्धक हथियारों, विध्वंसकारी तकनीक, फेक वीडियो, ऑडियो, अंतरिक्ष में सैन्य ताकत बढ़ाने की कोशिश और हाइपरसोनिक हथियारों की बढ़ती होड़ से मापा गया है.
- बीएएस एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो वैश्विक सुरक्षा मुद्दों पर बारीकी से नजर रखता है, ने कहा कि डूम्स डे क्लॉक अब "73 वर्ष के इतिहास में विनाश के सबसे नजदीक है." भारत या पाकिस्तान का नाम लिए बिना विशेषज्ञों ने दक्षिण एशिया को 'परमाणु टिंडरबॉक्स' के रूप में दिखाया है, जहाँ मध्यस्थता और सहभागिता की गुंजाइश बेहद कम है.
- संगठन के मुताबिक, "नाटकीय कदम प्रलय के दिन के 20 सेकंड के करीब है, जो यह दिखाता है कि दुनिया पर परमाणु आपदा का जोखिम अपने सबसे चरम बिन्दु पर है. शीत युद्ध के सबसे बुरे दिनों के बाद पहली बार यह घड़ी अब आधी रात के बेहद करीब है और पिछले कई वर्षों में आधी रात के करीब तेजी से बढ़ी है."

ह्यूमनॉइड व्योममित्रा (Vyommitra)

चर्चा में क्यों ?

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 22 जनवरी, 2020 को मानवरहित अंतरिक्ष मिशन के लिए पहली बार ह्यूमनॉइड 'व्योममित्रा' का अनावरण किया. इसरो ने गगनयान में भेजी जाने वाली ह्यूमनॉइड व्योममित्रा का वीडियो जारी किया है. गगनयान की उड़ान से पहले परीक्षण के तौर पर ह्यूमनॉइड जाएगा. पहले दो बार रोबोट जाएंगे और फिर मानव को भेजा जाएगा.

प्रमुख तथ्य

- गौरतलब है कि 2022 में इसरो मानव मिशन गगनयान लॉन्च करेगा. इसमें 3 क्रू मेंबर शामिल होंगे. इस मिशन में इसरो किसी महिला को नहीं भेज रहा है. ऐसे में मानव मिशन से पहले मानव रहित मिशन के लिए इसरो ने महिला की शक्ल वाला ह्यूमनॉइड तैयार किया है, जिसे व्योममित्रा नाम दिया गया है.
- यह ह्यूमनॉइड मानव की तरह व्यवहार करने का प्रयास करेगी और अंतरिक्ष की रिपोर्ट ISRO को भेजेगी.
- 1984 में राकेश शर्मा रूस के अंतरिक्ष यान में बैठकर अंतरिक्ष गए थे. इस बार भारतीय एस्ट्रोनॉट्स भारत के अंतरिक्ष यान में बैठ कर स्पेस में जाएंगे.
- अन्य देश ऐसे मिशन से पहले अंतरिक्ष में पशुओं को भेज चुके हैं. ह्यूमनॉइड शरीर के तापमान और धड़कन सम्बन्धी टेस्ट करेंगे.

क्या होता है ह्यूमनॉइड ?

ह्यूमनॉइड एक तरह के रोबोट हैं, जो इंसान की तरह चल-फिर सकते हैं और मानवीय हावभाव को भी समझ सकते हैं. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोग्रामिंग के जरिए ह्यूमनॉइड सवालों के जवाब भी दे सकते हैं. ह्यूमनॉइड के दो खास हिस्से होते हैं, जो उन्हें इंसान की तरह प्रतिक्रिया देने और चलने-फिरने में मदद करते हैं. ये दो हिस्से हैं–सेंसर्स और एक्च्यूएटर्स होते हैं. सेंसर की मदद से ह्यूमनॉइड अपने आसपास के वातावरण को समझते हैं. कैमरा, स्पीकर और माइक्रोफोन जैसे उपकरण सेंसर्स से ही नियंत्रित होते हैं. ह्यूमनॉइड इनकी मदद से देखने, बोलने और सुनने का काम करते हैं. एक्च्यूएटर खास तरह की मोटर होती है, जो ह्यूमनॉइड को इंसान की तरह चलने और हाथ-पैरों का संचालन करने में मदद करती है. सामान्य रोबोट की तुलना में एक्च्यूएटर्स की मदद से ह्यूमनॉइड विशेष तरह के एक्शन कर सकते हैं.

MAGAZINE KING

https://t.me/MAGAZINESKING

पर्यावरण एवं प्रदूषण

सीएमएस कॉप-13

चर्चा में क्यों ?

प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण (सीएमएस) को लेकर 13वाँ कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज यानी कॉप-13, भारत के गुजरात राज्य की राजधानी गांधीनगर में आयोजित किया गया है. 15 फरवरी से 22 फरवरी, 2020 तक चलने वाले सीएमएस कॉप-13 में 110 देशों के लगभग 1200 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया और तेजी से लुप्त होती प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण के बारे में चर्चा की.

प्रमुख तथ्य

- मेजबान देश के रूप में अगले तीन वर्षों तक भारत इस सम्मेलन की अध्यक्षता करेगा.
- भारत 1983 से ही सीएमएस कन्वेंशन पर हस्ताक्षर करने वाले देशों में से रहा है.
- भारत सरकार प्रवासी समुद्री पक्षियों की प्रजातियों के संरक्षण के लिए सभी जरूरी कदम उठा रही है.
- संरक्षण योजना के तहत् इनमें डुगोंग, व्हेल शार्क और समुद्री कछुए की दो प्रजातियों की भी पहचान की गई है.
- इस बार इस सम्मेलन की विषय वस्तु है "प्रवासी प्रजातियाँ दुनिया को जोड़ती हैं और हम उनका अपने यहाँ स्वागत करते हैं."
- सम्मेलन का प्रतीक चिन्ह दक्षिण भारत की पारम्परिक कला कोलम से प्रेरित है. प्रतीक चिन्ह में इस कला के माध्यम से भारत में आने वाले प्रमुख प्रवासी पक्षियों, जैसे आमूर फाल्कन, हम्पबैक व्हेल और समुद्री कछुओं के साथ प्रमुख को, दर्शाया गया है.
- वन्यजीव संरक्षण कानून 1972 के तहत् देश में सर्वाधिक संकटापन्न प्रजाति माने जाने वाले द ग्रेट इंडियन बस्टर्ड को सम्मेलन का शुभंकर बनाया गया है. भारतीय उपमहाद्वीप को मध्य एशिया में प्रवासी पक्षियों के नेटवर्क का अहम् हिस्सा माना जाता है. मध्य एशिया का यह क्षेत्र आर्कटिक से लेकर हिन्द महासागर तक के इलाके में फैला हुआ है. इस क्षेत्र में 182 प्रवासी समुद्री पक्षियों के करीब 297 आवासीय क्षेत्र हैं. इन प्रजातियों में दुनिया की 29 संकटापन्न प्रजातियाँ भी शामिल हैं.
- कोप-13 सम्मेलन के दौरान अंतरसत्रीय बैठकों की अध्यक्षता भारत को सौंपी जाएगी. अध्यक्ष के तौर पर भारत की जिम्मेदारी होगी कि वह कोप के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए बैठक में लिए गए फैसलों का अमल में लाने का मार्ग सुगम बनाए.
- वन्यजीवों की प्रवासी प्रजातियाँ भोजन, सूर्य का प्रकाश, तापमान और जलवायु आदि जैसे विभिन्न कारणों से प्रत्येक वर्ष अलग-अलग समय में एक पर्यावास से दूसरे पर्यावास की ओर रुख करती हैं. कुछ प्रवासी पक्षियों और स्तनपायी जीवों के लिए यह प्रवास कई हजार किलोमीटर से भी ज्यादा का हो जाता है. ये जीव अपने प्रवास के दौरान घोंसले बनाने, प्रजनन, अनुकूल पर्यावरण तथा भोजन की उपलब्धता जैसी सुविधाओं को देखते हुए चलते हैं.
- भारत कई किस्म के प्रवासी वन्यजीवों, जैसे बर्फीले प्रदेश वाले चीते, आमुर फाल्कन, बार हेडेड गीज, काले गर्दन वाला सारस, समुद्री कछुआ, डुगोंग्स और हम्पबैक व्हेल आदि का प्राकृतिक आवास है और साइबेरियाई सारस के लिए 1998 में, समुद्री कछुओं के लिए 2007 में, डुगोंग्स के लिए 2008 में और रेप्टर्स के संरक्षण के लिए 2016 में सीएमएस के साथ कानूनी रूप से अबाध्यकारी समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर कर चुका है.
- केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने बताया कि इस अन्तर्राष्ट्रीय 13वें सम्मेलन की मेजबानी भारत कर रहा है. पूरे एक सप्ताह प्रवासी पक्षियों, प्राणियों और जलचर के संवर्धन और संरक्षण पर चर्चा और समाधान खोजे ताकि प्रकृति और मनुष्य का विकास एक साथ हो.
- समुद्र में प्लास्टिक सबसे बड़ी चुनौती है. उन्होंने बताया कि भारत ने सिंगल यूज प्लास्टिक वेस्ट पर काबू पाया है. भारत में समुद्र से करीब 20 हजार टन प्लास्टिक कचरा होता है, जिसमें से करीब 15 हजार टन ही हम निकाल पाते हैं, जबकि पाँच टन रह जाता है. हमारे यहाँ प्रति व्यक्ति सालाना करीब 11 किलो प्लास्टिक की खपत है, जबकि अमरीका में करीब 100 किलो प्रति व्यक्ति है.

उझ बहुउद्देशीय (राष्ट्रीय) परियोजना

चर्चा में क्यों ?

पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अन्तरिक्ष राज्य मंत्री, डॉ. जितेन्द्र सिंह और केन्द्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री श्री रतन लाल कटारिया ने 3 फरवरी, 2020 को जम्मू-कश्मीर की उझ बहुउद्देशीय (राष्ट्रीय) परियोजना तेजी से लागू करने के लिए बैठक की अध्यक्षता की. बैठक में जल शक्ति, नदी विकास और गंगा संरक्षण सचिव तथा जल शक्ति मंत्रालय, गृह मंत्रालय, विद्युत् मंत्रालय, पंजाब सरकार और केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के अन्य अधिकारियों ने भाग लिया.

प्रमुख तथ्य

- सिंधु जल संधि के तहत् भारत के अधिकारों का तेजी से उपयोग करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता के अनुसार परियोजना का निर्माण उझ नदी पर जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में करने की योजना है.
- उझ नदी रावी नदी की एक प्रमुख सहायक नदी है. यह परियोजना उझ नदी (रावी नदी की एक सहायक नदी) के 781 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी का भंडारण करेगी.
- परियोजना के निर्माण के बाद सिंधु जल संधि के अनुसार भारत को आवंटित पूर्वी नदियों के पानी का उपयोग उस प्रवाह के माध्यम से बढ़ाया जाएगा, जो अभी बिना उपयोग के ही सीमा पार जाता है.
- यह निर्णय लिया गया कि परियोजना का निर्माण दो चरणों में किया जाएगा. लगभग ₹ 5850 करोड़ की लागत वाली परियोजना के चरण-I को पहले ही जल शक्ति मंत्रालय की सलाहकार समिति द्वारा स्वीकार कर लिया गया है और अब धन की व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए व्यय वित्त समिति को प्रस्तुत किया जाएगा.

आर्थिक एवं वित्तीय अवधारणाएं

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक' (IIP)

चर्चा में क्यों ?

'सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय' (MospI) ने 10 जनवरी, 2020 को 'औद्योगिक उत्पादन सूचकांक' (IIP) जारी किया. नवम्बर 2019 में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) 128·4 अंक रहा, जो नवम्बर 2018 के मुकाबले 1·8 प्रतिशत अधिक है. इसका मतलब यही है कि नवम्बर 2019 में औद्योगिक विकास दर 1·8 प्रतिशत रही. उधर, अप्रैल-नवम्बर 2019 में औद्योगिक विकास दर पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 0·6 प्रतिशत आँकी गई है.

प्रमुख तथ्य

- नवम्बर 2019 में खनन, विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) एवं बिजली क्षेत्रों की उत्पादन वृद्धि दर नवम्बर 2018 के मुकाबले क्रमशः 1·7 प्रतिशत, 2·7 प्रतिशत तथा (–) 5·0 प्रतिशत रही. उधर, अप्रैल-नवम्बर 2019 में इन तीनों क्षेत्रों यानी सेक्टरों की उत्पादन वृद्धि दर पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में क्रमशः (–) 0·1, 0·9 तथा 0·8 प्रतिशत आँकी गई है.
- उद्योगों की दृष्टि से विनिर्माण क्षेत्र के 23 उद्योग समूहों (दो अंकों वाली एनआईसी-2008 के अनुसार) में से 13 समूहों ने नवम्बर 2018 की तुलना में नवम्बर 2019 के दौरान धनात्मक वृद्धि दर दर्ज की है. इस दौरान 'फर्नीचर को छोड़कर काष्ठ एवं काष्ठ के उत्पादों और कॉर्क के विनिर्माण' ने 23·2 प्रतिशत की सर्वाधिक धनात्मक वृद्धि दर दर्ज की है.
- इसके बाद 'बुनियादी धातुओं के विनिर्माण, का नम्बर आता है जिसने 12·9 प्रतिशत की धनात्मक वृद्धि दर दर्ज की है, वहीं दूसरी ओर उद्योग समूह 'अन्य विनिर्माण' ने (–) 13·5 प्रतिशत की सर्वाधिक ऋणात्मक वृद्धि दर दर्ज की है.
- इसके बाद 'मोटर वाहनों, ट्रेलरों एवं सेमी-ट्रेलरों के विनिर्माण' का नम्बर आता है जिसने (–) 12·6 प्रतिशत की ऋणात्मक वृद्धि दर दर्ज की है.
- उपयोग आधारित वर्गीकरण के अनुसार नवम्बर 2019 में प्राथमिक वस्तुओं (प्राइमरी गुड्स), पूँजीगत सामान, मध्यवर्ती वस्तुओं एवं बुनियादी ढाँचागत/निर्माण वस्तुओं की उत्पादन वृद्धि दर नवम्बर 2018 की तुलना में क्रमशः (–) 0·3 प्रतिशत, (–) 8·6 प्रतिशत, 17·1 प्रतिशत और (–) 3·5 प्रतिशत रही.

https://t.me/MAGAZINESKING

- जहाँ तक टिकाऊ उपभोक्ता सामान का सवाल है, इनकी उत्पादन वृद्धि दर नवम्बर 2019 में (–) 1·5 प्रतिशत रही है. इसी तरह गैर-टिकाऊ उपभोक्ता सामान की उत्पादन वृद्धि दर नवम्बर 2019 में 2·0 प्रतिशत रही.

वन नेशन, वन राशन कार्ड योजना

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री रामविलास पासवान द्वारा की गई घोषणा के अनुसार, 1 जून, 2020 से पूरे भारत में वन नेशन, वन राशन कार्ड (One Nation, One Ration Card) योजना लागू की जाएगी. इस कार्ड को लागू हो जाने के बाद पूरे देश में एक ही तरह का राशन कार्ड होगा. वर्तमान में यह योजना 1 जनवरी, 2020 से देश भर के 12 राज्यों में चालू है.

प्रमुख तथ्य

- राशन कार्डधारकों को देश के किसी भी कोने में खाद्यान्न लेने की सुविधा देने की सरकार की योजना है.
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत् केवल गरीब परिवार को दो रुपये किलो गेहूँ व तीन रुपये किलो चावल दिया जाता है.
- अधिकांश राशन कार्डधारक मजदूरी के लिए देश के विभिन्न कोने में जाते हैं. बाहर होने से उन्हें खाद्यान्न नहीं मिल पाता है.
- केंद्र सरकार की वन नेशन वन राशन कार्ड योजना से उपभोक्ता देश की किसी भी राशन दुकान पर जाकर खाद्यान्न ले सकता है.
- राशन कार्डधारकों को सम्बन्धित दुकान जाकर प्वाइंट ऑफ सेल्स मशीन में अंगूठा लगाना पड़ेगा. खाद्य मंत्रालय ने मुख्य सर्वर तैयार कर किया है.
- 16 राज्यों में पहले से ये योजना लागू की जा चुकी है. इससे पहले वर्ष 2019 में 'वन नेशन, वन राशन कार्ड' योजना का पायलट प्रॉजेक्ट चार राज्यों में लागू किया था.
- 1 जनवरी, 2020 से पूरे भारत के 12 राज्यों में वन नेशन, वन राशन कार्ड योजना लागू की गई. इनमें मध्य प्रदेश, गोवा, त्रिपुरा, झारखंड, कर्नाटक, राजस्थान, केरल, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना शामिल हैं.
- इस योजना के अन्तर्गत पीडीएस के लाभार्थियों की पहचान उनके आधार कार्ड पर इलेक्ट्रॉनिक प्वाइंट ऑफ सेल डिवाइस से की जाती है. इसमें लाभार्थियों से सम्बन्धित विवरण फीड किए गए हैं.
- सरकार राज्यों को 10 अंकों का राशन कार्ड नम्बर जारी करेगी. इस नम्बर में पहले दो अंक राज्य कोड होंगे और अगले दो अंक राशन कार्ड नम्बर होंगे. इसके अतिरिक्त राशन कार्ड नम्बर के साथ एक और दो अंकों के सेट को जोड़ा जाएगा.

राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने राष्ट्रीय तकनीकी कपड़ा मिशन स्थापित करने के प्रस्ताव की घोषणा की है. 2020-21 से 2023-24 तक, चार वर्ष की अवधि में कार्यान्वयन करने के लिए इस मिशन की अनुमानित लागत ₹1,480 करोड़ है, जिससे कि भारत को तकनीकी वस्त्र के क्षेत्र में एक वैश्विक लीडर के रूप में स्थापित किया जा सके.

प्रमुख तथ्य

- भारत द्वारा सार्थक मात्रा में प्रत्येक वर्ष 16 बिलियन अमरीकी डॉलर का तकनीकी वस्त्रों का आयात किया जाता है.
- तकनीकी वस्त्र, सामग्री और उत्पाद हैं जिन्हें मुख्य रूप से सौंदर्य विशेषताओं के बजाय उनके तकनीकी गुणों और कार्यात्मक आवश्यकताओं के लिए निर्मित किया जाता है.
- तकनीकी वस्त्रों के दायरे में कई उपयोगों की एक विस्तृत शृंखला शामिल है, जैसे कि कृषिवस्त्र, चिकित्सावस्त्र, भूवस्त्र, सुरक्षावस्त्र, औद्योगिकवस्त्र, खेलवस्त्र और कई अन्य उपयोग.
- तकनीकी वस्त्रों का उपयोग करने से कृषि, बागवानी और जल कृषि क्षेत्रों की उत्पादकता में वृद्धि, सेना, अर्धसैनिक बलों, पुलिस और सुरक्षा बलों की बेहतर सुरक्षा, राजमार्ग, रेलवे, बंदरगाह और हवाई अड्डों का मजबूत परिवहन, बुनियादी ढाँचा और आम नागरिकों की स्वच्छता और स्वास्थ्य देखभाल में सुधार का लाभ प्राप्त होता है.
- भारत में तकनीकी वस्त्र इस उद्योग के साथ ही विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए भी विकास का अपार अवसर प्रदान करता है.

रक्षा/आंतरिक सुरक्षा

सम्प्रीति-IX

चर्चा में क्यों ?

भारत और बांग्लादेश की सेनाओं ने मेघालय के उमरोई में पिछले दो हफ्तों के दौरान, 3 फरवरी से 16 फरवरी, 2020 तक संयुक्त सैन्य अभ्यास सम्प्रीति-IX में भाग लिया. संयुक्त अभ्यास के 9वें संस्करण के रूप में, इस सम्प्रीति अभ्यास का समापन 16 फरवरी, 2020 को हुआ.

प्रमुख तथ्य

- इस अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों के बीच सैन्य सम्बन्धों को मजबूत बनाना था, जिसमें दोनों देशों की सेनाएं एक-दूसरे के साथ सामरिक अभ्यास के साथ-साथ संचालन तकनीकों को भी समझ सकें.
- इस सैन्य अभ्यास ने दोनों देशों के सैनिकों को आतंकवादरोधी अभियानों, आतंकवाद से निपटने के अभियानों और विशेष रूप से वनों और अर्धशहरी इलाकों में आपदा प्रबंधन के लिए असैन्य अधिकारियों को सहायता प्रदान करने के लिए अपने अनुभवों को साझा करने हेतु एक आदर्श मंच भी प्रदान किया.
- संयुक्त अभ्यास की शृंखला-सम्प्रीति भारत और बांग्लादेश के बीच विश्वास और मित्रता की डगर पर एक महत्वपूर्ण सैन्य और कूटनीतिक पहल का प्रतीक है, जो प्रत्येक संस्करण में भाग लेने वाले अधिकारियों और सैनिकों की मेहनत और पसीने से पोषित होती है.
- प्रशिक्षण के अलावा दोनों देशों के सैन्य दस्तों ने वॉलीबाल और बास्केटबाल मैचों जैसी कई मित्रतापूर्ण खेल गतिविधियों में भाग लिया.
- भारत-बांग्लादेश के बीच हुए इस संयुक्त अभ्यास का समापन एक शानदार परेड और पारम्परिक रूप से स्मृति चिन्ह के आदान-प्रदान के द्वारा किया गया. यह संयुक्त अभ्यास नि:संदेह ही अभूतपूर्व रूप से सफल रहा है. इस अभ्यास से दोनों देशों की सेनाओं के बीच न सिर्फ आपसी समझ, अपितु सम्बन्धों को मजबूत बनाने में मदद मिली है.

अजेय वॉरियर-2020

चर्चा में क्यों ?

भारत और इंगलैंड के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास अजेय वॉरियर-2020 के 5वें संस्करण का 13 से 26 फरवरी, 2020 तक इंगलैंड के सैलिसबरी मैदान में आयोजित किया गया.

प्रमुख तथ्य

- इस अभ्यास का उद्देश्य शहरी और अर्द्ध शहरी क्षेत्रों में आतंकवादियों के परिचालन से निपटने पर जोर देते हुए कम्पनी स्तर के संयुक्त प्रशिक्षण का आयोजन करना है. आधुनिक हथियार प्रणालियों, उपकरण और सिम्युलेटर प्रशिक्षण की भी योजना बनाई गई है.
- विभिन्न देशों के साथ भारत द्वारा किए गए सैन्य प्रशिक्षण अभ्यासों की शृंखला में, इंगलैंड के साथ अजेय वॉरियर अभ्यास वैश्विक आतंकवाद के बदलते हुए पहलुओं के दायरे में दोनों देशों के सामने आने वाली सुरक्षा चुनौतियों के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण अभ्यास है.
- इस अभ्यास का भारत और इंगलैंड में बारी-बारी से आयोजन किया जाता है.
- यह संयुक्त सैन्य अभ्यास निर्दिष्ट परिचालन स्थिति से निपटने की प्रक्रियाओं को साझा करने और संयुक्त रूप से काम करने के लिए एक द्विपक्षीय इच्छा को प्रदर्शित करता है.
- सैन्य अभ्यास अजेय वॉरियर दोनों सेनाओं के बीच अनुभवों को साझा करते हुए रक्षा सहयोग को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ अन्तर्सक्रियता को भी बढ़ावा देगा.

शेष पृष्ठ 80 पर

https://t.me/MAGAZINESKING

ऐतिहासिक स्थल एवं ऐतिहासिक व्यक्तित्व

ऐतिहासिक स्थल

मांडा

जम्मू से करीब 28 किमी उत्तर-पश्चिम में सिंधु नदी की एक सहायक नदी चिनाब के दाहिने तट पर पीरपंजाल पर्वत शृंखला की तराई में स्थित मांडा हड़प्पाकालीन सभ्यता का सबसे उत्तरी स्थल है.

प्रमुख तथ्य

- मांडा के 18वीं सदी के खण्डहरों में स्थित इस स्थल से विकसित हड़प्पा-संस्कृति के लोगों के पूर्व-हड़प्पाकालीन लोगों के साथ रहने के प्रमाण मिले हैं.
- उत्खनन से पूर्व हड़प्पा से कुषाण-काल तक की संस्कृतियों के तीन स्तरीय अनुक्रम प्रकाश में आए हैं.
- यहाँ से प्राप्त हड़प्पाकालीन वस्तुओं में दोहरे सर्पिल-सिरे वाली ताम्र पिन या कील (128-4 सेमी), से समझा जाता है कि इसका पश्चिम एशिया से सम्बन्ध था. हड्डियों के बाणाग्र आधार सहित, चूड़ियाँ, पक्की मिट्टी की भट्टियाँ, हड़प्पाकालीन चित्रकारी वाले बर्तनों के टुकड़े, शृंग पत्थर (बिल्लौर), ब्लेड (फलक), एक अर्द्धनिर्मित मुहर, कुछ चक्कियाँ एवं मूसल शामिल हैं.
- मलबे के एक बड़े ढेर से गिरी हुई दीवार का संकेत मिलता है.

नालंदा महाविहार

मगध में नालंदा का महाविहार, शिक्षा का प्राचीनतम एवं महानतम केन्द्र था. इसकी स्थापना गुप्तवंश के सम्राट् कुमार गुप्त (राज्यकाल 425-55 ई. पू.) ने की थी. बाद में गुप्त वंश के अन्य सम्राटों ने भी यहाँ बहुत से भवन बनवाए और नालन्दा के शिक्षकों और विद्यार्थियों के खर्चे के लिए बहुत-सी सम्पत्ति लगा दी.

प्रमुख तथ्य

- प्रसिद्ध चीन यात्री ह्वेन-त्सांग द्वारा नालन्दा के बारे में लिखे विवरण से ज्ञात होता है कि यहाँ के आचार्यों और विद्यार्थियों की संख्या लगभग 10,000 थी.
- महाविहार में शिक्षा के लिए प्रवेश पाने वाले विद्यार्थी जहाँ बौद्ध धर्म के विशाल साहित्य का अध्ययन करते थे, वहाँ साथ ही शब्द विद्या, चिकित्सा विज्ञान, धातु विज्ञान, सांख्यशास्त्र, तंत्र आदि की पढ़ाई की भी वहाँ व्यवस्था थी.
- पाँचवीं और छठी शताब्दी में बुद्ध और महावीर दोनों नालंदा पधारे.
- यह बुद्ध के प्रसिद्ध अनुयायी सारिपुत्र के जन्म और निर्वाण का स्थान भी था.
- शून्यता का सिद्धान्त देने वाले नागार्जुन, श्वेनत्सांग के शिक्षक धर्मपाल, चन्द्रकीर्ति, शीलभद्र तर्कशास्त्री, धर्मकीर्ति, बुद्दिष्ट लॉजिक के संस्थापक दिङ्नाद, जिन मित्र शांतरक्षित, पदम सम्भव आदि अनेक प्रसिद्ध आचार्यों ने नालंदा में अपना अध्ययन एवं अध्यापन किया.
- नालंदा दुनिया के आवासीय विश्वविद्यालयों में से सबसे पहला विश्वविद्यालय था.
- इसमें आठ अलग-अलग अहाते और दस मन्दिर थे.
- नालंदा का पुस्तकालय बड़ा विशाल था. इसकी तीन विशाल इमारतें थी, जिनके नाम थे—रत्नसागर, रत्नोनिधि और रत्नांरंजक.
- रत्नोनिधि भवन नौ मंजिल ऊँचा था. इसमें धर्मग्रन्थों का संग्रह किया गया था.
- 1193 ई. में मामलुक वंश के एक मुस्लिम शासक मुहम्मद बिन बख्तियार खिलजी ने बिहार पर आक्रमण किया, तो नालंदा के इस प्राचीन महाविहार को तहस-नहस कर दिया.
- वर्ष 2016 में यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर के रूप में मान्यता प्रदान की.

गोलकोंडा

कुतुब शाही वंश की प्रारम्भिक राजधानी (1512-1687) है, जो हैदराबाद, तेलंगाना, भारत में स्थित है. गोलकोंडा वास्तव में 10 किमी (6·2 मील) लम्बी बाहरी दीवार के साथ 87 अर्धवृत्ताकार गढ़ों (कुछ अभी भी तोपों के साथ घुड़सवार), आठ गेटवे और चार ड्रॉब्रिज के साथ चार अलग-अलग किलों में शामिल हैं, जिनमें कई शाही अपार्टमेंट और हॉल, मन्दिर, मस्जिद हैं. गोलकोंडा किले से लगभग 2 किमी (1·2 मील) दूर कारवां में स्थित तोली मस्जिद को 1671 में अब्दुल्ला कुतुब शाह के शाही वास्तुकार मीर मूसा खान महालदार ने बनवाया था.

प्रमुख तथ्य

- गोलकोंडा को मूलरूप से मंकाल के नाम से जाना जाता था. गोलकोंडा किले का निर्माण सबसे पहले काकतीय लोगों ने कोंडापल्ली किले की तर्ज पर पश्चिमी रक्षा के हिस्से के रूप में किया था.
- शहर और किले एक ग्रेनाइट पहाड़ी पर बनाए गए थे, जो 120 मीटर (390 फीट) ऊँचा है.
- रानी रुद्रमा देवी और उनके उत्तराधिकारी प्रतापरुद्र द्वारा किले का पुनर्निर्माण और सुदृढ़ीकरण किया गया था.
- बाद में, किला कम्मा नायक के नियत्रण में आ गया, जिसने वारंगल में तुगलकी सेना को पराजित किया.
- यह 1364 में एक संधि के हिस्से के रूप में बहमा सल्तनत को कम्मा राजा मुसुनुरी कपया नायक द्वारा उद्धृत किया गया था.
- बहमनी सल्तनत के तहत् गोलकोंडा धीरे-धीरे प्रमुखता से उभरा. सुल्तान कुली कुतब-उल-मुल्क (आर, 1487-1543), को गोलकोंडा में एक गवर्नर के रूप में बहमन द्वारा भेजा गया, 1501 के आसपास उनकी सरकार की सीट के रूप में शहर की स्थापना की.
- इस अवधि के दौरान बहमनी शासन धीरे-धीरे कमजोर हो गया और सुल्तान कुली औपचारिक रूप से बन गया.
- 1538 में स्वतंत्र, गोलकोंडा में स्थित कुतुब शाही वंश की स्थापना. 62 वर्षों की अवधि में, मिट्टी के किले को पहले तीन कुतुब शाही सुल्तानों द्वारा वर्तमान संरचना में विस्तारित किया गया था, परिधि में लगभग 5 किमी (3·1 मील) तक फैले ग्रेनाइट का एक विशाल दुर्ग.
- यह 1590 तक कुतुब शाही वंश की राजधानी रहा, जब राजधानी हैदराबाद स्थानांतरित कर दी गई थी. कुतुब-शाहिस ने किले का विस्तार किया, जिसकी 7 किमी (4·3 मील) बाहरी दीवार ने शहर को घेर लिया.
- 1687 में आठ महीने की घेराबंदी के बाद, मुगल सम्राट औरंगजेब के हाथों पतन के कारण किला 1687 में खण्डहर में बदल गया.
- गोलकोंडा किले में एक तिजोरी हुआ करती थी, जहाँ प्रसिद्ध कोह-ए-नूर और होप हीरे को एक बार अन्य हीरों के साथ संगृहीत किया जाता था.
- गोलकोंडा हीरा व्यापार का बाजार शहर था और वहाँ बिकने वाले रत्न

https://t.me/MAGAZINESKING

कई खानों से आए थे. दीवारों के भीतर का किला-शहर हीरे के व्यापार के लिए प्रसिद्ध था.

- हीरे की खदानों के आसपास के क्षेत्र के कारण, विशेष रूप से कोल्लूर खदान, गोलकोंडा बड़े हीरे के व्यापार केन्द्र के रूप में फला-फूला, जिसे गोलकोंडा हीरे के रूप में जाना जाता है.
- इस क्षेत्र ने दुनिया के कुछ सबसे प्रसिद्ध हीरे का उत्पादन किया है, जिसमें बेरंग कोह-आई-नूर (अब यूनाइटेड किंगडम के स्वामित्व में), ब्लू होप (संयुक्त राज्य अमरीका), गुलाबी डारिया-ए-नूर (ईरान), सफेद शामिल हैं. रीजेंट (फ्रांस), ड्रेसडेन ग्रीन (जर्मनी) और रंगहीन ओरलोव (रूस), निज़ाम और जैकब (भारत), साथ ही अब खोए हुए हीरे फ्लोरेंटाइन येलो, अकबर शाह और ग्रेट मोगुल.
- पुनर्जागरण और प्रारम्भिक आधुनिक युगों के दौरान, 'गोलकोंडा' नाम ने एक प्रसिद्ध आभा प्राप्त की और विशाल धन का पर्याय बन गया. खानें हैदराबाद राज्य के कुतुब शाहियों के लिए दौलत लेकर आईं, जिन्होंने 1687 तक गोलकोंडा पर शासन किया, फिर हैदराबाद के निजाम तक, जिन्होंने 1724 से 1924 तक मुगल साम्राज्य से आजादी के बाद शासन किया, जब हैदराबाद का भारतीय एकीकरण हुआ.

ताम्रलिप्ति

यह प्राचीन बन्दरगाह नगर, भारत के पूर्वी समुद्र तट पर स्थित था. किन्तु कालान्तर में गंगा का मार्ग बदल जाने से समुद्र तट से दूर हो गया. वर्तमान में इस स्थान पर पश्चिम बंगाल के मिदनापुर जिले में रूपानारायन नदी एवं हुगली नदी के संगम से लगभग 19·3 किलोमीटर ऊपर तामलुक नगर स्थित है. कनिंघम ने भी ऐसा माना है कि इसे प्राचीनकाल में ताम्रलिप्ति, ताम्रलिप्तक, दामलिप्त आदि नामों से जाना जाता था. उस युग में इसकी प्रसिद्धि व्यापार, वाणिज्य, शिक्षा एवं बौद्ध धर्म के केन्द्र होने की वजह से थी.

प्रमुख तथ्य

- 'दशकुमारचरित' से पता चलता है कि लंका, यूनान, जावा तथा चीन जाने वाले व्यापारी इसी बन्दरगार से यात्राएं करते थे.
- पाटलिपुत्र से तामलुक सड़क मार्ग द्वारा सीधा जुड़ा होने से इसका बड़ा महत्व था. 200 ई. पू. से 300 ई. तक के काल में इस बन्दरगाह ने भारत तथा दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच सम्बन्धों को स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की.
- 'महावंश से यह ज्ञात होता है कि अशोक के धर्म प्रचारकों ने लंका के लिए इसी बन्दरगाह से प्रस्थान किया था.
- इस नगर की व्यापारिक महत्ता चीनी यात्री इत्सिंग के विवरणों के साथ-साथ भारतीय ग्रंथों में भी मिलती है.
- इत्सिंग लिखता है कि चीन तथा भारत का व्यापार इस पोताश्रय के माध्यम से किया जाता था. स्वयं इत्सिंग भी इस बन्दरगाह पर रुका था.
- प्रसिद्ध चीनी यात्री फ़ाह्यान, जिसने 401 से 410 ई. के बीच भारत का भ्रमण किया था, यहीं से जलपोत पर सवार होकर स्वदेश वापस गया था.
- ताम्रलिप्ति में पाँचवीं सदी ईसा पूर्व से ही एक प्रसिद्ध महाविद्यालय स्थापित हो चुका था. फ़ाह्यान, युवानच्वांग, इत्सिंग आदि चीनी यात्रियों ने यहाँ ठहर कर भारतीय ज्ञान-विज्ञान का अध्ययन किया था.
- फ़ाह्यान के समय यहाँ 24 विहार थे, जिनमें दो सहस्र भिक्षु निवास करते थे.
- सातवीं सदी में युवानच्वांग ने यहाँ केवल 10 विहार और एक सहस्र भिक्षुओं का ही उल्लेख किया है. तत्पश्चात् इत्सिंग ने अपने भारत यात्रा वृत्तांत में इस महाविद्यालय का सविस्तार वर्णन किया है. वह नौ वर्ष तक यहाँ अध्ययन करता रहा.
- 1940 में पुरातत्व विभाग द्वारा तामलुक के प्राचीन स्थल पर उत्खनन कार्य किया गया.
- तामलुक में उपलब्ध नमूनों से कोई निश्चित तिथि बताना कठिन है, किन्तु निश्चय ही ये मिस्र एवं भारतीय सम्बन्धों के साक्ष्य प्रस्तुत करते हैं.

तालगुण्ड

कर्नाटक राज्य के शिमोगा जिले में तालगुण्ड नामक स्थान स्थित है.

प्रमुख तथ्य

- यहाँ का प्रणवेश्वर शिव मन्दिर कर्नाटक का सबसे प्राचीन मन्दिर माना जाता है.
- इसका निर्माण हलेविड के होयसलेश्वर मन्दिर की शैली पर हुआ है.
- तालगुण्ड से एक स्तम्भ के ऊपर उत्कीर्ण कदम्ब नरेश शान्तिवर्मन् (450-475 ई.) का लेख मिलता है, जिसमें इस वंश के राजाओं तथा उनके इतिहास के विषय में जानकारी मिलती है.
- इस वंश का सबसे प्रतापी राजा काकुत्सवर्मन् था.
- तालगुण्ड लेख के अनुसार उसने अपनी कन्याओं का विवाह गुप्त तथा वाकाटक वंशों में किया था.
- तालगुण्ड में उसने एक विशाल सरोवर भी खुदवाया था. यह लेख कदम्ब नरेशों के इतिहास का एकमात्र स्रोत है.

गुलबर्गा

गुलबर्गा जिला कर्नाटक के उत्तरपूर्वी भाग में स्थित है. गुलबर्ग या 'गुलबर्गा' शहर भारत के पश्चिमोत्तर कर्नाटक (भूतपूर्व मैसूर) राज्य में स्थित है. गुलबर्ग का प्राचीन नाम 'कलबुर्गी' है, यह नगर दक्षिण के बहमनी नरेशों के समय से प्रसिद्ध हुआ.

प्रमुख तथ्य

- दक्षिण के बहमनी वंश के संस्थापक सुल्तान अलाउद्दीन ने गुलबर्ग को 1347 ई. में अपनी राजधानी बनाया. उसने इसका नाम एहसानाबाद रखा.
- 1425 ई. तक यह इस राज्य की राजधानी रहा, जबकि 9वें सुल्तान (1422-36) ने इसे त्याग कर बीदर को राजधानी बनाया.
- वारंगल के काकतियों के राज्य क्षेत्र में शामिल इस नगर को आरम्भिक 14वीं शताब्दी में पहले सेनापति उलूग खाँ और बाद में सुल्तान मुहम्मद बिन तुगलक द्वारा दिल्ली की सल्तनत में शामिल कर लिया गया.
- सुल्तान की मृत्यु के बाद यह बहमनी राज्य (1347 से लगभग 1424 तक यह इस साम्राज्य की राजधानी था) के अधीन हो गया और इस सत्ता के पतन के बाद बीजापुर के तहत् आ गया.
- 17वीं शताब्दी में मुगल बादशाह औरंगज़ेब द्वारा दक्कन विजय के बाद इसे फिर से दिल्ली सल्तनत में शामिल कर लिया गया, लेकिन 18वीं शताब्दी के आरम्भ में हैदराबाद राज्य की स्थापना से यह दिल्ली से अलग हो गया.
- गुलबर्ग में एक प्राचीन सुदृढ़ दुर्ग स्थित है. जिसके अन्दर एक विशाल मस्जिद है, जो 1347 ई. में बनी थी. यह 216 फुट लम्बी और 176 फुट चौड़ी है. इसके अन्दर कोई आँगन नहीं है वरन् पूरी मस्जिद एक ही छत के नीचे है.
- कहा जाता है कि यह भारत की सबसे बड़ी मस्जिद है. इसकी बनाबट में स्पेन नगर के कोरडावा की मस्जिद की अनुकृति दिखलाई पड़ती है.
- मुस्लिम संत ख्वाजा बंदा-नवाज़ की दरगाह (निर्माण 1640 ई.) भी गुलबर्ग

https://t.me/MAGAZINESKING

का प्रसिद्ध स्मारक है. इसका गुम्बद प्रायः अस्सी फुट ऊँचा है. दरगाह के अन्दर नक्कारखाना, सराय, मदरसा और औरंगज़ेब की मस्जिद है. बहमनी सुल्तानों के मक़बरे भी यहाँ स्थित हैं. बहमनी सुल्तानों और उनके दरबारियों ने गुलबर्ग में बहुत इमारतें बनवाईं थीं, लेकिन ये इमारतें इतनी बड़ी और कमज़ोर थीं कि अब उनके ध्वंसावशेष ही देखे जा सकते हैं.

- गुलबर्ग के ऐतिहासिक मन्दिरों में वासवेश्वर का मन्दिर 19वीं शती की वास्तुकला का सुन्दर उदाहरण है. श्री वासवेश्वर (शरन बसप्पा) का जन्म आज से प्रायः सवा सौ वर्ष पूर्व गुलबर्ग ज़िले में स्थित अरलगुन्दागी नामक ग्राम में हुआ था.

ऐतिहासिक व्यक्तित्व

नागभट्ट प्रथम

गुर्जर प्रतिहार वंश का वास्तविक संस्थापक नागभट्ट प्रथम (730-756 ई.) था. वह एक पराक्रमी शासक था.

प्रमुख तथ्य

- ग्वालियर अभिलेख से पता चलता है कि उसने एक शक्तिशाली म्लेच्छ शासक की विशाल सेना को नष्ट कर दिया. वह म्लेच्छ शायद सिन्ध का शासक था.
- इस प्रकार नागभट्ट ने अरबों के आक्रमण से पश्चिमी भारत की रक्षा की तथा उनके द्वारा रौंदे हुए अनेक प्रदेशों को पुनः जीत लिया.
- ग्वालियर लेख में कहा गया है कि 'म्लेच्छ राजा की विशाल सेनाओं को चूर करने वाला मानो नारायणरूप में वह लोगों की रक्षा के लिए उपस्थित हुआ था. ऐसा प्रतीत होता है कि नागभट्ट ने अरबों को परास्त कर भड़ौच के आस-पास का क्षेत्र छीन लिया तथा अपनी ओर से चहमान शासक भर्तृबड्ढ द्वितीय को वहाँ का शासक नियुक्त किया.
- हांसोट लेख से इसकी पुष्टि होती है, जो नागभट्ट के समय जारी करवाया गया था.
- इसके पहले अरबों ने जयभट्ट को पराजित कर भड़ौच पर अपना अधिकार कर लिया था.
- किन्तु नागभट्ट ने पुनः वहाँ अपना अधिकार स्थापित कर भर्तृबड्ढ को शासक बनाया.
- नागभट्ट का समकालीन अरब शासक जुनैद था.
- मुस्लिम लेखक अल बिलादुरी के विवरण से पता चलता है कि जुनैद को मालवा के विरुद्ध सफलता नहीं मिली थी.
- इस प्रकार गुजरात तथा राजपूताना के एक बड़े भाग का वह शासक बन बैठा.

गयासुद्दीन तुगलक

गयासुद्दीन तुगलक (1320-1325 ई.) ने तुगलक वंश की स्थापना 1320 ई. में की. यह सुल्तान कुतुबुद्दीन मुबारक शाह खिलजी के शासनकाल में उत्तर-पश्चिमी सीमान्त प्रान्त का शक्तिशाली गवर्नर नियुक्त हुआ था.

प्रमुख तथ्य

- गयासुद्दीन तुगलक का वास्तविक नाम **गाजी मलिक** था. इसने मंगोलों के 23 आक्रमण विफल किए थे. मंगोलों को पराजित करने के कारण वह **मालिक-उल-गाजी** के नाम से प्रसिद्ध हुआ.
- किसानों की स्थिति में सुधार करना और कृषि योग्य भूमि में वृद्धि करना उसके दो मुख्य उद्देश्य थे. अलाउद्दीन खिलजी द्वारा लागू की गई भूमि लगान तथा मण्डी सम्बन्धी नीति के पक्ष में वह नहीं था. उसने **'मुकद्दम तथा खतों'** को उनके पुराने अधिकार लौटा दिए.
- लगान निश्चित करने में **बटाई** का प्रयोग फिर से प्रारम्भ कर दिया **'ऋणों की वसूली'** को बन्द करवा दिया. **भू-राजस्व की दर को 1/3** किया.
- सल्तनत काल में **नहर बनाने वाला** यह प्रथम शासक था.
- अलाउद्दीन की कठोर नीति के विपरीत गयासुद्दीन ने उदारता की नीति अपनाई, जिसे बरनी ने **रस्म-ए-मियान** अर्थात् मध्यपंथी नीति कहा.
- अमीरों को पद देने में वंशानुगत के साथ-साथ योग्यता का भी आहार बनाया गया ताकि **इजारेदारी** की प्रथा समाप्त की जा सके.
- गयासुद्दीन की **डाक व्यवस्था** बहुत श्रेष्ठ थी.
- अलाउद्दीन द्वारा चलाई गई **'दाग'** तथा **चेहरा प्रथा** को प्रभावशाली ढंग से लागू किया.
- बरनी के अनुसार सुल्तान अपने सैनिकों के साथ पुत्रवत् व्यवहार करता था.
- गयासुद्दीन ने 1321 ई. में वारंगल पर आक्रमण किया, लेकिन वहाँ के काकतीय राजा प्रताप रुद्रदेव को पराजित करने में असफल रहा.
- गयासुद्दीन ने 1323 ई. में द्वितीय अभियान के अन्तर्गत शाहजादे 'जौना खाँ' (मुहम्मद बिन तुगलक) को दक्षिण भारत में सल्तनत के प्रभुत्व की पुनः स्थापना के लिए भेजा.
- जौना खाँ ने **वारंगल** के काकतीय एवं मदुरा के **पाण्डव राज्यों** को जीतकर दिल्ली सल्तनत में शामिल कर लिया. इस प्रकार गयासुद्दीन के समय में ही सर्वप्रथम दक्षिण के राज्यों को दिल्ली सल्तनत में मिलाया गया. इसमें सर्वप्रथम वारंगल था.
- **निजामुद्दीन औलिया** ने गयासुद्दीन तुगलक के बारे में कहा था कि **"दिल्ली अभी बहुत दूर है."** सुल्तान का औलिया से मनमुटाव हो गया था.
- स्वागत समारोह के लिए निर्मित लकड़ी के भवन (तुगलकाबाद के समीप अफगानपुर गाँव) के गिरने से फरवरी-मार्च 1325 ई. में उसकी मृत्यु हो गई.

बहलोल लोदी

दिल्ली के **प्रथम पठान राज्य के संस्थापक** बहलोल लोदी अफगानिस्तान के **गिलजाई कबीले** की महत्वपूर्ण शाखा लोदी के **शाहूखेल** नामक कुटुम्ब से उत्पन्न हुआ था.

प्रमुख तथ्य

- बहलोल लोदी ने सैयद वंश के अन्तिम शासक अलाउद्दीन आलमशाह को गद्दी से उतार दिया तथा लोदी वंश की नींव रखी.
- बहलोल लोदी की **मुख्य सफलता जौनपुर (1484 ई.)** राज्य को दिल्ली सल्तनत में सम्मिलित करने की थी.
- बहलोल लोदी ने दिल्ली सल्तनत के सभी शासकों में **सर्वाधिक समय (38 वर्ष)** तक शासन किया था.
- उसने बहलोल सिक्के को चलाया, जो अकबर के पहले तक उत्तरी भारत में विनिमय का मुख्य साधन बना रहा.
- बहलोल लोदी एक साधारण व्यक्ति था तथा 'तारीखेदाउदी' के लेखक अब्दुल्लाह के अनुसार वह कभी सिंहासन पर नहीं बैठता था, वह अपने सरदारों के साथ मिलता था.
- अपनी स्थिति दृढ़ करने के लिए उसने खुले हाथों भेंट-पुरस्कार आदि बाँटकर सेना का विश्वासपात्र बनने का प्रयत्न किया.
- राज्य की आन्तरिक व्यवस्था स्थापित करने तथा अमीरों और सूबेदारों को दण्ड देने के लिए, जिन्होंने उसकी सत्ता को स्वीकार नहीं किया था. बहलोल ने कठोर सैन्यवादी नीति का अनुसरण करने का निर्णय लिया.

Https://t.me/MAGAZINESKING

- जौनपुर पर अपनी सत्ता स्थापित करने के पश्चात् बहलोल ने कालपी, धौलपुर, बाड़ी और अलापुर के शासकों को अपना प्रभुत्व स्वीकार करने पर बाध्य करने में भी उसे सफलता प्राप्त हुई.
- इसके उपरान्त बहलोल ने ग्वालियर पर आक्रमण किया. ग्वालियर के राजा मानसिंह को अस्सी लाख टंका सुल्तान को भेंट करने पड़े.
- ग्वालियर से लौटते समय मार्ग में ही बहलोल बीमार पड़ गया और जलाली के निकट 1489 ई. के मध्य में उसकी मृत्यु हो गई.

देवराय प्रथम

देवराय प्रथम (1406-1422 ई.) विजयनगर साम्राज्य के संगम वंश के शासक हरिहर द्वितीय का पुत्र था. 1406 ई. में हरिहर द्वितीय के मृत्यु के पश्चात् देवराय प्रथम उत्तराधिकारी हुआ.

प्रमुख तथ्य

- अपने राज्यरोहन के तुरन्त बाद देवराय प्रथम को **फिरोजशाह बहमनी** के आक्रमण का सामना करना पड़ा. बहमनी शासक के हाथों के रूप में **दस-लाख** का हर्जाना देना पड़ा. उसे सुल्तान फिरोजशाह के साथ अपनी लड़की की शादी करनी पड़ी और दहेज के रूप में दोआब क्षेत्र में स्थित **बांकापुर** भी सुल्तान को देना पड़ा ताकि भविष्य में युद्ध की गुंजाइश न रहे.
- दक्षिण भारत में इस प्रकार का पहला राजनीतिक विवाह नहीं था, इसके पहले **खेरला** का राजा शान्ति स्थापित करने के लिए फिरोज बहमनी के साथ अपनी लड़की का विवाह कर चुका था.
- देवराय प्रथम ने अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं प्रारम्भ कीं. उसने **तुगंभद्रा** पर हरिदा बाँध बनवाकर अपनी राजधानी विजयनगर तक नहरें बनवाईं.
- देवराय प्रथम ने ही **10,000 मुस्लिमों को सेना में प्रथम बार भर्ती** किया था.
- देवराय प्रथम के शासनकाल में ही **इटैलियन यात्री निकोलो डी कॉण्टी** ने 1430 ई. में विजयनगर की यात्रा की थी. उसने नगर में मनाए जाने वाले दीपावली, नवरात्र आदि जैसे उत्सवों का भी वर्णन किया था.
- देवराय प्रथम विद्वानों का भी महान् संरक्षक था. उसके दरबार में **हरविलासम** और अन्य ग्रन्थों के रचनाकर प्रसिद्ध **तेलगु कवि श्रीनाथ** सुशोभित करते थे.
- देवराय प्रथम के विषय में कहा गया है कि "सम्राट अपने राजप्रसाद के **'मुक्ता सभागार'** में प्रसिद्ध व्यक्तियों को सम्मानित किया करता था.
- उसके समय में विजयनगर दक्षिण भारत में विद्या का केन्द्र बन गया था.
- 1422 ई. में देवराय प्रथम की मृत्यु हो गई.

बाजीराव प्रथम

बाजीराव प्रथम मराठा साम्राज्य के महान् सेनानायक थे. वह बालाजी विश्वनाथ और राधाबाई के बड़े पुत्र थे. राजा शाहू ने बालाजी विश्वनाथ की मृत्यु हो जाने के बाद उन्हें अपना दूसरा पेशवा (1720-1740 ई.) नियुक्त किया. जिससे बालाजी विश्वनाथ के परिवार में पेशवा का पद वंशानुगत (पैतृक) हो गया.

प्रमुख तथ्य

- बाजीराव प्रथम के अधीन मराठा शक्ति अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँच गई.
- बाजीराव प्रथम को 'बाजीराव बल्लाल' तथा 'थोरले बाजीराव' के नाम से भी जाना जाता है.
- उन्होंने मराठा साम्राज्य के विस्तार के लिए **उत्तर दिशा** में आगे बढ़ने की नीति का सूत्रपात किया ताकि "मराठों की पताका कृष्णा से लेकर अटक तक फहराए.
- बाजीराव प्रथम को **शिवाजी के बाद गुरिल्ला युद्ध का सबसे बड़ा प्रतिपादक** कहा गया है.
- बाजीराव प्रथम, मुगल साम्राज्य के तेजी से हो रहे पतन और विघटन से परिचित थे तथा वे इस अवसर का पूरा लाभ उठाना चाहते थे.
- मुगल साम्राज्य के प्रति अपनी नीति की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि **"हमें इस जर्जर वृक्ष के तने पर आक्रमण करना चाहिए 'शाखाएं तो स्वयं गिर जाएंगी."**
- इसी के काल में मराठो के गायकवाड, होल्कर, सिंधिया और भोंसले परिवारों ने प्रमुखता प्राप्त की.
- बाजीराव प्रथम ने 1733 ई. में **जंजीरा के सीदियों** के विरुद्ध एक लम्बा शक्तिशाली अभियान आरम्भ किया और अन्ततोगत्वा उन्हें मुख्य भूमि से निकाल बाहर कर दिया गया.
- बाजीराव प्रथम विस्तारवादी प्रवृत्ति का व्यक्ति था. उसने हिन्दू जाति की कीर्ति को विस्तृत करने के लिए 'हिन्दू पद-पदशाही' के आदर्श को फैलाने का प्रयत्न किया.
- 23 जून, 1724 ई. में शूकरखेड़ा के युद्ध में मराठी को मदद से निजामुल-मुल्क ने दक्कन के मुगल सूबेदार मुबारिज खाँ को परास्त करके दक्कन में अपनी स्वतंत्र सत्ता स्थापित की.
- निजामुल-मुल्क ने अपनी स्थिति मजबूत होने पर पुनः मराठों के खिलाफ कार्यवाही शुरू कर दी तथा चौथ देने से इनकार कर दिया. परिणामस्वरूप 1728 ई. में बाजीराव ने निजामुल-मुल्क को **पालखेड़ा** के युद्ध में पराजित किया.
- युद्ध में पराजित होने पर निजामुल मुल्क सन्धि के लिए बाध्य हुआ.
- **6 मार्च, 1728** ई. में दोनों के बीच **मुंशी शिवगाँव की सन्धि** हुई, जिसमें निजाम ने मराठों को **चौथ** और **सरदेशमुखी** देना स्वीकार कर लिया. इस सन्धि से **दक्कन में मराठों की सर्वोच्चता** स्थापित हो गई.
- बाजीराव प्रथम के समय ही **मराठा मण्डल** की स्थापना हुई, जिसमें **ग्वालियर के शिन्दे, बड़ौदा के गायकवाड, इन्दौर के होल्कर और नागपुर के भोंसले** शासक शामिल थे.
- जब 1740 ई. में बाजीराव प्रथम की मृत्यु हुई तब तक मालवा, गुजरात और बुन्देलखण्ड के क्षेत्रों पर अधिकार कर लिया था.

दयानन्द सरस्वती

महर्षि दयानन्द सरस्वती **आर्य समाज के संस्थापक** थे. उनकी पहचान महान् समाज सुधारक, राष्ट्र-निर्माता, प्रकाण्ड विद्वान्, सच्चे संन्यासी, ओजस्वी सन्त और स्वराज के संस्थापक के रूप में जाने जाते हैं. स्वामी दयानन्द सरस्वती का जन्म गुजरात के राजकोट जिले के काठियाबाड़ क्षेत्र में टंकारा गाँव के निकट मौरवी नामक स्थान पर सन् 1824 को हुआ था.

प्रमुख तथ्य

- दयानन्द सरस्वती के बचपन का नाम मूलशंकर था.
- उन्होंने मात्र पाँच वर्ष की आयु में **'देवनागरी लिपि'** का ज्ञान हासिल कर लिया था और **सम्पूर्ण यजुर्वेद कंठस्थ** कर लिया था.
- उत्तर भारत में धार्मिक और सामाजिक सुधार का सबसे प्रभावशाली आन्दोलन दयानन्द सरस्वती ने शुरू किया था.
- **दण्डी स्वामी पूर्णानन्द** ने मूलशंकर का नाम स्वामी दयानन्द सरस्वती रखा.
- दयानन्द सरस्वती के गुरु स्वामी विरजानन्द थे.

https://t.me/MAGAZINESKING

- दयानन्द सरस्वती के अनुसार 'ईश्वर केवल एक है' जिसकी पूजा मूर्ति रूप में नहीं, बल्कि जीवात्मा के रूप में की जानी चाहिए.
- कुछ समय पश्चात् आर्य समाज का मुख्यालय लाहौर में स्थापित किया गया.
- दयानन्द ने अपने उपदेश हिन्दी भाषा में दिए.
- उनका सबसे महत्वपूर्ण ग्रन्थ सत्यार्थ-प्रकाश है.
- आर्य समाज के सदस्य दस सिद्धान्तों का अनुसरण करते हैं. इनमें से प्रथम है–वेदों का अध्ययन. शेष सभी सिद्धान्त सद्गुण और नैतिकता से सम्बन्धित हैं.
- दयानन्द ने आर्य समाज के सदस्यों के लिए सामाजिक व्यवहार के, जो नियम बनाए थे. उनमें जातिभेद और सामाजिक असमानता के लिए कोई स्थान नहीं था.
- शिक्षा के प्रसार के लिए पूरे उत्तर भारत में बहुत से स्कूल और कॉलेज खोले गए.
- दयानन्द वेदों को प्रमाणिक-ग्रन्थ मानते थे. उन्होंने इसके लिए **"वेदों की ओर चलो"** का नारा दिया.
- स्वामी दयानन्द सरस्वती ने झूठे धर्मों के खण्डन के लिए **'पाखण्ड खण्डिनी पताका'** लहराई.
- आर्य समाज का दूसरा कार्यक्रम गौ-रक्षा आन्दोलन था.
- 1882 ई. में आर्य समाज ने गायों की रक्षा के लिए **गौरक्षिणी सभा** की स्थापना की.
- एनी बेसेंट ने कहा था कि "स्वामी दयानन्द ऐसे पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने कहा कि भारत भारतवासियों के लिए है."
- स्वामी दयानन्द सरस्वती द्वारा चलाए गए शुद्धि आन्दोलन के अन्तर्गत उन लोगों को पुनः हिन्दू धर्म में आने का अवसर मिला जिन्होंने किसी कारण-वश कोई और धर्म स्वीकार कर लिया था.
- स्वामी बेलन्टाइन शिरोल ने बाल गंगाधर तिलक को **भारतीय अशांति का जनक** कहा था. दयानन्द सरस्वती को **भारत का मार्टिन लूथर** कहा था.
- 1882 ई. में दयानन्द सरस्वती ने **स्वदेशी का नारा** दिया था. **स्वदेशी** का उपयोग करने वाले **वह प्रथम भारतीय थे.**

●●●

शेष पृष्ठ 75 का

विविध

ईज ऑफ लिविंग सूचकांक और नगर-पालिका कार्य प्रदर्शन सूचकांक 2019

चर्चा में क्यों ?

विभिन्न पहलों के माध्यम से शहरों में हुई प्रगति का आकलन करने और उन्हें अपने कार्य प्रदर्शन की योजना बनाने, कार्यान्वयन और निगरानी के लिए साक्ष्यों के उपयोग में सशक्त बनाने के लिए आवास और शहरी कार्य मंत्रालय ने दो सूचकांक यानी ईज ऑफ लिविंग (जीवन सुगमता) सूचकांक (ईओएलआई) और नगरपालिका कार्य प्रदर्शन सूचकांक (एमपीआई), 2019 की शुरूआत की है.

प्रमुख तथ्य

- इन दोनों सूचियों को 100 स्मार्ट शहरों और 10 लाख से अधिक आबादी वाले 14 अन्य शहरों में नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए डिजाइन किया गया है.
- नगरपालिका के कार्य प्रदर्शन सूचकांक, 2019 के साथ, मंत्रालय ने पाँच क्षेत्रों यानी सेवा, वित्त, योजना, प्रौद्योगिकी और शासन के आधार पर नगरपालिकाओं के कार्य प्रदर्शन का आकलन करने की माँग की है. इन्हें आगे 20 अन्य क्षेत्रों में विभाजित किया गया है, जिनका 100 संकेतकों में आकलन किया जाएगा. इससे नगरपालिकाओं को बेहतर नियोजन और प्रबंधन में मदद मिलने के अलावा नगर प्रशासन में खामियों को दूर करने और नागरिकों की शहरों में रहने लायक स्थिति को सुधारने में सहायता मिलेगी.
- ईज ऑफ लिविंग सूचकांक का उद्देश्य स्थानीय निकायों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं, प्रशासन की प्रभावशीलता, शहरों की रहने लायक स्थिति के रूप में इन सेवाओं के माध्यम से सृजित परिणाम और आखिरकार इन परिणामों के लिए नागरिक अवधारणा से शुरू करके भारतीय शहरों का समग्र दृष्टिकोण उपलब्ध कराना है.
- **ईज ऑफ लिविंग सूचकांक के प्रमुख उद्देश्य–**
  - ❖ साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण के मार्ग दर्शन के लिए जानकारी का सृजन करना.
  - ❖ स्वयं सहायता समूह (एसडीजी) सहित व्यापक विकासात्मक परिणाम अर्जित करने के लिए कार्यवाही को उत्प्रेरित करना.
  - ❖ विभिन्न शहरी नीतियों और योजनाओं से अर्जित परिणामों का आकलन और तुलना करना.
  - ❖ शहरी प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं के बारे में नागरिकों की अवधारणा प्राप्त करना.
- ईओएलआई 2019 तीन स्तम्भों-जीवन की गुणवत्ता, आर्थिक क्षमता और स्थिरता के बारे में नागरिकों ईज ऑफ लिविंग आकलन में मदद करेगा. इन स्तम्भों को आगे 50 संकेतकों की 14 श्रेणियों में विभाजित किया गया है.
- सभी भाग लेने वाले शहरों ने नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं, जिनकी जिम्मेदारी यूएलबी के अंदर और बाहर विभिन्न विभागों से सम्बन्धित डाटा अंकों को एकत्र करना और इनकी तुलना करना तथा इन्हें इस उद्देश्य के लिए डिजाइन किए गए विशेष वेब-पोर्टल में सहायक दस्तावेजों के साथ अपलोड करना है.
- इस पोर्टल की शुरूआत आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा 19 दिसम्बर, 2019 को की गई थी.
- पहली बार, ईज ऑफ लिविंग सूचकांक आकलन के हिस्से के रूप में मंत्रालय की ओर से (जिसमें ईज ऑफ लिविंग सूचकांक के 30% अंक निर्धारित हैं) एक नागरिक अवधारणा सर्वेक्षण किया जा रहा है.
- यह आकलन प्रकिया का महत्वपूर्ण घटक है, क्योंकि यह नागरिकों की अपने शहरों में जीवन की गुणवत्ता के सम्बन्ध में अवधारणा का सीधा पता लगाने में मदद करेगा.
- यह सर्वेक्षण ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीके से किया जा रहा है, जो 1 फरवरी, 2020 से शुरू हुआ है और यह 29 फरवरी, 2020 तक जारी रहेगा.
- ऑफलाइन संस्करण में आमने-सामने बैठक साक्षात्कार लिए जाएंगे. यह 1 फरवरी से शुरू होकर और ऑनलाइन संस्करण के समानांतर चलेगा.
- इसे बड़ी मात्रा में एसएमएस मदद के साथ-साथ सोशल मीडिया में व्यापक कवरेज के माध्यम से बढ़ावा दिया जा रहा है. ●●●

https://t.me/MAGAZINESKING

राजनीतिक लेख

भारतीय विदेश नीति के निर्धारक तत्व एवं सिद्धान्त

✍ बहादुर सिंह रावत 'चंचल'

किसी अन्य राष्ट्र की विदेश नीति की भाँति भारतीय विदेश नीति भी कई कारकों, तत्वों तथा घटकों द्वारा निर्धारित है. जे. बन्द्योपाध्याय ने अपनी पुस्तक 'द मेकिंग ऑफ इण्डियाज फॉरेन पॉलिसी' में विदेश नीति के मूल निर्धारकों में भूगोल आर्थिक विकास, आन्तरिक वातावरण, अन्तर्राष्ट्रीय वातावरण, सैनिक शक्ति तथा राष्ट्रीय चरित्र को स्थान दिया है. इनके अतिरिक्त राजनीतिक संस्थाओं की भूमिका, जनमत, दल-व्यवस्था, दबाव गुट, विदेश मंत्रालय, कूटनीति तथा व्यक्तित्व आदि की भूमिका की भी भारतीय विदेश नीति के निर्माण के तत्वों के रूप में विवेचना की है.

भारतीय विदेश नीति को प्रभावित करने वाले तत्व निम्नवत् हैं–

(1) भौगोलिक तत्व–लॉर्ड कर्जन ने 1903 में कहा था–"भारत की भौगोलिक स्थिति इसे अन्तर्राष्ट्रीय मामलों में अधिक-से-अधिक आगे ले जायेगी." पं. नेहरू ने अपने एक भाषण में कहा था–"हम एशिया के एक सामरिक महत्व के भाग हैं, हिन्द महासागर के मध्य में स्थित हम भूतकाल तथा वर्तमान काल में पश्चिमी एशिया, दक्षिण एशिया तथा सुदूर पूर्वी एशिया के साथ गहरे जुड़े हुए हैं. हम चाहकर भी इस वास्तविकता से इन्कार नहीं कर सकते हैं."

भारत की सुरक्षात्मक आवश्यकता, भारत के भौगोलिक तत्वों द्वारा प्रायः संचालित होती है. हिमालय तथा हिन्द महासागर भारत की सुरक्षा के लिए निर्धारक तत्व हैं. हिमालय की सुरक्षा भारत की सुरक्षा का पर्याय बन गयी है. साथ ही, दूसरे राष्ट्रों के साथ सम्बन्धों का निर्धारक तत्व बन गयी. हिमालय भारत-चीन सम्बन्धों का निर्धारक तत्व है.

भारत की विदेश नीति के तत्व के रूप में भारत का आकार एक महत्वपूर्ण भौगोलिक तत्व है. बड़ा आकार, सुरक्षा आवश्यकताओं तथा राज्य की क्षमताओं को प्रभावित करता है. यह एक ऐसा तत्व है जो भारत को अन्तर्राष्ट्रीय मामलों में शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में मान्यता प्रदान करता है.

(2) आर्थिक तत्व–किसी राष्ट्र की विदेश नीति के निर्धारक तत्व के रूप में उस राष्ट्र की आर्थिक स्थिति के महत्व और दोनों के मध्य अन्तर्सम्बन्ध की चर्चा करते हुए पं. नेहरू ने 4 सितम्बर, 1947 को संविधान सभा में कहा था–"अन्तिम रूप से विदेश नीति आर्थिक नीति का परिणाम होती है और जब भारत की आर्थिक नीति सुनिर्मित नहीं होती है, तबतक उसकी विदेश नीति अपेक्षाकृत अस्पष्ट, अपूर्ण और दिशाहीन होगी." जे. बन्द्योपाध्याय अपनी पुस्तक में लिखते हैं–"विकासशील राष्ट्र की आर्थिक विकास की गति इस बात का संकेतक होती है कि कितनी अवधि में वह आर्थिक दृष्टि से विश्व का प्रमुख राष्ट्र बन सकता है."

प्राकृतिक संसाधन राष्ट्रीय शक्ति का एक प्रमुख तत्व है और इस अर्थ में विदेश नीति के आर्थिक कारक का एक अनिवार्य घटक है. अमरीका और पूर्व सोवियत संघ जैसे राष्ट्रों की आर्थिक और सैनिक शक्ति में प्राकृतिक संसाधनों का वृहद योगदान है. भारत के पास भी प्राकृतिक संसाधनों का एक विशाल भण्डार है, किन्तु इनका समुचित दोहन एवं उपयोग अनेक अन्य तत्वों, यथा पूँजी, श्रम, संगठन और तकनीक आदि के समन्वय पर निर्भर करता है, परन्तु भारत जैसे विकासशील देश को अपने प्राकृतिक संसाधनों के समुचित प्रयोग की क्षमता विकसित करने में काफी समय लगेगा.

(3) सैन्य शक्ति–अब जबकि यह सर्वमान्य हो चुका है कि "सभी राजनीति की भांति अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति भी शक्ति के लिए संघर्ष है." सैनिक कारक को किसी भी देश की विदेश नीति में निर्णायक महत्व है. वर्तमान में जितने भी राष्ट्र सैनिक दृष्टि से शक्तिशाली हैं, वे सभी आर्थिक दृष्टि से भी सम्पन्न हैं. इस रूप में कहा जा सकता है कि विदेश नीति के आर्थिक और सैनिक कारक अन्तर्सम्बन्धित हैं. सैनिक दृष्टि से भारत दक्षिण एशिया का शक्तिशाली राष्ट्र है.

(4) तकनीकी या प्रौद्योगिकी–तकनीकी या प्रौद्योगिकी (Technology) का तत्व विदेश नीति के समकालीन अध्ययनों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण माना जा रहा है. विकास आर्थिक हो या सैनिक, प्रौद्योगिकी का महत्व निर्विवाद है. तकनीकी दृष्टि से भारत मध्यम श्रेणी का राष्ट्र है.

समुन्नत प्रौद्योगिकी भारत जैसे देश के लिए आंशिक रूप से ही उपयोगी है, क्योंकि भारत में काफी संख्या में लोग बेरोजगार हैं.

(5) सांस्कृतिक, ऐतिहासिक तथा राजनीतिक मूल्य–किसी राष्ट्र के निर्माण में सांस्कृतिक मूल्य तथा परम्पराएँ प्रभावपूर्ण होती हैं, क्योंकि नीति निर्माता अपने झुकावों तथा अवलोकन करते समय सदा इन्हीं मूल्यों द्वारा संचालित होते हैं. भारत की विदेश नीति विश्व शांति, झगड़ों के निपटारे के लिए शांतिपूर्ण साधनों, एक दूसरे के अधिकारों के लिए परस्पर सम्मान, दूसरों की सहनशीलता, अहस्तक्षेप तथा शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को महत्व देती है. वह भारतीय संस्कृति के प्रभाव के कारण ही है. पंचशील, भारतीय विदेश नीति का मूल सिद्धान्त है तथा यह स्पष्ट रूप से भारतीय संस्कृति से प्रभावित है.

भारतवासियों का दीर्घ तथा भरपूर परन्तु जटिल ऐतिहासिक अनुभव, भारतीय विदेश नीति का अनुकूल तत्व है. ब्रिटिश साम्राज्यवाद के पंजे में भुगते शोषण तथा दुःखों के कारण भारत की विदेश नीति, साम्राज्यवाद, नव-उपनिवेशवाद एवं नस्लवाद को समाप्त करने हेतु संघर्ष के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है. एशियाई तथा अफ्रीकी राष्ट्रों की एकता का समर्थन भी साम्राज्यवाद तथा उपनिवेशवाद के विरुद्ध भारत के विरोध का ही परिणाम है.

राष्ट्रीय आन्दोलन का इतिहास तथा सिद्धान्त, स्वतंत्रता से पूर्व भारत के विदेश सम्बन्धों का इतिहास और भारत के विभाजन के दुर्भाग्यपूर्ण प्रभाव, भारतीय विदेश नीति के प्रभावशाली तत्व रहे हैं. पाकिस्तान के साथ सम्बन्ध तथा परिणामस्वरूप भारतीय विदेश नीति पर दबाव, भारत के विभाजन के इतिहास के प्रभाव की देन है. इस प्रकार विदेशी मामलों में भारत को जो अनुभव प्राप्त हुए, उसने स्वतंत्र भारत की विदेश नीति के निर्माण में काफी सहायता प्रदान की.

(6) घरेलू सामाजिक वातावरण–किसी भी देश की विदेश नीति तथा उसके घरेलू वातावरण में सम्बन्ध निश्चय ही गहरे होते हैं. घरेलू सामाजिक वातावरण भारत की विदेश नीति का महत्वपूर्ण निर्धारक तत्व है. सांस्कृतिक, ऐतिहासिक तथा राजनीतिक तत्वों को भी भारत की विदेश नीति के इस घरेलू वातावरण के घेरे में शामिल किया जा सकता है.

(7) विचारधारा–गांधीवादी विचारधारा जिसमें शांति, अहिंसा, मानवीय भाईचारा तथा दूसरों के मामलों में अहस्तक्षेप, पर पूरी तरह बल दिया जाता है. यह विचारधारा भारत की विदेश नीति को काफी प्रभावित करती है. विदेश नीति का शांतिपूर्ण साधनों तथा सहयोग द्वारा शांति की प्राप्ति का उद्देश्य स्पष्ट रूप से गांधीवाद से प्रभावित है.

लोकतांत्रिक तथा समाजवादी देशों के साथ मित्रतापूर्ण सम्बन्धों का विकास करने

https://t.me/MAGAZINESKING

तथा उन्हें बनाए रखने में लोकतांत्रिक समाजवाद के सिद्धान्त के विश्वास ने भारत की सहायता की है. निवर्तमान समय में 'समाजवाद' तथा 'उदारवाद' के मध्य संश्लेषण ने भी भारत की लोकतांत्रिक समाजवाद के प्रति प्रतिबद्धता को बल दिया है. स्पष्ट है भारतीय विदेश नीति (क) साम्राज्यवाद विरोधी, (ख) राष्ट्रीय आत्म निर्णय, (ग) दूसरे राष्ट्रों के मामलों में अहस्तक्षेप, (घ) राष्ट्रों के बीच शांतिपूर्ण सहयोग तथा (ङ) अंतर्राष्ट्रीय शांति की विचारधाराओं से प्रभावित है.

(8) नेतृत्व एवं व्यक्तित्व–प्रत्येक राष्ट्र की विदेश नीति मनुष्यों द्वारा बनाई जाती है जिसमें नेता, राजनेता तथा कूटनीतिज्ञ शामिल होते हैं, इसलिए इसमें इनके मूल्यों, प्रतिभाओं, अवगमों, पसन्दों, विचारों, क्षमताओं, ज्ञान तथा विश्व दृष्टिकोण समाहित होते हैं. भारतीय विदेश नीति भी इस नियम का अपवाद नहीं है. पं. जवाहरलाल नेहरू, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, डॉ. राधाकृष्णन, लालबहादुर शास्त्री, श्रीमती इंदिरा गांधी तथा विभिन्न-विदेश मंत्रियों, कूटनीतिज्ञों तथा अनेक अन्य नेताओं ने भारत की विदेश-नीति के निर्माण तथा कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. पं. नेहरू विदेश नीति के मुख्य निर्माता थे. गुट-निरपेक्ष रहने का निर्णय, शांति का अनुसरण करने का निर्णय, पंचशील सिद्धान्तों का अनुगमन, पहले एशियायी राष्ट्रों की एकता तथा सहयोग प्राप्त करने की इच्छा तथा फिर उसे अफ्रीकी-एशियाई एकात्मकता की अवधारणा तक ले जाना आदि निर्णय उनके चिन्तन तथा विश्व स्थिति पर उनके विचारों के ही परिणाम थे. उन्होंने साम्यवादी तथा गैर-साम्यवादी दोनों ही प्रकार के देशों के साथ भारत के सम्बन्धों को सन्तुलित रखने में मार्गदर्शन किया.

(9) अन्तर्राष्ट्रीय परिस्थितियाँ–द्वितीय विश्वयुद्ध ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर शांति ढाँचे को अत्यधिक प्रभावित किया. शक्तिशाली यूरोपीय देशों की शक्ति के पतन तथा अमरीका और रूस का दो महाशक्तियों के रूप में उदय तथा दोनों के मध्य शीतयुद्ध, अनेक सन्धियों का प्रादुर्भाव, परमाणु बमों का निर्माण, संयुक्त राष्ट्र संघ का निर्माण आदि ने संयुक्त रूप से युद्धोत्तर काल में अन्तर्राष्ट्रीय वातावरण को एक नया रूप प्रदान किया. सन् 1947 में भारत का एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में उदय होना तथा चीन में सफल साम्यवादी क्रांति ने एशिया की जाग्रति के संकेत दिए. इस प्रकार के अन्तर्राष्ट्रीय वातावरण में भारत ने अपनी विदेश नीति के निर्माण का कार्य शुरू किया.

दूसरे राष्ट्रों के साथ सम्बन्धों, विशेषतया चीन जैसे पड़ौसी राष्ट्रों के साथ सम्बन्धों को स्थापित करने तथा दक्षिण एशिया के वातावरण से 'पंचशील' को अपनाने का निर्णय निर्धारित हुआ. सन् 1949 में साम्यवादी चीन के उदय, 1954 में पाकिस्तान द्वारा अमरीकी सैनिक संधियों में शामिल होने का निर्णय तथा एशिया में महाशक्ति के बढ़ते हस्तक्षेप के कारण भारत के लिए यह आवश्यक हो गया कि वह गुट निरपेक्षता का अनुसरण करे तथा इसके साथ-साथ अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर इसे सुदृढ़ करे.

(10) अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था–अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था का स्वरूप भी भारत की विदेश नीति के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. भारतीय विदेश नीति कतिपय निश्चित मूल्यों पर आधारित है. ये मूल्य एक निश्चित अन्तर्राष्ट्रीय वातावरण में प्रासंगिक है. उदाहरणार्थ–भारत की गुट निरपेक्षता की नीति तत्कालीन-अन्तर्राष्ट्रीय वातावरण के प्रति एक चैतन्य प्रतिक्रिया थी. 1970 के दशक में पूर्व सोवियत संघ से घनिष्ठ सम्बन्ध भी भारत के इर्द-गिर्द के अन्तर्राष्ट्रीय वातावरण के प्रति भारत की प्रतिक्रिया थी.

(11) राष्ट्रीय चरित्र–अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति तथा विदेश नीति के कतिपय प्रमुख अध्येताओं का मानना है कि राष्ट्रीय चरित्र विदेश नीति का अति महत्वपूर्ण कारक है. इसका तात्पर्य यह है कि जब तक राष्ट्र के निवासियों को राष्ट्र से भावनात्मक लगाव नहीं होगा, तबतक निवासी राष्ट्र के प्रति पूर्ण निष्ठा का प्रदर्शन नहीं करते और जिस राष्ट्र के निवासियों में राष्ट्रीय चरित्र नहीं होता है, वह देश न तो कभी स्थायी रूप से शक्तिशाली हो सकता है और न ही कभी उसकी विदेश नीति पूर्णतया सफल हो सकती है. इसका कारण यह है कि शक्ति के जितने भी कारक हैं चाहे वे अर्थ हों या तकनीक या सैन्य बल, सबका उपयोग करने के लिए मनुष्य की आवश्यकता होती है. यदि मनुष्य के मन में राष्ट्र-प्रेम की भावना सृजित न हो सकी, तो निश्चय ही राष्ट्र-हित की सम्पूर्ति न हो सकेगी जो विदेश नीति का सर्व प्रमुख लक्ष्य है.

भारतीय विदेश नीति के सिद्धान्त या विशेषताएँ

भारतीय विदेश नीति के मूल आधार सुपरिभाषित हैं, लेकिन ये इतने लचीले हैं कि स्थिति के अनुसार इनकी भिन्न-भिन्न व्याख्या भी की जा सकती है. इन आधारों का निर्माण स्वतंत्र भारत के प्रधानमंत्री पं. नेहरू द्वारा किया गया. स्वतंत्रता के बाद के सात दशकों में भारतीय विदेश नीति के मूल में कोई गुणात्मक बदलाव नहीं आया है और आज भी राजनीतिक नेतृत्व के सार्वजनिक वक्तव्यों में न्यूनाधिक रूप से वही सब कुछ सुनने को मिलता है जैसा पं. नेहरू के समय में ही मिलता था.

(1) गुट निरपेक्षता (non-Alignment)–चालीस के दशक में नेहरू विश्व के द्वि-ध्रुवीकृत विभाजन को लेकर अत्यन्त चिन्तित थे. नेहरू का मानना था कि विश्व शांति के लिए भारत जैसे उभरते हुए राष्ट्रों को अनुसरण का मनोभाव, त्यागकर अपनी स्वतंत्र नीति का अनुसरण करना चाहिए. इस प्रकार शीत युद्ध की राजनीति के अन्तर्गत निर्मित किसी भी 'शक्ति खेमे' से विशेष निकटता न स्थापित करना, नेहरू के प्रधानमंत्रित्व में भारत की विदेश नीति का मूलाधार बन गया और इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए 'गुट निरपेक्षता का सिद्धान्त' विकसित किया गया.

नेहरू ने गुट निरपेक्षता को एक सक्रियतावादी नीति के रूप में परिभाषित किया. उनकी दृष्टि में किसी भी मुद्दे पर स्पष्ट दृष्टिकोण रखना एक गुट निरपेक्ष राष्ट्र का दायित्व है.

(2) साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद का विरोध–सामान्यतः उपनिवेशवाद का अर्थ उन नीतियों और तरीकों से लिया जाता है जिसके द्वारा साम्राज्यवादी शक्तियाँ अन्य क्षेत्रों और अन्य लोगों पर अपना नियन्त्रण स्थापित करती हैं. उपनिवेशवाद तथा साम्राज्यवाद में कोई ज्यादा अन्तर नहीं है. भारत की विदेश नीति में उपर्युक्त तत्व भारत के अपने अनुभव का परिणाम था. स्वतंत्रता के बाद से भारत निरन्तर इस प्रकार के मामलों को संयुक्त राष्ट्र में उठाता रहा और गैर-उपनिवेशीकरण (Decalonization) की प्रक्रियों में महत्वपूर्ण योगदान देता रहा. भारत का उपनिवेशवाद तथा साम्राज्यवादी विरोधी दृष्टिकोण मात्र घोषणा तक सीमित नहीं रहा, वरन् भारत ने इण्डोनेशिया, अल्जीरिया, ट्यूनीशिया, लीबिया तथा मोरक्को के साम्राज्यवाद विरोधी आन्दोलनों को सक्रिय सहयोग और समर्थन प्रदान किया. पं. नेहरू ने एक बार कहा था–"भारत दीर्घकाल से अनुसरित की जा रही अपनी इस नीति को किसी भी स्थिति में नहीं छोड़ेगा..... . हम यह स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि भारत सैनिक शक्ति से न कभी भयभीत हुआ है और न ही होगा."

(3) रंग-भेदभाव का विरोध (Opposition to Apartheid)–भारत की विदेश नीति प्रारम्भ से ही सार्वभौमिक 'बन्धुत्व' (Universal Brotherhood) के सिद्धान्त पर आधारित रही है और इस रूप में भारत द्वारा हमेशा से 'प्रजाति' (Race) और इसी प्रकार के किसी अन्य तत्व पर आधारित भेदभाव का विरोध किया जाता रहा है.

https://t.me/MAGAZINESKING

अन्तर्राष्ट्रीय धरातल पर रंगभेदभाव के विरुद्ध 'आवाज उठाने वाला' भारत पहला राष्ट्र रहा है. सन् 1952 में 12 एफ्रो-एशियायी राष्ट्रों के साथ भारत ने संयुक्त राष्ट्र में 'रंगभेदभाव' का मुद्दा उठाया था. भारत का तर्क था कि इस प्रकार की नीति मानवाधिकारों के सार्वभौमिक घोषणा-पत्र के विरुद्ध है तथा यह विश्व-शांति के लिए भी खतरा है.

(4) पंचशील–भारत प्रारम्भ से ही 'शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व' के सिद्धान्त का अनुयायी रहा है. 12 जून, 1952 को अपने एक सम्बोधन में पं. नेहरू ने कहा था– "हमारी पहली नीति तो यह होनी चाहिए कि युद्ध होने से रोकें, दूसरी नीति इससे बचने की होनी चाहिए और यदि युद्ध छिड़ ही जाए, तो तीसरी नीति इसे रोकने की होनी चाहिए. मैं चाहता हूँ कि एशिया में ऐसे देश अधिकाधिक होने चाहिए जो यह निश्चय करें कि चाहे कुछ भी हो, वे युद्ध में सम्मिलित नहीं होंगे. अन्य देश में होने वाले युद्ध के क्षेत्र को सीमित तथा अपने देश की रक्षा के साथ-साथ दूसरे के देशों को भी सुरक्षित बनाने का प्रयास करेंगे."

शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की उपर्युक्त प्रतिबद्धता को भारत ने पंचशील के पाँच सिद्धान्तों की स्वीकृति के रूप में मूर्तरूप दिया. पंचशील जिसका अर्थ होता है– 'आचरण के पाँच सिद्धान्त'. ये सिद्धान्त इस प्रकार से हैं–

(i) कोई राष्ट्र किसी अन्य राष्ट्र पर आक्रमण नहीं करेगा.
(ii) सभी राष्ट्र एक-दूसरे की राजनीतिक स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखण्डता का सम्मान करेंगे.
(iii) कोई राष्ट्र अन्य राष्ट्र के आन्तरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगा.
(iv) सभी राष्ट्र पारम्परिक हितों की सम्पूर्ति के आधार पर अपने व्यवहार का निर्धारण करेंगे तथा
(v) सभी राष्ट्र शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के आधार पर अपने आचरण का निर्धारण करेंगे.

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पंचशील के सिद्धान्तों का प्रतिपादन सर्वप्रथम 29 अप्रैल, 1954 को तिब्बत के सन्दर्भ में भारत और चीन के मध्य हुए एक समझौते में किया गया. अब विश्व के प्रायः सभी राष्ट्र पंचशील के सिद्धान्तों को मान्यता प्रदान करते हैं.

(5) संयुक्त राष्ट्र में दृढ़ आस्था– शांति के समर्थक के रूप में भारत की सयुक्त राष्ट्र की गतिविधियों में दृढ़ आस्था रही है. भारत ने शांतिपूर्ण तरीकों से विवादों के निपटारे का हमेशा समर्थन किया है. संयुक्त राष्ट्र की शांति स्थापक गतिविधियों में भारत ने हमेशा अपेक्षित सैन्य सहयोग दिया है. कोरिया और हिन्द चीन (Indo-China) संकट के दौरान भारत ने प्रशंसनीय भूमिका का निर्वाह किया. कांगो संकट, संकट में भी भारत द्वारा संयुक्त राष्ट्र की सैनिक कार्यवाही में आवश्यक योगदान दिया गया.

भारतीय विदेश नीति का उद्देश्य है, शांतिपूर्ण तरीकों से शांति की प्राप्ति (Peace through peaceful means) से सम्बन्धित चार्टर के समस्त उपबन्धों को अपना पूर्ण समर्थन देना. भारत का ऐसा विचार रहा है कि 'शांति बनाए रखने' के लिए हमें शांति-पूर्ण उपायों, जैसे–वार्ता, जाँच, मध्यस्थता, पंच निर्णय, न्यायिक निर्णय का अनुगमन करना चाहिए.

(6) सभी राष्ट्रों विशेषकर पड़ौसी राष्ट्रों से मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध–भारत सभी राष्ट्रों के मध्य समानता का प्रबल पक्षधर है. यह प्रजाति (Race), रंग और विचारों आदि के भेदभाव को नजरअंदाज करते हुए सभी राष्ट्रों, छोटे या बड़े के मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध की कामना करता है. भारत 'स्थायी शत्रु' (Permanent Enemy) की अवधारणा में विश्वास नहीं करता है और अपने द्विपक्षीय विवादों (Bi-lateral disputes) को परस्पर वार्ता से हल करने हेतु दृढ़ संकल्पित है.

(7) अन्तर्राष्ट्रीय विवादों का शांतिपूर्ण समाधान–पड़ौसी राष्ट्रों के साथ-साथ भारत अन्तर्राष्ट्रीय विवादों के भी शांतिपूर्ण समाधान का पक्षधर है. शांतिपूर्ण समाधान के लिए वार्ता (Negotiation), मध्यस्थता (Mediation), पंच निर्णय (Arbitration) और न्यायिक निर्णय (Judicial decisions) जैसे तरीकों का सहारा लिया जाता है. भारत का यह मानना है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है. शांतिपूर्ण तरीकों से सभी समस्याओं का हल निकाला जा सकता है. ●●●

शेष पृष्ठ 82 का

आरोग्यशालाओं का निरीक्षण, नारी सुरक्षा गृह के संचालन की देख-रेख तथा खाद्य सुरक्षा के लिए भी कार्य कर रहा है. बच्चों व महिलाओं के प्रति यौन हिंसा व यौन शोषण के विरुद्ध भी आयोग सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है. आयोग के गठन के कुछ ही समय बाद आयोग ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि देश की सभी जटिलताओं को दृष्टिगत रखते हुए आयोग मानता है कि जो लोग सर्वाधिक दुर्बल हैं, उनके रक्षण का आयोग पर एक विशेष और अपरिहार्य दायित्व है, लेकिन आयोग अपने गठन के बाद के इन 26 वर्षों में भी अपने दायित्वों को निभाने में कितना सफल रहा है ? इसकी पड़ताल किए जाने की आवश्यकता है.

मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए मानवाधिकार आयोग, स्वयं सेवी संस्थाओं एवं गैर-सरकारी संस्थाओं आदि का उत्तर-दायित्व है कि वे मानवाधिकारों के प्रति शिक्षा एवं प्रचार माध्यमों से जन-मानस में जागरूकता एवं चेतना उत्पन्न करें, सरकार का भी यह उत्तरदायित्व है कि वह मानवाधिकारों से सम्बन्धित प्रचलित कानूनों की समीक्षा करें तथा इन्हें कार्यान्वित कराने का प्रयास करें, पुलिस, सैनिक बलों, जेल के प्रशासनिक अधिकारियों एवं सामान्य प्रशासनिक कर्मियों को मानवाधिकारों के प्रति प्रशिक्षित कर इनके प्रति संवेदनशील बनाएं. न्यायिक प्रक्रिया को सरल, सस्ती और सुलभ बनाए जाने की आवश्यकता है. मानवाधिकारों के लिए विशेष अदालतों का गठन किया जाए, जिससे न्याय मिलने में देरी न हो. सर्वाधिक महत्वपूर्ण तो यह है कि एक ऐसे समाज का निर्माण करने का प्रयास करें जहाँ व्यक्ति किसी कार्य के लिए दूसरे व्यक्ति के समक्ष मजबूर न हों.

यह विडम्बना ही है कि देश की सुरक्षा के नाम पर सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने व सैन्य शक्ति बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक हथियारों व उपकरणों की खरीद-फरोख्त के लिए तो हमारी सरकारें विभिन्न माध्यमों से चंद दिनों में ही अरबों रुपए जुटा सकती है, लेकिन जब बात आती है राष्ट्र को निर्धनता, कुपोषण और भुखमरी के घोर अभिशाप से मुक्ति दिलाने की, तो सारे सरकारी खजाने खाली हो जाते हैं और अगर इस दिशा में कभी कुछ करने का प्रयास किया भी जाता है, तो ऐसी योजनाओं को अमलीजामा पहनाने से पहले ही उनका बहुत बड़ा हिस्सा हमारे कर्णधार और नौकरशाह डकार जाते हैं. ऐसे में केवल मानवाधिकारों के संरक्षण एवं प्रोत्साहन का ढोल पीटने रहने से ही क्या हासिल हो रहा है ? सरकार की मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए प्रबल इच्छा-शक्ति की आवश्यकता है. ●●●

https://t.me/MAGAZINESKING

कृषि-प्रौद्योगिकी लेख

भुखमरी व कुपोषण दूर करने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का योगदान

✍ डॉ. वीरेन्द्र कुमार

भारत विकासशील देशों के हंगर इंडेक्स में 119 देशों की सूची में 100वें स्थान पर है इस इंडेक्स से पता चलता है कि अलग-अलग देशों में लोगों को कितना और कैसा भोजन मिलता है. आज विश्व की आबादी का एक बड़ा हिस्सा खाद्य असुरक्षा जैसी गम्भीर समस्या से जूझ रहा है. हाल ही में केन्द्र सरकार ने राष्ट्रीय पोषण मिशन की शुरूआत की है. जिसका मुख्य लक्ष्य 2022 तक बौने बच्चों की संख्या को 25 प्रतिशत तक लाना है. जो वर्तमान समय में 38 प्रतिशत है और उनका वजन कद के अनुपात में कम है. बौनेपन की अहम् वजह कुपोषण है. लगातार पौष्टिक भोजन न मिलने से बच्चे कुपोषित हो जाते हैं. उनकी प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है. ऐसे बच्चे बीमारियों की चपेट में आसानी से आ जाते हैं. भूख व कुपोषण शरीर को बौना ही नहीं बनाता, बल्कि दिमाग को भी पूरी तरह से विकसित नहीं होने देता. इसका प्रभाव न केवल वर्तमान पीढ़ी व अर्थव्यवस्था पर पड़ता है, बल्कि पीढ़ी-दर-पीढ़ी रहता है. कुपोषित आबादी अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करने में सक्रिय भूमिका नहीं निभा पाती है.

विश्व में बच्चों के लिए काम करने वाली संयुक्त राष्ट्र संघ की युनिसेफ इकाई के लिए कुपोषण प्रमुख एजेंडा में है. संयुक्त राष्ट्र संघ के खाद्य एवं कृषि संगठन की रिपोर्ट में कहा जा चुका है कि वर्ष 2050 तक दुनिया की कुल आबादी 9·1 अरब के आँकड़े तक पहुँच सकती है. अभी विश्व की कुल जनसंख्या करीब 7·72 अरब है. दुनिया की इस विशाल जनसंख्या को पेटभर भोजन उपलब्ध नहीं है. विश्व भर में भोजन के अभाव में करोड़ों लोग भुखमरी, कुपोषण और भूखजनित बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं. जबकि यथार्थ यह है कि हम पहले से कहीं अधिक अनाज पैदा कर रहे हैं. कुपोषण के कारण दुनिया में स्वास्थ्य और विकास की हर चुनौती और गम्भीर हो जाती है. खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) का अनुमान है कि वैश्विक खाद्य उत्पादन को 2030 तक 40 प्रतिशत तथा 2050 तक 70 प्रतिशत तक बढ़ाने की आवश्यकता है. क्योंकि जलवायु परिवर्तन, कृषि योग्य भूमि में कमी, जल संकट आदि के चलते खाद्यान्न उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना है. एक तरफ जनसंख्या बढ़ रही है, तो दूसरी तरफ कृषि योग्य भूमि का क्षेत्रफल भी घट रहा है. ऐसी परिस्थितियों में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है. जिसमें से कुछ प्रौद्योगिकियों का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है.

जैव समृद्धीकरण

मनुष्य को बेहतर स्वास्थ्य व अपनी शारीरिक क्रियाओं को पूरा करने के लिए दैनिक आहार में पौष्टिक तत्वों जैसे कार्बोहाइड्रेट, वसा, प्रोटीन व विटामिनों के साथ कई सूक्ष्म पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है. जिनमें जिंक, आयरन, विटामिन ए और आयोडीन प्रमुख हैं. आज विश्व आबादी का एक बड़ा हिस्सा भुखमरी के साथ-साथ सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से ग्रसित हो रहा है. हम सभी को स्वस्थ रहने के लिए सूक्ष्म पोषक तत्व बहुत आवश्यक हैं. पारम्परिक पौध प्रजनन एवं आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी के द्वारा पोषक तत्वों जैसे आयरन व जिंक से भरपूर फसल उत्पादों का विकास करना जैव–समृद्धि-करण कहलाता है. इसके अन्तर्गत फसलों की आनुवंशिकी करके नई किस्में विकसित की जाती हैं. जिनमें अधिक-से-अधिक दानों में जिंक व अन्य सूक्ष्म पोषक तत्व संग्रहीत करने की क्षमता होती है. लम्बे समय में पौधों की आनुवंशिकी एक लाभदायक प्रक्रिया हो सकती है. हाल ही में आईसीएआर ने धान की डीआरआर 45 उन्नत किस्म विकसित की है. जिसके दानों में जिंक की उच्च मात्रा (22·6 पीपीएम) जो प्रचलित किस्मों में उपलब्ध जिंक (12-16 पीपीएम) से अधिक है. इसी प्रकार गेहूँ की डब्ल्यूबी 02 और एचपीबीडब्ल्यू 01 विकसित की गई है जिनमें उच्च जिंक व आयरन क्रमशः (42 पीपीएम) तथा (40 पीपीएम) प्रचलित किस्मों की मात्रा (32·0 पीपीएम) से अधिक है. इसी तरह धान की सीआर धान 310 प्रजाति विकसित की है, जिसमें 10·3 प्रतिशत प्रोटीन है. हाल ही में पूसा संस्थान ने मक्का की प्रो विटामिन 'ए' से भरपूर पूसा विवेक क्यूपीएम 9 उन्नत किस्म विकसित की है जिसमें 8·15 पीपीएम विटामिन 'ए', लाइसीन 2·67 प्रतिशत तथा ट्रिप्टोफैन 0·74 प्रतिशत है. बाजरा की एचएचबी 299 किस्म जिसमें आयरन 73 पीपीएम तथा जिंक 41 पीपीएम है. मसूर की पूसा अगेती मसूर प्रजाति जिसमें आयरन की मात्रा 65 पीपीएम है. इसी प्रकार फूल गोभी व शकरकंद की क्रमशः पूसा बीटा केसरी 1 व भू सोना प्रजाति उच्च बीटा कैरोटीन युक्त है.

जेनेटिक इंजीनियरिंग

आज जेनेटिक इंजीनियरिंग द्वारा किसी भी जीन या पौधों के जीन को दूसरे पौधों में डालकर एक नई प्रजाति विकसित कर सकते हैं, यानि कि अलग-अलग जातियों में भी संकरण किया जा सकता है. आज आनुवंशिक इंजीनियरिंग की सहायता से जीनों को एक जाति से दूसरी प्रजाति में आसानी से डाला जा सकता है. इस तरह प्राप्त फसलों को आनुवंशिकी परिवर्तित (जीएम) फसल कहा जाता है. वैज्ञानिकों ने आनुवंशिक अभियांत्रिकी तकनीक द्वारा धान की ऐसी प्रजाति विकसित की है जिसे खाने से कुपोषण जैसी विश्वव्यापी समस्या दूर हो सकती है. यह धान की कम पानी में उगने वाली प्रजाति है. सबसे पहली पारजीनी फसलों में सन् 1994 में अमरीका में टमाटर की एक ऐसी प्रजाति विकसित की गई जिसके फल पकने के बहुत दिनों के बाद भी खराब नहीं होते थे. यह पहली प्रचलित फसल थी, जिसे जीएम तकनीक द्वारा विकसित किया गया था. आज पूरे विश्व में 181·7 मिलियन हेक्टेयर में पारजीनी फसलों की खेती की जाती है. इस पूरे क्षेत्रफल का 90 प्रतिशत भाग केवल पाँच देशों से पूरा हो जाता है. अमेरिका विश्व में क्षेत्रफल की दृष्टि से पहले स्थान पर है. इसके बाद ब्राजील, अर्जेन्टीना एवं भारत क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर हैं. सन् 2000 में अमरीका में गोल्डन राइस का विकास किया गया था इन चावल के दानों में प्रो विटामिन ए की मात्रा अन्य चावलों से तीन गुणा ज्यादा होती है. इसके प्रयोग से एशियाई देशों में प्रो विटामिन 'ए' की समस्या से हजारों बच्चों को कुपोषण से बचाया जा सकता है. भारत में अभी केवल बी.टी. कपास की खेती के लिए ही अनुमति है.

राष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2018

मोटे अनाज स्वास्थ्यवर्धक ही नहीं, बल्कि पर्यावरण को भी बेहतर बनाये रखने में मदद करते हैं. हमारे देश में मक्का, ज्वार, बाजरा, रागी, कोदों और मंडवा जैसे कई मोटे अनाजों की खेती की जाती है. ये मोटे अनाज आयरन, जिंक, कॉपर व प्रोटीन जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं. पोषक

https://t.me/MAGAZINESKING

तत्वों की दृष्टि से इन्हें गुणों की खान कह सकते हैं. प्रोटीन व रेशा की भरपूर उपस्थिति के कारण मोटे अनाज डायबिटीज, हृदय रोग, उच्च रक्त चाप का खतरा कम करते हैं. इनमें खनिज तत्व भी पर्याप्त मात्रा में पाये जाते हैं. जिससे कुपोषण की समस्या को दूर करने में मदद मिलेगी. मोटे अनाजों से बने खाद्य पदार्थों में चावल से निर्मित खाद्य पदार्थों की अपेक्षा कई गुना ज्यादा कैल्सियम होता है. बाजरा में सबसे ज्यादा आयरन पाया जाता है. जबकि मक्के की रोटी व चने का साग प्रोटीन के मामले में अग्रणी भोजन है. साथ ही धान जैसी फसलों की तरह ग्रीन हाउस गैसों के बनने का कारण भी नहीं बनते हैं. गेहूँ व धान जैसी फसलों को उगाने में यूरिया का अत्यधिक प्रयोग किया जाता है. जबकि मोटे अनाजों की खेती के लिए यूरिया की कोई खास जरूरत नहीं होती है. यह कम पानी वाली जमीन में भी आसानी से उगायी जा सकती है. फलतः, ये पर्यावरण के लिए ज्यादा बेहतर होती है. पिछले कई दशकों से मोटे अनाजों की खेती के अन्तर्गत क्षेत्र में लगातार कमी आ रही है. एक अध्ययन के अनुसार वर्ष 1966 में देश में करीब 4·5 करोड़ हेक्टेयर में मोटे अनाजों की खेती होती थी जो आज घटकर 3·5 करोड़ हेक्टेयर रह गया है. इसका प्रमुख कारण किसानों द्वारा धान व गेहूँ की खेती पर जोर देना है.

प्रोटीन कुपोषण पर विजय की ओर

दालें स्वास्थ्य की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इनमें प्रोटीन और रेशा की मात्रा अधिक और वसा की मात्रा कम होती है. भारत एक शाकाहार प्रधान देश है. दाल यहाँ प्रोटीन का सबसे व्यापक व सस्ता स्रोत है. दालें और फलियाँ प्रोटीन प्राप्त करने का बेहतरीन स्रोत मानी जाती है. लेकिन जंक फूड का प्रयोग करने वाली आज की पीढ़ी की थाली से दालें गायब होती जा रही हैं. शाकाहारी व्यक्तियों को प्रतिदिन कम से कम 130 ग्राम दाल अवश्य खानी चाहिए. इससे शरीर में बुरे कोलेस्ट्रोल का असर कम होता है. साथ ही इससे लगभग 15 ग्राम फाइबर और 7–9 ग्राम प्रोटीन मिल जाता है. अगर अधिक मात्रा में दालों का सेवन किया जाता है, तो इससे पेट फूलने और गैस की समस्या हो सकती है. दालों में फायटैटस और दूसरे एंटी न्यूट्रिशनल कारक भी होते हैं उनके कारण भी ये समस्या हो सकती है. ये दालों में पोषक तत्वों की उपलब्धता को कम कर सकते हैं. दालों को अच्छी तरह भिगोकर और उबाल कर इस समस्या को कम किया जा सकता है. दलहन का उत्पादन बढ़ाने के लिए नए किसानों और क्षेत्रों की पहचान करनी होगी. कृषि उत्पादन, मुख्यतः दलहन के उत्पादन, को वर्ष 2020 तक 24 मिलियन टन तक पहुँचाना होगा. जिससे खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ लगातार बढ़ रही जनसंख्या का भरण-पोषण हो सके.

स्मार्ट फसलों का विकास

बदलते परिवेश में तकनीक के जरिए खाद्यान्न फसलों को पहले से कई गुना बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है. अमेरिकी जेनेटिक वैज्ञानिकों ने फिलीपींस स्थित अन्तर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान के साथ मिलकर स्मार्ट चावल बनाने की तकनीक का विकास किया है. वैज्ञानिकों के अनुसार वे धान के पौधों के डीएनए को जेनेटिकली एडिट करते हैं जिससे इनकी पत्तियों में कुछ खास तरीके की कोशिकाएँ पैदा होती है जो बड़े पैमाने पर कार्बन डाइऑक्साइड का अवशोषण करती हैं और उसे देर तक सम्भाल कर रखती हैं. इस कारण पत्तियों में प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया काफी तेज हो जाती है. जेनेटिक एडिटिंग जेनेटिक रूपान्तरण से अलग है. इसमें पौधे की कोशिकाओं में मौजूद अरबों न्यूक्लियोटाइड्स में से कुछ को ही बदला जाता है. सामान्य चावलों की अपेक्षा पचास प्रतिशत अधिक पैदावार देने वाला यह चावल सूखे और बाढ़ में भी फसल देने में सक्षम है. इसके लम्बे दाने बासमती चावल से मिलते-जुलते हैं. इसमें अन्य चावलों की अपेक्षा कीटनाशियों की भी कम जरूरत पड़ती है. यह पद्धति गेहूँ की फसल में भी कारगर है. प्रयोगशालाओं में बनने वाले चावल अत्यधिक व कम वर्षा से भी खेती को बचाएंगे. साथ ही खेती के लिए जमीन भी कम होती जा रही है ऐसे में स्मार्ट फसलों का भविष्य उज्जवल है.

परम्परागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई)

हाल ही में जैविक खेती को बढ़ावा देने और कृषि रसायनों पर निर्भरता को कम करने के लिए राष्ट्रीय कृषि विकास योजना प्रारम्भ की गई है. इससे न केवल उच्च गुणवत्ता युक्त, स्वास्थ्यवर्द्धक एवं पौष्टिक खाद्य पदार्थों की उपलब्धता बढ़ेगी, बल्कि खेती में उत्पादन लागत कम करने में भी मदद मिलेगी. परम्परागत कृषि विकास योजना के तहत् सरकार मिट्टी की सुरक्षा, पर्यावरण और लोगों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए जैविक खेती को बढ़ावा दे रही है. उपर्युक्त के अलावा इस योजना को कार्यान्वित करने के लिए सरकार पारम्परिक संसाधनों का इस्तेमाल करके, पर्यावरण अनुकूल कम लागत की प्रौद्योगिकियों को अपनाकर, जैविक खेती को बढ़ावा दे रही है. इसका उद्देश्य रसायन मुक्त उत्पादों और लाभकारी जैविक सामग्री का प्रयोग करके मृदा स्वास्थ्य में सुधार और फसल उत्पादन को बढ़ावा देना है.

आजकल सब्जियों की जैविक खेती का प्रचलन बढ़ता जा रहा है. जैविक खेती में सब्जियों को जैविक खादों के सहारे व बिना कीटनाशियों के पैदा किया जाता है. इस प्रकार की सब्जियों के दाम निश्चित रूप से रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशक दवाओं का प्रयोग करके उगायी गयी सब्जियों की अपेक्षा अधिक रहते हैं. आज उपभोक्ता अपने स्वास्थ्य की चिन्ता करते हुए अच्छे गुणों वाली सुरक्षित सब्जियों को ऊँचे दाम पर खरीदना पसन्द करता है. जैविक सब्जी उत्पादन का क्षेत्र बड़ी तेजी से आगे बढ़ रहा है. जो किसान सब्जियों की जैविक खेती कर रहे हैं, वे स्वयं पौष्टिक व सन्तुलित भोजन तो प्राप्त कर ही रहे हैं साथ ही ऐसी सब्जियों को बाजार में ऊँचे भाव पर बेचकर अपनी आमदनी भी बढ़ा रहे हैं. इसके अलावा सब्जियों, फलों और फूलों से आर्गेनिक रंग भी बनाए जाते हैं जो न केवल शुद्ध, सस्ते व खुशबुदार होते हैं, बल्कि हमारी त्वचा के लिए भी सुरक्षित होते हैं. ग्रामीण क्षेत्रों में आर्गेनिक फर्मिंग को बढ़ावा देने के लिए नाबार्ड सहित कई सरकारी व गैरसरकारी संस्थान कार्यरत् हैं.

कम न्यूरोटॉक्सिन युक्त खेसारी दाल का विकास

खेसारी दाल को गरीबों की दाल भी कहा जाता है. खेसारी की फसल प्राकृतिक रूप से कठोर प्रकृति की है. अतः वातावरण की विपरीत परिस्थितियों में भी फसल प्रणाली में स्थायित्व प्रदान करने की क्षमता रखती है. खेसारी दाल की जो परम्परागत किस्में है, उनमें उक विषैला रसायन-बीटा एन आक्सलिल एल बीटा डाईएमिनोपिओनिक एसिड होता है. इसे ओडेप या ओडीएपी के नाम से भी जाना जाता है. कीमत में काफी कम होने के कारण महंगी दालों को न खरीद पाने वाले गरीब लोग उसे खा लिया करते थे. परन्तु जब इस दाल के कारण लोगों के नर्वस सिस्टम को नुकसान पहुँचने लगा और वह लकवे की चपेट में आने लगे तो सरकार ने खेसारी दाल को सेहत के लिए हानिकारक मानते हुए वर्ष 1961 में इस पर प्रतिबन्ध लगा दिया था. यद्यपि इस प्रतिबन्ध के बाद भी किसान गुपचुप तरीके से इसकी खेती करते रहे. साथ ही सस्ती दाल होने के कारण गरीब लोग इसका उपयोग करते रहे. कई दशकों बाद खेसारी दाल की खेती पर फिर चर्चा शुरू हो गई है. अब भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (आईसीएमआर) ने इसकी तीन प्रजातियों को हरी झंडी दी है. खेसारी की इन किस्मों

https://t.me/MAGAZINESKING

में नर्वस सिस्टम को नुकसान पहुँचाने वाले तत्वों की मात्रा बहुत कम है. इन तीनों किस्मों का विकास भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् ने किया है. इन्हें रतन, प्रतीक और महातेओरा नाम दिए गए हैं. खेसारी की जो नई किस्में विकसित की गई हैं, उनमें ओडीएपी बहुत ही कम मात्रा में है. इनमें ओडीएपी की मात्रा 0·07 से 0·1 प्रतिशत के बीच है और यह मानवीय उपयोग के लिए सुरक्षित है. इन किस्मों को खेती के लिए जारी कर दिया गया है. खेसारी दाल मनुष्यों और पशुओं के लिए प्रोटीन के अलावा प्राकृतिक एंटिऑक्सीडेंट का भी एक महत्वपूर्ण स्रोत है. जो हृदय रोगों और अनेक रोगों के जोखिम को कम करने में सहायक है.

खाद्य तेलों की गुणवत्ता

भारत अपनी मांग का 70 प्रतिशत खाद्य तेलों को आयात करता है. इनमें पॉम आयल, सोयाबीन, क्रूड पॉम ऑयल, सूरजमुखी प्रमुख हैं. भारत में खाद्य तेलों की वार्षिक खपत 200 लाख टन है इसमें से 140–150 लाख टन का आयात किया जाता है. खाने के तेल में मोनो असतृप्त (मूफा) और पॉली असंतृप्त (पूफा) वसा का मिश्रण होना चाहिए. पूफा के दो हिस्से ओमेगा–3 और ओमेगा–6 होते हैं. दोनों ही हृदय के लिए बेहद जरूरी हैं. मूफा राइस ब्रान, सरसों, मूंगफली आदि में ज्यादा होता है. जबकि पूफा कुसुम, कनोला, सूरजमुखी आदि में पाया जाता है. सूरजमुखी व अलसी के बीजों में फॉलिक एसिड होता है, जो कॉलेस्ट्रॉल स्तर को नियन्त्रित करने में मदद करता है. अलसी व सरसो के तेल में काफी ओमेगा-3 होता है. इसके अलावा सोयाबीन खाने से कॉलेस्ट्राल कम होता है. खाद्य तेलों की कमी को दूर करने के लिए हाल ही में वैज्ञानिकों ने पूसा डबल जीरो 31 सरसों की एक नई किस्म विकसित की है जिसमें ईरूसिक अम्ल 2 प्रतिशत से कम व ग्लूकोसिनोलैट 3 पीपीएम से कम है. वैज्ञानिकों का मानना है कि नई तकनीक से विकसित सरसों की किस्म बेहतर गुणवत्ता वाली व इसकी उपज सामान्य सरसों से 20–30 प्रतिशत अधिक होगी.

कटाई उपरान्त प्रौद्योगिकी

भारत में अनाज, दलहन और तिलहन की तैयार फसलों में फसल कटने से लेकर भण्डारण तक के बीच करीब 20 फीसदी फसल उत्पाद नष्ट हो जाता है. कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि तैयार बीजों को बचाने के लिए समय-समय पर उपयुक्त उपायों को अपनाकर कीट के प्रकोप को निर्धारित सीमा के नीचे रखा जाता है. वास्तव में कीट प्रबन्धन का कार्य फसल की कटाई से ही शुरू हो जाता है. इसके लिए कटाई, गहाई एवं ढुलाई में प्रयुक्त यन्त्रों व साधनों को कीट मुक्त रखना चाहिए. खलिहान को भी समतल एवं साफ सुथरा करके ही कटी फसल को वहाँ रखना चाहिए. इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि फसल कटने के बाद वर्षा या अन्य कारणों से बीज व अनाज भीगना नहीं चाहिए. क्योंकि भीगे अनाज व ननी युक्त बीजों में कीटो का प्रकोप अधिक होता है. भण्डारण कक्ष एवं भण्डारण पात्र को कीट मुक्त रखने हेतु समुचित उपाय करना आवश्यक होता है. आधुनिक तकनीकी, इनका सही समय पर किसानों को हस्तान्तरण तथा किसानों द्वारा इनका अंगीकरण कर भंडारण में नुकसान की समस्या को कम किया जा सकता है. शोधकर्ताओं के अथक प्रयास, सरकार की ओर से सकारात्मक पहल, सहयोगी विभागों की सक्रियता, नीति निर्माताओं की सकारात्मक सोच और सबसे ऊपर किसानों की सक्रिय भागीदारी से हमने इसमें सफलता भी पाई है.

खाद्य पदार्थों में मिलावट

7 जून, 2019 को पहला 'विश्व फूड सेफ्टी' दिवस मनाया गया. जिसकी थीम-थी–'फूड सेफ्टी-प्रत्येक का व्यवसाय' है. आज बाजारों में कृत्रिम रंगों वाले खाद्य पदार्थ, सब्जियाँ और फल धड़ल्ले से बेचे जा रहे हैं. खाद्य पदार्थों में तय मात्रा से ज्यादा सिंथेटिक रंगों के प्रयोग से अंधेपन और कैंसर जैसी बीमारियाँ हो सकती हैं. खाद्य पदार्थों में सिंथेटिक रंग टेट्राजाइन की मात्रा 100 पीपीएम से ज्यादा नहीं होनी चाहिए. जबकि कई मामलों में यह 250 मिग्रा/ग्राम से भी अधिक पाई जाती है. आजकल पोटेशियम ब्रोमेट व पोटेशियम आयोडेट जैसे खतरनाक रसायनों का खाद्य पदार्थों में प्रयोग होने की रिपोर्ट आती रहती है. फलों को पकाने के लिए कार्बाइड का प्रयोग हो रहा है. कभी-कभी व्यापारी फलों और सब्जियों पर पॉलिश करते हैं, ताकि वे तरोताजा लगें. करेला व परवल जैसी सब्जियों को हरे रंग से रंगकर बेचा जाता है. इन रंगों व रसायनों का प्रयोग करने के कारण स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है. व्यापारियों के द्वारा मुनाफे के लिए दूसरी दालों में खेसारी दाल की मिलावट की जाती है. बाजार में बड़े पैमाने पर अरहर की दाल में खेसारी दाल की मिलावट की जाती है.. इन मिलावटी दालों का मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है. अरहर और खेसारी दाल का आकार व बनावट लगभग एकसमान होती है. इसलिए कालाबाजारी करने वाले अरहर की दाल में खेसारी दाल की मिलावट करते हैं, क्योंकि खेसारी दाल एक सस्ती और निम्न गुणवत्ता वाली दाल होती है. ●●●

शेष पृष्ठ 95 का

तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्थाएं हैं. उनका कहना है कि दोनों के बीच फर्क सिर्फ यही है कि ब्राजील के पास भारत जितने उपभोक्ता नहीं हैं, लेकिन संसाधन अपार हैं और इसलिए दोनों देश ऊर्जा, कृषि तथा सामरिक क्षेत्र में एक-दूसरे को बहुत कुछ दे सकते हैं. फिलहाल दोनों देशों के रणनीतिक, सामरिक, व्यापारिक और सांस्कृतिक रिश्ते काफी मजबूत हैं और अगर दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्तों की बात की जाए, तो वर्ष 2018-19 में दोनों के बीच द्विपक्षीय व्यापार कुल 8·2 अरब अमरीकी डॉलर का था, जो उससे पिछले वर्ष के मुकाबले 7 प्रतिशत ज्यादा था. इस द्विपक्षीय व्यापार में 21 करोड़ की आबादी वाले ब्राजील के लिए भारतीय निर्यात के रूप में 3·8 अरब अमरीकी डॉलर और भारत द्वारा आयात के रूप में 4·4 अरब डॉलर की हिस्सेदारी थी. भारतीय कम्पनियों द्वारा ब्राजील के आईटी सेक्टर, फार्मा-स्यूटिकल, ऊर्जा, जैव ईंधन, ऑटोमोबाइल, कृषि-व्यवसाय, खनन तथा इंजीनियरिंग क्षेत्रों में करीब 6 अरब अमरीकी डॉलर का निवेश किया गया है. हालांकि देखा जाए, तो इसके अनुपात में ब्राजील द्वारा भारत में किया गया निवेश अभी तक काफी कम है, लेकिन माना जा रहा है कि ब्राजीली राष्ट्रपति की चार दिवसीय भारत यात्रा के दौरान हुए समझौतों के बाद ब्राजीली कम्पनियों का भारत में निवेश, आने वाले समय में काफी बढ़ेगा. ●●●

https://t.me/MAGAZINESKING

भारतीय इतिहास एवं संस्कृति

1. बिहार का नवपाषाणकालीन स्थल जहाँ से प्रचुर मात्रा में हड्डी के उपकरण पाए गए हैं — *चिरौंद*
2. बौद्ध साहित्य के त्रिपिटकों में सुत्तपिटक सबसे बड़ा और श्रेष्ठ माना गया है. यह किन पाँच भागों में विभक्त है ? — *दीर्घ निकाय, मज्झिम निकाय, संयुक्त निकाय, अंगुत्तर निकाय, खुदद्क निकाय*
3. हड़प्पाकालीन स्थल कालीबंगा में उत्खनन किया गया था — *1953 में अमलानंद घोष के नेतृत्व में*
4. पुनर्जन्म का सिद्धान्त सर्वप्रथम दिखाई पड़ा — *शतपथ ब्राह्मण में*
5. मौर्योत्तर काल में प्राकृत भाषा में लिखी पुस्तक 'गाथा सप्तशती' के लेखक थे — *हाल*
6. ऐसा विवाह जिसमें कन्या का विवाह उस पुरोहित से करा दिया, जो यज्ञ का अनुष्ठान विधिपूर्वक सम्पन्न कर लेता था — *दैव विवाह*
7. किस विजयनगर शासक ने सर्वप्रथम अपनी घुड़सवार सेना को शक्तिशाली बनाने के लिए उसमें तुर्की धनुर्धरों को भर्ती किया ? — *देवराय प्रथम*
8. किस महापुरुष का कथन है कि "ईश्वर के सम्मुख सभी स्त्री-पुरुष भाई-बहनों की भाँति हैं ?" — *दादू (1544–1603 ई.)*
9. मुगलकाल में विभिन्न अवसरों पर अमीरों द्वारा बादशाह को दी गयी भेंट या नजराना कहलाता था ? — *पेशकश*
10. किस मुगल बादशाह ने 'निसार' नामक एक सिक्का चलाया, जो रुपए के चौथाई मूल्य के बराबर होता था ? — *जहाँगीर ने*

राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आन्दोलन

11. 'अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन फेडरेशन' की स्थापना की थी ? — *एन.एम. जोशी ने, 1929 में*
12. किस नेता ने कांग्रेस अधिवेशनों को 'शिक्षित भारतीयों के वार्षिक सम्मेलन' की संज्ञा दी थी ? — *लाला लाजपत राय ने*
13. 'पथेर दावी' नामक पुस्तक के लेखक थे — *शरद चन्द्र चट्टोपाध्याय*
14. किस नेता ने 'क्रिप्स प्रस्तावों' को 'उत्तरतिथीय चैक' (Post Dated Cheque) कहा था ? — *महात्मा गांधी ने*
15. कांग्रेस के हरिपुरा सम्मेलन (1938) में सुभाष चन्द्र बोस ने 'राष्ट्रीय योजना समिति' बनायी थी, जिसके अध्यक्ष थे — *जवाहरलाल नेहरू*
16. ब्रिटिश प्रधानमंत्री एटली ने किस तिथि को यह घोषणा की थी कि "अंग्रेज जून 1948 से पहले ही उत्तरदायी लोगों को सत्ता हस्तान्तरित करने के उपरान्त भारत छोड़ देंगे ?" — *20 फरवरी, 1947 को*
17. कैबिनेट मिशन के सदस्यों में शामिल थे — *सर स्टेफर्ड क्रिप्स, ए.वी. अलेक्जेंडर एवं पैथिक लारेंस*
18. द्वितीय गोलमेज सम्मेलन, जिसमें गांधीजी ने भी भाग लिया था के दौरान भारत के गवर्नर जनरल थे — *लॉर्ड विलिंगटन*
19. मुस्लिम लीग ने किस तिथि को 'प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस' मनाया था ? — *16 अगस्त, 1946 को*
20. किस नेता ने वक्तव्य दिया था कि "हमने घुटने टेक कर रोटी माँगी, किन्तु उत्तर में हमें पत्थर मिले ?" — *महात्मा गांधी (सविनय अवज्ञा आन्दोलन से पूर्व)*

भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान

21. लिखित संविधान की परम्परा का प्रारम्भ किस देश से हुआ ? — *अमरीका*
22. भारतीय संविधान में मौलिक कर्तव्यों का विचार लिया गया है — *रूस के संविधान से*
23. समाज में समानता के होने का एक निहितार्थ यह है कि उसमें — *विशेषाधिकारों का अभाव है*
24. नागरिकता अधिनियम, 1955 के अन्तर्गत पंजीकरण द्वारा भारतीय नागरिकता प्राप्त करने के लिए भारतीय मूल के व्यक्ति को भारत में कितने वर्ष बिताने होंगे ? — *7 वर्ष*
25. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में उपाधियों के अन्त का प्रावधान किया गया है ? — *अनुच्छेद 18*
26. जब कोई निचली अदालत अपने अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण कर किसी मुकदमे की सुनवाई करती है, तो उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय उसे ऐसा करने से रोकने के लिए कौनसी रिट जारी करता है ? — *निषेध*
27. संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत शिक्षण संस्थाओं में, जिसमें गैर-सरकारी व गैर अनुदान प्राप्त भी शामिल है, अन्य पिछड़ों, अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति हेतु आरक्षण की सुविधा प्रदान की गयी है ? — *अनुच्छेद 15(5)*
28. संविधान के किस अधिकार को डॉ. अम्बेडकर ने 'संविधान की आत्मा' कहा था ? — *संवैधानिक उपचारों का अधिकार (अनुच्छेद 32)*
29. संविधान के किस अनुच्छेद में राष्ट्रपति निर्वाचित होने के लिए अर्हताओं का उल्लेख है ? — *अनुच्छेद 58(1) में*
30. लोक सभा में किसी विधेयक पर आम बहस किस स्तर पर होती है ? — *द्वितीय वाचन में*

भारत एवं विश्व का भूगोल

31. भारत के उत्तर-पश्चिम मैदान में पश्चिमी विक्षोभ से जाड़े में होने वाली वर्षा की मात्रा क्रमशः कम होती जाती है — *पश्चिम से पूर्व की ओर*
32. भारत के सबसे पूर्वी एवं पश्चिमी राज्य हैं, क्रमशः — *अरुणाचल प्रदेश एवं गुजरात*
33. सहरिया जनजाति मुख्यतः पायी जाती है — *राजस्थान में*

https://t.me/MAGAZINESKING

34. भारत का सबसे ऊँचा जल प्रपात है
– नोहकालीकई (मेघालय)

35. कौनसा फसल चक्र पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए सर्वाधिक उपयुक्त समझा जाता है ? *– धान-मक्का-गेहूँ*

36. थुम्बा में विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र की स्थापना के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारक था
– यह स्थान भूचुम्बकीय विषुवत् रेखा पर स्थित है

37. डेन्यूब नदी के किनारे अवस्थित प्रमुख नगर हैं
– विएना, ब्रातिस्लावा, बुडापेस्ट एवं बेलग्रेड

38. क्षेत्रफल और आयतन के आधार पर विश्व की सबसे बड़ी झील है *– कैस्पियन सागर (3,71,000 वर्ग किमी)*

39. किस देश को 'झीलों की वाटिका' कहते हैं ? *– फिनलैण्ड*

40. विश्व का सबसे लम्बा समुद्र-सेतु बनाया गया है
– जियाओझू खाड़ी पर (यह सेतु चीन के दो शहरों किंगदाओ और हुआंगदाओ को जोड़ता है)

पर्यावरण एवं जैव विविधता

41. भारत में सबसे अधिक जैव विविधता सम्पन्न क्षेत्र है
– पश्चिमी घाट

42. पारिस्थितिक तन्त्र में एक पोषी स्तर से दूसरे पोषी स्तर में स्थानान्तरण से ऊर्जा की मात्रा *– घटती है*

43. धुआँ (Smog) आवश्यक रूप से वायुमण्डल में किन गैसों की उपस्थिति के कारण होता है
– नाइट्रोजन एवं सल्फर के ऑक्साइडस के कारण

44. किस क्षेत्र में दुर्लभ उपलब्धि के लिए वैश्विक-500 पुरस्कार दिया जाता है ? *– पर्यावरण संरक्षण*

45. गैस, जो धान के खेत से उत्सर्जित होती है और भूमि के तापमान में वृद्धि करती है, वह है *– मीथेन*

46. 100 प्रतिशत सौर ऊर्जा पर चलने वाला भारतवर्ष का पहला केन्द्रशासित प्रदेश है *– दीव*

47. मानव गतिविधियों से परिवर्तित पर्यावरण कहलाता है
– ऐन्थोपोजेनिक पर्यावरण

48. वायु प्रदूषण के जैविक सूचक का प्रसिद्ध उदाहरण है
– लाइकेन्स

49. वर्तमान में अन्तर्राष्ट्रीय सौर संगठन का कार्यालय है
– गुरुग्राम में

50. पर्यावरणीय कुजनेट्स वक्र पर्यावरणीय क्षति एवं प्रति व्यक्ति जीडीपी के मध्य सम्बन्ध दर्शाता है. इस पर्यावरणीय कुजनेट्स वक्र (Kuznets Curve) का आकार होता है
– उल्टा 'U' आकार का

जलवायु परिवर्तन एवं आपदा

51. 'मौना लोआ' एक सक्रिय ज्वालामुखी है
– हवाई द्वीप (संयुक्त राज्य अमरीका में)

52. भूकम्प आने के दौरान सर्वप्रथम किसी स्थान पर कौनसी तरंग पहुँचती है ? *– P तरंग*

53. सागरीय प्रवाल विरंजन (Coral Bleaching) का सबसे अधिक प्रभावी कारक कौनसा है ?
– सागरीय जल के तापमान में वृद्धि

54. भारत में सुनामी वार्निंग सेन्टर अवस्थित है *– हैदराबाद में*

55. 'रिंग ऑफ फायर' है
– यह प्रशान्त महासागर में भूकम्प एवं ज्वालामुखी से प्रभावित परिक्षेत्र है. इस पेटी में सम्पूर्ण विश्व के 68% भूकम्पों का अनुभव किया जाता है

56. बंगाल की खाड़ी के तटवर्ती क्षेत्रों में चक्रवात अधिक आते हैं, क्योंकि *– बंगाल की खाड़ी में अधिक ताप के कारण बने निम्नदाब के कारण*

57. देश के पहले आपदा प्रबन्धन प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना की गयी है *– लातूर में*

58. भारत के भूक्षेत्र को भूकम्प प्रवणता की दृष्टि से बाँटा गया है ? *– 4 क्षेत्रों में (अल्प तीव्रता क्षेत्र, मध्यम तीव्रता क्षेत्र, गहन तीव्रता क्षेत्र, अति प्रचण्ड तीव्रता क्षेत्र)*

59. पिछले दो दशकों में उत्तर भारतीय मैदानों में बाढ़ की बारम्बारता बढ़ गयी है, क्योंकि
– गाद के निक्षेपण के कारण नदी घाटियों की गहराई में कमी हो गयी है

60. भारतीय मौसम विज्ञान विभाग स्थापित है *– नई दिल्ली में*

भारतीय अर्थव्यवस्था

61. कौनसी संस्था भारत में सतत् विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन के लिए एक नोडल संस्था है ? *– नीति आयोग*

62. संवृद्धि सीमा की अवधारणा का प्रतिपादन किया था
– क्लब ऑफ रोम ने

63. वर्ष के अधिकांश हिस्से में बेरोजगार रहने वाले व्यक्तियों की संख्या को कहा जाता है *– सामान्य स्थिति बेरोजगारी*

64. जीवन की भौतिक गुणवत्ता सूचकांक (Physical Quality of Life Index) विकसित किया था
– मॉरिस डी. मॉरिसन ने

65. राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ मिशन योजना लॉंच की गयी थी
– 2005 में

66. भारत में निर्भरता अनुपात घट रहा है, क्योंकि
– 15-59 वर्ष की जनसंख्या सापेक्षतया अधिक है

67. किस वर्ष में एकाउंटिंग को ऑडिटिंग (लेखा परीक्षा) से अलग किया गया तथा नियन्त्रक तथा महालेखा परीक्षक का कार्य केवल सरकारी लेखा तक सीमित रह गया ? *– 1976 में*

68. एम.सी. जोशी समिति सम्बन्धित थी
– काले धन से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं की समीक्षा से

69. वांचू समिति सम्बन्धित थी *– प्रत्यक्ष कर से*

70. विश्व बैंक की 'उदार ऋण प्रदान करने वाली खिड़की' कहा जाता है *– अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ (IDA) को*

सामान्य विज्ञान एवं तकनीकी

71. तारों की दूरी नापने का मात्रक पारसेक है. 1 पारसेक बराबर है *– 3×10^{16} मीटर = 3·262 प्रकाश वर्ष*

72. द्रव बूँद की संकुचित होकर न्यूनतम क्षेत्र घेरने की प्रवृत्ति का कारण होता है *– पृष्ठ तनाव*

73. साबुन के पतले झाग में चमकदार रंगों का बनना किस परिघटना का परिणाम है ? *– बहुलित परावर्तन एवं व्यतिकरण*

74. पारे का साधारणतया तापमापी यन्त्रों में उपयोग किया जाता है, क्योंकि इसकी विशेषता है *– उच्च संचालन शक्ति*

https://t.me/MAGAZINESKING

75. एल्युमीनियम पृष्ठ प्रायः एनोडीकृत होते हैं, इसका अर्थ है उस पर – *एल्युमीनियम ऑक्साइड की परत का निक्षेपण होना*
76. यौगिकों के किस समूह को 'सहायक आहार कारक' कहा जाता है ? – *विटामिन*
77. दूध पिलाने वाली माँ को प्रतिदिन आहार में कितने ग्राम प्रोटीन की आवश्यकता होती है ? – *70 ग्राम*
78. लाल रक्त कणिकाएँ मुख्यतः बनती हैं – *अस्थि मज्जा में*
79. निद्रा रोग (Sleeping Sickness) नामक बीमारी होती है – *ट्रिपैनासोमा नामक एककोशीय जीव से*
80. डाउन सिंड्रोम (Down Syndrome) एक आनुवांशिक विकार है, जो होता है – *गुणसूत्रों की संख्या में परिवर्तन के कारण*

कम्प्यूटर ज्ञान

81. Cyber Law में 'DOS' का पूर्णरूप (Full Form) है – *Denial of Service*
82. अप्रार्थनीय संदेश प्रणाली (Abuse Messaging System) का दुरुपयोग करना कहलाता है – *स्पाम (Spam)*
83. 'हाल ही में मिटाए गए फाइल' (Recently Deleted Files) जमा (Store) होते हैं– – *रिसाइकल बिन में*
84. वह Memory Unit जो CPU से सीधा सम्पर्क करता है, कहलाता है – *ऑक्सीलियरी मेमोरी*
85. सबसे पहले कम्प्यूटर का नाम था – *ENIAC*
86. कम्प्यूटर में सूचना (Information) कहा जाता है – *Processed Data को*
87. कम्प्यूटर में भेजे गए Data को कहते हैं – *इनपुट (Input)*
88. मदरबोर्ड पर CPU को दूसरे पुर्जों से जोड़ता है – *सिस्टम बस*
89. कम्प्यूटर भाषा 'COBOL' उपयोगी है – *व्यावसायिक कार्य के लिए*
90. बार कोडिंग (BAR Coding) में अक्षर होते हैं – *10*

सम्प्रेषण/संचार

91. प्रभावी सम्प्रेषण में अवरोधक तत्व हैं – *नीति प्रवचन, निर्णयपरक होना और सांत्वना प्रदायी टिप्पणियाँ*
92. आमने-सामने के सम्प्रेषण का सन्दर्भ होता है – *आद्यप्ररूप*
93. अन्तर्वैयक्तिक सम्प्रेषण का एक अन्य नाम है – *द्विक सम्प्रेषण*
94. अन्तर्वैयक्तिक सम्प्रेषण में स्रोत प्रामक (Source-Receiver) प्रकार्य निभाये जाते हैं – *प्रत्येक व्यक्ति द्वारा*
95. रंगों से सम्प्रेषण के लिए जिस शब्द का प्रयोग किया जाता है, वह है – *रंगविद्या*
96. दूसरों के साथ प्रभावी सम्प्रेषण करने की किसी व्यक्ति की क्षमता कहलाती है – *अन्तर्वैयक्तिक दक्षता*
97. समस्त अन्तर्वैयक्तिक सम्प्रेषण का अधिभावी विचारणीय तत्व होता है – *सन्दर्भ (Context)*
98. किसी समूह या संगठन में सम्प्रेषण के प्रमुख प्रकार्य हैं – *सदस्यों के व्यवहार को नियन्त्रित करना, अभिप्रेरणा को बढ़ावा देना, भावनाओं की संवेगात्मक अभिव्यक्ति का अवसर देना, निर्णय लेने को सहज बनाना*
99. कौनसा गुण सदस्यों द्वारा प्रभावी निर्णय-निर्माण के सन्दर्भ में हानिकारक हो सकता है ? – *चरम संशक्तिशीलता*
100. "संचार किसी भी प्रबन्ध के लिए हृदय के समान है." यह कथन है – *ह्वाइट का*

शिक्षा एवं बाल मनोविज्ञान

101. निकटवर्ती विकास का क्षेत्र सन्दर्भित करता है – *एक सन्दर्भ को, जिसमें बच्चे सहयोग के सही स्तर के साथ कोई कार्य लगभग स्वयं कर सकते हैं*
102. विद्यार्थियों में संप्रत्यात्मक विकास को प्रोत्साहन देने के लिए सबसे प्रभावी विधि है – *पुराने प्रत्ययों से किसी सन्दर्भ के बिना नये प्रत्ययों को अपने आप समझा जाना चाहिए*
103. विकास का शिरःपदाभिमुख दिशा सिद्धान्त व्याख्या करता है कि विकास आगे बढ़ता है – *सिर से पैर की ओर*
104. लेव वाइगोत्स्की के अनुसार संज्ञानात्मक विकास का मूल कारण है – *सामाजिक अन्योन्य क्रिया*
105. विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शामिल करना – *शिक्षण के प्रति दृष्टिकोण, विषयवस्तु और धारणा परिवर्तन की अपेक्षा रखते हैं*
106. आकलन उद्देश्यपूर्ण होता है, यदि – *इसमें विद्यार्थियों और शिक्षकों की प्रतिपुष्टि (Feedback) प्राप्त हो*
107. राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा (NCF), 2005 के अनुसार शिक्षक की भूमिका है – *सुविधादाता*
108. जीन पियाजे के अनुसार अधिगम के लिए आवश्यक है – *शिक्षार्थी के द्वारा पर्यावरण की सक्रिय खोजबीन*
109. अपनी कक्षा की वैयक्तिक भिन्नताओं से निपटने के लिए शिक्षक को चाहिए कि – *वह बच्चों से बातचीत करे और उनके दृष्टिकोण को महत्व दे*
110. किसी प्रगतिशील कक्षा की व्यवस्था में शिक्षक एक ऐसे वातावरण को उपलब्ध कराकर अधिगम को सुगम बनाता है, जो – *खोज को प्रोत्साहन देता है*

खेलकूद

111. सीजर्स कप किस खेल से सम्बन्धित है ? – *फुटबाल*
112. ड्रिबल, बुकिंग, थ्रोइन, फ्लैग आदि किस खेल से सम्बन्धित शब्दावली है ? – *फुटबाल से*
113. टी, कैडी, आयरन, जिग्गर आदि किस खेल से सम्बन्धित शब्दावली हैं ? – *गोल्फ से*
114. एशेज क्रिकेट शृंखला किन देशों के मध्य खेली जाती है ? – *इंगलैण्ड एवं आस्ट्रेलिया के बीच*
115. टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड है – *मुथैया मुरलीधरन के नाम (श्रीलंका 800 विकेट, 133 मैच)*
116. एकदिवसीय क्रिकेट मैचों में सर्वाधिक विकेट लिए हैं – *मुथैय्या मुरलीधरन (श्रीलंका), 534 विकेट, 350 मैच*
117. टेस्ट क्रिकेट में एक ही पारी में 10 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज हैं – *अनिल कुम्बले, पाकिस्तान के विरुद्ध*
118. गीत सेठी किस खेल से सम्बन्धित थे ? – *बिलियर्डस्*
119. खो-खो में खिलाड़ियों की संख्या होती है – *9*
120. कबड्डी में खिलाड़ियों की संख्या होती है – *7*

https://t.me/MAGAZINEKING

कृषि

121. 'मिड-डे-मील' योजना शुरू हुई – *15 अगस्त, 1995 में*

122. 'ब्लू बेबी सिंड्रोम' (Blue Baby Syndrome) किस अशुद्ध जल से होती है ? – *नाइट्रेट से*

123. पौधों में 'एग्रो-बैक्टीरियम राइजोजीन्स' (Agro-bacterium Rhizogenes) के कारण होता है
– *ग्रंथिका निर्माण (Nodule formation)*

124. दुग्ध में पाई जाने वाली 'प्रोटीन केसीन' (Protein casein) का स्कंदन (Coagulated) करता है
– *रेनिन (Rennin)*

125. झारखण्ड सरकार ने राज्य के किसानों के लिए 'मुख्यमंत्री कृषि आशीर्वाद योजना' (Mukhyamantri Krishi Aashirwad Yojana) कब प्रारम्भ की गई ? – *1 जनवरी, 2019 से*

126. 'कुसुम' (KUSUM–'किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थापन महाभियान')–किसानों को वित्तीय और जल सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से, इस योजना का लक्ष्य क्या रखा गया है ?
– *वर्ष 2022 तक, कुल 25,750 मेगावाट की सौर क्षमता स्थापित करने हेतु*

127. 'फॉस्फेटिका कल्चर' जो 'पीएसबी' कल्चर के नाम से भी जाना जाता है – *यह कल्चर फॉस्फोरस घोलने वाले सूक्ष्म जीवाणुओं का यौगिक होता है*

128. 'राइजोबियम' का प्रयोग होता है
– *दलहनी फसलों के बीज शोधन में (200 ग्राम राइजोबियम + 250 मिली पानी + 50 ग्राम गुड़ + 10 किग्रा बीज में हाथ से लगाते हैं)*

129. नील हरित शैवाल (BGA) का प्रयोग किया जाता है
– *धान की खड़ी फसल में*

130. 'एलोजाफर्न' का प्रयोग किया जाता है
– *धान की फसल में (जैव उर्वरक)*

विविध

131. भारतीय भाषाओं का केन्द्रीय संस्थान अवस्थित है – *मैसूरू में*

132. किस जीव का रक्त सफेद होता है ? – *तिलचट्टा*

133. भारत में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया जाता है
– *24 अप्रैल को*

134. चित्राचार्य उपेन्द्र महारथी की पुस्तक 'वेणुशिल्प' का सम्बन्ध किस कला से है ? – *बाँस कला*

135. भारत में ज्ञानपीठ पुरस्कार जीतने वाली प्रथम महिला थीं
– *आशापूर्णा देवी*

136. 'सहायक गठबन्धन' स्वीकार करने वाले अन्तिम मराठा सरदार थे – *होल्कर*

137. 'यूजेनिक्स' किसके अध्ययन से सम्बन्धित है ?
– *आनुवांशिक घटकों में फेरबदल के कारण मनुष्य में हुए परिवर्तन*

138. कुनो पालपुर वन्यजीव अभयारण्य अवस्थित है – *मध्य प्रदेश में*

139. मृत्युदण्ड की पुष्टि के लिए उच्च न्यायालय के कम-से-कम कितने न्यायाधीशों के हस्ताक्षर जरूरी हैं ? – *दो*

140. भारत में नियोजित विकास का विरोध किस नेता ने किया था ? – *महात्मा गांधी ने*

●●●

https://t.me/MAGAZINESKING

प्रथम पुरस्कृत निबन्ध

महानगरों में वायु-प्रदूषण : समस्या और निदान

✍ सुचिता सोनी

मानव को प्रकृति प्रदत्त एक निःशुल्क उपहार मिला है वह है–वायु. यह उपहार सभी जीवों का आधार है मानव बिना भोजन एवं बिना जल के कुछ समय भले ही व्यतीत कर ले, परन्तु बिना वायु के वह दस मिनट भी जीवित नहीं रह सकता. यह काफी चिन्ता का विषय है कि प्रकृति प्रदत्त जीवनदायिनी वायु लगातार जहरीली होती जा रही है. महानगरों एवं शहरों का असीमित विस्तार, बढ़ता औद्योगिकीकरण, परिवहन के साधनों में लगातार वृद्धि तथा विलासिता की वस्तुएँ जैसे एयर कंडीशनर, रेफ्रिजरेटर आदि वायु प्रदूषण को लगातार बढ़ावा दे रही है. मानव 24 घण्टे में लगभग 22000 बार सांस लेता है तथा इसमें प्रयुक्त वायु की मात्रा लगभग 16 किग्रा है, ऐसी वायु जो हानिकारक अवयवों से मुक्त होती है, उसे शुद्ध वायु कहते हैं.

वायु-प्रदूषण क्या है

आधुनिक युग में महानगरों के उद्योगों की चिमनियाँ, बढ़ते वाहनों एवं अन्य कारणों से वायुमण्डल में अनेक हानिकारक गैसें मिश्रित हो रही हैं, जिनमें सल्फर डाई-ऑक्साइड, कार्बन मोनो-ऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, क्लोरो-फ्लोरो कार्बन मुख्य हैं, इतना ही नहीं सड़कों पर चल रहे वाहनों से निकला सीसा, अधजले हाइड्रोकार्बन और विषैला धुआँ भी वायु-मण्डल को लगातार प्रदूषित कर रहे हैं. वायुमण्डलीय वातावरण के इस असन्तुलन को 'वायु प्रदूषण' कहते हैं.

वायु प्रदूषण होने के कारण निम्न प्रकार है–

1. **वनों का विनाश**–जनसंख्या में निरन्तर वृद्धि के कारण कृषि भूमि, आवासीय भूमि, औद्योगीकरण इत्यादि मानवीय माँगों की पूर्ति बढ़ी है, जिसकी आपूर्ति करने के लिए वनों को काटकर पर्यावरण परिस्थितिकी तन्त्र को असन्तुलित किया जा रहा है.

2. **उद्योग/कल कारखाने (लघु, मध्यम, वृहत)**–वायु प्रदूषण के स्रोतों में उद्योग मुख्य कारक है. औद्योगिक क्रान्ति के बाद सम्पूर्ण विश्व में वायु मण्डलीय प्रदूषण जैसी गम्भीर समस्या में काफी बढ़ोतरी हुई है. चिमनियों से निकलने वाली विभिन्न गैसें जैसे–कार्बन डाइऑक्साइड, हाइड्रोकार्बन, धूल के कण वाष्प कणिकाएँ, धुआँ इत्यादि वायु प्रदूषण का मुख्य कारक हैं.

3. **परिवहन**–परिवहन वायु प्रदूषण का एक अत्यन्त महत्वपूर्ण कारण है. जनसंख्या वृद्धि के साथ ही परिवहन के साधनों में भी बहुत अधिक वृद्धि हुई है. स्वचालित वाहनों में प्रयुक्त पेट्रोल एवं डीजल के दहन के कारण कई वायु प्रदूषकों की उत्पत्ति होती है, जैसे–कार्बन मोनो ऑक्साइड, नाइट्रोजन एवं सल्फर डाइऑक्साइड, धुआँ, शीशा वायु-प्रदूषण के कारक हैं.

4. **रेडियोधर्मिता**–रेडियोधर्मी पदार्थों से अल्फा, बीटा तथा गामा विकिरण लगातार निकलते रहते हैं, जो पृथ्वी पर रहने वाले जीवधारियों के लिए अत्यन्त हानिकारक हैं. आण्विक विस्फोटों एवं आण्विक हथियारों के परीक्षण के दौरान रेडियोधर्मी पदार्थों से निकलने वाले विकिरण एवं ऊष्मा वायुमण्डल को दूषित करती है. परमाणु ऊर्जा संयन्त्रों में तकनीकी एवं मानवीय त्रुटियों में जब कभी रेडियोधर्मी विकिरण बाहर निकलते हैं, तो वे वायु प्रदूषण का कारण बनते हैं.

5. **रासायनिक पदार्थों एवं विलायकों द्वारा**–प्रकृति में पाये जाने वाले या संश्लेषित कुछ ऐसे पदार्थ होते हैं, जिसके भौतिक या रासायनिक होने से वायु-प्रदूषण होता है. प्रयोगशालाओं तथा उद्योगों में प्रयुक्त किए जाने वाले अनेक विलायकों द्वारा भी प्रदूषण फैलता है. रसायनों से सम्बन्धित कुछ उद्योगों से जैसे–रबर, पेंट, प्लास्टिक आदि के निर्माण के दौरान विषैले उत्पाद प्राप्त होते हैं, जो वाष्पीकरण क्रिया के फलस्वरूप वायुमण्डल को प्रदूषित करते हैं.

6. **ताप विद्युत् गृह**–जनसंख्या वृद्धि एवं बढ़ते औद्योगीकरण के अनुपात में बिजली की माँग भी बढ़ी है, जिसकी पूर्ति कोयला, प्राकृतिक गैस, खनिज तेल, रेडियोधर्मी पदार्थ द्वारा की जाती है. ताप बिजलीघरों में कोयले, तेल एवं गैस का ईंधन के रूप में प्रयोग होता है. इनकी चिमनियों से निकलने वाली विभिन्न गैसें कोयले की राख के कण वायुमण्डलीय प्रदूषण के मुख्य कारक हैं.

7. **अन्य कारण**–इसके अतिरिक्त निर्माण कार्यों, आग्नेय अस्त्रों के प्रयोग, आतिशबाजी इत्यादि से भी वायु-प्रदूषण होता है.

वायु-प्रदूषण का वनस्पतियों एवं मनुष्यों पर प्रभाव

वातावरण में वायु-प्रदूषण प्रदूषण के भयानक दुष्प्रभाव से अब महानगरों में अनेक प्रकार के रोगों के आक्रमण की पदचाप सुनाई देने लगी है. नवजात शिशुओं के आकार एवं भार में कमी, निर्धारित समय से पूर्व ही जन्म और मानसिक विकास में आने वाली समस्या भी वायु-प्रदूषण के कारण बढ़ रही है. चिकित्सकों ने चेतावनी दे दी है कि यदि वायु-प्रदूषण बढता रहा और उसे नियन्त्रित नहीं किया गया, तो भविष्य में स्थिति अत्यन्त भयावह हो जाएगी.

सामान्यतौर पर भारत के सभी नगर वायु-प्रदूषण की चपेट में हैं, किन्तु राजधानी दिल्ली की दशा काफी सोचनीय है. दिल्ली में वायु-प्रदूषण का स्तर सबसे अधिक पाया गया है, जिससे गर्भस्थ शिशु और नवजात शिशुओं पर काफी भयानक प्रभाव पर रहा है. इसके निदान के लिए तत्क्षण कोई सक्रिय कदम उठाने की आवश्यकता है, जो हमारे देश की आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित रख सके.

वायु-प्रदूषण के निदान

1970 के दशक से ही प्रदूषण के व्यापक प्रभावों के बारे में विशेष अध्ययन किए गए हैं. वर्तमान में सभी महानगरों एवं औद्योगिक केन्द्रों में प्रदूषण मापन के यन्त्र लगाना प्रशासन ने अनिवार्य कर दिया है. देश की कई संस्थाएँ इस काम में लगी हुई हैं. इनमें से नागपुर की (राष्ट्रीय पारिस्थितिकी एवं परिवेश शोध संस्थान) पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय की राष्ट्रीय समिति, भारत सरकार का केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं श्रम मंत्रालय आदि के नाम उल्लेखनीय हैं.

भारत में अन्य महानगरों में वायु प्रदूषण नियन्त्रण हेतु विशेष कार्यवाही 1980 के दशक से ही विचारणीय बनी एवं इस बारे में महानगरों में कुछ प्रारम्भिक कार्यवाही भी की जाने लगी है. वृक्ष कटाव को रोकना होगा, इस भौतिकता पर आश्रित समाज और महानगरों में रहने वाले लोगों को यह समझने की आवश्यकता है कि वह अगर अपने स्वार्थ के लिए प्रकृति को क्षति न पहुँचाएं, तो प्रकृति भी उन्हें किसी प्रकार का क्षति नहीं पहुँचाएगी. पर जब मनुष्य प्रकृति से खिलवाड़ करना शुरू कर देता है, तो प्रकृति भी प्राकृतिक आपदा का दण्ड देना प्रारम्भ कर देती है.

भारत अपने नागरिकों को स्वच्छ पर्यावरण और प्रदूषण मुक्त वायु तथा जल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है. हमारे देश के संविधान के अनुच्छेद 48-A में पर्यावरण की रक्षा तथा उसमें सुधार और वनों एवं वन्यजीवों की सुरक्षा की बात कही

https://t.me/MAGAZINEKING

गई है, साथ ही, अनुच्छेद 51A(g) में कहा गया है कि यह भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य होगा कि वह वनों, झीलों, नदियों और वन्य जीवन सहित प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और सुधार कार्य करेगा तथा जीवित प्राणियों के प्रति दया का भाव रखेगा.

वायु-प्रदूषण नियन्त्रण हेतु निम्नलिखित प्रयास एवं कार्यवाही की आवश्यकता है–

- प्रदूषणकारी उद्योगों के लिए शहरी क्षेत्र से दूर अलग स्थापित करना होगा.
- ऐसी तकनीक इस्तेमाल करना, जिससे धुएँ का अधिक भाग अवशोषित हो जाए और अवशिष्ट पदार्थ व गैसीय अधिक मात्रा में वायु में न मिलने पाएं.
- CNG, LPG आदि जैसे स्वच्छ गैसी ईंधन को बढ़ावा देना होगा.
- पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा बढ़ाना होगी.
- बायोमास जलाने पर प्रतिबन्ध लगाना होगा.
- अत्यधिक वृक्षारोपण करना होगा तथा वृक्ष-कटाव पर नियन्त्रण करना होगा.

ग्रामीण जीवन की खुशहाली पर महानगरों का जीवन आश्रित है, ग्रामीण संस्कृति को भी नगरीय संस्कृति के सामने फलने-फूलने का अवसर प्राप्त होना चाहिए. कारखाने को शहरों, नगरों से दूर स्थापित किया जाना चाहिए, जिससे उनसे निकलने वाला धुआँ, जहरीली गैस का प्रभाव लोगों तक न पड़े, मनुष्य को साँस लेने के लिए शुद्ध ऑक्सीजन मिलती रहे. वायु-प्रदूषण को रोकने के लिए खाली भूमि पर अधिक-से-अधिक संख्या में वृक्षारोपण करना चाहिए, लोगों को अपने आवास के आस-पास पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए एवं सौर ऊर्जा का प्रयोग कर हम महानगरों में होने वाले वायु-प्रदूषण पर नियन्त्रण पा सकते हैं.

●●●

MAGAZINE KING